THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 167 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.5 2082 शुक्रवार, 12 सितंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

एअर इंडिया ने दिल्ली एयरपोर्ट पर 200+यात्रियों को उतारा

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में बुधवार रात एअर इंडिया की सिंगापुर जाने वाली फ्लाइट संख्या एआई2380 में खराबी आ गई। इसके कारण 200 से ज्यादा यात्रियों को लगभग दो घंटे तक फ्लाइट में बैठाए रहने के बाद दिल्ली एयरपोर्ट पर उतार दिया गया। सूत्रों के अनुसार, फ्लाइट का एयर कंडीशनिंग सिस्टम और बिजली सप्लाई में खराबी थी।

इसके बावजूद यात्रियों को फ्लाइट में बैठाया गया। करीब दो घंटे तक पैसेंजर्स गर्मी से परेशान हुए। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में दिखा कि पैसेंजर्स फ्लाइट के अंदर अखबारों और मैगजीन झलकर गर्मी से राहत पाने की कोशिश कर रहे थे। इसके बाद क्रू मेंबर्स ने सभी पैसेंजर्स को बिना कोई कारण बताए फ्लाइट से उतरने के लिए कह दिया।

भारत-मॉरीशस द्विपक्षीय वार्ता

मॉरीशस सिर्फ पार्टनर नहीं, परिवार है : पीएम मोदी

वाराणसी, 11 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। इस दौरान कई मुद्दों पर चर्चा हुई। पीएम मोदी ने मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम को चागोस समझौता संपन्न होने पर बधाई दी। वहीं मॉरीशस के प्रधानमंत्री ने काशी में भव्य स्वागत के लिए पीएम को धन्यवाद किया।

काशी भारत की सभ्यता और सांस्कृतिक आत्मा का प्रतीक :

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मुझे अपने संसदीय क्षेत्र में आपका स्वागत करने का अवसर मिल रहा है।

प्राचीन काल से काशी भारत की सभ्यता और सांस्कृतिक आत्मा का प्रतीक रही है। हमारी संस्कृति और संस्कार सदियों पहले भारत से मॉरीशस पहुंचे और वहां की जीवन-पद्धति में रच-बस गए। काशी में मां गंगा की अविरल धारा की तरह, भारतीय संस्कृति का अविरल प्रवाह मॉरीशस को समृद्ध करता रहा है और आज, जब हम मॉरीशस के साथियों का काशी में स्वागत कर रहे हैं, तो यह सिर्फ एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक मिलन है इसलिए मैं गर्व से कहता हूं कि भारत और मॉरीशस सिर्फ पार्टनर नहीं बल्कि एक परिवार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज हमने द्विपक्षीय सहयोग की सभी पहलुओं की विस्तृत समीक्षा की। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचार साझा किए। मैं मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम को चागोस समझौता संपन्न होने पर बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये मॉरीशस की संप्रभुता की एक ऐतिहासिक जीत है।

भारत ने हमेशा उपनिवेशवाद और मॉरीशस की संप्रभुता की पूर्ण मान्यता का समर्थन किया है और इसमें भारत, मॉरीशस के साथ दृढ़ता से साथ खड़ा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मॉरीशस के विकास में एक विश्वसनीय और प्राथमिक साझेदार होना भारत के लिए गर्व की बात है। आज हमने मॉरीशस की आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए एक विशेष आर्थिक पैकेज पर निर्णय लिया है। यह इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करेगा, रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा और स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करेगा। भारत के बाहर पहला जन औषधि केंद्र अब मॉरीशस में स्थापित हो चुका है।

आरएसएस चीफ मोहन भागवत का आज 75वां जन्मदिन

'हम स्वयंसेवकों का सौभाग्य हमारे पास भागवत जैसा सरसंघचालक'

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का आज 75वां जन्मदिन है। पीएम मोदी ने भागवत को बधाई देते हुए एक संदेश लिखा है।

जिसमें लिखा है कि वे एक असाधारण व्यक्ति हैं, जिन्होंने हमेशा राष्ट्र को सर्वोपरि रखा। मोदी ने लिखा-हम स्वयंसेवकों का सौभाग्य है कि हमारे पास मोहन भागवत जी जैसे दूरदर्शी और परिश्रमी सरसंघचालक हैं, जो ऐसे समय में संगठन का नेतृत्व कर रहे हैं।

भारत की मांग : रूसी सेना में भारतीयों की भर्ती रोकें

पुराने फौजी भी छोड़ें, सरकार जनता से बोली ऑफर से दूर रहें, यह खतरनाक रास्ता

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार ने गुरुवार रूस से मांग की है कि वह अपनी सेना में भारतीयों को भर्ती करने की प्रथा को खत्म कर दें। साथ ही कहा कि पहले से सेना में शामिल हुए भारतीय नागरिकों को भी छोड़ दिया जाए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने जनता को सलाह दी है कि वे रूस की सेना में भर्ती होने के किसी भी प्रस्ताव पर ध्यान ना दें क्योंकि इसमें खतरा है। हाल ही में भारत सरकार को रूसी सेना में भारतीयों की भर्ती की खबरें मिली थीं जिसके बाद ये बयान जारी किया गया है। दरअसल, फरवरी 2022 से चल रही रूस-यूक्रेन जंग के दौरान रूसी सेना पर आरोप लगते रहे हैं कि उसने जंग में किराए के और दूसरे देशों के लोगों को जबरन भेजा। इनमें कई भारतीय भी थे, जो नौकरी की तलाश में रूस गए लेकिन वहां फंस गए।

हम पहले भी कई बार चेतावनी दे चुके हैं :

भारत बार-बार रूस से रूसी मिलिट्री यूनिट में रसोइये और सहायक कर्मचारियों के रूप में काम कर रहे सभी भारतीयों को रिहा करने की मांग करता रहा है। इन लोगों को नौकरी का झांसा देकर युद्ध क्षेत्र में भेज दिया जाता है। यह मुद्दा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल अपनी रूस यात्रा के दौरान भी उठाया था।

रूसी सेना में शामिल हरियाणा के युवकों ने जारी किया था वीडियो :

रूसी सेना में शामिल हरियाणा के फतेहाबाद के युवकों ने सोमवार को अपने परिवार को वीडियो भेजे थे। पीड़ितों का परिवार कल सीएम नायब सिंह सैनी से भी मिला था। युवकों ने वीडियो में कहा- हमारे पास 2-3 दिन ही बचे हैं। फिर हमें युद्ध में धकेल दिया जाएगा। यहां से जो भी जा रहा है, वह वापस नहीं आ रहा। पहले 13-14 साथी गए थे, वे सभी मारे गए।

भारत में देव भक्ति और देश भक्ति अलग नहीं : मोहन भागवत

नागपुर/नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत में देव भक्ति और देशभक्ति अलग-अलग नहीं है। इनके लिए दो अलग-अलग शब्द हैं, लेकिन जो देवभक्त होता है, वह स्वाभाविक रूप से देशभक्त भी होता है, और जो देशभक्त होता है, ईश्वर उससे भी देवभक्ति करा लेते हैं। उन्होंने कहा कि अंतिम सत्य तक पहुंचने के 108 अलग-अलग मार्ग हैं, लेकिन सबको एक ही सत्य तक पहुंचना है। अपने जन्मदिन (11 सितंबर) से ठीक एक दिन पूर्व नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया में हर तरह का विकास हो रहा है, लेकिन इसके बाद भी लोगों के पास संतोष नहीं है। इसका कारण यह है कि उन्होंने विकास में सुख देखा, लेकिन अब यह अनुभव में आ रहा है कि केवल विकास से सुख नहीं आता। बल्कि दूसरों के लिए निःस्वार्थ भाव से कुछ करने से ही संतोष प्राप्त होता है।

10 नक्सलियों के मारे जाने का दावा

गरियाबंद, 11 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में गुरुवार को सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई, जो अभी भी जारी है। इसमें 1 करोड़ के इनामी नक्सली मोडेम बालकृष्ण समेत 10 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। एसपी निखिल राखेचा ने मैनपुर के जंगलों में मुठभेड़ की पुष्टि की है। रायपुर रेंज के आईजी अमरेश मिश्रा ने बताया कि मैनपुर थाना क्षेत्र के जंगल में सुरक्षाकर्मी नक्सल विरोधी अभियान पर थे, तभी उनका सामना नक्सलियों से हो गया और दोनों तरफ से गोलीबारी शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि एसटीएफ, कोबरा (सीआरपीएफ की कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन) और राज्य पुलिस के जवान इस अभियान में शामिल हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, कम से कम 10 नक्सलियों को मार गिराया गया है। गोलीबारी अभी भी जारी है। आईजी अमरेश मिश्रा ने बताया कि जंगल में नक्सलियों के शव पड़े हुए हैं। आईईडी लगे होने का भी खतरा है। रात में सर्च ऑपरेशन नहीं किया जा सकता।

इसके पहले गरियाबंद जिले में इसी साल 24 जनवरी को करीब 80 घंटे तक चले इस ऑपरेशन में 16 नक्सली मारे गए थे। इनमें से 12 नक्सलियों पर कुल 3 करोड़ 16 लाख रुपए का इनाम घोषित था। मारे गए नक्सलियों में नक्सलियों की सेंट्रल कमेटी का मेंबर चलपति भी था।चलपति पर ही 90 लाख का इनाम था।

अमित शाह ने पांच और एयरपोर्ट पर शुरू किया फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने यात्रियों के लिए हवाई सफर को और आसान बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को 'फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन- ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम' (एफटीआई-टीटीपी) को देश के पांच और हवाई अड्डों पर शुरू किया। इस योजना के तहत भारतीय नागरिकों और ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्डधारकों को इमीग्रेशन प्रक्रिया में लंबी कतारों से छुटकारा मिलेगा और वे ई-गेट से जल्दी क्लियरेंस पा सकेंगे। यह योजना सबसे पहले जुलाई 2024 में दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से शुरू हुई थी। इसके बाद दो महीने में इसे मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलूरू, हैदराबाद, कोचीन और अहमदाबाद में लागू किया गया। अब इस सुविधा को लखनऊ, तिरुवनंतपुरम, तिरुचिरापल्ली, कोझिकोड और अमृतसर एयरपोर्ट पर भी लागू कर दिया गया है।

तीन लाख लोग जुड़ चुके हैं योजना से :

गृहमंत्री शाह ने वर्चुअल कार्यक्रम के दौरान कहा कि फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन से यात्रियों को तेजी, सुरक्षा और बिना परेशानी के अंतर्राष्ट्रीय सफर का अनुभव मिलेगा। अभी तक तीन लाख लोगों ने इस योजना के लिए पंजीकरण कराया है, जिनमें से करीब 2.65 लाख यात्रियों ने इस सुविधा का लाभ भी उठाया है।

प्रेसिडेंशियल रेफरेंस पर सुप्रीम कोर्ट में पूरी हुई सुनवाई

शीर्ष अदालत ने सुरक्षित रखा फैसला

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने प्रेसिडेंशियल रेफरेंस (राष्ट्रपति संदर्भ) पर 10 दिन तक दलीलें सुनने के बाद गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

राष्ट्रपति संदर्भ में पूछा गया था कि क्या एक संवैधानिक अदालत राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए समयसीमा निर्धारित कर सकती है। सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रमनाथ, जस्टिस पी एस नरसिम्हा और जस्टिस ए एस चंदुरकर की संविधान बेंच ने 19 अगस्त को इस संदर्भ पर सुनवाई शुरू की थी। फैसला सुरक्षित रख लिया। देश के सर्वोच्च विधि अधिकारी, अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी की दलीलें पूरी होने के बाद मामले को बेंच द्वारा फैसले के लिए सुरक्षित रख लिया गया।

केंद्र की ओर से उपस्थित सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने संदर्भ का विरोध करने वाले विपक्ष शासित तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, पंजाब और हिमाचल प्रदेश की दलीलों का विरोध करते हुए अपनी दलीलें पूरी कीं। मई में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान के अनुच्छेद 143(1) के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए शीर्ष अदालत से यह जानना चाहा था कि क्या राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर विचार करते समय राष्ट्रपति द्वारा विवेकाधिकार का प्रयोग करने के लिए न्यायिक आदेशों द्वारा समयसीमा निर्धारित की जा सकती है।

राष्ट्रपति मुर्मू कोर्ट से 14 प्रश्न पूछे थे :

राष्ट्रपति का यह संदर्भ तमिलनाडु सरकार द्वारा पारित विधेयकों से निपटने में राज्यपाल की शक्तियों पर सुप्रीम कोर्ट के 8 अप्रैल के फैसले के बाद आया था। पांच पृष्ठों के संदर्भ में राष्ट्रपति मुर्मू कोर्ट से 14 प्रश्न पूछे। राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधेयकों से निपटने में अनुच्छेद 200 तथा 201 के तहत राज्यपाल और राष्ट्रपति की शक्तियों पर उसकी राय जाननी चाही।

आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र का अतिरिक्त कार्यभार : सीपी राधाकृष्णन की जगह लेंगे

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के नए उपराष्ट्रपति बने सीपी राधाकृष्णन ने महाराष्ट्र के राज्यपाल पद से गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति भवन की तरफ से बयान जारी कर यह जानकारी दी गई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राधाकृष्णन के इस्तीफे के बाद गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है। वे अब दोनों राज्यों के राज्यपाल की जिम्मेदारी संभालेंगे। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी बयान में आगे बताया गया कि सीपी राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति चुने जाने के बाद महाराष्ट्र के राज्यपाल का पद खाली हुआ। इसके चलते राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है। बता दें कि बीते 21 जुलाई को जगदीप धनखड़ के अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफे देने के बाद उपराष्ट्रपति पद को लेकर चर्चा तेज हो गई कि भारत का अगला उपराष्ट्रपति कौन होगा? ऐसे में बीते नौ सितंबर को इसके लिए चुनाव हुए। 67 वर्षीय एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने मंगलवार को हुए उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी उम्मीदवार बी सुधर्शन रेड्डी को 152 वोटों से हराकर, भारत के नए उपराष्ट्रपति बन गए।

हाइड्रोजन बम आएगा, सारा का सारा साफ हो जाएगा : राहुल गांधी

रायबरेली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी दो दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली में हैं। बृहस्पतिवार को दिशा की बैठक में शामिल होने के बाद जब वो बाहर निकले तो मीडिया को बयान दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग बहुत आंदोलित हो रहे हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि जब हाइड्रोजन बम आएगा तो सब साफ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि देश में वोट चोरी करके सरकारें बनाई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक के चुनाव में वोट चोरी हुई है। हमने ब्लैक एंड व्हाइट सबूत दिए हैं। इंतजार कीजिए बहुत जल्द वोट चोरी के और खुलासे आने वाले हैं। भाजपा वाले परेशान न हों, वोट चोरी का हाइड्रोजन बम आने वाला है। सारा सब कुछ साफ हो जाएगा।

राहुल गांधी बुधवार शाम ऊंचाहार पहुंचे। वहां बूथ अध्यक्षों से मिलकर लोकसभा चुनाव में भारी मतों के अंतर से जीत दिलाने के लिए धन्यवाद दिया। इस दौरान उनके निशाने पर चुनाव आयोग रहा। उन्होंने कहा कि भाजपा वोट चोरी कर चुनाव जीती है। लोकसभा चुनाव के बाद चुनाव आयोग ने देश में एक करोड़ फर्जी वोट बढ़ाए हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के बल पर ही कांग्रेस आगे बढ़ रही है। हम आप सभी के बदौलत परिवर्तन करेंगे। एक रेस्टोरेंट में आयोजित कार्यक्रम में राहुल गांधी के पहुंचते ही कांग्रेस पदाधिकारियों, प्रदेश सचिव अतुल सिंह ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। मंच पर पहुंचते ही पूर्व विधायक अजय पाल सिंह ने संविधान की किताब भेंट की।

राहुल गांधी ने अपने 'वोट चोर गद्दी छोड़ मिशन' पर कार्यकर्ताओं में जोश भरा और वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे लगवाए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और कर्नाटक के विधानसभा चुनाव से चुनाव आयोग की मिलीभगत से भाजपा की वोट चोरी पकड़ी गई है।

'विदेश यात्राओं पर राहुल ने किया सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन, यह चिंता का विषय'

सीआरपीएफ का खड़गे को खत

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की ओर से पिछली विदेश यात्राओं के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल के उल्लंघन का जिक्र किया है। सीएपीएफ ने राहुल गांधी को भी एक अलग पत्र लिखकर इस मामले से अवगत कराया है। सीआरपीएफ ने कहा है कि उनकी सुरक्षा को देखते हुए यह गंभीर चिंता का विषय है।

राहुल को उच्चतम स्तर की 'जेड+' सुरक्षा प्राप्त :

पत्र में कहा गया है कि राहुल को एडवांस सिक्योरिटी लाइजन (एएसएल) कवर के साथ उच्चतम स्तर की 'जेड+' सुरक्षा प्राप्त है। उन्होंने कई मौकों पर अनिवार्य सुरक्षात्मक उपायों का पालन करने में समर्थता जताई। सीआरपीएफ ने हाल ही में राहुल और खड़गे दोनों को भेजे गए पत्र में कहा कि इस तरह की चूक वीवीआईपी सुरक्षा व्यवस्था की प्रभावशीलता को कमजोर करती है और उन्हें संभावित जोखिमों के प्रति संवेदनशील बना सकती है।

मेरे खिलाफ पैसे देकर चलाया जा रहा राजनीतिक अभियान : गडकरी

नागपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि ई20 मिश्रित ईंधन के खिलाफ सोशल मीडिया पर चलाया जा रहा अभियान मुझे राजनीतिक रूप से निशाना बनाने के लिए है। इसे पैसे देकर चलाया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री सोसाइटी ऑफ ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के वार्षिक सम्मेलन में सवालों के जवाब दे रहे थे। यहां उनसे पेट्रोल में इथेनॉल के मिश्रण से जुड़ी चिंताओं के बारे में पूछा गया था। गडकरी ने जवाब दिया कि ऑटोमोबाइल निर्माता और ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) जैसी संस्थाओं ने पेट्रोल में इथेनॉल के मिश्रण पर अपने निष्कर्ष साझा किए हैं। मंत्री ने कहा, जिस तरह आपका उद्योग काम करता है, उसी तरह राजनीति भी काम करती है। सोशल मीडिया अभियान सशुल्क था। यह मुझे राजनीतिक रूप से निशाना बनाने के लिए था। इसमें कोई तथ्य नहीं है। सब कुछ स्पष्ट है। इथेनॉल मिश्रण आयात का विकल्प, लागत-प्रभावी, प्रदूषण-मुक्त और स्वदेशी है।

गडकरी ने कहा कि भारत जीवाश्म ईंधन के आयात पर भारी रकम खर्च करता है। उन्होंने पूछा कि क्या जीवाश्म ईंधन के आयात को कम करने और बचाई गई राशि को भारतीय अर्थव्यवस्था में लगाने का प्रयास करना आर्थिक रूप से एक अच्छा कदम नहीं है।

सोनिया गांधी को बड़ी राहत : कोर्ट ने एफआईआर दर्ज करने की याचिका की खारिज

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोनिया गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। यह याचिका विकास त्रिपाठी नामक शख्स ने दायर की थी, जिसमें उनके भारतीय नागरिक बनने से तीन साल पहले मतदाता सूची में नाम शामिल होने के आरोप में एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी।

विकास त्रिपाठी की तरफ से दायर याचिका में आरोप लगाया गया था कि सोनिया गांधी का नाम 1980 में नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में शामिल किया गया था, जबकि वह अप्रैल 1983 में भारत की नागरिक बनी थीं।

त्रिपाठी ने आरोप लगाया था कि गांधी का नाम 1980 में मतदाता सूची में शामिल किया गया था, 1982 में हटाया गया और फिर 1983 में फिर से जोड़ा गया। त्रिपाठी के वकील ने कहा कि उनका भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन भी अप्रैल 1983 का है। 1980 में नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में उनका नाम कैसे शामिल हुआ, जिसे फिर 1982 में हटाया गया और 1983 में फिर से दर्ज किया गया। वकील ने कहा था कि 1980 में मतदाता सूची में उनका नाम शामिल होने का मतलब है कि कुछ जाली दस्तावेज जमा किए गए थे और यह एक संज्ञेय अपराध का मामला है। इसलिए, उन्होंने अदालत से प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश देने का अनुरोध किया।

पुलिसकर्मी जाति-धर्म से ऊपर उठकर काम करें : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को महाराष्ट्र के 2023 अकोला दंगों की जांच पर कहा कि पुलिस वर्दी पहनने के बाद अफसरों को जाति और धर्म से ऊपर उठकर सिर्फ कानून के अनुसार काम करना चाहिए।

अदालत ने राज्य सरकार को आदेश दिया कि दंगों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाया जाए, जिसमें हिंदू और मुस्लिम समुदाय के सीनियर ऑफिसर शामिल हों। जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच 17 साल के मोहम्मद शरीफ की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। शरीफ ने याचिका में कहा, दंगों के दौरान मुझ पर हमला हुआ, लेकिन महाराष्ट्र पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की और न ही जांच की।

दरअसल, महाराष्ट्र के अकोला में मई 2023 में हुए दंगों में 1 व्यक्ति की मौत हुई थी और दो पुलिसकर्मियों समेत आठ लोग घायल हुए थे। महाराष्ट्र के अकोला में सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर 13 मई 2023 को दो समुदाय के बीच हुई हिंसक हुई थी।

रिटायर आईपीएस मनोज यादव को मिली बड़ी जिम्मेदारी

एचआईपीए के महानिदेशक किए गए नियुक्त

चंडीगढ़, 11 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल ने रिटायर आईपीएस अधिकारी मनोज यादव को गुरुग्राम स्थित हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान (एचआईपीए) का महानिदेशक नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि मनोज यादव की नियुक्ति की शर्तें व नियम अलग से जारी किए जाएंगे। उन्हें जल्द ही नई जिम्मेदारी संभालने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश की प्रति मनोज यादव को उनके दिल्ली स्थित आवास पर भेजी गई है। साथ ही, महालेखाकार, सभी अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और आयुक्त-सचिवों को भी सूचित किया गया है। गौरतलब है कि मनोज यादव हरियाणा पुलिस में लंबे समय तक विभिन्न पदों पर कार्यरत रहे हैं और रिटायर होने के बाद अब उन्हें एचआईपीए की कमान सौंपी गई है। इससे प्रशासनिक प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के क्षेत्र में नई ऊर्जा आने की उम्मीद जताई जा रही है।

हाईकोर्ट ने मजीठिया की अग्रिम जमानत याचिका पर सरकार से मांगा जवाब

10 दिन का दिया समय

चंडीगढ़, 11 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री बिक्रम मजीठिया की अग्रिम जमानत याचिका पर हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। सरकार को दस दिनों के भीतर जवाब दाखिल करने के दिए आदेश दिए गए हैं। बीते 25 जून को आय से अधिक संपत्ति मामले में दर्ज एफआईआर में गिरफ्तार किए जाते समय मजीठिया और उनके समर्थकों द्वारा विजिलेंस की कार्रवाई के दौरान उनके काम में बाधा पहुंचाने को लेकर उनके खिलाफ 31 जुलाई को अमृतसर में एफआईआर दर्ज की गई। उसमें मजीठिया ने अब हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत मांगी है। इससे पहले उनकी यह अग्रिम जमानत ट्रायल कोर्ट ने 25 अगस्त को खारिज कर दी थी, जिसके बाद अब मजीठिया ने हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत मांगी है।

व्यापारी ने बैंक के वॉशरूम में गोली मारकर की आत्महत्या

मोहाली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। गत दिनों सेक्टर-68 के एचडीएफसी बैंक के बाथरूम में खुद को गोली मार कर आत्महत्या करने वाले इमीग्रेशन कंपनी के मालिक राजदीप सिंह के सुसाइड केस में नया मोड़ सामने आया है। राजदीप सिंह का खुद को गोली मारने से पहले का वीडियो सामने आया है। जिसमें वह अपनी मौत के लिए एआईजी पंजाब पुलिस गुरजोत सिंह कलेर तथा अन्य लोगों के नाम लेता हुआ दिखाई दे रहा है। वहीं मृतक के पिता परमजीत सिंह द्वारा पुलिस के पास अपने बयान दर्ज करवाते हुए राजदीप सिंह द्वारा लिखा हुआ दो पेज का सुसाइड नोट भी पेश किया है। सुसाइड नोट में भी राजदीप ने गुरजोत सिंह कलेर तथा अन्य लोगों से परेशान होकर आत्महत्या करने की बात लिखी है। इसके आधार पर थाना फेज-8 पुलिस ने एआईजी गुरजोत सिंह कलेर, समीर अग्रवाल सीए, रिंकू कृष्णा, शाइना अरोड़ा तथा ऋषी राणा व अन्य अज्ञातों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

इनशे के कारोबार में लिप्त 25 केस वाली 'पंगु बाई' गिरफ्तार

इंदौर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। शहर में नशे के कारोबार में अब महिलाएं बड़ी भूमिका निभा रही हैं। पिछले महीने द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में सीमा नाथ नामक महिला ड्रग्स सप्लायर पकड़ी गई थी, और अब उसी तर्ज पर कुख्यात सरिता उर्फ पंगु बाई को आजाद नगर थाना पुलिस ने ब्राउन शुगर के साथ धर दबोचा है। चौंकाने वाली बात यह है कि पंगु बाई पर 25 से ज्यादा एनडीपीएस और शराब तस्करी के अपराध दर्ज हैं और पंगु बाई 10 से 12 साल के मासूम बच्चों से ड्रग्स की पुड़िया सप्लाई करवा रही थी ताकि पुलिस की नज़रों से बच सके।

इस गिरफ़्तारी ने शहर में फैले नशे के नेटवर्क की बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। इस मामले में क्राइम ब्रांच के अतिरिक्त डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि थाना आजाद नगर पुलिस ने लेटेश्वर हनुमान मंदिर के पास संदिग्ध महिला को घेराबंदी कर पकड़ा। तलाशी में उसके पास से 24 ग्राम से अधिक ब्राउन शुगर जब्त हुई, जिसकी कीमत 24 हजार रुपये से अधिक आंकी गई है। दंडोतिया ने बताया कि पंगु बाई पर पहले से ही 25 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं, जिनमें अवैध शराब, मादक पदार्थ और मारपीट के मामले शामिल हैं। वह थाना आजाद नगर की लिस्टेड ड्रग्स सप्लायर लिस्ट में शामिल है।

चेहरे पर स्प्रे डाला और चला दी गोली

लूट ले गए 50 लाख रुपए, वारदात को सुनकर उड़ जाएंगे होश

नागपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर में लूट की बड़ी ही हैरान कर देने वाली वारदात सामने आई है। नागपुर के कडवी चौक पर कल देर रात लूट की ऐसी सनसनीखेज वारदात हुई जिससे पुलिस के हाथ पैर भी फूल गए। बाइक पर सवार दो लुटेरों ने दो पहिया पर सवार व्यापारी को बीच सड़क पर रोक, पहले उसके चेहरे पर कोई स्प्रे फेंका और उसके ऊपर फायर कर दिया। फिर आरोपी जख्मी व्यापारी से 50 लाख रुपए लूटकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस आयुक्त सहित आला अधिकारी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद घटना को लेकर नागपुर के जरीपटका थाने में प्रकरण दर्ज किया गया है।

पुलिस मुठभेड़ में पकड़ा गया शार्प शूटर राहुल

आरोपी पर हत्या और लूट के दर्ज थे 11 मामले

सोनीपत, 11 सितंबर (एजेंसियां)। एसटीएफ करनाल की टीम ने बदमाश दीपक उर्फ भांजा हत्याकांड में शार्प शूटर गांव गुढ़ा के राहुल को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। एसटीएफ को राहुल के गोहाना में होने की जानकारी मिली थी। वह किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। टीम जब उसे काबू करने रोहतक-पानीपत हाईवे स्थित बड़ौता बाईपास के पास पहुंची तो उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने बचाव में कार्रवाई की और उसके पांव में गोली लगी, जिसके बाद उसे काबू कर लिया गया।

भारत-पाकिस्तान मैच के खिलाफ उद्धव ठाकरे गुट का बड़ा ऐलान

मुंबई, 11 सितंबर (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले क्रिकेट मैच से पहले देश में सियासी हंगामा खड़ा हो गया है। उद्धव ठाकरे गुट के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा है कि पार्टी इसके खिलाफ आंदोलन करेगी। राउत ने गुरुवार (11 सितंबर) को एक्स पर लिखा, "पहलगाम हमले में 26 मां-बहनों का सिंदूर मिटा, उनका आक्रोश अभी थमा नहीं। ऑपरेशन सिंदूर, जो आतंकी पाकिस्तान को तोड़ने के लिए शुरू हुआ, अभी खत्म नहीं हुआ। फिर भी अबू धाबी में भारत-पाक क्रिकेट मैच खेला जा रहा है।

'बीजेपी मंत्रियों के बच्चे जरूर देखेंगे

14 सितंबर को बीजेपी मंत्रियों के बच्चे इसे देखने ज़रूर जाएंगे। यह सीधा देशद्रोह है।" उन्होंने कहा, "इसके खिलाफ शिवसेना (यूटीबी) महिला आघाडी रविवार को "सिंदूर रक्षा" आंदोलन करेगी। महाराष्ट्र की हज़ारों महिलाएं प्रधानमंत्री मोदी को घर-घर से सिंदूर भेजेंगी। सिंदूर के सम्मान में शिवसेना मैदान में!" जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस हमले में शामिल सभी आतंकियों को 28 जुलाई को सुरक्षाबल ने ढेर कर दिया। आतंकी हमले के ठीक बाद सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाते हुए पाकिस्तान और पीओके में 100 से अधिक आतंकियों को एयर स्ट्राइक में मार गिराया। विपक्षी पार्टियां पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारत-पाकिस्तान के बीच खेले जाने वाले मैच का विरोध कर रही है। एशिया कप 2025 के तहत भारत-पाकिस्तान के बीच दुबई में 14 सितंबर को मैच खेला जाएगा।

एक और परिवार में पड़ी फूट

पीएमके नेता ने बेटे अंबुमणि रामदॉस को पार्टी से निकाला

चेन्नई, 11 सितंबर (एजेंसियां)। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के संस्थापक डॉ एस रामदॉस ने पार्टी में एक बड़ा कदम उठाते हुए अपने बेटे और पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष अंबुमणि को पार्टी से निकाल दिया है। साथ ही अंबुमणि को कार्यकारी अध्यक्ष पद से भी हटा दिया गया है। डॉ रामदॉस ने कहा कि अंबुमणि को पहले ही कारण बताओ नोटिस भेजा गया था, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। रामदॉस ने आरोप लगाया कि अंबुमणि पार्टी को कमजोर करने की कोशिश कर रहे थे। इसके साथ ही उन्होंने कहा, हमें लगता है कि उनके पास किसी तरह का कोई भी स्पष्टीकरण है और वह हमारे आरोपों को स्वीकार करते हैं। अभी तक अंबुमणि की ओर से इस फैसले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

पीएमके में यह घटनाक्रम तमिलनाडु की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत माना जा रहा है। पिता-पुत्र के बीच यह विवाद पिछले एक साल से चला आ रहा था। दरअसल इस पूरे विवाद की शुरुआत तब हुई जब डॉ। रामदॉस ने अपने नाती मुकुंदन को पार्टी की युवा इकाई का प्रमुख नियुक्त किया। उनके इस फैसले से नाराज़ अंबुमणि ने सार्वजनिक रूप से विरोध किया और एक बैठक में माइक पटककर बाहर निकल गए। इसके बाद पार्टी में नेतृत्व को लेकर संघर्ष शुरू हो गया। डॉ। रामदॉस ने पार्टी अध्यक्ष का पद फिर से संभाल लिया और अंबुमणि को कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया। लेकिन अंबुमणि ने इस फैसले को मानने से इनकार कर दिया और दावा किया कि उन्हें पार्टी की महासभा ने अध्यक्ष चुना है।

पीएमके की प्रशासनिक परिषद ने अंबुमणि के खिलाफ 16 आरोपों वाला कारण बताओ नोटिस जारी किया था, जिसमें अनुचित व्यवहार, पार्टी में फूट डालने की कोशिश करना और सोशल मीडिया का दुरुपयोग शामिल था। जवाब न मिलने पर उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। गौर करने वाली बात ये है कि यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब तमिलनाडु में एनडीए पहले से ही संकट में है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने मानी ऐश्वर्या राय की बात

नाम और तस्वीरों के दुरुपयोग पर लगाई रोक

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन ने मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय से आग्रह किया था कि उनके व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा की जाए और ऑनलाइन मंचों को उनके नाम, तस्वीरों और एआई-जनित अश्लील सामग्री का अवैध रूप से उपयोग करने से रोका जाए। दिल्ली उच्च न्यायालय ने अभिनेत्री के इस आग्रह को स्वीकार कर लिया है। इस मामले की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति तेजस करिया ने ई-कॉमर्स वेबसाइटों और गूगल एलएलसी सहित प्रतिवादी प्लेटफॉर्म्स को याचिका में पहचाने गए यूआरएल को हटाने और ब्लॉक करने का निर्देश दिया है।

अदालत ने आदेश दिया कि गूगल, नोटिस प्राप्त होने के 72 घंटों के भीतर, याचिका में पहचाने गए यूआरएल को हटाएगा, अक्षम करेगा और ब्लॉक करेगा। दरअसल न्यायमूर्ति तेजस करिया ने मौखिक रूप से संकेत दिया था कि वह प्रतिवादियों को चेतावनी देते हुए एक अंतरिम आदेश पारित करेंगे। यह मुकदमा उनके व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं जिनमें उनका नाम, तस्वीर, व्यक्तित्व और आवाज शामिल है, के दुरुपयोग से संबंधित है और प्रतिवादी उनकी (राय की) सहमति के बिना उनका उपयोग अपने व्यावसायिक लाभ के लिए कर रहे हैं।

याचिका में कहा गया था कि, ''कई अज्ञात पक्ष सहित प्रतिवादीगण वादी के चेहरे की छवि को कृत्रिम मेधा और डीपफेक तकनीक का उपयोग कर किसी अन्य व्यक्ति में लगा रहे हैं और वादी के अरुचिकर वीडियो और चित्र बनाए जा रहे हैं।।।" राय की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता संदीप सेठी ने कहा कि अभिनेत्री अपने प्रचार और व्यक्तिगत अधिकारों का इस्तेमाल करना चाहती हैं। उन्होंने तर्क दिया कि कुछ पूरी तरह से अवास्तविक अंतरंग तस्वीरें इंटरनेट पर प्रसारित की जा रही हैं।

आप सांसद संजय सिंह हाउस अरेस्ट, गेट पर चढ़कर फारूक अब्दुल्ला से मिले

जम्मू, 11 सितंबर (एजेंसियां)। कश्मीर के डोडा से आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक मेहराज मलिक के हिरासत के खिलाफ पार्टी हमलावर है। एकजुटता दिखाने के लिए आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह श्रीनगर पहुंचे हैं। इस बीच आप ने दावा किया है कि संजय सिंह को जम्मू कश्मीर में हाउस अरेस्ट किया गया है। जम्मू कश्मीर पुलिस ने गेट के बाहर ताला लगा दिया। इसके बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला उनसे मिलने पहुंचे। यहां संजय सिंह ने गेट पर चढ़कर अब्दुल्ला से बात की। संजय सिंह ने एक्स पर लिखा, "बहुत दुःख की बात है जम्मू कश्मीर के कई बार मुख्यमंत्री रहे डॉक्टर फारूख अब्दुल्ला पुलिस द्वारा मुझे हाउस अरेस्ट किए जाने की ख़बर पाकर मुझसे मिलने सरकारी गेस्ट में आये उन्हें मिलने नहीं दिया गया। ये तानाशाही नहीं तो और क्या है?" करीब एक बजे पार्टी ने कहा कि थोड़ी देर में संजय सिंह मेहराज मालिक की गिरफ्तारी को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाले थे। इससे पहले उन्हें हाउस अरेस्ट कर लिया गया। दिल्ली के आप विधायक इमरान हुसैन भी संजय के साथ हाउस अरेस्ट किए गए हैं।

तानाशाही चरम पर है- संजय सिंह

संजय सिंह ने कहा, "तानाशाही चरम पर है, मैं इस वक्त श्रीनगर में हूं। लोकतंत्र में हक़ के लिए आवाज़ उठाना आंदोलन करना हमारा संवैधानिक अधिकार है। आज मेहराज मलिक की अवैध गिरफ्तार के खिलाफ श्रीनगर में प्रेस कॉन्फ्रेंस और धरना था लेकिन सरकारी गेस्ट हाउस को पुलिस छावनी बना दिया गया है। मुझे इमरान हुसैन और साथियों को गेस्ट हाउस से बाहर निकलने की इजाजत नहीं है।"

शिवाजीनगर के मेट्रो स्टेशन का नाम

'सेंट मैरी' रखे जाने के प्रस्ताव पर विवाद लोगों ने पूछा 'शंकर नाग' क्यों नहीं?

बेंगलुरु, 11 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में शिवाजी नगर मेट्रो स्टेशन का नाम सेंट मैरी पर रखे जाने के प्रस्ताव पर विवाद खड़ा हो गया है। लोगों ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के इस फैसले का जमकर विरोध किया है। सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को लेकर बहस छिड़ गई है। लोग सवाल पूछ रहे हैं कि मेट्रो स्टेशन का नाम दिवंगत कन्नड़ अभिनेता-निर्देशक शंकर नाग के नाम पर क्यों नहीं रखा गया। आइए जानते हैं इस मामले के बारे में सबकुछ। इस पूरी बहस की शुरुआत तब हुई जब बीते सोमवार को सीएम सिद्धारमैया ने सोमवार को सेंट मैरी बेसिलिका में वार्षिक भोज के दौरान आर्कबिशप पीटर मचाडो को आश्वासन दिया कि सरकार आगामी पिंक लाइन स्टेशन का नाम सेंट मैरी के नाम पर रखने पर विचार करेगी। सीएम सिद्धारमैया ने इस दौरान बेसिलिका के जीर्णोद्धार के लिए आर्थिक सहायता देने का भी वादा किया है। सीएम सिद्धारमैया ने कहा है कि ये प्रस्ताव केंद्र सरकार के सामने पेश किया जाएगा और अनुरोध पर उचित प्रक्रियाओं के अनुसार काम किया जाएगा। एक्स पर एक यूजर ने लिखा- ये शर्मनाक है। कर्नाटक सरकार मेट्रो स्टेशन का नाम सेंट मैरी क्यों रखना चाहती है? इसका नाम शंकर नाग जैसे कन्नड़ लोगों या अन्य योग्य लोगों के नाम पर क्यों नहीं रखा जाता? एक अन्य यूजर ने लिखा- कर्नाटक सरकार के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया मेट्रो का नाम सेंट मैरी क्यों रखना चाहते हैं? कन्नड़ समुदाय के इतने सारे लोगों ने हमारी भूमि संस्कृति के लिए बहुत कुछ किया है, तो इसका नाम उनके नाम पर क्यों नहीं रखा गया?

शिवाजीनगर क्षेत्र के विधायक रिजवान अरशद ने कहा- मैं औपचारिक रूप से मेट्रो स्टेशन का नाम शिवाजीनगर सेंट मैरी रखने का प्रस्ताव रख रहा हूं। यह प्रतिष्ठित सेंट मैरी बेसिलिका के सम्मान में है, जिसका एक समृद्ध इतिहास है। बेसिलिका शिवाजीनगर बस डिपो के पास स्थित है, और यात्रियों के लिए भी भ्रम की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी। विधायक ने आगे कहा है कि कई ऐसे स्टेशन आने वाले हैं जिनका नाम शंकर नाग के नाम पर रखा जा सकता है।

मराठा आरक्षण पर संग्राम

सरकार के कुनबी जाति प्रमाण पत्र देने के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती

मुंबई, 11 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मराठा समुदाय के आरक्षण के मामले में राज्यभर की सियासत में गर्माहट तेज हो गई है। इसी सिलसिले में चर्चा ज्यादा तेज तब हो गई जब राज्य सरकार की तरफ से मराठा समुदाय को कुनबी जाति प्रमाणपत्र देने के फैसले को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। सरकार के इस निर्णय के खिलाफ दो नई याचिकाएं दायर की गई हैं। साथ ही एक पुरानी याचिका में भी बदलाव कर इसे चुनौती देने की अनुमति मांगी गई है। मामले में याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि यह निर्णय असंवैधानिक, मनमाना और कानून के खिलाफ है। याचिकाओं में कहा गया है कि यह फैसला केवल राजनीतिक लाभ के लिए लिया गया है ताकि मराठा समुदाय को खुश किया जा सके। इतना ही नहीं एक याचिका में कहा गया है कि सरकार खुद ही इस मुद्दे पर बार-बार अपने रुख में बदलाव कर रही है। हालांकि महाराष्ट्र सरकार ने मराठा समुदाय को कुनबी जाति प्रमाणपत्र देने के फैसले को लेकर कहा था कि इस फैसले से उन्हें शिक्षा और सरकारी नौकरियों में ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) आरक्षण का लाभ मिल सकेगा। इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंकद की पीठ करेगी। हालांकि इससे पहले ओबीसी वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष याचिकाकर्ता मनोज ससाने ने पहले भी मराठाओं को ओबीसी में शामिल करने के खिलाफ याचिका दायर की थी। आसे में अब उन्होंने अपनी याचिका में संशोधन कर हालिया सरकारी फैसले को भी चुनौती देने की अनुमति मांगी है। कोर्ट ने उन्हें इसके लिए आवेदन दाखिल करने को कहा है।इसके साथ ही वकील विनीत विनोद धोत्रे द्वारा दायर एक जनहित याचिका में कहा गया है कि सरकार ने मराठा समुदाय को ओबीसी का दर्जा देकर असली ओबीसी वर्गों के हक को नुकसान पहुंचाया है।

इतना ही नहीं एक अन्य याचिका शिव अखिल भारतीय वीरशैव युवक संगठन नामक ट्रस्ट ने दाखिल की है, जिसमें कहा गया है कि कई आयोगों की रिपोर्टें पहले ही यह बता चुकी हैं कि मराठा और कुनबी एक ही नहीं हैं। इन याचिकाओं में सरकार के फैसले को रद्द करने और जब तक सुनवाई पूरी नहीं हो जाती, तब तक इस पर रोक लगाने की मांग की गई है।

चूहा कांड-जांच में देरी पर हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान

इंदौर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। एमवाय अस्पताल में हुए चूहा कांड में जांच में देरी और ठोस कार्रवाई नहीं होने पर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ बुधवार को स्वयं संज्ञान लेते हुए जनहित याचिका दर्ज की। हाईकोर्ट ने राज्य शासन से 15 सितंबर तक स्टेटस रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति विवेक रूसिया और न्यायमूर्ति जेके। पिल्लई की युगल पीठ ने इस गंभीर मामले को नवजातों के मौलिक अधिकारों और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा मानते हुए स्वतः संज्ञान लिया।

कोर्ट ने यह भी नोट किया कि अस्पताल की सफाई और पेस्ट कंट्रोल की जिम्मेदारी निभा रही निजी कंपनी एजाइल सिक्योरिटी के खिलाफ अभी तक कोई ठोस दंडात्मक कार्रवाई नहीं की गई, जबकि उसी की लापरवाही के कारण यह दर्दनाक हादसा हुआ। ऐसे में जनहित याचिका दर्ज होने के बाद, प्रमुख सचिव (लोक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा) की ओर से एजाइल कंपनी को हटाने के निर्देश जारी किए गए। साथ ही पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग के एचओडी डॉ। बृजेश लाहोटी को पद से हटा दिया गया, जबकि प्रभारी एचओडी डॉ। मनोज जोशी को सस्पेंड कर दिया गया है।

पटियाला में हादसा, 52 सीटर बस में ठूंस-ठूंस कर भरी थी 130 सवारियां, मची चीख-पुकार, कई घायल

पटियाला, 11 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब के पटियाला में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। पटियाला के नाभा में पीआरटीसी की बस सड़क हादसे का शिकार हो गई। तेज रफ्तार बस बेकाबू होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। बस में सवार कई यात्री घायल हुए हैं। जिस समय हादसा हुआ बस सवारियों से खचाखच भरी हुई थी। हादसे के बाद घटना स्थल पर यात्रियों की चीख-पुकार मच गई। हैरानी की बात है कि 52 सीटर बस में 130 यात्री सफर कर रहे थे।

यात्रियों से खचाखच भरी बस में सवार कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों का नजदीक के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पेड़ से टकराने के बाद बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई है। पेड़ की एक बड़ी टहनी बस के अंदर तक घुस गई। जिससे बस में सवार कई लोग जख्मी हुए हैं। अंदाजा लगाया जा रहा है कि बस में सवार लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। राहत व बचाव कार्य किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची है।

पत्नी को उसके दोस्त के साथ देख भड़का पति

नंगा करके शख्स को सड़कों पर घुमाया

पुरी, 11 सितंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी जिले से एक बड़ी ही शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक महिला शिक्षक को उसके पति और कुछ लोगों ने न सिर्फ पीटा बल्कि उसे माला पहनाकर सरेआम सड़कों पर घुमाया। इतना ही नहीं, महिला के साथ मौजूद एक छात्र नेता को भी सार्वजनिक रूप से बेइज्जत किया गया और उसके कपड़े उतार कर महिला के साथ घुमाया गया। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि महिला को उसका पति मार रहा है, गालियां दे रहा है और भीड़ खड़ी होकर तमाशा देख रही है। कुछ लोग मोबाइल से वीडियो बना रहे हैं, लेकिन कोई बीच-बचाव नहीं कर रहा। जानकारी के अनुसार, पीड़ित महिला एक शिक्षक है और अपने पति से अलग रह रही थी। उसका पति एक कॉलेज में लेक्चरर है और दोनों के बीच पहले से ही वैवाहिक विवाद चल रहा था। महिला निमा-पड़ा इलाके में किराए के मकान में रह रही थी।

पति को शक था कि उसकी पत्नी का किसी और से संबंध है। इसी शक के चलते मंगलवार देर रात वह कुछ लोगों को साथ लेकर अचानक महिला के घर पहुंच गया। वहां उसने कथित तौर पर महिला को एक छात्र नेता के साथ देखा। इसके बाद पति ने अपना आपा खो दिया। उसने महिला और उसके साथ मौजूद छात्र नेता को जबरन घर से बाहर घसीटकर निकाला, गालियां दी,कपड़े उतारे, पीटा और फिर दोनों को जबरन सड़क पर ले जाकर घुमाया। महिला को अपमानित करने के लिए उसे माला पहनाई गई। भीड़ चुपचाप तमाशा देखती रही। घटना के वायरल वीडियो के बाद पुलिस हरकत में आई है। पुरी पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है।

यूसुफ पठान की संपत्ति पर बुलडोजर एक्शन का खतरा, 13 साल पुराने मामले में कोर्ट से झटका

अहमदाबाद, 11 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात हाईकोर्ट ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर और मौजूदा तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद यूसुफ पठान को बड़ा झटका दिया है। अदालत ने वडोदरा के तंदलजा इलाके में जमीन विवाद से जुड़ी उनकी याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने साफ कहा कि जिस प्लॉट पर यूसुफ पठान ने कब्जा किया है, वह नगर निगम की संपत्ति है और उन्हें इसे खाली करना होगा। ऐसे में इस संपत्ति पर बुलडोजर एक्शन का खतरा मंडराने लगा है।

यह विवाद कई साल पुराना है। पूर्व भाजपा पार्षद विजय पवार ने आरोप लगाया था कि वडोदरा नगर निगम ने वर्ष 2012 में यूसुफ पठान को एक प्लॉट आवंटित करने का प्रस्ताव पारित किया था और इसे राज्य सरकार को भेजा गया था। लेकिन, 2014 में गुजरात सरकार ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इसके बावजूद, यूसुफ पठान ने कथित तौर पर उस प्लॉट पर कब्जा कर लिया और वहां चारदीवारी के साथ मवेशियों के लिए शेड भी बना दिया। इसके बाद जब वडोदरा नगर निगम ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की, तो यूसुफ पठान ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उनकी याचिका पर सुनवाई न्यायमूर्ति मोनाबेन भट्ट की अदालत में हुई। अदालत ने न केवल याचिका को खारिज कर दिया, बल्कि नगर निगम से यह भी सवाल किया कि जब राज्य सरकार ने आवंटन की मंजूरी नहीं दी थी, तो इतने वर्षों तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई। इस मामले पर वडोदरा नगर निगम के सहायक आयुक्त सुरेश तुवर ने बताया कि पश्चिम वडोदरा के तंदलजा क्षेत्र में स्थित टीपी प्लॉट निगम की संपत्ति है।

पहले इस प्लॉट को आवंटित करने की प्रक्रिया शुरू की गई थी, लेकिन राज्य सरकार से मंजूरी न मिलने के कारण यह मामला रुक गया। इसके बावजूद यूसुफ पठान ने जमीन पर कब्जा कर लिया। अब हाईकोर्ट का फैसला नगर निगम के पक्ष में आया है, जिससे साफ हो गया है कि यह जमीन हमेशा निगम की ही संपत्ति रहेगी। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि यूसुफ पठान अब इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट जा सकते हैं। फिलहाल, हाईकोर्ट के आदेश के बाद निगम को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हो गया है।

यूसुफ पठान सिर्फ क्रिकेट के मैदान में ही नहीं, बल्कि राजनीति में भी अपनी पहचान बना चुके हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने पश्चिम बंगाल की बरहामपुर सीट से टीएमसी के टिकट पर चुनाव लड़ा और कांग्रेस के दिग्गज नेता अधीर रंजन चौधरी को हराकर संसद पहुंचे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 12 सितंबर, 2025

युविचार

जीवन में सफलता पाने के लिए ईश्वर के प्रति श्रद्धा और विश्वास जरूरी है

आरपीएफ ने चोरी हुआ सोना बरामद किया

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे सुरक्षा बल, विजयवाड़ा ने राजकीय रेलवे पुलिस और अपराध जाँच ब्यूरो के साथ मिलकर 10 सितंबर को विजयवाड़ा में एक आरोपी को गिरफ्तार किया और उसके पास से 4,25,000 रुपये मूल्य के 65 ग्राम चोरी हुए सोने के आभूषण बरामद किए। 23 अगस्त को ट्रेन संख्या 12763 पद्मावती एक्सप्रेस में एक स्नैचिंग की घटना की सूचना मिली थी। पीड़ित ने घटना की सूचना राजकीय रेलवे पुलिस, विजयवाड़ा को दी और लगभग 40 ग्राम वजन के सोने के मंगल सूत्र, जिसकी कीमत 4,00,000 रुपये है, के गुम होने की प्राथमिकी दर्ज की गई। सूचना मिलते ही, आरपीएफ टीम ने तुरंत कार्रवाई की और विजयवाड़ा स्टेशन पर लगे सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय सीसीटीवी कैमरों की जांच की। कड़ी मेहनत के बाद, संदिग्ध की पहचान हो गई और यह निष्कर्ष निकला कि वह एक आदतन अपराधी है। आरपीएफ और जीआरपी कर्मियों की एक संयुक्त टीम ने आरोपी की पिछली गिरफ्तारियों के विवरण के आधार पर उसका पता लगाया। संयुक्त टीमों ने जादचेरला और हैदराबाद क्षेत्रों में तलाशी ली और 10 सितंबर, 2025 को लगभग 11:00 बजे, आरोपी को विजयवाड़ा स्थानीय क्षेत्र में गिरफ्तार कर लिया गया और जीआरपी के दो झपटमारी के मामलों में चोरी की गई संपत्ति बरामद की गई। सूर्यापेट के पुलिस अधीक्षक ने प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, एससीआर को लिखे एक पत्र में, कम समय में आरोपी को सफलतापूर्वक पकड़ने में आरपीएफ, विजयवाड़ा के अनुकरणीय सहयोग और प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनकी व्यावसायिकता और प्रतिबद्धता अत्यंत सराहनीय है। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने आरपीएफ कर्मियों के अथक प्रयासों और उत्कृष्ट सेवा की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनके समर्पण और समय पर कार्रवाई से चोरी की गई वस्तुओं को बरामद करने और आरोपियों को कम समय में पकड़ने में मदद मिली है।

रैन बाजार में खुला मैनहोल, 5 साल की बच्ची को स्थानीय लोगों ने बचाया

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रैन बाजार के मौला का चिल्ला क्षेत्र में गुरुवार सुबह 8 बजे एक पांच साल की बच्ची स्कूल जाते समय खुले मैनहोल में गिर गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे बिना किसी चोट के बचा लिया। स्थानीय निवासियों ने इस घटना के लिए हाइड्रा और जीएचएमसी को जिम्मेदार ठहराया। इस पर जीएचएमसी ने बताया कि संतोष नगर के उपायुक्त और डिवीजन-7 के कार्यकारी अभियंता घटनास्थल पर पहुंचे, बच्ची के घर जाकर उसके स्वास्थ्य की जानकारी ली। नगर निगम ने कहा कि बुधवार को सफाई के दौरान हाइड्रा की टीम ने मैनहोल का ढक्कन खोला और उसे ठीक किए बिना ही चली गई थी। हाइड्रा ने हालांकि किसी लापरवाही से इनकार किया और दावा किया कि याकूतपुरा डिवीजन में गाद निकालने का काम तेजी से चल रहा है।

ग्रुप-1 घोटाले पर गरजे केटीआर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग

कांग्रेस पर नौकरियां बेचने का आरोप, बेरोजगार युवाओं से विश्वासघात किया

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रुप-1 भर्ती घोटाले को लेकर बीआरएस ने कांग्रेस सरकार पर हमला तेज कर दिया है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग की, ताकि कांग्रेस के एक साल में दो लाख नौकरियां देने के वादे पर बहस हो सके।

उन्होंने कहा कि बेरोजगारी राज्य के लिए गंभीर संकट है और सरकार को खोखले वादों के बजाय ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। रामाराव ने मुख्यमंत्री और मंत्रियों के दफ्तरों पर लगे आरोपों का हवाला देते हुए कहा कि ग्रुप-1 पदों को भारी रकम लेकर बेचने की शिकायतें सामने आई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स और अभ्यर्थियों के आरोपों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कई उम्मीदवारों ने खुलेआम रिश्वत मांगे जाने की बात कही है। उन्होंने सरकार पर बेरोजगार युवाओं का मजाक उड़ाने का आरोप लगाया और कहा कि जिन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कड़ी मेहनत और पैसा लगाया, उनके साथ विश्वासघात हुआ है। केटीआर ने उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार नई परीक्षा कराने और कथित अनियमितताओं की जांच के लिए न्यायिक आयोग गठित करने की मांग दोहराई। उन्होंने कहा, नौकरियां बेचने वालों की पहचान होनी चाहिए और उन्हें सजा मिलनी चाहिए। केटीआर ने कांग्रेस सरकार पर अक्षमता और लालच का आरोप लगाते हुए कहा कि भर्ती प्रक्रिया को कारोबार बना दिया गया है। उन्होंने दावा किया कि पिछली बीआरएस सरकार के दौरान भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी रही, जबकि मौजूदा सरकार ने बेरोजगार युवाओं के साथ विश्वासघात किया है। बीआरएस नेता ने चेतावनी दी कि युवाओं का टूटा विश्वास कांग्रेस के लिए भारी पड़ सकता है और इस विश्वासघात को जनता कभी माफ नहीं करेगी।

राज्यपाल ने पिछड़े वर्ग आरक्षण विधेयक को नहीं दी मंजूरी

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोशल मीडिया और कुछ स्थानीय वेबसाइटों पर गुरुवार को यह दावा किया गया कि राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाले विधेयक को मंजूरी दे दी है। हालांकि, राजभवन के सूत्रों ने इन खबरों को गलत बताया और स्पष्ट किया कि राज्यपाल ने अभी तक इस विधेयक को मंजूरी नहीं दी है। सरकार ने पंचायत राज अधिनियम, 2018 और नगर पालिका अधिनियम में संशोधन करने वाले दो विधेयक 31 अगस्त को विधानसभा और 1 सितंबर को विधान परिषद में पेश किए थे। दोनों सदनों ने विधेयक पारित कर दिए थे और उन्हें 2 सितंबर को राज्यपाल की मंजूरी के लिए भेजा गया था।

18-19 सितंबर को ट्रैफिक समिट 2025, हैदराबाद सिटी सिक्योरिटी काउंसिल की पहल

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी सिक्योरिटी काउंसिल (एचसीएससी) 18 और 19 सितंबर को पहली बार ट्रैफिक समिट 2025 की मेजबानी करेगी। पीवीएनआर मार्ग स्थित जल विहार में आयोजित होने वाले इस दो दिवसीय कार्यक्रम में नीतिगत चर्चाएँ, कार्यशालाएँ, प्रशिक्षण सत्र, प्रदर्शनियां और सांस्कृतिक गतिविधियां शामिल होंगी। आम जनता इसमें पूर्व पंजीकरण के माध्यम से भाग ले सकती है। शिखर सम्मेलन में सुरक्षित शहर, टिकाऊ परिवहन, समावेशी गतिशीलता, सड़क सुरक्षा डिजाइन, प्रौद्योगिकी और सार्वजनिक भागीदारी जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। एचसीएससी के प्रतिनिधियों ने बताया कि यह कार्यक्रम नीति निर्माताओं, प्रवर्तन एजेंसियों, गैर सरकारी संगठनों, विशेषज्ञों और नागरिकों के लिए सहयोगात्मक मंच तैयार करेगा और हैदराबाद की भविष्य की यातायात नीतियों को आकार देने में मदद करेगा।

फ्लाईओवर और सड़क सुरक्षा का निरीक्षण, न्यायमूर्ति सप्रे ने जताई चिंता

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सर्वोच्च न्यायालय समिति (एससीसीओआरएस) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे ने जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन के साथ जुबली हिल्स रोड नंबर 45 फ्लाईओवर और पी जनार्दन रेड्डी फ्लाईओवर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने सड़क सुरक्षा उपायों की समीक्षा की, जिनमें साइनबोर्ड, रेडियम स्टिकर, सीसीटीवी कैमरे, रंबल स्ट्रिप्स, शेवरॉन बोर्ड, कंक्रीट अवरोधक और बेहतर स्ट्रीट लाइटिंग शामिल हैं। न्यायमूर्ति सप्रे ने नानकरामगुडा स्थित हैदराबाद ग्रोथ कॉरिडोर लिमिटेड (एचजीसीएल) कार्यालय का भी दौरा किया, जहां अधिकारियों ने आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर यातायात प्रबंधन का विवरण प्रस्तुत किया। अधिकारियों के अनुसार, प्रतिदिन 2.5 लाख से अधिक वाहन ओआरआर का उपयोग करते हैं, जिसका संचालन इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम (आईटीएस) और हाईवे ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (एचटीएमएस) जैसी तकनीकों से किया जाता है।

बीआरएस का कानूनी मोर्चा

कांग्रेस सरकार को कोर्ट में घेरने की तैयारी

हाईकोर्ट ने कहा-राजनीतिक भाषण संविधान के तहत सुरक्षित, एफआईआर के दुरुपयोग पर रोक

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाईकोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के बाद बीआरएस कांग्रेस सरकार के खिलाफ बड़ा कानूनी हमला करने की तैयारी कर रही है। अदालत ने बुधवार को बीआरएस कार्यकर्ता शशिधर गौड़ उर्फ नल्ला बालू के खिलाफ दर्ज तीन मामले रद्द कर दिए और स्पष्ट किया कि राजनीतिक भाषण, चाहे वह कठोर हो या आपत्तिजनक, संविधान द्वारा सुरक्षित है। अदालत ने यह भी कहा कि एफआईआर का मनमाना इस्तेमाल नहीं होना चाहिए और इसके लिए बाध्यकारी दिशानिर्देश जारी किए।

बीआरएस सूत्रों के अनुसार, पार्टी का कानूनी प्रकोष्ठ अब करीब 50 कार्यकर्ताओं की ओर से याचिकाएं दाखिल करने की तैयारी में है। इन सभी पर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, मंत्रियों और सरकार की आलोचना करने के आरोप में केस दर्ज हैं। दिसंबर 2023 से अब तक बीआरएस के लगभग 50 सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं पर 200 से ज्यादा मामले दर्ज हो चुके हैं। कई मामलों में एक ही पोस्ट पर अलग-अलग थानों में केस बनाए गए।

सबसे ज्यादा परेशानी पार्टी के डिजिटल मीडिया प्रमुख नेताओं को उठानी पड़ी है। पूर्व डिजिटल मीडिया निदेशक दिलीप कोनाथम और प्रवक्ता मन्ने कृषांक पर क्रमशः 30 और 25 से ज्यादा मामले दर्ज हुए। दिलीप को आधी रात को उनके घर से उठाया गया, जबकि कृषांक को अदालत के हस्तक्षेप से पहले दस दिन जेल में रहना पड़ा। दोनों नेताओं ने हाईकोर्ट के इस आदेश को राजनीतिक असहमति के लिए संवैधानिक जीवनरेखा बताया। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि करीब 75 से 80 प्रतिशत मामले खारिज हो सकते हैं क्योंकि वे मामूली बदलावों के साथ एक ही प्रारूप पर आधारित हैं। अदालत ने यह भी दोहराया कि लोकतंत्र में राजनीतिक भाषण, चाहे वह अप्रिय ही क्यों न हो, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में आते हैं।

बीआरएस नेताओं का आरोप है कि कांग्रेस सरकार ने असहमति को दबाने के लिए पुलिस का इस्तेमाल किया है। आलोचना करने पर कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को एफआईआर में फंसाया गया, उनके घरों पर छापे डाले गए और उपकरण जब्त किए गए। कई ने परिवार के सदस्यों को परेशान किए जाने की भी शिकायत की। कृषांक ने कहा कि यह साफ तौर पर राजनीतिक प्रतिशोध था और पुलिस ने सत्ता पक्ष को खुश करने के लिए अपनी सीमा से अधिक काम किया।

बीआरएस का मानना है कि हाईकोर्ट का फैसला केवल कानूनी राहत ही नहीं, बल्कि कांग्रेस सरकार के खिलाफ एक राजनीतिक हथियार भी है। पार्टी को उम्मीद है कि अदालतों में लड़ाई के जरिए कांग्रेस की असहमति के प्रति असहिष्णुता और कानून के दुरूपयोग को उजागर किया जा सकेगा। आने वाले दिनों में बीआरएस कार्यकर्ताओं की ओर से लगाई जाने वाली याचिकाओं की बाढ़ कांग्रेस सरकार को मुश्किल में डाल सकती है।

तेलंगाना में खाद्य सुरक्षा जांच

कई उल्लंघनों का पता चला

सरकारी स्कूल, छात्रावास और निजी दुकानों में स्वच्छता और भंडारण नियमों की अनदेखी

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में खाद्य सुरक्षा आयुक्त की टीमों ने सरकारी आवासीय स्कूलों, छात्रावासों, मध्याह्न भोजन कार्यक्रमों, निजी रेस्तरां और सुपरमार्केट का निरीक्षण किया। निरीक्षण में स्वच्छता और भंडारण से जुड़े कई उल्लंघनों का पता चला।

निरीक्षण दल ने बताया कि कुछ प्रतिष्ठानों के पास खाद्य लाइसेंस नहीं थे और वे सिंथेटिक रंगों का उपयोग कर रहे थे। इसके अलावा, खाद्य पदार्थों के भंडारण के लिए गैर-खाद्य-ग्रेड कंटेनर इस्तेमाल किए जा रहे थे। एक्सपायरी डेट वाली या संक्रमित दालें हटा दी गईं और बाद में फेंक दी गईं। मूंग दाल, काले चने और इमली के नमूने गुणवत्ता परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजे गए। खाद्य सुरक्षा आयुक्त ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि निरीक्षण से कई इकाइयों में नियमों की अनदेखी उजागर हुई है और आगे भी निगरानी जारी रहेगी।

दिल्ली पुलिस ने 5 कथित आतंकियों को किया गिरफ्तार, तेलंगाना का युवक भी शामिल

हुज़ैफ़ा यमन सहित आरोपियों पर आईएसआईएस से संपर्क और भर्ती प्रयास का आरोप

हैदराबाद/नई दिल्ली, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिल्ली पुलिस ने देश के विभिन्न हिस्सों से पांच लोगों को कथित आतंकी संबंधों के चलते गिरफ्तार किया है, जिनमें तेलंगाना के बोधन कस्बे का 20 वर्षीय युवक हुज़ैफ़ा यमन भी शामिल है। हुज़ैफ़ा स्थानीय कॉलेज में बी. फार्मा का छात्र है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हुज़ैफ़ा के पास से हथियार या विस्फोटक नहीं मिले, लेकिन पीडीएफ फाइलों सहित हथियारों से संबंधित साहित्य बरामद हुआ। गिरफ्तारी के बाद उसकी स्थानीय संपर्कों की जांच भी शुरू कर दी गई है।

परिवार ने युवक के किसी आतंकवादी समूह से संबंध होने से इनकार किया है। गिरफ्तार किए गए अन्य आरोपियों में झारखंड के मुख्य आरोपी अशहर दानिश, मुंबई के दो युवक और मध्य प्रदेश का एक अन्य युवक शामिल हैं। ये सभी कथित तौर पर आईएसआईएस से प्रेरित नेटवर्क के संपर्क में थे और संगठन के एजेंडे को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से गतिविधियों में लगे हुए थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से विस्फोटक उपकरण बनाने वाली सामग्री ज़ब्त की है। कथित तौर पर वे सोशल मीडिया ऐप्स के माध्यम से पाकिस्तान में अपने आकाओं के संपर्क में थे और आईएसआईएस के स्लीपर मॉड्यूल का हिस्सा थे। उनके जिम्मे बम बनाने, हथियार खरीदने और संगठन की ताकत बढ़ाने के काम थे। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल, झारखंड आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) और रांची पुलिस ने संयुक्त रूप से इस गिरफ्तारी में भूमिका निभाई है।

चेहरे की पहचान से होगी उपस्थिति खत्म होगी खानापूर्ति वाली पढ़ाई

- 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य, फीस प्रतिपूर्ति और परीक्षा की अनुमति भी उपस्थिति से जुड़ी
- तेलंगाना के विश्वविद्यालयों में नई प्रणाली लागू

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय समेत राज्य के कई विश्वविद्यालयों में अब 'खाने-पीने और रहने' के लिए दाखिला लेने वाले छात्रों के दिन गिनती के रह जाएंगे। दरअसल, विश्वविद्यालय प्रशासन इस शैक्षणिक वर्ष से चेहरे की पहचान (फेशियल रिकग्निशन) आधारित उपस्थिति प्रणाली लागू करने की तैयारी कर रहा है। इसके साथ ही दशकों पुरानी रजिस्टर में उपस्थिति दर्ज कराने की परंपरा खत्म हो जाएगी।

अब तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले कई छात्र विश्वविद्यालय परिसर के कॉलेजों में सिर्फ रियायती आवास और मेस की सुविधा के लिए दाखिला लेते थे। अक्सर ये छात्र नियमित कक्षाओं में न जाकर केवल नामांकन करवाते और अपनी तैयारी करते रहे। खासतौर से ओयू (उस्मानिया विश्वविद्यालय) के कला महाविद्यालयों में मनोविज्ञान, पत्रकारिता, तेलुगु, समाजशास्त्र, भाषा विज्ञान और दर्शनशास्त्र जैसे पाठ्यक्रमों को खानापूर्ति वाले कोर्स कहा जाने लगा था, क्योंकि यहां उपस्थिति को लेकर उदार रवैया अपनाया जाता था। नई व्यवस्था लागू होने के बाद हालात पूरी तरह बदल जाएंगे। चेहरे की पहचान से दर्ज उपस्थिति को न केवल परीक्षा में बैठने बल्कि ट्यूशन फीस प्रतिपूर्ति योजना से भी जोड़ दिया जाएगा। नियमों के अनुसार, न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी। जो छात्र इस मानदंड को पूरा नहीं कर पाएंगे, उन्हें न तो ट्यूशन फीस की प्रतिपूर्ति मिलेगी और न ही परीक्षा में बैठने की अनुमति। ऐसे छात्रों का छात्रावास प्रवेश भी रद्द कर दिया जाएगा। यह नई पहल केवल छात्रों पर ही नहीं, बल्कि विश्वविद्यालय के शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों पर भी लागू होगी। इससे उपस्थिति में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का दावा किया जा रहा है।

CHANGE OF NAME

I, **VIJETA** legally wedded wife of No. JC-292030Y, Rank Sub Name: **Gonapa Vinay Kumar**, presently Residing H. No. 5-4-115-1, Gunna Street, Village, Antharakudda, Post- Antarakudda, Tehsil-Palasa, Dist-Srikakulam, PIN -532222, State-Andhra Pradesh. Have changed my name from **VIJETA** to **GONAPA VIJETA** (correct name as per Aadhar card) and date of birth is **01.01.1985** vide affidavit notary for all purposes.

CHANGE OF NAME

I, Army No. JC-292030Y, Rank Sub Name: **Gonapa Vinay Kumar**, presently residing at H. No. 5-4-115-1, Gunna Street, Village-Antarakudda, Post- Antharakudda, Tehsil-Palasa, District-Srikakulam, PIN-532222, State-Andhra Pradesh. Have changed my son name from **GONAPA VIVEK** to **GONAPA SAI VIVEK** (correct name as per aadhar card) vide affidavit notary Srikakulam for all purposes.

CHANGE OF NAME

I, Army No. JC-292030Y, Rank Sub Name: **Gonapa Vinay Kumar**, presently residing at H.No. 5-4-115-1, Gunna Street, Village, Antarakudda, Post- Antharakudda, Tehsil-Palasa, District-Srikakulam, PIN -532222, State-Andhra Pradesh. Have changed my name from **VINAYA KUMAR GONAPA** to **GONAPA VINAY KUMAR** (correct name as per aadhar card) vide affidavit notary Srikakulam for all purposes.

संगारेड्डी में भाजपा का कमजोर आधार

स्थानीय निकाय चुनावों से पहले नेतृत्व की दिखी कमी पूर्ववर्ती मेदक जिले में पार्टी कार्यकर्ताओं में हताशा

संगारेड्डी, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चुनाव आयोग तेलंगाना में स्थानीय निकाय चुनाव कराने की तैयारी कर रहा है, लेकिन पूर्ववर्ती मेदक जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपनी पकड़ कमजोर पाती नजर आ रही है। 2023 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद पार्टी के कई नेता सक्रिय नहीं हैं या पाला बदल चुके हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले दस उम्मीदवारों में से तीन पुलिमामिदी राजू (संगारेड्डी), रामचंद्र राजनरसिम्हा (ज़हीराबाद) और पंजा विजय कुमार (मेदक) ने पार्टी छोड़ दी और दूसरी पार्टियों में शामिल हो गए। वहीं, पी बाबू मोहन (अंडोले), नंदीश्वर गौड़ (पाटनचेरु) और मुरली यादव (नरसापुर) निष्क्रिय हो गए हैं।

लोकसभा चुनाव जीतने वाले ईटेला राजेंद्र और माधवनेनी रघुनंदन राव ने भी स्थानीय स्तर पर पार्टी का आधार मजबूत नहीं किया। संगारेड्डी ज़िला अध्यक्ष सी गोदावरी और उनके पति सी अंजी रेड्डी नए नेतृत्व की पहचान करने में असफल रहे। पाटनचेरु और अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में पार्टी को मजबूत करने के प्रयास नहीं दिखे। सिद्दीपेट में ज़िलाध्यक्ष शंकर मुदिराज ने कथित तौर पर अपने समुदाय को कांग्रेस उम्मीदवारों को वोट देने की सलाह दी, जबकि नरसापुर में मुरली यादव और जहीराबाद में बीबी पाटिल भी निष्क्रिय हो गए हैं। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा का कोई खास प्रभाव नहीं पड़ने की संभावना है। मुकाबला मुख्य रूप से सत्तारूढ़ कांग्रेस और बीआरएस के बीच ही रहने की उम्मीद है। जिले में भाजपा की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए राज्य भाजपा प्रमुख एन रामचंदर राव का इस क्षेत्र पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई जा रही है।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं.: SANDT_WAT_25_S_NMAG

कार्य का नाम : "वाल्टियर मण्डल के KK-II लाइन में KRPU दिशा पर सिंथे रिसेप्शन एवं डिस्पैच की सुविधा के लिए आम्बागाँव एवं आमागुडा के बीच NMAG साइडिंग (मेसर्स NMDC की) के मध्य-खंड कनेक्टिविटी के प्रावधान" के संबंध में कार्य का S&T भाग।

विज्ञापित मूल्य : ₹ 1,73,44,984/-, EMD : ₹ 2,36,700/-, पूरा होने की अवधि : 12 महीने।

बिड प्रारंभ होने की तिथि : दिनांक 12.09.2025

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 26.09.2025 को 1500 बजे।

ऐसी निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं इस तरह प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण एवं शुद्धिपत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता, वाल्टियर

PR-583/Q/25-26

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

शुद्धिपत्र संख्या बी/ई.29/I/ईजीएस/01/2025-26 तिथि 08.09.2025
खुली ई निविदा सूचना सं.बी/ई.ईजीएस/10/2025-26 तिथि 28.08.2025 के प्रति

PUB/1107/25

क्रम. संख्या	निविदा संख्या	शुद्धिपत्र विवरण
1.	बी/ई.29/I/ईजीएस/16/25-26 तिथि 26.08.2025	प्रशासकीय कारणवश खुली निविदा के लिए तत्संबंधित निविदा संख्या की एनआईटी को रद्द किया गया है।

ए1397 विभागीय रेल प्रबंधक (विद्युत) विजयवाड़ा

बालानगर में कैब चालक 25 लाख रुपये से भरा कैश बॉक्स लेकर फरार

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बालानगर में बुधवार को एक कैब चालक कथित तौर पर 25 लाख रुपये से भरा बैंक कैश बॉक्स लेकर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, एक ग्राहक बालानगर स्थित सिटी यूनियन बैंक शाखा में 25 लाख रुपये निकालने आया था। शाखा में पर्याप्त नकदी न होने के कारण, बैंक प्रबंधक ने सहायक प्रबंधक नागार्जुन और सुरक्षा गार्ड को सिकंदराबाद मुख्यालय से राशि लाने का निर्देश दिया।

टैक्सी में यात्रा के दौरान चालक उस्मान अली (40) को कैश बॉक्स में बड़ी रकम का पता चला और उसने योजना बनाई। उसने कार की बैटरी खराब होने का बहाना बनाकर सुरक्षा गार्ड से धक्का दिलाया और बैंक पहुंचकर कर्मचारियों को चकमा देकर कैश बॉक्स लेकर भाग गया। बालानगर पुलिस ने बैंक की शिकायत पर मामला दर्ज कर दिया है और आरोपी को पकड़ने तथा चोरी गई राशि बरामद करने के प्रयास जारी हैं।

बीआरएस दलबदलू विधायक पर सबकी निगाहें

गदवाल में कांग्रेस को लगातार झटके

जोगुलाम्बा गदवाल, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश और विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार के नोटिस से बीआरएस के दलबदलू विधायकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। गदवाल में शनिवार को होने वाली बीआरएस की जनसभा में सबकी नजरें विधायक बंडला कृष्णमोहन रेड्डी पर हैं। कांग्रेस में शामिल होने के बावजूद उनकी वफादारी पर सवाल उठ रहे हैं। बीआरएस की बैठक में उनकी मौजूदगी 'घर वापसी' का संकेत दे सकती है, जबकि अनुपस्थिति उनकी स्थिति को और कमजोर करेगी। इस बीच पूर्व नगर निगम अध्यक्ष बीएस केशव कांग्रेस छोड़कर बीआरएस में शामिल हो चुके हैं और कृष्णमोहन रेड्डी के चचेरे भाई चंद्रशेखर रेड्डी के भी पार्टी छोड़ने की अटकलें हैं।

कांग्रेस में आते ही रेड्डी न तो बीआरएस का समर्थन बनाए रख पाए और न ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं का विश्वास जीत पाए। वरिष्ठ नेता उनके खिलाफ हैं और शिकायतें राज्य नेतृत्व तक पहुंचा चुके हैं। हाल ही में रेड्डी ने स्पीकर को दिए जवाब में दलबदल से इनकार करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनकी मुलाकातें केवल विकास कार्यों पर चर्चा के लिए थीं। इसके बावजूद गदवाल में कांग्रेस की स्थिति डांवाडोल होती जा रही है और आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी के लिए चुनौती और बढ़ गई है।

आरजेडी नेता की गोली मारकर हत्या

पटना, 11 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना से एक बार फिर आपराधिक घटनाएं सामने आई हैं। पटना के राजेंद्र नगर में जमीन कारोबारी और आरजेडी नेता राजकुमार राय की गोली मारकर हत्या कर दी गई। दो अज्ञात अपराधी बाइक पर सवार होकर आए और ताबड़तोड़ फायरिंग कर फरार हो गए। राजकुमार राय की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या की वजह अभी साफ नहीं। पुलिस अपराधियों की तलाश में जुटी है। घटना के बाद इलाके में खौफ का माहौल है।

पटना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से अपराधियों की पहचान की कोशिश में जुट गई है। हालांकि, माना जा रहा है कि हत्या का कारण जमीन विवाद या राजनीतिक रंजिश हो सकती है। पटना पुलिस आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

राजघराने की महारानी कामसुंदरी देवी की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

दरभंगा, 11 सितंबर (एजेंसियां)। दरभंगा महाराजाधीरज सर कामेश्वर सिंह की पत्नी और राजघराने की महारानी कामसुंदरी देवी (95) की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, वह बाथरूम में गिर गई थीं, जिसके चलते उन्हें ब्रेन हेमरेज और ब्लड क्लॉटिंग की समस्या हुई है। फिलहाल डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। महारानी के बीमार होने की खबर मिलते ही उनके पौत्र कुमार कपिलेश्वर सिंह दिल्ली से दरभंगा पहुंचे और सीधे अस्पताल जाकर दादी से मुलाकात की।

उन्होंने डॉक्टरों से भी उनकी स्थिति की जानकारी ली। मीडिया से बातचीत में कुमार कपिलेश्वर सिंह ने दादी की देखरेख में लापरवाही पर नाराज़गी जताई। उन्होंने कहा कि इतनी उम्र में भी महारानी के स्वास्थ्य के प्रति गंभीरता नहीं बरती गई, जबकि पैसों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब वे खुद अपनी दादी की देखभाल करेंगे और अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उन्हें अपने घर ले जाकर सेवा करेंगे।

सर्राफ ज्वेलर्स से 25 लाख की चोरी

सुपौल, 11 सितंबर (एजेंसियां)। सुपौल के राघोपुर थाना क्षेत्र में 5 दिन पहले खुले सर्राफ ज्वेलर्स नामक शोरूम से 25 लाख रुपए के ज्वेलरी चोरी करने का मामला सामने आया है। घटना राघोपुर थाना से महज 500 मीटर दूर की है। वारदात के दौरान शोरूम से सारे जेवरात और सीसीटीवी के सीडीआर तक चोर खोल ले गए घटना के कई घंटे बाद पहुंची राघोपुर थाने की पुलिस ने पीड़ित व्यवसायी को संबंधित कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढाने के लिए थाने पर बुलाया है। सर्राफ ज्वेलर्स के संतोष स्वर्णकार ने बताया कि उन्हें सुबह 7.30 बजे घटना की जानकारी मिली। इसके बाद यहां आने पर शटर और ग्रिल टूटा हुआ पाया, शोरूम से लगभग 25-30 लाख के जेवरात की चोरी हुई है। इधर, घटना को लेकर भाजपा नेता बैद्यनाथ मेहता, पूर्व प्रखंड प्रमुख महेंद्र गुप्ता सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों व अन्य ने थानेदार पर लापरवाही का आरोप लगाया है। प्रतिनिधियों का कहना है कि थानाध्यक्ष को कई बार गश्ती बढ़ाने को कहा गया था, लेकिन उसपर उन्होंने ध्यान नहीं दिया और आज इतनी बड़ी घटना हुई है।

छह हजार में कट्टा, 25 हजार में पिस्टल और तीन सौ में बेची जाती है एक गोली

पटना, 11 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी में कट्टा छह से आठ हजार, पिस्टल 25 से 30 हजार और एक गोली तीन सौ रुपये में बेची जा रही है। पुलिस ने एक ऐसे ही गिरोह के हथियार और गोली आपूर्ति करने वाले तस्कर को नून का चौराहा से गिरफ्तार किया है। तस्कर की पहचान मो। आजाद उर्फ सोनू के रूप में हुई। उसके एक अन्य साथी का नाम उजागर हुआ है, जो हथियार का पार्ट मंगाता था और असेंबल कर सोनू के जरिए आपूर्ति करता था। उसकी पहचान अलीजा मार्केट निवासी मोहम्मद मुमताज के रूप में हुई। दोनों के घर से पुलिस ने एक पिस्टल, एक कट्टा, अलग-अलग बोर की 63 गोली और एक मैगजीन बरामद की है। एसपी पूर्वी परिचय कुमार ने बताया कि पकड़े गए आरोपित से हुई पूछताछ में उन लोगों का नाम भी सामने आया, जिन्हें इसने हथियार और गोली की आपूर्ति की थी।

आजम खान को जमानत मिलते ही अखिलेश यादव के ये कैसे वीडियो वायरल होने लगे?

लखनऊ, 11 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की सियासत में समाजवादी नेता आजम खान एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट से उन्हें डूंगरपुर मामले में जमानत मिलने की खबर सामने आते ही सोशल मीडिया पर आजम खान और अखिलेश यादव से जुड़े कई वीडियो तेजी से वायरल होने लगे। इनमें कुछ वीडियो का दावा है कि आजम खान जेल से बाहर आ गए हैं और जल्द ही नई पार्टी बना सकते हैं, लेकिन इन दावों की सच्चाई कुछ और है।

पड़ताल में सामने आया कि वायरल हो रहा आजम खान का वीडियो, जिसमें वे अपने बेटे के साथ दिख रहे हैं, असल में साल 2022 का है। ये वीडियो उस वक्त का है जब आजम खान मुलायम सिंह यादव के अंतिम संस्कार में पहुंचे थे। इसी तरह अखिलेश यादव का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वे आजम खान के प्रति अन्याय की बात कर रहे हैं, भी करीब दो-तीन साल पुराना है और इसे भी जमानत की खबर के साथ भ्रामक तरीके से फैलाया जा रहा है। सच ये है कि आजम खान फिलहाल सीतापुर जेल में ही हैं और दूसरे मामले में जमानत मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

लालू और तेजस्वी के खिलाफ आरोप पत्र पर फैसला सुरक्षित

नौकरी के बदले जमीन घोटाले का मामला

पटना, 11 सितंबर (एजेंसियां)। नौकरी के बदले जमीन घोटाले मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और अन्य के खिलाफ नौकरी के बदले जमीन मामले में आरोप पत्र पर फैसला सुरक्षित रखा गया है। सीबीआई ने इस मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी और अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। आरोप है कि जमीन के बदले रेलवे में नौकरियां दी गईं। अदालत ने 13 अक्तूबर तक अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था

इससे पहले बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव ने जमीन के बदले नौकरी मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। इससे पहले लालू यादव की इस मांग को दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा था कि कार्यवाही पर रोक लगाने का कोई ठोस कारण नहीं है।

याचिका में लालू प्रसाद यादव ने क्या कहा था?

उच्च न्यायालय में अपनी याचिका में लालू प्रसाद यादव ने सीबीआई की एफआईआर और 2022, 2023 और 2024 में दायर तीन आरोप पत्रों और संज्ञान आदेशों को रद्द करने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि रिपोर्ट 14 साल की देरी से 2022 में दर्ज की गई, जबकि सीबीआई ने प्रारंभिक पूछताछ और जांच सक्षम अदालत के समक्ष क्लोजर रिपोर्ट दाखिल करने के बाद बंद कर दी गई थी।

नौकरी के बदले जमीन का मामला क्या?

अधिकारियों ने बताया कि यह मामला मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित भारतीय रेलवे के पश्चिम मध्य क्षेत्र में ग्रुप-डी की नियुक्तियों से संबंधित है। यह नियुक्ति 2004 से 2009 के बीच लालू के रेल मंत्री रहने के दौरान की गई थी। इन नियुक्तियों के बदले में लोगों ने राजद सुप्रीमो के परिवार या सहयोगियों के नाम पर जमीन के टुकड़े उपहार में दिए या हस्तांतरित किए। 18 मई 2022 को लालू और उनकी पत्नी, दो बेटियों, अज्ञात सरकारी अधिकारियों और निजी व्यक्तियों सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

राहुल गांधी, अखिलेश और तेजस्वी के पोस्टर पर भड़के साक्षी महाराज, विपक्ष को बताया सनातन विरोधी

उन्नाव, 11 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, पूर्व सीएम अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव का एक पोस्टर राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। पोस्टर के माध्यम से राहुल गांधी, तेजस्वी यादव व अखिलेश यादव को ब्रह्मा, विष्णु और महेश बताया गया है। रायबरेली में लगे इस पोस्टर पर बीजेपी सांसद साक्षी महाराज ने तीखा हमला बोला है।

उन्नाव से भारतीय जनता पार्टी सांसद साक्षी महाराज ने पोस्टर को लेकर विपक्ष पर हमला बोला है। साक्षी महाराज ने कहा है कि यह जो विरोधी पार्टियां हैं, जिन्हें एनडी गठबंधन कहा जाता है, भारतीय संस्कृति विरोधी है, सनातन के विरोधी हैं। साक्षी महाराज ने कहा कि यह हिंदू के विरोधी है, हिंदू देवी देवताओं के विरोधी हैं, यह क्या न कर ले थोड़ा है साक्षी महाराज ने विपक्ष पर हमला तेज करते हुए कहा कि दुनिया के सबसे बड़ा नेता की मां को अपमानित करते हैं।

साक्षी महाराज ने कहा कि उपराष्ट्रपति का चुनाव हुआ वह वॉलेट से हुआ, जितनी हमारी संख्या है उससे ज्यादा हमको वोट मिले हैं। वोट मशीन से पड़े होते तो विपक्ष दीवार से सिर्फ मारकर सिर फोड़ लेता। बीजेपी सांसद ने कहा कि विपक्ष में विकृत मानसिकता के लोग हैं, ट्रीटमेंट की आवश्यकता है। ये सत्ता के लिए छटपटा रहे हैं। सांसद साक्षी महाराज उक्त बातें उन्नाव कैम्प कार्यालय में कही है।

शिक्षा विभाग के अधिकारी वीरेंद्र नारायण के ठिकानों पर रेड

पटना, 11 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में भ्रष्ट अधिकारियों की कमी नहीं है। आए दिन विजिलेंस की टीम कार्रवाई कर रही है, लेकिन अधिकारी जो हैं वो करोड़ों में खेल रहे हैं। मानने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामला शिक्षा विभाग के अधिकारी वीरेंद्र नारायण से जुड़ा है। ये शिक्षा विभाग में उपनिदेशक हैं। गुरुवार (11 सितंबर, 2025) की सुबह विजिलेंस की टीम ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में इनके कई ठिकानों पर छापेमारी की।

पटना, पूर्णिया और मुजफ्फरपुर में छापेमारी की खबर है। बताया जाता है कि वीरेंद्र नारायण तिरहुत प्रमंडल में कार्यरत हैं। इन पर तीन करोड़ 76

लाख रुपये से अधिक आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। इनके खिलाफ स्पेशल विजिलेंस यूनिट (एसवीयू) ने अपने थाने में केस दर्ज किया है। सुबह-सुबह हुई इस छापेमारी से अधिकारी के होश उड़ गए। अलग-अलग जिलों में हो रही छापेमारी के दौरान टीम को क्या कुछ मिला है इसकी जानकारी खबर लिखे जाने तक सामने नहीं आई थी। छापेमारी हो जाने के बाद स्पेशल विजिलेंस यूनिट की ओर से इसकी जानकारी दी जाएगी। वीरेंद्र नारायण शिक्षा विभाग में बड़े पद पर हैं, ऐसे में इस छापेमारी के बाद हड़कंप मच गया है। अब देखना होगा कि अवैध तरीके से संपत्ति की क्या कुछ जानकारी निकलकर आती है।

यूपी के किसानों को खुशखबरी

बढ़ाया जाएगा केसीसी और बीमा योजना का दायरा कृषि मंत्री ने अधिकारियों को दिए निर्देश

लखनऊ, 11 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री किसान बीमा योजना से प्रदेश के अधिकांश किसानों के न जुड़ने को लेकर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने नाराजगी जताई है। कृषि मंत्री ने कहा कि पिछले दिनों प्रदेश के दो करोड़ से ज्यादा किसानों को सम्मान निधि दी गई थी, इनके मुकाबले बीमा कराने वालों की संख्या 20.41 लाख है, जो बहुत कम है। इसी तरह किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) की प्रगति भी धीमी है। उन्होंने बैंक प्रतिनिधियों और बीमा कंपनियों को लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी दी। विधान भवन सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कृषि मंत्री ने कहा कि केसीसी और बीमा योजना का दायरा अधिक से अधिक बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान के सर्वे का काम जल्द पूरा करने और क्षतिपूर्ति के भुगतान की प्रक्रिया शुरू की जाए। लंबित प्रकरणों का भी जल्द निस्तारण करें। 14 सितंबर तक समस्त आंकड़ों की स्थिति पोर्टल पर अपडेट कराएं। कृषि मंत्री ने इसके बाद राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान में खाद निर्माता कंपनियों, उर्वरक प्रदाता कंपनियों के प्रतिनिधियों और विक्रेताओं साथ भी बैठक की। कृषि मंत्री ने कहा कि सभी हितधारक इस बात का ध्यान रखें कि किसान को उर्वरक प्राप्त करने में कठिनाई न हो। पर्याप्त उपलब्धता के लिए प्रदेश सरकार लगातार भारत सरकार के संपर्क में है। दावा किया कि किसी जिले में उर्वरक की कमी नहीं है, वर्तमान में प्रदेश में 6.21 लाख टन यूरिया, 4.64 लाख टन डीएपी और 3.68 लाख टन एनपीएके की उपलब्धता है।

मंत्री ने उर्वरक विक्रेताओं की समस्याएं सुनीं और संबंधित कंपनियों को निस्तारण के निर्देश दिए। कहा कि ओवर रेटिंग या टैगिंग की शिकायत मिलने पर संबंधित के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान प्रमुख सचिव कृषि रवींद्र, सचिव कृषि इंद्र विक्रम सिंह, निदेशक पंकज कुमार त्रिपाठी, निदेशक उद्यान भानु प्रकाश राम आदि उपस्थित रहे।

प्राधिकरण और सरकारी संस्थाएं भी कर रहीं जीएसटी चोरी

सरकार से अरबों का बजट लेने वाले सरकारी विभाग घेरे में

लखनऊ, 11 सितंबर (एजेंसियां)। जीएसटी चोरी में सिर्फ निजी फर्में ही नहीं लिप्त हैं, बल्कि औद्योगिक विकास प्राधिकरण और सरकारी संस्थाएं भी जीएसटी का भुगतान नहीं कर रही हैं। इसे देखते हुए शासन ने विशेष रूप से नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यीडा की बैलेंस शीट के सघन अध्ययन के निर्देश दिए हैं। निर्माण और विकास कार्यों के लिए सरकार से बजट लेने वाली सरकारी संस्थाओं के खर्च के प्रपत्र भी जांचने के निर्देश दिए गए हैं। संस्थाओं से जुड़े ठेकेदारों और फर्मों की जांच के निर्देश प्रमुख सचिव राज्य कर ने सभी अपर आयुक्तों को दिए हैं। प्रदेश के कुल राजस्व में राज्य कर की हिस्सेदारी करीब 60 फीसदी है। चालू वित्तीय वर्ष में राज्य कर से 1.75 लाख करोड़ का राजस्व हासिल करने का लक्ष्य है। इसे पूरा करने के लिए प्रमुख सचिव राज्य कर आयुक्तों को सरकारी एम। देवराज ने अपर संस्थाओं, उनसे जुड़े ठेकेदारों और औद्योगिक विकास प्राधिकरणों के जरिये कराए जा रहे निर्माण कार्यों के बजट की समीक्षा के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इन कामों में बड़े पैमाने पर जीएसटी का भुगतान नहीं किए जाने किए जाने की सूचना है। इसे देखते हुए सरकार हर जिले में हो रहे निर्माण कार्यों की सूची तैयार करा रही है। विभागीय जांच में पाया गया कि एक अप्रैल 2024 से निर्माण कार्यों की कार्यदायी संस्थाओं और सरकारी संस्थाओं को जितना बजट जारी किया गया है उस हिसाब से टैक्स नहीं मिला है। इसे देखते हुए कार्यदायी संस्थाओं द्वारा जिन ठेकेदारों को टेंडर दिया गया है उनके एस्टीमेट का मिलान फाइनल बिल और दाखिल रिटर्न से किया जाएगा।

इस जांच के लिए एक हफ्ते का समय दिया गया है। टैक्स चोरी पर लगाम के लिए रेकी की गुणवत्ता पर जोर दिया गया है क्योंकि पूरे प्रदेश में अब तक महज 400 फर्मों में ही कमी मिली है जो बहुत कम है। लखनऊ में राज्य कर की विशेष जांच शाखा (एसआईबी) ने उप्र। जल निगम से 54 करोड़ रुपये की रिवर्स आईटीसी कराई। इसी तरह लखनऊ में ही वर्क कॉन्ट्रैक्ट की दो प्रमुख फर्मों को 5300 करोड़ और 742 करोड़ का टेंडर मिला जिनसे जीएसटी का आकलन किया जा रहा है।

समाजवादी पार्टी की इकॉनमी

आय कम, खर्च ज्यादा, सबसे अधिक कमाई ब्याज से, रिपोर्ट में खुलासा

लखनऊ, 11 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में सांसदों के संख्या बल के आधार पर देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी- समाजवादी पार्टी ने अपनी आय से ज्यादा खर्च किया है। यह खुलासा एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट में हुआ है। आर्थिक मामलों की यह जानकारी वित्तीय वर्ष 2023-24 में की है। एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार इस उपरोक्त वित्तीय वर्ष में सपा ने 26.12 करोड़ रुपये की आय घोषित की और 39.49 करोड़ रुपये खर्च किए। रिपोर्ट के अनुसार सपा न आय से 13.36 करोड़ रुपये अधिक खर्च किए। रिपोर्ट के अनुसार सपा ने आय से 51.18% अधिक खर्च किए। एडीआर के मुताबिक सपा द्वारा भारत निर्वाचन आयोग को उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार पार्टी को बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडीआर) और सेविंग्स खाते से ब्याज- 21.58 करोड़ रुपये (82.62%), फीस और सब्सक्रिप्शन से 3.93 करोड़ रुपये (15.03%), ग्रांट/डोनेशन से 0.48 करोड़ रुपये (1.85%) की आय हुई।

पार्टी ने मुख्यतः जो खर्चे किए उसमें चुनावी खर्च- 19.14 करोड़ रुपये रहा जो कुल खर्च का 48.49% है। वहीं प्रशासनिक और सामान्य खर्च 10.17 करोड़ रुपये रहा जो कुल खर्चे का 25.75% था। संपत्तियों पर ह्रास 4.90 करोड़ रुपये लगा जो कुल खर्च का 12.42% था। इसके अलावा सपा ने अन्य खर्च 5.26 करोड़ रुपये यानी कुल खर्च का 13.34% रहा।

'अगर नेपाल आज भारत का हिस्सा होता तो नेपाल भी समृद्ध होता'

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का बड़ा बयान

पटना, 11 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के पड़ोसी देश नेपाल में प्रदर्शन और हिंसा के बीच वहां के प्रधानमंत्री केपी ओली इस्तीफा दे चुके हैं। भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया बैन के विरोध में शुरू हुए प्रदर्शन पर पुलिस की गोलीबारी के बाद हिंसात्मक रूप ले लिया। उपद्रवियों द्वारा नेपाल की संसद, नेताओं के घर, सरकारी कार्यालय और निजी संपत्तियों को भी भारी नुकसान पहुंचाया गया।

इसके बाद नेपाल की सेना ने सुरक्षा की कमान अपने हाथों में ले ली। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर नेपाल से सटे भारत के राज्य बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का बड़ा बयान सामने आया है। सम्राट चौधरी ने नेपाल में हिंसा का कारण कांग्रेस की गलती को बता दिया है। नेपाल के हालात पर बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा- यह सब कांग्रेस की गलती है।

अराजकता इसलिए हो रही है क्योंकि कांग्रेस ने इन देशों को अलग-थलग रखा है। अगर नेपाल आज भारत का हिस्सा होता, तो नेपाल में सुख-शांति होती। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आगे कहा- लोगों में असंतोष है, लेकिन अराजकता नहीं होनी चाहिए। मैंने कहा था कि अगर आज नेपाल भारत का हिस्सा होता, तो नेपाल भी समृद्ध होता।

अगर पाकिस्तान भारत का हिस्सा होता, तो आज वह भारत के साथ समृद्ध होता। मैं स्पष्ट कर रहा हूं कि यह कांग्रेस की गलती है, जिसकी वजह से हमें यह सब झेलना पड़ रहा है।

आपको बता दें कि बिहार नेपाल के साथ सीमा साझा करता है। राज्य के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने साफ-साफ कहा है कि कांग्रेस की इन भूल के कारण न केवल भारत बल्कि पूरे दक्षिण एशिया को राजनीतिक और आर्थिक असंतुलन झेलना पड़ रहा है। सम्राट चौधरी ने यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि जनता इस ऐतिहासिक सच्चाई को समझे और कांग्रेस की नीतियों को जिम्मेदार माने।

आईएएस पर उत्पीड़न का आरोप लगाया

अब उन 3 महिला अफसरों का ट्रांसफर

नोएडा, 11 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के राज्य कर विभाग में नोएडा से शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। विभाग के अपर आयुक्त पर उत्पीड़न और अभद्र व्यवहार का आरोप लगाने वाली तीन महिला अधिकारियों सहित कुल 14 अफसरों का तबादला कर दिया गया है। ट्रांसफर की इस कार्रवाई ने न केवल नोएडा, बल्कि राज्य के प्रशासनिक हलकों में खलबली मचा दी है। पिछले दो महीनों से नोएडा का राज्य कर विभाग सुर्खियों में बना हुआ है। नोएडा में तैनात तीन महिला अधिकारियों ने अपने वरिष्ठ अधिकारी, अपर आयुक्त, पर उत्पीड़न, शोषण और अभद्र व्यवहार के गंभीर आरोप लगाए थे। शिकायत का दायरा लखनऊ से लेकर दिल्ली तक पहुंचा, जिसके बाद मामले की जांच के लिए एक कमेटी गठित की गई।

12 साल के लड़के ने 6 साल की बच्ची से किया रेप

कानपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर में सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां एक नाबालिग लड़के ने 6 साल की बच्ची के साथ रेप किया। आरोपी लड़के की उम्र महज 12 साल है। जिस वक्त आरोपी मासूम के साथ दरिंदगी कर रहा था, उसी वक्त उसका 8 साल का दोस्त कमरे के बाहर पहरा दे रहा था। आरोप है कि दोनों लड़के अश्लील वीडियो देखते थे। वहीं, पुलिस में बच्ची के परिजन ने शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस दोनों को अपने साथ ले गई है। जाजमऊ के छबीलेपुरवा इलाके में छह वर्षीय बच्ची अपने घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान मोहल्ले के ही दो किशोर, जिनकी उम्र आठ और बारह वर्ष बताई जा रही है।

छात्रों से भरी स्कूल बस बाइक से टकराकर खंती में पलटी, पिता-पुत्र की मौत

कानपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। कानपुर के भीतरगांव इलाके के साढ़-जहानाबाद मार्ग में गोपालपुर गांव के पास गुरुवार सुबह पौने आठ बजे बड़ा हादसा हो गया। बच्चों से भरी निजी स्कूल की डग्गामार बस सामने से आ रहे बाइक सवार पिता-पुत्र को कुचलते हुए अनियंत्रित होकर पानी भरी खंती में जा पलटी। घटना में बाइक सवार पिता पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसे बीच में बैठी उनकी बेटी घायल हो गई। बस में पानी भरने से बैठे स्कूली बच्चे बस के अंदर छटपटाने लगे, जिन्हें गांव वालों ने रेस्क्यू कर बाहर निकाला। घटना के बाद पानी में बस भर गया। अंदर फंसे बच्चों में चीख पुकार मच गई।

दस मिनट के अंदर दर्जनों युवक मौके पर पहुंच गए। उन्होंने खंती में कूदकर पानी के अंदर आनन फानन बस के शीशा तोड़कर बच्चों को निकलना शुरू किया एक-एक कर सभी बच्चों को बाहर निकाला।

नेपाल की रसुवा जेल से अंडरवर्ल्ड 'डॉन' उदय सेठी फरार

किडनैपिंग में काट रहा था 32 साल की सजा

अररिया, 11 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में जेन की आंदोलन के चलते काफी उथल-पुथल मची हुई है। प्रदर्शनकारियों ने नेपाल के कई जिलों पर हमला कर दिया। जेल को प्रदर्शनकारियों ने तोड़ दिया। जेल ब्रेक के बाद करीब 3000 हजार से ज्यादा कैदी फरार हो गए। इस बीच नेपाल की जेल में बंद अंडरवर्ल्ड से ताल्लुकात रखने वाला खूंखार अपराधी उदय सेठी भी बाइक से फरार हो गया। कुख्यात अपराधी और भारत का नागरिक रह चुका उदय सेठी नेपाल की रसुवा जेल से फरार हो गया है। भागने के दौरान जेल के सुरक्षा अधिकारियों ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन अन्य कैदियों के प्रतिरोध के कारण वह भागने में सफल रहा। जैसे ही अंडरवर्ल्ड डॉन उदय सेठी के फरार होने की जानकारी बिहार के अररिया जिला प्रशासन को लगी, जिले में अलर्ट जारी कर दिया गया। भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी सतर्क है। भारत को ओर आने वाले हर शख्स को रोक कर पूछताछ की जा रही है।

पत्नी के चरित्र पर करता था शक, कुल्हाड़ी मारकर की हत्या

हरदोई, 11 सितंबर (एजेंसियां)। हरदोई जिले में अतरौली थाना क्षेत्र के सीकरी गांव में पति ने कुल्हाड़ी मारकर पत्नी की हत्या कर दी। इस दौरान बीच-बचाव करने आई बेटी को भी आरोपी ने कुल्हाड़ी मारकर घायल कर दिया। बेटी को गंभीर हालत में लखनऊ रेफर किया गया है। सीकरी निवासी रामसनेही खेती करता है। परिवार में पत्नी वेदना (35) और पांच बच्चे हैं। ग्रामीणों के मुताबिक रामसनेही पत्नी वेदना के चरित्र पर शक करता था। इसके कारण आए दिन घर में विवाद होता था। विवाद हुआ।

इस दौरान रामसनेही ने वेदना की पिटाई कर दी। इसी बीच रामसनेही ने कुल्हाड़ी से वेदना की गर्दन पर वार कर दिया। उसे रोकने आई बेटी रेशमा (13) पर भी कुल्हाड़ी चला दी। घटना की जानकारी पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भरावन पहुंचाया। यहां वेदना को मृत घोषित कर दिया गया ,जबकि रेशमा को गंभीर हालत में लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। सीओ संतोष सिंह ने बताया कि मृतका के चचेरे देवर रामनरेश की तहरीर पर रामसनेही के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। रामसनेही को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

फर्रुखाबाद में हाईवे पर बाढ़ में युवक बहा

फर्रुखाबाद, 11 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी में गंगा, यमुना समेत नदियों का बढ़ता जलस्तर लोगों के लिए मुसीबत बन गया है। हथिनी कुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद मथुरा के वृंदावन में हालात बिगड़ गए हैं। करीब 40% हिस्सा बाढ़ की चपेट में है। रावल स्थित राधारानी मंदिर को जाने वाला रास्ता पानी में भरा है तो यमुनापार के तिवारी पुरम में अभी भी ट्रैक्टर से लोग आ-जा रहे हैं। फर्रुखाबाद में बदायूं स्टेट हाईवे पर तीन जगह करीब डेढ़ फीट बाढ़ का पानी बह रहा है। जमापुर डिप में हाईवे पर एक युवक बाढ़ में बहने लगा। वहां मौजूद लोगों ने बहते युवक को किसी तरह बचा लिया।

उत्तर प्रदेश तमिलनाडु से बहुत पीछे

महिला अधिकार को लेकर डीएमके ने अपने मुखपत्र में साधा निशाना

चेन्नई, 11 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु में 1989 में महिलाओं को संपत्ति में समान अधिकार देने वाला कानून पारित किया गया था। इस कानून को यूपी में भी पारित करने के लिए सरकार की तरफ से विचार किया जा रहा है। हालांकि इस विचार पर अब डीएमके ने बीजेपी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि विवाहित बेटियों को उनके पिता की कृषि भूमि में समान अधिकार देने के विचार पर विचार कर रहा है। जबकि तमिलनाडु ऐसा 35 साल पहले ही कर चुका है।

तमिलनाडु की सत्तारूढ़ डीएमके ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश की आलोचना करते हुए कहा कि वह अब विवाहित बेटियों को उनके पिता की कृषि भूमि में समान अधिकार देने के विचार पर विचार कर रहा है। डीएमके ने कहा कि 35 साल पहले ही तत्कालीन मुख्यमंत्री एम। करुणानिधि ने राज्य में हिंदू कानून में संशोधन करके महिलाओं को अधिकार दिए थे। डीएमके के आधिकारिक मुखपत्र 'मुरासोली' ने कहा कि उत्तर प्रदेश को "अब एहसास हुआ है" कि 35 साल पहले दिवंगत डीएमके संरक्षक करुणानिधि ने क्या किया था, उन्होंने

1989 में हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम (तमिलनाडु संशोधन) में संशोधन करके पारिवारिक संपत्तियों में महिलाओं को समान अधिकार दिए थे।

100 साल पहले किया था इस तरह के कानून का विचार

11 सितंबर, 2025 के अपने संपादकीय में, दैनिक ने पेरियार ई।वी। रामासामी की तरफ से लगभग 100 साल पहले महिलाओं के लिए ऐसे अधिकारों पर विचार करने का उल्लेख किया था। पेरियार ने 1929 में महिलाओं के लिए ऐसे अधिकारों की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया था और सुधारवादी नेता ने इससे पहले ही इसके लिए अभियान शुरू कर दिया था। "चेन्नई प्रेसीडेंसी में गैर-ब्राह्मण युवकों के पहले सम्मेलन में 1927 में महिलाओं के लिए संपत्ति के अधिकार की मांग वाला एक प्रस्ताव पारित किया गया था। उस सम्मेलन में हिंदू परिवारों में लड़कियों के लिए भी लड़कों के समान समान संपत्ति अधिकारों की मांग की गई थी।" 1928 में पेरियार की अध्यक्षता में आयोजित एक सम्मेलन में, पारिवारिक संपत्तियों में महिलाओं के समान अधिकारों की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया था। 1929 के चेंगलपेट सम्मेलन में भी महिलाओं के समान अधिकारों की मांग वाले इसी तरह के प्रस्ताव पारित किए गए थे।

तमिलनाडु से बहुत पीछे यूपी-डीएमके

उत्तर प्रदेश कथित तौर पर विवाहित बेटियों को भी उनके पिता की संपत्ति में हिस्सा देने के लिए एक कानून बनाने वाला है और यह दर्शाता है कि राज्य किस हद तक "पिछड़ा हुआ" है, डीएमके अखबार ने दावा किया और एक तमिल अखबार की रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 और कृषि भूमि के संबंध में उत्तराधिकार से संबंधित इसके प्रावधानों का हवाला दिया गया था। महिलाओं को लाभ पहुंचाने के लिए इसमें संशोधन की लंबे समय से चली आ रही मांग का हवाला दिया गया था।

यूपी सरकार को महिलाओं के लिए उनके अधिकार देना चाहिए

जस्टिस अरुण मिश्रा की अध्यक्षता वाली बेंच की तरफ से 11 अगस्त, 2020 को दिए गए उस फैसले का हवाला देते हुए, जिसमें संपत्तियों में महिलाओं के अधिकारों को बरकरार रखा गया था, मुरासोली ने कहा कि हालांकि उत्तर प्रदेश की प्रगतिशील सोच देर से आई है, "हमें इसका स्वागत करना चाहिए", क्योंकि कम से कम अब तो ऐसा हुआ है। द्रमुक दैनिक ने कहा कि रूढ़िवादी तत्व महिलाओं को अधिकार देने का विरोध करेंगे। हालांकि, उत्तर प्रदेश सरकार को ऐसे विरोध को दूर करना चाहिए और महिलाओं को उनके अधिकार प्रदान करने चाहिए।

गार्ड की जेब से चाबी चुराई, ताला खोला

अस्पताल से पुलिसकर्मी रायफल लेकर भागा कैदी, चार निलंबित

छतरपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। मप्र के छतरपुर जिला अस्पताल के कैदी वार्ड से एक आरोपी पुलिसकर्मियों को चकमा देकर राइफल लेकर फरार हो गया। घटना बुधवार रात करीब 2 बजे की बताई जा रही है। फरार आरोपी की पहचान रविन्द्र सिंह परिहार निवासी देरी गांव थाना ओरछा के रूप में हुई है, जो पहले भी पुलिस पर फायरिंग कर चुका है। जानकारी के अनुसार, आरोपी रविन्द्र अस्पताल के कैदी वार्ड में भर्ती था। रात में उसने ड्यूटी पर तैनात गार्ड की जेब से चाबी निकाल ली। इसके बाद किसी से मोबाइल पर बात की और फोन को डस्टबिन में डाल दिया। आरोपी ने गेट खोलकर वार्ड से बाहर निकलते समय गेट में ताला जड़ दिया और पुलिसकर्मी की राइफल लेकर मौके से फरार हो गया। उस समय ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मी शराब के नशे में गहरी नींद सो रहे थे।

घटना की जानकारी मिलते ही एसपी अगम जैन, सिटी कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद दांगी सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और तलाशी अभियान शुरू किया। पुलिस ने अस्पताल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। रविन्द्र परिहार पहले भी जयपुर और देरी रोड पर पुलिस पर फायरिंग कर भाग चुका है। उसकी गिरफ्तारी पर तत्कालीन सागर आईजी ने 30 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। अब दोबारा फरार होने पर छतरपुर एसपी ने उसकी गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। वहीं, घटना में लापरवाही बरतने वाले चार पुलिसकर्मी राकेश अहिरवार, हरिश्चंद्र अहिरवार, पंकज तिवारी और शिवम शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस की कई टीमें गठित की गई हैं और आसपास के जिलों में अलर्ट जारी किया गया है।

राहुल गांधी की बैठक का बीजेपी विधायक ने किया बहिष्कार, खुद बताई असली वजह

रायबरेली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी 2 दिनों के रायबरेली दौरे पर हैं। हालांकि इस दौरे के दौरान उन्हें काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। ऐसा इसलिए क्योंकि रायबरेली पहुंचने से पहले उनका विरोध किया गया। तो वहीं अब बिहार में पीएम मोदी की मांग के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी का भी विरोध देखने को मिला है। बीजेपी विधायक मनोज पांडेय ने राहुल की बैठक का बहिष्कार किया है। रायबरेली में राहुल गांधी की अध्यक्षता में चल रही दिशा बैठक का ऊंचाहार बीजेपी विधायक मनोज पाण्डेय ने बहिष्कार किया है। विधायक बीच बैठक में ही वहां से बाहर निकल आए।

इसके पीछे का भी उनकी तरफ से कारण बताया गया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के मंच से पीएम मोदी की मां को गाली दी गई थी। ये इसी बात का विरोध है। विधायक ने बैठक से बाहर निकलकर कहा कि किसी भी हालत में पीएम मोदी के खिलाफ अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने राहुल गांधी के विकास कार्यों को लेकर सवाल खड़े किए और पूछा कि इस कार्यकाल में क्या-क्या काम किए गए। बिहार में पिछले दिनों वोटर अधिकार यात्रा के दौरान कांग्रेस के मंच से पीएम मोदी के खिलाफ एक युवक ने अभद्र टिप्पणी की थी। इसका विरोध देशभर में देखने को मिला। अब यही कारण है कि एक दिनों पहले विरोध और अब बीजेपी विधायक ने बैठक का विरोध किया है।

एक दिन पहले भी हुआ था विरोध प्रधानमंत्री को गाली देने के मामले को लेकर योगी सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने अपने समर्थकों के साथ राहुल के रास्ते में धरने पर बैठ गए थे। इसके साथ ही उन्होंने राहुल वापस जाओ के नारे लगाए थे। इसी विरोध प्रदर्शन के चलते राहुल का काफिला करीब 1 किलोमीटर पहले ही रोक दिया गया था। हालांकि बाद में आगे बढ़ सका।

दो बच्चों को कार सवार ने कुचला, एक बच्ची की मौत, दूसरा घायल

मुंबई, 11 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई के लालबाग इलाके में देर रात एक दर्दनाक हिट एंड रन की घटना सामने आई। घाटकोपर निवासी संतोष नानू गुप्ता (37) ने तेज रफ्तार वाहन चलाते हुए सड़क किनारे सो रहे दो बच्चों को कुचल दिया। इस हादसे में दो साल की बच्ची मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका 11 साल का भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद आरोपी ड्राइवर वहां से भाग गया। कालाचौकी पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और पास के सीसीटीवी फुटेज की मदद से वाहन का पता लगाया। इसके बाद पुलिस ने संतोष गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया। जांच में सामने आया कि गुप्ता वाहन चला रहा था, जो अचानक अनियंत्रित होकर बच्चों से टकरा गया। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से उसे जमानत मिल गई।

पूर्व बसपा विधायक को आजीवन कारावास

31 साल पहले दो सगे भाइयों की हत्या का मामला, भारी फोर्स तैनात

उरई, 11 सितंबर (एजेंसियां)। उरई में दो सगे भाइयों की हत्या में दोषी करार बसपा के पूर्व विधायक छोटे सिंह चौहान ने गुरुवार को आत्मसर्मपण किया। एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई के बाद न्यायाधीश भारतेंदु सिंह ने पूर्व विधायक को दोषी करार करते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। सजा का एलान होते ही पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया है। उन्हें जेल ले जाया जाएगा।

वहीं, कोर्ट के बाहर भारी मात्रा में उनके समर्थक मौजूद हैं। इसलिए पुलिस भारी संख्या में तैनात कर दी गई है। बता दें कि चुर्खी थाना क्षेत्र के बिनौरा बैध गांव में 30 मई 1994 की दोपहर प्रधान के चुनाव की रंजिश व वर्चस्व को लेकर गांव के ही राजकुमार उर्फ राजा भइया और उनके सगे भाई जगदीश शरण की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। सोमवार को एमपी-एमएलए कोर्ट ने इस मामले में पूर्व विधायक छोटे सिंह चौहान को दोषी करार दिया। सजा सुनाने के लिए 11 सितंबर की तारीख तय की गई थी। दोषी करार होने के बाद से छोटे सिंह फरार था।

अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पूर्व विधायक छोटे सिंह चौहान ने लिखा है कि मेरे पूरे विधानसभा परिवार को मेरा प्रणाम। जैसा की सर्वविदित है कि किस प्रकार आपके इस सेवक को राजनैतिक षड्यंत्र में फंसाया जा रहा है।।। परंतु मुझे भारत की न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है।।।। क्योंकि उक्त प्रकरण में मेरी किसी भी प्रकार की संलिप्तता नहीं थी।।। परंतु कुछ गणमान्य व्यक्तियों को मेरा क्षेत्र में रहना व सबके सुख-दुख में शामिल होना खल रहा था।।।। आज मेरे साथ पूरा जनपद परिवार खड़ा हुआ है।

बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ धोखाधड़ी करने वाले मुनव्वर खान को कुवैत से भारत लाई सीबीआई

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। जालसाजी और धोखाधड़ी के मामले में वांछित मुनव्वर खान को वापस भारत ले आया गया है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की टीम ने भारी मक्कत के बाद उसे कुवैत से भारत प्रत्यर्पित करवाने में सफलता पाई। सीबीआई की ओर से जारी बयान के मुताबिक, एजेंसी ने इंटरपोल चैनलों के माध्यम से भगोड़े अपराधी मुनव्वर खान की कुवैत से वापसी का सफलतापूर्वक समन्वय किया है।

मुनव्वर खान जालसाजी और धोखाधड़ी के मामले में सीबीआई का वांछित अपराधी है। बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ धोखाधड़ी करने के बाद मुनव्वर खान, कुवैत भाग गया था। सीबीआई की अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग इकाई (आईपीसीयू) ने विदेश मंत्रालय और एनसीबी-कुवैत के सहयोग से 11 सितंबर को वांछित रेड नोटिस अपराधी मुनव्वर खान को सफलतापूर्वक भारत वापस लाया गया है। मुनव्वर खान को कुवैत पुलिस की एक टीम द्वारा कुवैत से हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचाया गया।

हवाई अड्डे पर सीबीआई, एसटीबी, चेन्नई की एक टीम ने उसे हिरासत में ले लिया। इससे पहले सीबीआई द्वारा इंटरपोल के माध्यम से एनसीबी-कुवैत के साथ गहन अनुवर्तन के माध्यम से इस विषय को कुवैत में पाया गया था। बैंक को धोखा देने के तुरंत बाद आरोपी मुनव्वर खान कुवैत चला गया मुनव्वर खान, सीबीआई की ओर से एसटीबी, चेन्नई में दर्ज एफआईआर संख्या आरसी 3 (एस) /2011 में आपराधिक षड्यंत्र, धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोपों में वांछित है।

मुनव्वर खान ने अन्य लोगों के साथ मिलकर बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ धोखाधड़ी की थी। बैंक को धोखा देने के तुरंत बाद, आरोपी मुनव्वर खान कुवैत चला गया और उसे भगोड़ा घोषित कर दिया गया।

नेपाल जैसा संकट भारत में भी

कांग्रेस नेता उदित राज के बयान पर बीजेपी भड़की

चंडीगढ़, 11 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा प्रवक्ता सीआर केसवन ने एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर कांग्रेस नेता उदित राज को घेरा है। दरअसल उदित राज ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा था कि भारत में भी नेपाल जैसे हालात हैं, लेकिन हमारा संविधान ऐसा करने से रोकता है। उन्होंने कहा कि भारत में कांग्रेस की ओर से डाली गईं लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं। इस पर केसवन ने कांग्रेस को लोकतंत्र और संविधान का हत्यारा बताया है। कांग्रेस का दलित चेहरा माने जाने वाले उदित राज ने यह टिप्पणी नेपाल में हाल के घटनाक्रम पर गुरुवार सुबह की। उन्होंने लिखा, "लोग चर्चा कर रहे हैं जिस तरह से नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश में सत्ता को जनता ने उखाड़ फेका है क्या भारत में ऐसा नहीं हो सकता। कुछ लोग ऐसा होने की संभावना तक जता रहे हैं, वास्तव में परिस्थितियां वैसी ही हैं और कुछ मामलों में अधिक लेकिन हमारा संविधान ऐसा करने से रोकता है। हमारी लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं जिसे कांग्रेस ने डाला है।" उनकी इस पोस्ट पर बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केसवन ने एक्स पर लिखा, " कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता के ये खतरनाक बयान स्पष्ट रूप से देश-विरोधी हैं और जानबूझकर अशांति भड़काने वाले हैं। कांग्रेस का नेतृत्व, चाहे वह पुराना हो या वर्तमान, हमेशा डॉ। बाबा साहेब आंबेडकर के संविधान के लिए सबसे बड़ा खतरा रहा है।

1975 में कांग्रेस ने हमारे संविधान की हत्या की और लोकतंत्र का नरसंहार किया। ये बयान उसी आपातकाल की मानसिकता को दर्शाते हैं।" केसवन अप्रैल 2023 में कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए थे। वो देश के पहले गवर्नर जनरल सी राजगोपालचारी के पड़पोते हैं। इस्तीफा देते हुए केसवन ने कहा था कि कांग्रेस में अब उन मूल्यों के अवशेष भी नहीं बचें, जिन्होंने उन्हें दो दशक से अधिक समय तक पार्टी के लिए काम करने को प्रेरित किया। केसवन 2001 में कांग्रेस में शामिल हुए थे।

दरअसल नेपाल की युवा पीढ़ी बढ़ते भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और सोशल मीडिया साइटों पर पाबंदी के खिलाफ पिछले कुछ दिनों से आंदोलन कर रही है। इस दवाब के आगे झुकते हुए नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने नौ सितंबर को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उनके अलावा कई मंत्रियों और सांसदों ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। नेपाल के उग्र आंदोलनकारियों ने नेपाली संसद, सुप्रीम कोर्ट और तीन पूर्व प्रधानमंत्रियों समेत राजधानी कांठमाडू की कई इमारतों में आग लगा दी थी। इन आंदोलनकारियों ने वहां बड़े पैमाने पर लूटपाट भी की थी।

इसके बाद नेपाल में संवैधानिक संकट पैदा हुआ है। फिलहाल सेना ने जिम्मेदारी अपने हाथ में ले ली है। नेपाल में सुप्रीम कोर्ट की पूर्व प्रमुख न्यायाधीश सुशील कार्की के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार की कोशिशें हो रही हैं।

फाउंडेशन सोसाइटी पर ईओडब्ल्यू की एफआईआर

इंदौर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। आर्थिक अनियमितताओं और करोड़ों रुपए के फर्जीवाड़े के आरोप में भोपाल ईओडब्ल्यू ने इंदौर की एक फाउंडेशन सोसाइटी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। इस सोसाइटी के खिलाफ पूर्व में लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू दोनों में शिकायतें दर्ज कराई गई थीं, जिनकी जांच के बाद अब एफआईआर दर्ज की गई है। ईओडब्ल्यू टीआई राजकुमार यादव के अनुसार, अनिल संघवी (निवासी विजयनगर, इंदौर) की शिकायत पर कार्रवाई की गई है। इसमें जय नारायण चौकसे, अनुपम चौकसे, धर्मेंद्र गुप्ता, श्वेता चौकसे, पूनम चौकसे, पूजा चौकसे, आशीष जायसवाल समेत अन्य के खिलाफ आर्थिक अपराध की धाराओं में बुधवार को एफआईआर दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता अनिल संघवी ने बताया कि आरोपी आस्था फाउंडेशन फॉर सोसाइटी के पदाधिकारी हैं। उन्होंने एक ट्रस्ट बनाकर फर्जीवाड़ा करते हुए आर्थिक लाभ लिया है। सोसाइटी का गठन शैक्षणिक गतिविधियों, अस्पताल और अन्य सामाजिक सेवाओं के संचालन के लिए किया गया था।

फिर से बम धमाके की मिली धमकी, पुलिस ने अलर्ट जारी कर बढ़ाई सुरक्षा

मुंबई, 11 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई में एक बार फिर बम धमाके की धमकी मिली है। जानकारी के अनुसार, आज सुबह हेल्पलाइन नंबर 112 पर एक अज्ञात व्यक्ति ने कॉल किया और कहा कि मुंबई के समुद्र क्षेत्र में बम फटा सकता है। कॉल मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। धमकी मिलते ही मुंबई पुलिस ने तुरंत सुरक्षा बढ़ा दी। शहर के विभिन्न हिस्सों में पेट्रोलिंग तेज कर दी गई है। समुद्र किनारे और प्रमुख समुद्री रास्तों पर सघन जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने कहा कि वे किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए पूरी तैयारी में हैं। पुलिस का कहना है कि अज्ञात कॉलर की पहचान करना उनके लिए प्राथमिकता है। तकनीकी टीम और साइबर क्राइम शाखा के अधिकारी इस मामले में जुटे हैं। कॉल रिकॉर्ड, नंबर लोकेशन और अन्य सुरागों की मदद से अज्ञात व्यक्ति तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। मुंबई पुलिस ने आम लोगों से भी सतर्क रहने की अपील की है। कहा गया है कि अगर कोई संदिग्ध व्यक्ति या पैकेज नजर आए तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। साथ ही लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और सोशल मीडिया पर बिना पुष्टि की खबरों को साझा न करने को कहा गया है। हालांकि अभी तक धमाका नहीं हुआ है, लेकिन सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने सभी संभावित खतरनाक इलाकों की जांच तेज कर दी है। मुंबई पुलिस ने कहा कि शहर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और किसी भी आपात स्थिति के लिए टीम तैयार है। पुलिस लगातार चौकसी बनाए हुए है और सुरक्षा उपायों को लगातार अपडेट किया जा रहा है। समुद्र किनारे के इलाकों में निगरानी कैमरों की मदद से भी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

बिहार चुनाव के लिए लालू यादव से टिकट मांगने पटना पहुंचे नवादा के लोग

पटना, 11 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र महागठबंधन में टिकट बंटवारे को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इस बीच पटना में आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से मिलने नवादा जिले के कई लोग पहुंचे। ये सभी लोग हिसुआ विधानसभा से अपने पसंदीदा उम्मीदवार को टिकट देने की मांग कर रहे थे। इस मुलाकात का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, राजनीतिक दलों में टिकट को लेकर खींचतान तेज हो गई है।

महागठबंधन में भी उम्मीदवार तय करने को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। आरजेडी के प्रमुख लालू यादव के पास हाल के दिनों में विभिन्न जिलों से कई प्रतिनिधिमंडल टिकट की

मांग लेकर पहुंच रहे हैं। इसी कड़ी में नवादा जिले के हिसुआ विधानसभा क्षेत्र से आए लोग भी टिकट के लिए लालू यादव से मिले। नवादा से आए लोगों में से एक ने लालू यादव को 'दादा' कहकर संबोधित किया और हिसुआ विधानसभा सीट से उदय यादव को टिकट देने की गुहार लगाई। इस दौरान सभी लोग एक सुर में अपने पसंदीदा उम्मीदवार के पक्ष में नारे लगाते दिखे। चुनावी मौसम में नेताओं तक सीधे पहुंचकर टिकट मांगना जनता के राजनीतिक जुड़ाव को भी दर्शाता है। यह घटना इस बात की भी पुष्टि करती है कि बिहार में चुनाव केवल पार्टी और उम्मीदवार तक सीमित नहीं, बल्कि जनता की सक्रिय भागीदारी भी अहम होती है।

लालू यादव से मुलाकात के दौरान बने इस वीडियो ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। वीडियो वायरल होते ही इस पर राजनीतिक बहस तेज हो गई है और लोग इसे आगामी विधानसभा चुनाव के समीकरणों से जोड़कर देख रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसे वीडियो चुनावी माहौल को और गरमाते हैं तथा टिकट बंटवारे पर दबाव बनाने का साधन बन जाते हैं। बिहार के मौजूदा राजनीतिक माहौल में यह मामला आरजेडी और महागठबंधन के लिए रणनीतिक चुनौती के रूप में उभर सकता है।

बरसात से दुश्वारियां जारी

शिमला, 11 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में बरसात से दुश्वारियां लगातार जारी हैं। जगह-जगह भूस्खलन से राज्य में गुरुवार सुबह 10:00 बजे तक तीन नेशनल हाईवे सहित 577 सड़कें बंद रहीं। 812 बिजली ट्रांसफार्मर व 369 जल आपूर्ति योजनाएं भी बाधित हैं। कुल्लू जिले में सबसे अधिक 211, मंडी 154, शिमला 72, कांगड़ा 42, चंबा 30 व सिरमौर में 29 सड़कें बंद हैं। शिमला सहित कई अन्य भागों में रात से रुक-रुककर बारिश जारी है। प्रदेश में बादल फटने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। भारी बारिश, बाढ़ एवं भूस्खलन से हर साल तबाही हो रही है।

पहाड़ों पर पिछले 30 वर्षों में अत्याधिक बारिश की घटनाओं में 200 फीसदी तक बढ़ोतरी हो गई है। इस मानसून सीजन के दौरान अभी तक कुल 4,30,676.05 लाख रुपये की संपत्ति का नुकसान हो चुका है। इस मानसून सीजन में 20 जून से 10 सितंबर तक 380 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। 439 लोग घायल हुए हैं।

फ्लाईओवर विवाद में एचसी में रिपोर्ट पेश

90 नहीं बल्कि 119 डिग्री का निकला ब्रिज, अगली सुनवाई 17 सितंबर

जबलपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। हाईकोर्ट में भोपाल के ऐशबाग क्षेत्र स्थित फ्लाईओवर ब्रिज को लेकर महत्वपूर्ण रिपोर्ट पेश की गई। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ के समक्ष मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) के प्रोफेसर ने जांच रिपोर्ट दाखिल की। रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि ब्रिज का मोड़ 90 डिग्री नहीं, बल्कि 118 से 119 डिग्री के बीच है। याचिकाकर्ता मेसर्स पुनीत चड्ढा की ओर से दायर याचिका में आरोप लगाया गया था कि उनकी कंपनी को बिना सुनवाई का अवसर दिए सरकार ने ब्लैकलिस्ट कर दिया। याचिका में कहा गया कि फ्लाईओवर निर्माण का ठेका 2021-22 में कंपनी को मिला था और कार्य सरकारी एजेंसी द्वारा जारी जीएडी (जनरल अरेंजमेंट ड्राइंग) के आधार पर किया गया। बाद में 2023 और 2024 में जीएडी में संशोधन भी किया गया। गौरतलब है कि ब्रिज में 90 डिग्री का मोड़ होने की खबरें सामने आने के बाद सरकार ने पांच सदस्यीय जांच समिति गठित की थी।

समिति ने पाया कि मोड़ वाले हिस्से के नीचे से रेलवे ट्रैक गुजरता है और राज्य सरकार तथा रेलवे विभाग के बीच समन्वय की कमी रही। साथ ही, ब्रिज के खंभे भी निर्धारित दूरी पर नहीं लगाए गए थे। हाईकोर्ट ने प्रोफेसर को ब्रिज की तकनीकी जांच का जिम्मा सौंपा था और इसके लिए याचिकाकर्ता को एक लाख रुपये फीस देने के निर्देश दिए थे। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि याचिकाकर्ता का दावा सही पाया जाता है तो वह फीस की राशि वसूलने का हकदार होगा। साथ ही, फिलहाल कंपनी के खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई नहीं की जाएगी।

पडोसी देशों का हस्र

पडोसी देश नेपाल के युवाओं ने मात्र चौबीस घंटों में सत्ता पलट कर उन सत्ताधीशों को चेता दिया है जो लोकतंत्र से रोज ही खिलवाड करते देखे जाते हैं। सबसे पहले श्रीलंका ने ऐसी हिमाकत की तो वहां के राजनेता भागते फिरे। फिर मामला सामने आया बांग्लादेश का जहां की प्रधानमंत्री जनआक्रोश से बचकर भारत में शरण लिए हुए हैं। आर अब नेपाल का हस्र दुनिया देख रही रही है। देखा जाए तो जनआक्रोश सभी जगह एक जैसा ही था। देश कोई भी हो, लेकिन उक्त देशों के सत्ताधीशों की हालत देख कर सबक लेना चाहिए कि जनता का गुस्सा पल भर में किसी की भी हैसियत खाक कर सकता है। बांग्लादेश में जब विद्रोह हुआ तो नेपाल खुश था कि उसके यहां ऐसा कुछ नहीं होने वाला। उनका यही भ्रम आज उनकी दरो दीवार को खोखला कर दिया। नतीजतन वहां के सत्ताधीशों को देश छोडकर भागना पडा है। नेता आखिर कब समझेंगे कि जिस तरह सोने में सुगंध नहीं होती, गन्ने में फूल नहीं होते और चंदन में फल नहीं होते- उसी तरह जनता-जनार्दन की लाठी में भी आवाज नहीं होती। आजादी के बाद भारत में तेजी से होते विकास को आखिर पड़ोसी देश क्यों नहीं देख सके। इन पड़ोसी देशों में विकास के नाम पर केवल सत्ताधीशों के घरों के भंडार भरते गए। सत्ता का स्थायित्व भी इन देशों में या तो न के बराबर रहा या एक ही परिवार व सत्ताधीश ने इतने लम्बे समय तक राज किया कि एक समय बाद उनके कामों से बदबू फैलने लगी, नतीजतन लोगों का गुस्सा तूफान बनकर टूट पड़ा। देखा जाए तो भारत में भी गांवों की हालत आज भी बदहाल ही है। गांवों की हालत उस तरह नहीं सुधर पाई, जिस तरह की अपेक्षा की गई थी। वर्षो से चुनाव पर चुनाव होते जा रहे हैं। कोई जीत रहा है। कोई हार रहा है। लेकिन गांव की हालत अभी भी जस की तस है। शहरों में जरूर विकास की हरियाली दिखाई देती है, लेकिन इस विकास और नई अर्थव्यवस्था ने शहरों के बाजारों को चुम्बक और आदमी को लोहा बनाकर रख दिया है। बाजार जितने लहलहा रहे हैं, लोग उतने ही भावनाशून्य हो गए हैं। मोबाइल की इस दुनिया ने ई-सम्पर्क का दायरा तो बढ़ा है लेकिन मेल-जोल, रूठना-मनाना, गप-शप करना, सब इतना सीमित हो गया कि आदमी से आदमी का मिलना दूभर हो गया है। किसी के पास वक्त नहीं है। सच यह है कि आप मोबाइल खरीद सकते हैं लेकिन रिश्ते नहीं। दोस्त भी नहीं। बहरहाल, देश कोई भी हो, सत्ताधीशों को सोचना ही होगा कि जनता के गुस्से को किस तरह शांत करके रखें। किस तरह की सुविधाएं उन्हें दे सकते हैं? किस तरह का विकास उनके क्षेत्र में कर सकते हैं, जिससे उनका जीवन आसान हो सके। यह बात समग्र विकास की है। मुफ्त की रेवड़ियों से कुछ नहीं होने वाला है। क्योंकि ये मुफ्त की रेवड़ियां एक तरह से चुनाव जीतने का उपक्रम भर हैं... और कुछ नहीं। भारत में सुरसा के मुंह की तरह बढ़ रहे चुनाव-खर्च ने पूरी व्यवस्था को, पूरे ढांचे का ही अस्थिपंजर ढीला कर दिया है। इसे सुधारने का कोई मैकेनिज्म बनाना ही होगा। एक जमाना था, जब पं. द्वारका प्रसाद मिश्र का निर्वाचन इसलिए रद्द कर दिया गया था क्योंकि उन्होंने चुनाव में सीमा से एक रुपया ज्यादा खर्च कर दिया था! अब तो प्रत्याशी कोई भी हो, अनाप-शनाप खर्च करना ही शान की बात हो गई है। चुनाव में पैसा पानी की तरह बहाया जाता है, लेकिन चुनाव आयोग को सीमा के भीतर का हिसाब थमा दिया जाता है। आयोग भी उससे संतुष्ट हो जाता है। धरातल पर जांचने-परखने की कोई विधि नहीं है। है भी तो कोई यह जेहमत उठाना नहीं चाहता। आज-कल में बिहार में भी यही होने वाला है। एक तरफ गंगा मैया में पानी बहेगा और दूसरी तरफ बिहार की धरती पर पैसों की बाढ़ आएगी। इस बाढ़ में कई लोग नहाएंगे और कहीं ज्यादा लोग बह जाएंगे।

आज का संचार माध्यम और उसकी हिन्दी भाषा

राजकुमार जैन राजन

समें दो राय नहीं कि अंग्रेजी अच्छी भाषा है। भूमंडलीकरण, वैश्वीकरण और बाजारवाद के मौजूदा दौर में यह दुनियाभर में समझी जाती है। लिहाजा तरक्की के लिए, रोजगार पाने लिए नौजवानों को अंग्रेजी सीखना बहुत जरूरी है। लेकिन अपने ही देश में अगर हम अंग्रेजी को हिन्दी के सिर बिठाएंगे, तो हमारी अस्मिता, हमारा वजूद खत्म होने में देर नहीं लगेगी।

हिन्दी भारत के जनमानस की भाषा है, राष्ट्रभाषा है, संपर्क भाषा है और साथ ही राजकीय प्रयोजनों के लिए भारतसंघ की राजभाषा भी हैं और विश्व स्तर पर इसका निरन्तर विस्तार भी हो रहा है। हमारे देश में ऐसा कौनसा क्षेत्र है जहाँ हिन्दी भाषा बोली या समझी नहीं जाती हैं। हिन्दी के बारे में खूब लिखा व पढा जा रहा है। आज संचार माध्यमों (मीडिया) ने हिन्दी का जो रूप गढ़ दिया है उस पर चिंताएं आपके सम्मुख प्रस्तुत कर रहा हूँ जो चिंताएं व्यक्त की गई हैं, वह हमें सावधान करने की कोशिश ही है कि वर्तमान परिवेश की पंगुता कहीं हमारी भाषा हिंदी को पंगु न बना दे। कई अखबार, टी. वी. चैनल और यहां तक कि हिंदी के पत्रकार, लेखक और आज प्रयास पूर्वक अपनी श्रेष्ठता दिखाने के लिए अथवा युवा वर्ग की पसंद का खयाल रखने के नाम जिस तरह की हिन्दी - अंग्रेजी को मिश्रित करके 'हिंगलिश' परोस रहे हैं ,उसकी हर जगह आलोचना और विरोध होना चाहिए। 'हिंगलिश' के चलन में आने से एक नई किस्म की भाषा का विकास हो रहा है। आज संचार माध्यमों की भाषा की वजह से मौलिकता का पतन हो रहा है। घरों में नई - पुरानी पीढ़ी के बीच संवादहीनता और असहनशीलता बढ़ रही है। संचार माध्यमों द्वारा भ्रामक खबरें फैलाई जा रही है कि खेती -किसानी, इंजीनियरिंग, व्यापार, उद्योग-धंधे, मजदूरी, नौकरी, लाइफस्टाइल, घर-गृहस्थी आदि काम इस नई हिन्दी बोलने से ही समृद्ध हो पाएंगे और हिन्दी विश्व भाषा बनने की ओर अग्रसर हो पाएगी। समाचार पत्र, पत्रिकाओं, टी. वी. धारावाहिकों द्वारा हिंदी भाषा का जो हाल किया जा रहा है, उसे देख कर चिंता होती है। दुर्भाग्य से हमारे देश में सभी प्रकार की उच्च शिक्षा अधिकतर अंग्रेजी में ही उपलब्ध है। अब तक एक अच्छा वकील, डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, वैज्ञानिक, उद्योगपति, या प्रशासन में उच्चाधिकारी बनना है तो कुछ अपवाद को छोड़कर अंग्रेजी के अलावा दूसरा कोई पर्याय नहीं था। यही कारण है कि भारतीय युवा इस नई हिन्दी भाषा की तरफ तेजी से आकर्षित हो रहा है। छात्र हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं से दूर होते जा रहे हैं, जो हिन्दी के लिए शुभ संकेत नहीं है। वर्तमान सरकार ने उच्च शिक्षा के लिए हिंदी को भी स्वीकार कर एक अनूठा कार्य किया ह आज प्रतिष्ठित बड़े, समाचार पत्र, पत्रिकाएं, धारावाहिक, फिल्में ही नहीं, बच्चों के लिए निकलने वाली हिन्दी पत्रिकाएं भी धड़ल्ले से इस नई हिन्दी भाषा का प्रयोग कर रही है, तो आने वाली पीढ़ी कौनसी हिन्दी सीखेगी?

प्रतिष्ठित समाचार पत्रों की खबरों के शीर्षक देखकर चौंकना स्वाभाविक है। मीडिया की बदौलत आज हिन्दी की अनेक असंगत वाक्यावली युक्त उक्तियों एवम भ्रमोत्पादक संरचनाओं के दौर से गुजरना पड़ रहा है। इस मीडिया के बदौलत ही कल का 'योग ', 'हरे राम, हरे कृष्ण' - 'योगा 'और 'हरे रामा, हरे कृष्णा ' में तब्दील होकर जनमानस की जुबान पर चढ़ गया है। अंग्रेजी के लिए भी जब हिन्दी के कई शब्द व्यवहार में आ गए हैं तो उनका उपयोग न करके, जाने कहाँ की टकसाल से नए - नए शब्दों को ढालने की कारीगिरी का उद्देश्य आखिर क्या है? एक नया षड़यंत्र हिन्दी और तमाम भारतीय भाषाओं के साथ शुरू हो गया है। अब हर भाषा में अंग्रेजी के निरर्थक शब्दों को ठूंस कर उनका अंग्रेजीकरण किया जा रहा है। तर्क दिए जा रहे हैं कि यही वर्तमान समय में बोलचाल की भाषा है। इस तरह यह अहसास कराए जाने की कोशिश की जा रही हैकि आपकी भाषा हिन्दी अपर्याप्त है और बिना किसी अंग्रेजी शब्द के उसमें काम नहीं चल सकता। आज समाचार पत्रों के कवरेज, कलाकारों द्वारा दिये गए साक्षात्कारों, टी.वी. पर प्रसारित धारावाहिकों, बहसों के संवादों में इस तरह की भाषा का सर्वाधिक प्रभाव दिखाई देता है। चिंता हिन्दी भाषी समाज के स्वभाव पर भी होनी चाहिए कि वह अपनी भाषा के प्रति बहुत सम्मान का भाव नहीं रखता। उसकी भाषा के साथ हो रहे खिलवाड़ पर वह कोई तीव्र आपत्ति भी नहीं करता। मीडिया और मनोरंजन की पूरी दुनिया हिन्दी को हिंगलिश बनाने के इसी विस्तारवाद का फायदा उठा रही है। दरअसल हिंगलिश व अंग्रेजीयत इन संचार माध्यमों की बदौलत ही आज की पीढ़ी के वजूद पर इस कदर हावी है कि वह हिन्दी बोलना, लिखना, हिन्दी में काम करना अपनी तौहीन समझने लगा है। आज एक चिंता चौतरफा व्याप्त हो गई है जिसे देखकर एक सच्चे हिन्दी प्रेमी का दिल रो पड़ता है। यह खतरा एक संकेत मात्र है कि कई बड़े अखबार, मीडिया हाऊस भाषा की इस भ्रष्टता को अपना आदर्श मान रहे हैं... संचार माध्यमों द्वारा जो भाषा प्रयोग में लाई जा रही है वह संस्कारहीनता भी पैदा कर रही है। यदि इस दिशा में संचार माध्यमों को नियंत्रित नहीं किया गया तो हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक व पुरातन स्वरूप ही खतरे में पड़ जायेगा।

संचार माध्यमों की हिन्दी संस्कारहीन शब्दों से बदनामी झेल रही है। एफ. एम. चैनलों की हिन्दी तो भाषायी संस्कारों से बिल्कुल परे हैं।इन्हें केवल मनोरंजन, फैशन और अपनी टी. आर. पी. बढ़ाने से मतलब है। इनकी हिन्दी, हिन्दी के नियंत्रण से बाहर है जो केवल मिजाज और मस्ती को लेकर चलती है, इन्हें तो बस मस्ती वाली भाषा ही चाहिए, फिर चाहे वह कितनी ही संस्कारहीन क्यों न हो। यही स्थिति कमोबेश हिन्दी के विज्ञापनों के साथ हो थी है। तर्क यह कि यही बाज़ार की मांग है। एक साधारण -सा कारण हिन्दी पत्रकारिता में आई गिरावट भी है। इसमें मुख्य तौर पर अंग्रेजी पत्रकारिता के अनुवाद पर आश्रित रहना है। ज्यादातर हिन्दी मीडिया वालों ने यह मान लिया है कि अंग्रेजी वालों के पास ही 'ज्ञान का खूंटा ' है।..जब तक वे ज्ञान नहीं बांटेंगे, हमारा भला नहीं होगा।हिन्दी भाषा के साथ सबसे बड़ी दिक्कत यही पेश आ रही है। अंग्रेजी का अनुवाद होने से हिन्दी का रस तो खत्म होता ही है, यह उसकी समृद्धि में भी बाधक है यानी हिन्दी को खतरा हिन्दी वालों से ही है। संचार माध्यमों का धरातल व्यापक और विस्तृत हैं अतएव मीडिया को हिन्दी के संस्कारों के साथ चलना होगा, इसके लिए मानदंड स्थापित करने होंगे। अन्यथा संचार माध्यमों द्वारा विकृत की गई हिन्दी भाषा से हम अपनी अस्मिता तथा स्वाभिमान ही गँवा बैठेंगे। केवल मंचों पर हिन्दी में भाषण देकर, नारे गाकर, हम राष्ट्र की गरिमा की रक्षा नहीं कर सकते। सारी दुनिया जानती है कि हिन्दी का व्याकरण सर्वाधिक वैज्ञानिक है।

यहां कुछ बात हमारे प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी के बारे में कहना चाहूंगा। उन्होंने हिन्दी की कहीं वकालत नहीं की, कोई तर्क नहीं दिया परन्तु आचरण से हिन्दी के पक्ष में अच्छा वातावरण बना दिया कि हर सभा, व्यापारिक संगठनों में, क्लबों आदि कार्यक्रमों में हिन्दी छाई जाने लगी है । विदेशों में भी उन्होनें अपने भाषण शुद्ध हिन्दी में दिए और सारे संसार ने देखा कि अब भी हिन्दी में भाषण सुनने के लिए कैसे भारतीय ही नहीं, विदेशी भी लालायित रहते हैं। इतना प्रबल हिन्दी समर्थन देखकर क्या कोई कह सकता हैं कि हिन्दी का पक्ष कमजोर है। बस, प्रधानमंत्री पहल करें तो आज के मीडिया पर हिन्दी भाषा को विद्रूप करने के प्रयासों पर लगाम लग सकती है। हिन्दी हमारी अस्मिता की, सांस्कृतिक चेतना की अभिव्यक्ति व संरक्षिका है। यह हमारी राष्ट्रीय एकता, धार्मिक सहिष्णुता और मेल-मिलाप की भाषा है और कभी किसी पर जबरदस्ती लादी नहीं गई है। इसके अस्तित्व को कायम रखना सभी भारतवासियों का दायित्व है।

बिहार में चुनाव पूर्व हिंसा का पुराना इतिहास

अशोक भाटिया

हाल ही में पटना में आरजेडी नेता की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना चित्रगुप्त नगर थाना क्षेत्र के कॉलेज ऑफ कॉमर्स के पास की है। मृतक की पहचान राज कुमार उर्फ आला राय के रूप में हुई है। सूत्रों के अनुसार मृतक जमीन कारोबार से भी जुड़ा था। इसके साथ ही वो इस दफा राघोपुर से चुनाव लड़ने की भी तैयारी कर रहा था। इससे पहले उसकी बुधवार की रात में उसकी हत्या कर दी गई। इसी कारण इस हत्या को भी आगामी चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है । गौरतलब है कि आज तक बिहार विधानसभा चुनाव का नाम सुनते ही राजनीति की गूंज और जातीय समीकरण की गहराई याद आने के साथ एक और चीज सामने आती है। वह है, चुनावी हिंसा। यहां चुनाव सिर्फ मतपत्र का उत्सव नहीं बल्कि लाशों की लंबी कतार और बंदूक की गूंज भी है। साल 1947 से लेकर आज तक बिहार में शायद ही कोई चुनाव ऐसा बीता हो, जब खून न बहा हो।देश की आजादी के बाद बिहार पहली बार चुनाव 1951-52 में हुए थे। उस समय हिंसक घटनाएं नहीं हुई थीं। बिहार में शांतिपूर्ण चुनाव का दौर 1968 बना रहा है। उसके बाद हर चुनाव में हिंसक घटनाओं के साथ लोगों की हत्याएं हुईं। बिहार में राजनीतिक हत्या की पहली घटना 1965 में हुई थी। उस समय कांग्रेस से पूर्व विधायक शक्ति कुमार की हत्या कर दी गई थी। विधायक की हत्या के बाद उनका शव तक नहीं मिला था। शक्ति कुमार दक्षिणी गया से विधायक रहे थे। शक्ति कुमार की हत्या के बाद 1972 में भाकपा विधायक मंजूर हसन की हत्या उनके फ्लैट में कर दी गई थी। 1978 में भाकपा के ही सीताराम मीर को भी मार दिया गया। 1984 में कांग्रेस के नगीना सिंह की हत्या हो गई। टीओईआई के अनुसार बिहार विधानसभा में हिंसक घटनाओं की बात करें तो साल 1969 में पहली बार चुनाव चार लोग मारे गए, 1977 में 28, 1980 में 38, 1985 में 69, 1990 में 67, 1995 में 54, 2000 में 61, फरवरी 2005 में पांच और अक्टूबर-नवंबर 2005 के विधानसभा चुनावों में 27 लोग मारे गए। सबसे ज्यादा लोग 1985 के चुनाव में मारे गए थे। साल 2005 के बाद चुनाव आयोग की सख्ती के कारण चुनावी बिहार में हिंसक घटनाओं में कमी आई और इनमें मरने वालों की संख्या भी काफी हद तक कम हो गई। फरवरी और अक्टूबर 2005 के चुनाव में 17 मौतें हुई थीं। साल 2010 में 5 लोगों की मौत हुई थी। साल 2015 में किसी की मौत नहीं हुई, जबकि इस चुनाव में बिहारियों के डीएनए तक का मुद्दा उठा था। आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि 1990 और 2004 के बीच कुल नौ चुनावों के दौरान चुनाव संबंधी हिंसा में 641 लोगों की जान चली गई। इसमें से 196 लोगों की मौत केवल 2001 में पंचायत चुनावों के दौरान हुई थी, जो बिहार में 23 साल के लंबे अंतराल के बाद हुए थे। 2004 के लोकसभा चुनाव में कुल 28 लोगों की जान चली गई थी। ये सभी लोग या तो चुनाव के दौरान मारे गए, या चुनाव के दिन ही, या कई मामलों में, यहां तक कि किसी निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव समाप्त होने के बाद भी। कानून व्यवस्था ने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया था। आइए इन आंकड़ों की तुलना 2009 और 2014 के लोकसभा चुनावों और 2005, 2010 और 2015 के विधानसभा चुनावों से करें। उपर्युक्त दो लोकसभा चुनावों में आठ और उपरोक्त तीन विधानसभा चुनावों में कुल सात लोगों की मौत हुई थी। 2015 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में इस तरह की घटनाओं में एक भी व्यक्ति की मौत नहीं हुई थी। यह चमत्कारी लगता है, लेकिन एक सच्चाई है। सैकड़ों अपराध सिर्फ एक उद्देश्य, बूथ लूट के इर्द-गिर्द घूमते थे। यह प्रथा 1927 से चली आ रही है, जब जिला बोर्ड चुनावों के दौरान, बिहार और शायद भारत के चुनावी इतिहास में पहली बार फिर से मतदान का आदेश दिया गया था। हालांकि, इसका कोई आधिकारिक रिकॉर्ड नहीं है।

और फिर यह नई ऊंचाइयों को छूता चला गया। प्रारंभ में, बूथ लूट कुछ व्यवसाय थी, लेकिन इसका धीरे-धीरे अपराधियों के हाथों में प्रवेश हो गया, जिन्होंने बाद में केवल अपने लॉर्ड्स के लिए काम करने के बजाय चुनाव लड़कर अपनी क्षमता का परीक्षण करना शुरू कर दिया, पहले बदनाम किया और फिर अंत में राजनीतिक संस्थानों के चरित्र को तोड़ दिया। बूथ लूट और उसके परिणामस्वरूप फिर से मतदान और चुनाव रद्द करना एक नियम बन गया था। पटना में लोकसभा चुनाव 1991 और 1998 में दो बार रद्द किए गए थे। यह राज्य की राजधानी का राज्य था। कल्पना कीजिए कि छोटे शहरों और गांवों में क्या हो सकता था। निर्वाचन अधिकारियों द्वारा निर्वाचन आयोग और राज्य सरकार को भेजी गई रिपोर्टों के डोजियर अच्छी तरह से रखे हुए हैं। यहां तक कि चुनाव रद्द करने के संबंध में चुनाव आयोग के फैसलों को भी कई बार लड़ा गया था। लेकिन तब वे निर्णय पूरी तरह से रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा अपनी रिपोर्ट में लिखी गई बातों पर आधारित थे। छपरा में 2004 में चुनाव आयोग को इसे शून्य कहने में काफी दिक्कत हुई थी। अंत में, मतदान को रद्द कर दिया गया। ये केवल कुछ स्पष्ट उदाहरण हैं। काउंटरमैंडिंग की कई अन्य घटनाएं मीडिया में अच्छी तरह से प्रलेखित हैं और सरकारी फाइलों में दर्ज हैं। यहां एक उल्लेखनीय घटना है जब 1998 के लोकसभा चुनाव के दौरान मंत्रियों सहित दो दर्जन विधायकों को बूथ पर कब्जा करते हुए पकड़ा गया था। अगर कोई यह देखता है कि राज्य में कितनी बार फिर से मतदान का आदेश दिया गया था, तो इससे अधिक निराशाजनक तस्वीर सामने नहीं आ सकती है। प्रतिनिधित्व के बहुत ही उपकरणों को एक मूक दफन दिया गया था। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि केवल एक राज्य बिहार में 4,995 बूथों पर फिर से चुनाव कराए गए और केवल एक चुनावी वर्ष में, वह 1998 का लोकसभा चुनाव था।इसकी तुलना 1952 के लोकसभा चुनावों से करें, जब केवल 26 बूथों पर पुनर्मतदान हुआ था। इसलिए, बूथ लूट कहीं अधिक संगठित व्यवसाय बन गई और देश के पहले चुनाव के 45 साल बाद फिर से चुनावों की संख्या चार गुना से अधिक हो गई। विधानसभा चुनाव अपनी छाप छोड़ने में भी पीछे नहीं रहे। 1995 के विधानसभा चुनावों के दौरान, 1,668 बूथों पर पुनर्मतदान का आदेश दिया गया था। इसी तरह वर्ष 2000 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान 1,420 बूथों पर पुनर्मतदान हुआ था। 2004 में जब तक इलेक्ट्रॉनिक और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) ने भारतीय चुनावों में प्रवेश किया, तब तक मतदाताओं का उचित प्रक्रिया में विश्वास नहीं रह गया था और बाद में कुछ अन्य उत्तर भारतीय राज्यों के साथ बिहार में भी मतदान प्रतिशत कम हो गया था। वैसे, ईवीएम को भी नहीं बख्शा गया। उन दिनों चुनाव प्रक्रिया के दौरान शरारती तत्वों द्वारा ईवीएम को नष्ट किए जाने की खबरें बहुत अधिक थीं। और फिर केक पर कुछ आइसिंग भी इंतजार कर रही थी। यह तब उपलब्ध हुआ जब मतदान के दिन एक मतदान क्षेत्र के प्रबंधन को परीक्षण के लिए रखा गया था। ईवीएम से छेड़छाड़ की सामान्य बात के खिलाफ, जो अब तक झूठी साबित हुई है और इसे नौटंकी करार दिया गया है, मैं उनके प्रबंधन की बात करूंगा। उन दिनों पत्रकारों के लिए यह रिपोर्ट करना असामान्य नहीं था कि कैसे पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती के साथ छेड़छाड़ की गई थी, ताकि ईवीएम या यूं कहें कि बूथ को प्रबंधित किया जा सके, छेड़छाड़ को भूल जाइए।

इस हार- जीत के राजनीतिक निहितार्थ

राज कुमार सिंह

राजनीतिक दावों-प्रतिदावों की औपचारिकता से परे सच यही है कि उप-राष्ट्रपति चुनाव में राजग उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन की जीत में कभी कोई संदेह था ही नहीं, पर हार-जीत का उम्मीद से अधिक अंतर और भी बहुत कुछ कहता है। उप-राष्ट्रपति चुनाव में संसद के दोनों सदनों के सदस्योंवाला निर्वाचक मंडल मतदान करता है। इसलिए चुनाव से पहले ही समीकरण समझ पाना मुश्किल नहीं होता। फिर भी चुनाव परिणाम की घोषणा तक दिलचस्पी बनी रहती है, क्योंकि उप-राष्ट्रपति चुनाव में पार्टी व्हिप जारी नहीं होता और अंतर्रात्मा की आवाज पर क्रॉस वोटिंग की संभावनाएं जगायी जाती हैं। इस बार भी ऐसा किया गया। अंतर्रात्मा की आवाज का नारा तो विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की ओर से दिया गया, लेकिन उपलब्ध समर्थन से भी 25 मत ज्यादा राजग उम्मीदवार राधाकृष्णन को मिल गये। निर्वाचक मंडल में राजग के पास 427 वोट थे, लेकिन राधाकृष्णन को 452 वोट मिले। उधर 'इंडिया' गठबंधन के पास निर्वाचक मंडल में 315 वोट थे, लेकिन उसके उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट ही मिले। बेशक 15 वोट अमान्य भी घोषित हुए, लेकिन तय है कि, अंतर्रात्मा की आवाज पर, राजग उम्मीदवार को अतिरिक्त वोट मिले, जो कि विपक्षी खेमे में दरारों का स्पष्ट संकेत है।

उप-राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान से पहले सांसदों को वोटिंग प्रक्रिया की बाकायदा मॉक एक्सरसाइज भी करवायी गयी थी। उसके बावजूद 15 वोटों का अमान्य घोषित होना अनुत्तरित सवाल खड़े करता है। राधाकृष्णन को 25 वोट अतिरिक्त मिलने तथा 15 वोट अमान्य हो जाने पर टीका-टिप्पणी का सिलसिला अभी चलेगा, लेकिन यह तो मानना ही पड़ेगा कि सत्तारूढ़ राजग ने बेहतर प्रबंधन का प्रमाण दिया, जबकि इस चुनाव को वैचारिक लड़ाई बतानेवाला विपक्ष उसमें सेंध लगाना तो दूर, अपने गठबंधन को भी एकजुट नहीं रख पाया। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआरसीपी ने पहले ही राधाकृष्णन के समर्थन का ऐलान कर दिया था, जिसके 11 सांसद हैं। उन्हें भी जोड़ लें तो राधाकृष्णन को उम्मीद से 14 वोट ज्यादा मिले। इससे विपक्षी खेमे में परस्पर अविश्वास का माहौल है, जिससे आपस में दूरियां बढ़ेंगी। बेशक संवैधानिक पद उप-राष्ट्रपति के लिए उम्मीदवार चयन से दोनों ही गठबंधनों से राजनीतिक बिसात बिछाने की कवायद की थी। दक्षिण भारत में अपनी सत्ता का एकमात्र दुर्ग कर्नाटक भी कांग्रेस के हाथों गवां चुकी भाजपा ने तमिलनाडु के ओबीसी समुदाय से आनेवाले, संघ के स्वयंसेवक, राधाकृष्णन पर दांव लगाया, जबकि विपक्ष ने आंध्र प्रदेश से अलग हो कर पृथक राज्य बने तेलंगाना के किसान परिवार में जन्मे सुदर्शन रेड्डी पर। राधाकृष्णन झारखंड के बाद महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे, जबकि रेड्डी सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश हैं।

राधाकृष्णन को उप-राष्ट्रपति बनाने से दक्षिण भारत में भाजपा के समर्थन में कितना माहौल बन पायेगा—यह तो भावी चुनाव ही बतायेंगे, लेकिन तमिलनाडु के सत्तारूढ़ द्रमुक गठबंधन में सेंधमारी में उसे सफलता के संकेत नहीं मिलते। बेशक रेड्डी की उम्मीदवारी के जरिये आंध्र प्रदेश से समर्थन जुटाने का 'इंडिया' का दांव भी नाकाम रहा। राज्य में भाजपा के साथ गठबंधन सरकार चला रहे चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी तो छोड़िए, प्रमुख विपक्षी दल वाईएसआरसीपी तक ने रेड्डी को समर्थन नहीं दिया। मुख्यमंत्री नायडू से जगजाहिर कटुता के बावजूद जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआरसीपी द्वारा राजग उम्मीदवार का समर्थन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की राजनीतिक प्रबंधन कुशलता का ही एक और प्रमाण है। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के बीजू जनता दल, तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर की भारत राष्ट्र समिति और पंजाब के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल के शिरोमणि अकाली दल के मतदान से अलग रहने को भी राजग के लिए सकारात्मक ही माना जायेगा, जबकि 'इंडिया' तटस्थ दलों से समर्थन जुटाना तो दूर, अपने गठबंधन को भी एकजुट नहीं रख पाया। राधाकृष्णन को झारखंड और महाराष्ट्र से अतिरिक्त समर्थन मिलने की बात कही जा रही है। वे इन दोनों राज्यों के राज्यपाल रहे हैं। क्रॉस वोटिंग के लिए विपक्षी खेमे में शिवसेना (यूबीटी) और आम आदमी पार्टी पर संदेह किया जा रहा है, लेकिन दोनों ही ऐसा करने से इनकार कर रहे हैं। हमारे राजनेता हार में भी जीत देखने-दिखाने की कला में माहिर होते हैं। सो, आश्चर्य नहीं कि 52 वोट से अपने उम्मीदवार की हार के बावजूद 'इंडिया' ब्लॉक इसे अपनी नैतिक जीत बता रहा है। बेशक विपक्ष का वोट शेयर पिछले उप-राष्ट्रपति चुनाव के मुकाबले 26 प्रतिशत से बढ़ कर 40 प्रतिशत हो गया है, लेकिन 2022 और 2025 के राजनीतिक समीकरणों की तुलना ही अतार्किक है।

भारतीय संविधान की ताकत का संदेश

अजय कुमार

"हमें अपने संविधान पर गर्व है... पड़ोसी देशों को देखिए, वहां क्या हो रहा है।" सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई की यह टिप्पणी हाल ही में संविधान पीठ की सुनवाई में आई। यह वाक्य केवल एक कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा नहीं था, बल्कि दक्षिण एशियाई लोकतंत्र की मौजूदा स्थिति पर गहन चिंतन और चेतावनी भी था। गवई ने नेपाल और बांग्लादेश का हवाला देकर बताया कि जब संवैधानिक संस्थाएं कमजोर होती हैं, जब जनता का भरोसा व्यवस्था से उठता है, तो लोकतंत्र भीड़तंत्र में बदल जाता है। भारत का संविधान आज इस मायने में सबसे बड़ी ढाल है कि उसने बार-बार हमें संकटों से निकालकर लोकतंत्र की नींव को मजबूत रखा। नेपाल का उदाहरण सबके सामने है। बीते दिनों वहां की सड़कों पर जिस तरह का आक्रोश देखने को मिला, उसने पूरे दक्षिण एशिया का ध्यान खींचा। सोशल मीडिया पर बैन लगाने के सरकार के फैसले ने आग में घी का काम किया। युवा वर्ग, जिसे 'जेन-जेड' कहा जा रहा है, अब केवल अभिव्यक्ति की आज़ादी के लिए नहीं बल्कि भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और राजनीतिक अस्थिरता के खिलाफ आवाज उठा रहा है। संसद भवन तक भीड़ का पहुंचना, सुप्रीम कोर्ट परिसर में तोड़फोड़ और नेताओं के घरों पर हमले यह साबित करते हैं कि जनता का धैर्य टूट चुका है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को इस्तीफा देना पड़ा, लेकिन हिंसा थमी नहीं। सेना को कर्फ्यू लगाना पड़ा, फिर भी आंदोलन जारी है। नेपाल में यह अस्थिरता नई नहीं है। 2008 में जब राजशाही खत्म हुई, तो लगा था कि अब लोकतंत्र स्थिरता और विकास का रास्ता खोलेगा। लेकिन हकीकत उलट निकली। पिछले 17 वर्षों में वहां 14 सरकारें बदल चुकी हैं, कोई भी प्रधानमंत्री कार्यकाल पूरा नहीं कर सका। बार-बार राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के अधिकारों पर विवाद हुआ। सुप्रीम कोर्ट ने सरकारें गिराईं और बहाल कीं। संविधान, जो 2015 में लागू हुआ था, वह भी स्थिरता नहीं ला सका। परिणाम यह है कि जनता अब व्यवस्था से मोहभंग कर चुकी है और राजशाही की वापसी की मांग तक उठने लगी है। बांग्लादेश का परिदृश्य भी कुछ ऐसा ही है। हाल ही में प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता छोड़नी पड़ी और वे कुछ समय के लिए भारत में शरण लेने आईं। यह उस देश की त्रासदी है जिसने 1971 में पाकिस्तान से अलग होकर स्वतंत्रता पाई थी और लोकतांत्रिक भविष्य की उम्मीद जगाई थी। लेकिन वहां लगातार सत्ता संघर्ष, विपक्षी दलों के बीच अविश्वास और चुनावी प्रक्रिया पर सवालों ने संस्थाओं को खोखला बना दिया। जनता का भरोसा टूटने का नतीजा यही होता है कि लोकतंत्र केवल औपचारिकता रह जाता है और सड़क पर हिंसा ही असली राजनीति बन जाती है। इन हालातों की तुलना में भारत का लोकतंत्र और संविधान सबसे मजबूत उदाहरण बनकर सामने आता है। भारत ने भी संकटों का सामना किया है। 1975 का आपातकाल हमारे लोकतंत्र पर सबसे बड़ा हमला था।

उस दौर में मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए, मीडिया पर सेंसरशिप लगी और विपक्षी नेता जेल में ठूंस दिए गए।

गब्बर और गड्ढों का महामिलन

रामविलास जांगिड़

एक दिन शोले के ठाकुर ने कहा- गब्बर! डकैत बनकर क्या उखाड़ लिया? असली हिम्मत तो सड़कों पर गाड़ी चला कर दिखा दो। रामगढ़ पूरी उम्र तुम्हारे पांवों में पड़ा रहेगा। गब्बर को भी चुनौती अच्छी लगी। उसने कड़क आवाज़ में ऐलान किया- "ठाकुर! आज से गब्बर सिंह नहीं, ड्राइवर गब्बर कहलाएगा।" गब्बर ने गाड़ी स्टार्ट की। धड़ाम-भड़ाम आवाज़ आई। गब्बर ने सोचा, "वाह! गाड़ी भी मेरे जैसी खतरनाक लगती है।" गाड़ी अभी सौ मीटर ही चली थी कि सामने एक गड्ढा आ गया। गब्बर ने सोचा- "अरे छोटा सा गड्ढा है, गब्बर सिंह को क्या रोक पाएगा!" गाड़ी धड़ाम से गड्ढे में गिरी और गब्बर का सिर स्टीयरिंग से टकराया। गब्बर चिल्लाया- "अरे ओ सांभा! कितने गड्ढे हैं इस सड़क पर?" सांभा ने खिड़की से झांककर कहा- "सरदार, गड्ढे गिनने की कोशिश की थी... सौ में से 25 तक गिन पाया, फिर खुद गड्ढे में गिर गया!" थोड़ी दूर चला तो सड़क गायब और कीचड़ हाज़िर। गाड़ी फिसली और पूरा कीचड़ गब्बर के ऊपर होते हुए सांभा पर फैल गया। तुरंत डायलॉग निकला- ये हाथ हमें दे दो ठाकुर... ताकि हम इस सड़क बनाने वाले को पकड़ कर मार दें!" लोग हंस पड़े- "अरे गब्बर! ये गड्डे और कीचड़ हमारे गांव तो क्या पूरे शहर की पहचान हैं। इस देश की शान है! तू तो नया-नया आया है, हम तो सालों से इस झूले का मज़ा ले रहे हैं।" गब्बर गुस्से में बोला- "गब्बर के सामने जो हंसा, वो मरा समझो... लेकिन ये गड्ढे तो मुझे ही मार रहे हैं!"फिर गब्बर ने ब्रेक दबाया, पर गाड़ी रुकी नहीं। गड्ढा ही उसका ब्रेक बन गया। गब्बर तड़पकर बोला- "ये गाड़ी रुके ना रुके, पर गड्ढा कहीं भी गाड़ी रोक सकता है। ठाकुर! ये तो मुझसे भी बड़े डकैत है। सारे अफसर नेता पूरी सड़कों को गायब करके बरसों से डकैती डालते आ रहे हैं। आज से मैं भी इनके डकैत ग्रुप में शामिल हो जाता हूं।" पहले लोग कहते थे, गब्बर से डर लगता है। लेकिन अब गब्बर कहने लगा- "सांभा, मुझे गड्ढों से डर लगता है। जल्दी करो मुझे भी इन अफसरों के डकैत ग्रुप में शामिल होने दो।" सांभा बोला- "सरदार, आप तो पचास-पचास को मार देते थे, और आज गड्ढे देखकर कांप रहे हो!" गब्बर गरजकर बोला- "अरे पचास आदमी तो जिन्दा थे, जवाब देते थे... ये गड्ढे तो बिना बताए हमला कर देते हैं।"गाड़ी फिर उछली और गब्बर छत से टकराया। दर्द से कराहकर बोला- "बस करो रे! ठाकुर, तुझे बदला लेना था तो सीधे गोली मार देता। ये सड़क और गड्ढे क्यों दिए? गब्बर गोली से मरना पसंद करेगा, लेकिन इन गड्ढों से रोज़ मर-मर के मरना नहीं।" गब्बर ने गाड़ी रोक दी, हाथ जोड़कर बोला- "रामगढ़वासियों! आज से गब्बर सिंह डकैत नहीं, सड़क पीड़ित कहलाएगा। डकैती छोड़ दी, अब तो सड़क विभाग के खिलाफ धरना दूंगा।

उतार-चढ़ावों से भरा रहा जीवन, आशा भोसले के करियर और निजी जिंदगी से जुड़े अनसुने किस्से

50 के दशक से शुरू हुआ आशा भोसले का सिंगिंग करियर आज भी जारी है। पंडित दीनानाथ मंगेशकर के घर जन्मी आशा भोसले आज संगीत की दुनिया का ऐसा नाम बन चुकी हैं, जो किसी परिचय का मोहताज नहीं है। बड़ी बहन लता मंगेशकर के पद्चिन्हों पर चलते हुए वह भी संगीत की दुनिया में आईं, लेकिन आगे चलकर बड़ी बहन से ही रिश्ते बिगड़ गए। एक तरफ आशा भोसले ने बॉलीवुड में बेहतरीन गीत गाए, अपने लिए अलग नाम बनाया, वहीं उनका निजी जीवन तमाम उतार-चढ़ावों से भरा रहा। जानिए, आशा भोसले के जन्मदिन (8 सितंबर 1933) पर उनकी जिंदगी से जुड़े कुछ अनसुने किस्से।

कम उम्र में संगीत की दुनिया में रखा कदम

आशा भोसले जब नौ साल की थी तो अचानक पिता का निधन हो गया। बड़ी बहन लता मंगेशकर और परिवार के साथ आशा पुणे से मुंबई आईं। दोनों बहनों ने फिल्मों में गाना शुरू किया। आशा भोसले ने पहला गीत मराठी फिल्म 'माझा बाल' (1943) में गाया था। बॉलीवुड फिल्म 'चुनरिया (1948)' में 'सावन आया' नाम का गीत उन्होंने गाया। तब से लेकर अब तक आशा भोसले संगीत की दुनिया में सक्रिय हैं।

16 साल की उम्र में लता मंगेशकर के सेक्रेटरी से की शादी

लता मंगेशकर और आशा भोसले अपने करियर में धीरे-धीरे आगे बढ़ रही थीं। अचानक 16 साल की उम्र में आशा भोसले ने लता मंगेशकर के सेक्रेटरी गणपत राव भोसले से प्रेम विवाह कर लिया। गणपत राव आशा से 20 साल बड़े थे। इस रिश्ते को लता मंगेशकर और उनके परिवार ने स्वीकार नहीं किया। इस वजह से आशा और लता मंगेशकर के रिश्ते में दूरी भी आई, जो एक लंबे वक्त तक बनी रही। आशा भोसले ने एक इंटरव्यू में अपनी पहली शादी के बारे में कहा था, 'पति का परिवार रूढ़िवादी था, वह एक सिंगिंग स्टार को स्वीकार नहीं कर सका। जब मैं अपने छोटे बेटे आनंद को जन्म देने वाली थी तो परिवार ने मायके वापस लौट जाने को कहा।' आशा भोसले और गणपत राव की शादी नहीं चली, 11 साल बाद ये अलग हो गए। गणपत राव से आशा भोसले को तीन बच्चे हुए।

आर डी बर्मन से दूसरी शादी

पहली शादी टूटने के बाद आशा भोसले की जिंदगी में फिर से प्यार की बहार आई। उन्होंने 1980 में म्यूजिक कंपोजर, सिंगर आरडी बर्मन से शादी की। आरडी बर्मन आशा भोसले से 6 साल छोटे थे। साल 1994 में आरडी बर्मन का निधन हो गया। आरडी बर्मन और आशा भोसले ने साथ मिलकर बेहतरीन गानों पर काम किया।

क्या बड़ी बहन लता मंगेशकर से प्रोफेशनल राइवलरी थी?

एक वक्त बॉलीवुड इंडस्ट्री में ऐसा था, जब यह अफवाह उड़ती थी कि लता मंगेशकर और आशा भोसले के बीच प्रोफेशनल राइवलरी है। ऐसा कहा जाता है कि फिल्म 'तीसरी मंजिल' में आशा भोसले के गाए गाने हिट हुए तो उनकी तुलना लता मंगेशकर से होने लगी। बॉलीवुड गलियारों में इनके मनमुटाव की बातें सुनने को मिली। लेकिन आशा और लता मंगेशकर ने कभी खुलकर इन बातों का खड़न नहीं किया। आशा भोसले हमेशा ही लता मंगेशकर को अपना आइडल मानती रहीं, इस बात का जिक्र कई इंटरव्यू में कर चुकी हैं।

20 भाषाओं में गए 12 हजार गाने, नामी संगीतकारों संग किया काम

आशा भोसले ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक बेहतरीन गीत गाए। हिंदी के अलावा वह कुल 20 भारतीय और विदेशी भाषाओं में गाने गा चुकी हैं। साल 2006 में खुद आशा भोसले ने बताया था कि उन्होंने 12 हजार गाने गाए हैं। आशा भोसले ने बॉलीवुड में नामी संगीतकारों संग किया काम है। इस लिस्ट में शंकर-जयकिशन, सचिन देव बर्मन, आरडी बर्मन, ओपी नायर, इलैयराजा, बप्पी लहरी और ए.आर रहमान जैसे नाम शामिल हैं।

आशा भोसले से जुड़ी खास बातें

सिंगिंग ही नहीं एक्टिंग में आजमाया हाथः साल 2013 में आशा भोसले ने एक मराठी फिल्म 'माई' में अभिनय किया।

बेहतरीन कुक हैं आशा भोसलेः आशा भोसले के पास सिंगिंग का ही हुनर नहीं है, वह एक कमाल की कुक हैं। उनके नाम से दुबई, कुवैत में कई रेस्तरां हैं।

7 फिल्मफेयर अवॉर्ड मिलेः आशा भोसले को अपने करियर में कई अवॉर्ड मिले हैं। इसमें 7 फिल्मफेयर अवॉर्ड शामिल हैं, जो उन्हें बेस्ट फीमेल प्लेबैक सिंगर के लिए मिला है, एक लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड भी इसमें शामिल है। साथ ही उन्हें साल 2000 में दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड, साल 2008 में पद्म विभूषण जैसे सम्मान भी मिल चुके हैं।

टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में 'होमबाउंड' के प्रीमियर में छाईं जान्हवी, फैंस के साथ खींची फोटो

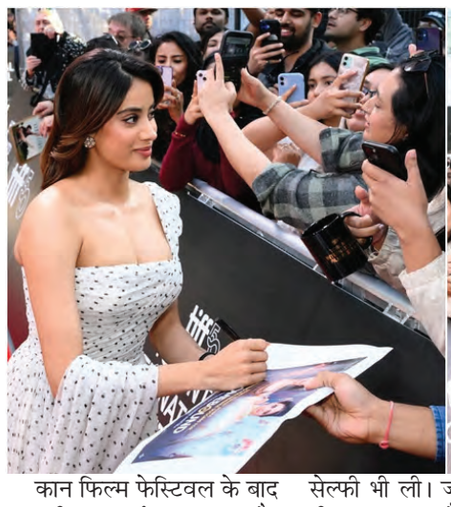

कान फिल्म फेस्टिवल के बाद जान्हवी कपूर, ईशान खट्टर और विशाल जेठवा की फिल्म 'होमबाउंड' अब टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में छाई हुई है। यहां 'होमबाउंड' का प्रीमियर हुआ, जिसमें निर्देशक नीरज घेवान समेत फिल्म की कास्ट मौजूद रही। इस दौरान अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने फैंस के साथ भी बातचीत की, उन्हें ऑटोग्राफ दिए और उनके साथ सेल्फी भी ली। जान्हवी का लुक भी अब वायरल है।

वन शोल्डर गाउन में खूबसूरत लगीं जान्हवी

टोरंटो फिल्म फेस्टिवल में 'होमबाउंड' के प्रीमियर के दौरान रेड कार्पेट पर फिल्म की पूरी कास्ट नजर आई। इस दौरान अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने कस्टम-मेड मिउ मिउ क्रिएशन में सबका दिल जीत लिया, जो साड़ी की सुंदरता से प्रेरित एक स्टाइलिश आउटफिट है। पहनावा, मुलायम प्लीट्स और खूबसूरत अलंकरणों से सजी वन शोल्डर गाउन में जान्हवी काफी खूबसूरत लग रही थीं।

फैंस के साथ क्लिक की फोटो

इस दौरान जान्हवी रेड कार्पेट पर पोज देने के बाद फैंस से भी मिलीं। उन्होंने फैंस के साथ सेल्फी भी ली और उन्हें ऑटोग्राफ भी दिया। जान्हवी इस दौरान काफी खुश नजर आ रही थीं।

फिल्म की बाकी कास्ट भी आई नजर

इस दौरान जान्हवी के साथ फिल्म के बाकी लीड कलाकार ईशान खट्टर और विशाल जेठवा भी नजर आए। जबकि निर्देशक नीरज घेवान ने भी अपनी कास्ट के साथ रेड कार्पेट पर पोज दिए। कान फिल्म फेस्टिवल में सेलेक्ट होने के बाद से 'होमबाउंड' साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बनी हुई है। इसकी दो जीतें 2025 की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक के रूप में इसकी जगह पक्की कर देती हैं।

'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आएंगी जान्हवी

इससे इतर जान्हवी कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में उनके साथ वरुण धवन, सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। शशांक खेतान द्वारा निर्देशित ह फिल्म 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

वकील से एक्टर बने ममूटी, 400 से अधिक फिल्में की, तीन नेशनल अवॉर्ड

सिनेमाई दुनिया में कुछ एक्टर्स ऐसे हुए, जिन्होंने अपनी फिल्मों की कहानी और अभिनय की वजह से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। उन्हीं में से एक नाम मलयालम फिल्मों के सुपरस्टार कहे जाने वाले ममूटी का आता है। अभिनेता ने अपने करियर में करीब 400 से अधिक फिल्में की हैं, फैंस के बीच उनका जबरदस्त क्रेज है। 7 सितंबर को अभिनेता अपना 74वां जन्मदिन हैं। आइए जानते हैं इस खास अवसर पर अभिनेता के जीवन की कुछ अहम बातें।

वकील बनना चाहते थे, लेकिन बने एक्टर

ममूटी का जन्म 7 सितंबर 1951 को केरल में हुआ था। अभिनेता का असली नाम मुहम्मद कुट्टी इस्माइल पनिपरमबिल हैं, जो ममूटी नाम से मशहूर हैं। अभिनेता ने अपने शुरुआती जीवन में लॉ की पढ़ाई की और वकालत करने का मन बनाया। इतना ही नहीं उन्होंने 2 साल प्रैक्टिस भी की, लेकिन अंततः उनका रुझान अभिनय की तरफ हुआ और उन्होंने सिनेमाई दुनिया की तरफ रुख किया।

400 से अधिक फिल्में, एक भी 100 करोड़ी नहीं

ममूटी ने अपने सिनेमाई करियर की शुरुआत 1971 से की थी। अभिनेता ने अभी तक मलयालाम, तेलुगु, कन्नड़, हिंदी, अंग्रेजी भाषाओं में 400 से अधिक फिल्में की हैं। लेकिन एक बात आश्चर्य है कि उनकी कोई भी फिल्म 100 करोड़ का कलेक्शन नहीं कर पाई। ममूटी की सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म साल 2022 में रिलीज हुई 'भीष्म पर्वम' रही, जिसने वर्ल्डवाइड 87 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया।

1 साल में 36 फिल्में करने का रिकॉर्ड

अभिनेता के नाम कई रिकॉर्ड हैं, जिसमें एक रिकॉर्ड ये है कि ममूटी ने 1983 में एक साल में 36 फिल्मों में काम करने का इतिहास कायम किया।

ब्लैक एंड व्हाइट फिल्म की

इस आधुनिक युग में जहां, दर्शक और फिल्ममेकर ही नहीं पूरी दुनिया कलरफुल फिल्मों की ओर भाग रही है। वहीं एक ओर ममूटी ने 2024 में 'ब्रह्मयुगम' फिल्म की, जो आपको ब्लैक एंड व्हाइट सिनेमा दिखाता है। यही चीज फिल्म को और प्रभावशाली बनाती है।

फैंस और ममूटी का रिश्ता

साउथ फिल्मों में फिल्म रिलीज को एक उत्साह के रूप में मनाया जाता है। आपने अक्सर रजनीकांत की फिल्म के दौरान ऐसा देखा होगा। लेकिन क्या आपको पता है ममूटी की फिल्म रिलीज के लिए भी दर्शक ढोल-नगाड़े, आतिशबाजी, पूजा-पाठ आदि बड़े उत्साह से करते हैं।

बेटा भी है जबरदस्त एक्टर

ममूटी के निजी जीवन की बात करें, तो उनकी शादी 1980 में हुई थी। अभिनेता की एक बेटी सुरुमी और एक बेटा दुलकर सलमान है। दुलकर सलमान मलयालम फिल्मों के जाने-माने अभिनेता हैं। उन्होंने 'सीतारामम', 'लकी भास्कर' जैसी फिल्में की, इन दिनों वो 'लोका चैप्टर 1' में भी नजर आ रहे हैं।

लग्जरी गाड़ियों के हैं शौकीन

ममूटी को अभिनय के अलावा गाड़ियों का भी शौक है। अभिनेता के पास 15-20 नहीं बल्कि 369 कारों का कलेक्शन है। उनकी कई कारों का नंबर 369 है। इसमें सस्ती से सस्ती और महंगी से महंगी कारें शामिल हैं। ममूटी ने अपनी कारों के लिए अलग से गैराज बनवाया है। ममूटी ज्यादातर खुद ही कार ड्राइव करना पसंद करते हैं।

3 नेशनल अवॉर्ड से हो चुके हैं सम्मानित

ममूटी को उनके शानदार सिनेमाई सफर के दौरान 3 नेशनल अवॉर्ड, 15 फिल्मफेयर अवॉर्ड्स के साथ-साथ कुछ केरल स्टेट्स से भी सम्मान मिला है। इसके अलावा अभिनेता को 1998 में पद्मश्री पुरस्कार भी मिल चुका है।

'अपने शो में मुंबई को 'बॉम्बे' या 'बंबई' कहना बंद करें', कपिल शर्मा को मनसे की चेतावनी

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने आज गुरुवार को कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा को चेतावनी देते हुए कहा कि वे अपने शो में मुंबई को 'बॉम्बे' या 'बंबई' कहना बंद करें। उन्होंने कहा कि इन नामों से संबोधित करके शहर का अपमान न किया जाए। साथ ही चेतावनी दी कि अगर कपिल ऐसा करना बंद नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ कड़ा एक्शन शुरू होगा।

हमारे शहर का अपमान क्यों?

मनसे के नेता अमेय खोपकर ने कपिल शर्मा को चेतावनी दी है। पार्टी की फिल्म शाखा के प्रमुख अमेय खोपकर ने कहा, 'इस शहर का नाम मुंबई है। कपिल शर्मा के शो में हम लंबे समय से और इस नए सीजन के शुरू होने से पहले भी देखते आ रहे हैं कि इस शहर को हमेशा बॉम्बे या बंबई कहा जाता है। हम इसका विरोध करते हैं। यह कोई आपत्ति नहीं, बल्कि गुस्सा है। इस शहर का नाम मुंबई है। अगर आप चेन्नई, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे दूसरे शहरों को उनके असली नामों से बुला सकते हैं, तो हमारे शहर का अपमान क्यों कर रहे हैं'?

'मैं कपिल शर्मा को चेतावनी दे रहा हूं'

उन्होंने आगे कहा, 'आप (कपिल शर्मा) इतने वर्षों से मुंबई में काम कर रहे हैं। मुंबई आपकी कर्मभूमि रही है। मुंबई के लोग आपको पसंद करते हैं और आपके शो देखते हैं। मुंबई हमारे दिलों में है। इस शहर का अपमान मत करो। मुंबई के लोगों का अपमान मत करो। मैं कपिल शर्मा को चेतावनी दे रहा हूं'। मनसे के नेता अमेय खोपकर ने पत्रकारों से रूबरू होते हुए यह बात करी। इसके अलावा उन्होंने इस संबंध में एक सोशल मीडिया पोस्ट भी शेयर किया है। मनसे की यह चेतावनी शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे द्वारा स्थानीय निकाय चुनावों से पहले दोनों दलों के बीच गठबंधन की चर्चा के बीच मुंबई में अपने चचेरे भाई और मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे के घर जाने के एक दिन बाद आई है।

कहा- 'कपिल शर्मा गलती सुधार लें'

यह पूछे जाने पर कि क्या मनसे आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के मद्देनजर यह मुद्दा उठा रही है? खोपकर ने कहा, 'हम पिछले कई वर्षों से इस मुद्दे पर आंदोलन कर रहे हैं। चुनावों को एक तरफ रख दीजिए, इस शहर का नाम मुंबई है। आपको मुंबई कहना ही होगा और जो लोग इसे मुंबई नहीं कहेंगे, उन्हें हमारे गुस्से का सामना करना पड़ेगा'। खोपकर ने चेतावनी देते हुए कहा, 'मैं आपसे गुजारिश करता हूं कि अगर यह गलती से हुआ है, तो गलती सुधार लें। आपके शो में जो भी आए, चाहे वह सेलिब्रिटी हों या एंकर, उन्हें पहले बताएं कि वे मुंबई को बॉम्बे या बंबई न कहें। उन्हें मुंबई ही कहना होगा। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो मनसे एक जोरदार आंदोलन शुरू करेगी'।

30 साल पहले बदल गया था नाम

अमेय खोपकर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट भी शेयर किया है। इसमें लिखा है, 'बॉम्बे का आधिकारिक नाम बदलकर मुंबई किए जाने के 30 साल बाद भी, बॉम्बे शब्द का जिक्र बॉलीवुड के कपिल शर्मा के शो में होस्ट, सितारे और एंकर तक करते हैं। 1995 में महाराष्ट्र सरकार और 1996 में केंद्र सरकार की आधिकारिक मंजूरी के बाद भी ऐसा हो रहा है। चेन्नई, बेंगलुरु और कोलकाता से भी पहले बॉम्बे का नाम बदलकर मुंबई रखा गया। हम आपको मुंबई नाम का सम्मान रखने की अपील और चेतावनी दे रहें हैं'। बता दें कि कपिल शर्मा वर्तमान में 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' होस्ट करते हैं, जो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होता है।

असमिया ही नहीं हिंदी में भी हजारिका की आवाज का चला जादू, पत्नी से टूटा रिश्ता

बॉलीवुड के गायक भूपेन हजारिका की आज जयंती है। वह 8 सितंबर 1926 को असम के तिनसुकिया जिले में जन्मे। भूपेन हजारिका असम के एक गीतकार, संगीतकार, फिल्ममेकर और गायक थे। वह असमिया भाषा के लेखक और असम संगीत के अच्छे जानकार थे। हजारिका को संगीत विरासत में मिला। उनकी मां गायिका थीं। भूपेन हजारिका ने 10 साल की उम्र में अपना पहला गाना लिखा था और उसे गाया था। उन्होंने बारह वर्ष की आयु में असमिया भाषा की फिल्म 'इंद्रमालती' में काम किया।

असमिया भाषा से हिंदी में आए

भूपेन हजारिका ने अपने आपको सिर्फ असम तक ही सीमित नहीं रखा। वह इससे बाहर निकले और हिंदी पट्टी में छा गए। उन्होंने हिंदी में 'दिल हूम हूम करे' गाना गाया। इस गाने ने लोगों के दिल को छुआ। उन्होंने 'ओ गंगा तू बहती है क्यों' गाना गाया। जिसने भी यह गाना सुना उसके दिल पर हजारिका का जादू चला। अपनी मातृ भाषा असमिया के अलावा हजारिका ने हिंदी, बंगला समेत कई दूसरी भाषाओं में भी गाना गाया। उन्होंने फिल्म 'गांधी टू हिटलर' में भजन 'वैष्णव जन' गाया था।

बताया जाता है कि अभिनेत्री कल्पना लाजमी, भूपेन हजारिका के संगीत को हिंदी फिल्मों में लाईं। कल्पना ने फिल्म 'एक पल' (1986) और 'रुदाली' (1993) का निर्देशन किया और इसमें हजारिका को गाने का मौका दिया।

खुद लिखते थे गाने

भूपेन हजारिका कई प्रतिभाओं के धनी थे। कई बार वह अपने गाने खुद लिखते थे और उन्हें गाते थे। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था 'मैं खुद ही गीत लिखता था, खुद ही धुन तैयार करता था, खुद ही गाता था। इसलिए अपने गीत की शैली के बारे में खुद ही कोई राय नहीं दे सकता। मैंने कई गीत फिल्मों या नाटकों के किरदारों को ध्यान में रख कर लिखे थे।'

पत्नी ने छोड़ा साथ

भूपेन हजारिका ने साल 1950 के दशक में कोलंबिया यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली प्रियंवदा पटेल से शादी की थी। दोनों से एक बेटा हुआ जिसका नाम तेज था। शादी के बाद भूपेन हजारिका को अपना करियर बनाने में वक्त लग गया। ऐसे में उनकी पत्नी उन्हें संघर्ष के दिनों में छोड़कर अमेरिका लौट गईं। हालांकि भूपेन हजारिका ने इस दौरान अपने करियर पर ध्यान दिया और आगे बढ़ते गए।

लता मंगेशकर के साथ जुड़ा नाम

भूपेन हजारिका ने मशहूर गायक लता मंगेशकर के साथ काम किया था। लता ने भूपेन का लिखा बंगाली गाना 'रोंगिला बंशाइट' गाया था। यह गाना साल 1956 में हिट रहा। बाद में भूपेन ने अपनी फिल्म में गाने के लिए लता को प्रस्ताव दिया। लता ने यह कहते हुए मना कर दिया कि वह उनके लिए गाने में असहज महसूस करती हैं। भूपेन हजारिका की पत्नी ने 2012 में एक इंटरव्यू में इल्जाम लगाया था कि भूपेन हजारिका का लता मंगेशकर के साथ अफेयर था। वह जब कोलकाता आती थीं तो वह उनके घर पर ठहरती थीं।

कल्पना लाजमी दे बैठी थीं दिल

बॉलीवुड की एक्ट्रेस कल्पना लाजमी का भूपेन हजारिका के साथ नाम जुड़ा। कल्पना जब पहली बार हजारिका से मिली थीं तब वह 17 साल की थीं। हालांकि उस वक्त हजारिका 45 साल के थे। अपनी आत्मकथा 'भूपेन हजारिकाः एस आई न्यू हिम' में लाजमी ने कहा 'मेरी उनके साथ नजरें मिलीं, और पहली नजर में प्यार हो गया, इसका प्रतिबिंब मैंने 40 साल बाद भी उनकी आंखों में देखा, जब उनके जीवन की रोशनी बुझने वाली थी।'

भूपेन हजारिका का आखिरी वक्त

30 जून 2011 को हजारिका को मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 5 नवंबर 2011 को उनके कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया। इसके बाद उनका निधन हो गया। गुवाहाटी विश्वविद्यालय द्वारा दान की गई एक जमीन पर उनका अंतिम संस्कार किया गया।

नेपाल हिंसा में 5 अरब रुपये का हिल्टन होटल तबाह

बीमा कंपनियों का अनुमान- 31 अरब रुपये का क्लेम संभव, यह 2015 के भूकंप से 3 गुना ज्यादा

काठमांडू, 11 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में मंगलवार को हुई हिंसा में प्रदर्शनकारियों ने काठमांडू के सबसे ऊंचे हिल्टन होटल में आग लगा दी थी। यह होटल पिछले साल जुलाई में बनकर तैयार हुआ था। इसमें 5 अरब भारतीय रुपए खर्च हुए थे।

हिल्टन काठमांडू का सबसे ऊंचा 5 स्टार होटल है, जिसे नेपाल के शंकर के ग्रुप ने बनवाया है। इसमें विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए आधुनिक सुविधाएं थीं। इस होटल ने नेपाल को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन के नक्शे पर मजबूत पहचान दी थी।

प्रदर्शनकारियों ने सिंह दरबार, सुप्रीम कोर्ट, राष्ट्रपति निवास समेत दर्जनों सरकारी-निजी इमारतों में आग लगा दी। ऐसा अनुमान है कि इससे नेपाल को अरबों की संपत्ति का नुकसान हुआ है।

सबसे ज्यादा नुकसान 9 सितंबर को हुआ, लेकिन सेना के सुरक्षा संभालने के बावजूद 10 सितंबर को भी कई जगहों से नुकसान की खबरें आती रहीं।

नेपाल इंश्योरेंस एसोसिएशन (एनआइए) के मुताबिक बीमा कंपनियों को लगभग 31 अरब भारतीय रुपए से अधिक के क्लेम का सामना करना पड़ सकता है। यह नुकसान 2015 में आए भूकंप से भी तीन गुना ज्यादा है।

बीमाकर्ता और बैंकर्स का मानना है कि यह नेपाल के लिए सबसे खराब दौर है। एनआइए और नेपाल राष्ट्र बैंक मिलकर नुकसान की जानकारी जुटा रहे हैं।

इमारतें जिन्हें हिंसक प्रदर्शन में सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा

हिल्टन होटल के अलावा प्रदर्शनकारियों ने भाटभटेनी सुपरमार्केट, एनसेल, सीजी इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्लोबल कॉलेज, उल्लेंस स्कूल, सुजुकी शोरूम और सेंट्रल बिजनेस पार्क जैसी कॉर्पोरेट इंडस्ट्री को आग के हवाले कर दिया गया था।

विराटनगर और इटहरी में वाहनों, राष्ट्रीय वाणिज्य बैंक, हिमालयन बैंक, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक और ग्लोबल आईएमई बैंक की शाखाओं में भी तोड़फोड़ की गई थी।

नेपाल में वित्त वर्ष 2024/25 में बीमा कंपनियों ने 26 अरब रुपए का प्रीमियम जुटाया था और 11 अरब रुपए के क्लेम चुकाए थे। मौजूदा हालात में बीमा कंपनियों को डर है कि उन्हें और भी बड़ा वित्तीय नुकसान हो सकता है।

बीमा कराने वालों को भी भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका है, क्योंकि 'तोड़फोड़ और आतंकवाद' पॉलिसियों पर मिलने वाला प्रीमियम बहुत कम है, जबकि ये दावे राजनीतिक हिंसा को कवर करते हैं।

अमेरिकी आर्किटेक्ट का डिजाइन किया स्वास्थ्य मंत्रालय भी खाक

प्रदर्शनकारियों ने विश्व प्रसिद्ध अमेरिकी आर्किटेक्ट लुईस आई कान के डिजाइन की गई स्वास्थ्य और जनसंख्या मंत्रालय की एक इमारत में भी आग लगा दी थी, जिससे उसे काफी नुकसान पहुंचा। यह इमारत 1965 में बनाई गई थी।

महामारी और रोग नियंत्रण विभाग के पूर्व निदेशक डॉ. बाबूराम मरासिनी ने कहा, यह इमारत हमारे देश में वास्तुशिल्प का एक अनूठा खजाना है, जो विश्व प्रसिद्ध अमेरिकी वास्तुकार की कृतियों में से एक है। कुछ साल पहले तक दुनिया के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के वास्तुकला छात्र कान के डिजाइनों का अध्ययन करने के लिए यहां आते थे।

रूसी ड्रोन घुसपैठ के बाद पोलैंड अलर्ट

पीएम टस्क बोले- सेना को और मजबूत करेंगे, यूएस ने भी दी प्रतिक्रिया

वारसॉ, 11 सितंबर (एजेंसियां)। रूसी ड्रोन के पोलैंड की सीमा में घुसने के बाद प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने सेना के बड़े आधुनिकीकरण कार्यक्रम की घोषणा की। पोलैंड अगले साल अमेरिका से एफ-35 लड़ाकू विमान हासिल करेगा। नाटो और पोलिश सैनिकों ने तुरंत कार्रवाई की, जबकि यूरोपीय संघ ने इसे गेम चेंजर बताया। इस मामले में ट्रंप ने भी प्रतिक्रिया दी।

वारसॉ में हाल ही में हुए घटनाक्रम ने पूरे यूरोप की सुरक्षा चिंताओं को गहरा कर दिया है। बुधवार को रूसी ड्रोन पोलैंड की सीमा में घुस आए, जिसके बाद प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने सेना के लिए बड़े पैमाने पर आधुनिकीकरण योजना लागू करने का एलान किया।

महिंदा राजपक्षे छोड़ेंगे सरकारी आवास

श्रीलंका में पूर्व राष्ट्रपतियों के विशेषाधिकार खत्म

कोलंबो, 11 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे गुरुवार को अपने आधिकारिक आवास से बाहर निकलने वाले हैं। यह फैसला संसद में पारित एक नए कानून के बाद आया है, जिसने पूर्व राष्ट्रपतियों को मिलने वाले विशेषाधिकार खत्म कर दिए हैं। राजपक्षे का आधिकारिक आवास कोलंबो के प्रमुख इलाके सिनेमन गार्डन में स्थित है। महिंदा राजपक्षे 2015 से यहां रह रहे थे। वे 2005 से 2015 तक श्रीलंका के राष्ट्रपति रहे और इसके पहले 2004-2005 इसके साथ बाद में 2019-2022 तक प्रधानमंत्री भी रह चुके हैं।

श्रीलंका में इस कानून को मिली मंजूर

पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे को इसलिए अपना आवास खाली करना पड़ रहा है क्योंकि बुधवार को श्रीलंका की संसद ने भारी बहुमत से पूर्व राष्ट्रपतियों के विशेषाधिकार खत्म करने वाले कानून को मंजूरी दे दी। यह कानून पूर्व राष्ट्रपतियों और उनकी विधवाओं को मिलने वाले विशेषाधिकारों को खत्म करता है।

इस बिल को सुप्रीम कोर्ट ने भी मंजूरी दी, जिससे श्रीलंका पोडुजाना परेमुना (एसएलपीपी) पार्टी के विरोध के बावजूद यह कानून लागू हो सका। श्रीलंका में वर्तमान में पांच पूर्व राष्ट्रपति जीवित हैं, जिनमें से तीन इस समय सरकार की सुविधाओं का लाभ उठा रहे थे। अब ये सुविधाएं समाप्त हो जाएंगी।

तमगले में है महिंदा का निजी घर

बता दें कि महिंदा राजपक्षे का निजी घर तमगले में है, जो कोलंबो से लगभग 190 किलोमीटर दक्षिण में है। यही वह जगह है जहां से उन्होंने 1970 में राजनीतिक सफर शुरू किया था। राजपक्षे गुरुवार को उसी घर के लिए रवाना होंगे।

हालांकि 2022 में जब देश में बड़े जनआंदोलन के दौरान उनके छोटे भाई और उस समय के राष्ट्रपति गोताबाया राजपक्षे को पद छोड़ना पड़ा, तब महिंदा के आधिकारिक और निजी आवास दोनों पर प्रदर्शनकारियों ने कब्जा करने की कोशिश की थी, लेकिन वे सफल नहीं हो पाए।

नेपाल की अंतरिम सरकार के पीएम होंगे कुलमन घीसिंग

सुशीला कार्की का नाम रेस से हटा, भारत से भी है नाता

काठमांडू, 11 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में हिंसा के बीच अब अंतरिम सरकार के गठन की तैयारी चल रही है। पीएम पद को लेकर कई दावेदारों के नाम सामने आ रहे हैं। पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की के बाद कुलमन घीसिंग का नाम नेपाल के प्रधानमंत्री पद के लिए सामने आया है। युवाओं के समर्थन के बाद कुलमान घिसिंग का अंतरिम पीएम बनना तकरीबन तय माना जा रहा है। इस रेस में सुशीला से उनसे पिछड़ गई हैं। युवाओं ने कुलमन का नाम अंतरिम सरकार के पीएम के तौर पर पेश किया है। भारत से पढ़ाई करने वाले कुलमन नेपाल की अंतरिम सरकार के मुखिया हो सकते हैं।

स्थानीय रिपोर्ट के अनुसार, प्रदर्शनकारी युवाओं ने गुरुवार को नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के पूर्व हेड कुलमन घीसिंग का नाम देश की अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए बढ़ाया है। सुशीला कार्की के अंतरिम नेता पद की दौड़ में सबसे आगे रहने के एक दिन बाद ये बदलाव हुआ है। जेन जेड नेपाल के नाम से जारी बयान में कहा गया है कि कुछ कारणों से कार्की के नाम पर विचार नहीं किया जा रहा है। नेपाल के अंतरिम प्रधानमंत्री पद के लिए सबसे आगे चल रहे 54 वर्षीय कुलमन घीसिंग देश के बिजली बोर्ड (एनईए) के पूर्व प्रमुख हैं। घीसिंग ने काठमांडू घाटी में लंबे समय से चली आ रही बिजली कटौती का हल खोजते हुए इस समस्या को खत्म किया था। इसके लिए उन्हें व्यापक प्रशंसा मिली थी। हालांकि नेपाल सरकार ने मार्च में कुलमन के पद से बर्खास्त कर दिया था। कुलमन की बर्खास्तगी के पीछे उनकी ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का से मतभेद था। कुलमन के सरकार विरोधी रुख ने उनको युवाओं के बीच पहचान दिलाई थी। ऐसे में भारी विरोध प्रदर्शनों के बीच प्रदर्शनकारियों की ओर से कुलमन का नाम अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए पेश किया गया है। कुलमन का भारत से भी खास नाता है। भारत से ही उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। कुलमन ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई भारत के जमशेदपुर से की है। उन्होंने साल 1994 में एनईए को ज्वाइन किया था। कुलमन घिसिंग से पहले सुशीला कार्की का नाम पीएम दावेदार के तौर पर सामने आया था। गुरुवार सुबह उनका नाम पीएम के लिए फाइनल बताया जा रहा था।गुरुवार दोपहर हुए नाटकीय घटनाक्रम में उनके नाम को इस रेस से हटाकर कुलमन को आगे किया गया।

ट्रम्प समर्थक चार्ली कर्क की हत्या

यूनिवर्सिटी प्रोग्राम में गर्दन पर गोली मारी शोक में 4 दिन अमेरिकी झंडा झुकाया

यूटा, 11 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के समर्थक और राइट विंग एक्टिविस्ट चार्ली कर्क की गुरुवार को एक प्रोग्राम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना यूटा राज्य की यूटा वैली यूनिवर्सिटी में हुई। चार्ली यहां 'द अमेरिकन कमबैक टूर' प्रोग्राम में आए थे।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिख रहा है कि चार्ली एक टेंट के नीचे माइक पकड़कर बोल रहे हैं। तभी अचानक एक गोली उनके गर्दन के पास आकर लगती है, काफी खून बहता है और वे जमीन पर गिर जाते हैं।

चार्ली की हत्या पर ट्रम्प ने सोशल मीडिया 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, 'सच्चे महान अमेरिकी देशभक्त चार्ली कर्क के सम्मान में, मैं पूरे अमेरिका में सभी झंडों को रविवार शाम 6 बजे तक आधा झुकाने का आदेश दे रहा हूं।'

पॉलिटिकल एक्टिविस्ट चार्ली टर्निंग पॉइंट यूएसए (टीपीयूएसए) नाम से एक संस्था चलाते थे, इसमें वह स्कूलों-कॉलेजों में जाकर छात्रों को राजनीति के बारे में बताते थे।

चार्ली ट्रम्प के कट्टर समर्थक माने जाते थे। अभी तक यह साफ नहीं हुआ है कि हमलावर कौन था और उसने ऐसा क्यों किया।

डोनाल्ड ट्रम्प ने एक अन्य नोट में लिखा- महान चार्ली कर्क अब इस दुनिया में नहीं रहे। अमेरिका के युवाओं को उनसे बेहतर कोई समझ नहीं पाया और न ही उनके दिल तक कोई पहुंच पाया। सब लोग उन्हें बहुत प्यार और सम्मान करते थे, खासकर मैं। मेलानिया और मैं उनकी पत्नी एरिका और पूरे परिवार के प्रति संवेदनाएं प्रकट करते हैं। चार्ली, हम आपसे प्यार करते हैं!'

हादसे के समय मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने न्यूज वेबसाइट गार्जियन को बताया कि चार्ली को गोली तब मारी गई जब वे सामूहिक गोलीबारी (मास शूटिंग) के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे।

प्रोग्राम में मौजूद डेजरेट न्यूज की रिपोर्टर एमा पिट्स ने बताया- सवाल था कि क्या वह जानते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में कितने ट्रांसजेंडर शूटर सामूहिक गोलीबारी में शामिल थे?

इसका चार्ली ने जवाब दिया। फिर किसी और ने सवाल पूछा कि पिछले 10 वर्षों में कितनी सामूहिक गोलीबारी की घटनाएं हुईं? इसके तुरंत बाद गोली चली।

यूटा वैली यूनिवर्सिटी कैंपस को बंद कर दिया गया है। यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता एलन ट्रेनर ने न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया कि चार्ली को करीब 180 मीटर दूर की बिल्डिंग से गोली मारी गई।

साथ ही बताया कि पहले एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया था, लेकिन वह हमलावर नहीं था। अब तक हमलावर को गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। फिलहाल चार एजेंसियां घटना की जांच कर रही हैं।

अमेरिका में 13 जुलाई को पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर पेंसिलवेनिया में एक चुनावी रैली के दौरान जानलेवा हमला हुआ था। 20 साल के हमलावर ने 400 फीट दूर से 8 राउंड गोलियां फायर कीं। इनमें से एक गोली ट्रम्प के दाहिने कान को चीरते हुए निकल गई थी। इसके बाद से ट्रम्प की सुरक्षा को लेकर कई तरह के सवाल उठे थे।

राफेल से भी कम बजट वाला कावेरी इंजन हुआ फेल

अब फ्रांस से फाइटर जेट इंजन सौदा, क्या फिर तकनीक के जाल में फंस रहा भारत?

पेरिस/नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। एयरो इंजन किसी भी विमान का 'दिल' माना जाता है। एयरो इंजन सिर्फ पावर देने वाली एक मशीन नहीं है, बल्कि आधुनिक एविएशन टेक्नॉलजी का सबसे मुश्किल हिस्सा है। दुनिया के कुछ ही देश, जैसे अमेरिका, रूस, फ्रांस और ब्रिटेन के पास ही अत्याधुनिक लड़ाकू विमान इंजन बनाने की क्षमता है। भारत को अगर डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भरता हासिल करनी है तो हर हाल में विमानों का इंजन बनाना होगा। सिर्फ लड़ाकू विमानों का ही नहीं, नागरिक विमानों का इंजन भी भारत को हर हाल में बनाना चाहिए। भारत अभी तक लड़ाकू विमानों का इंजन दूसरे देशों से खरीदता आया है। चाहे सुखोई-30एमकेआइ के लिए रूस से एएल-31एफपी इंजन हो या तेजस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसए) के लिए अमेरिका का जीइ-एफ404 इंजन, भारत को हमेशा विदेशी इंजनों पर निर्भर रहना पड़ा है। लेकिन युद्ध या किसी राजनीतिक संकट की स्थिति में अगर इंजन सप्लाई रुक जाए तो पूरा लड़ाकू बेड़ा जमीन पर आ जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हम देख चुके हैं कि किसी भी विदेशी देश पर निर्भर नहीं रहा जा सकता है। इसीलिए भारत लंबे समय से अपने स्वदेशी एयरो इंजन की कोशिश कर रहा है, ताकि स्ट्रैटेजिक ऑटोनॉमी हासिल की जा सके और अरबों डॉलर की विदेशी खरीद बचाई जा सके। हमने इस रिपोर्ट को बनाने के लिए भारतीय वायुसेना के पूर्व ग्रुप कैप्टन राजीव कुमार नारंग, जो मनोहर पर्रिकर इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस के सीनियर रिसर्च फेलो हैं, उनसे बात की है।

नेपाल में अंतरिम पीएम के लिए जेन-जी प्रदर्शनकारियों में झड़प

एक गुट बोला- सुशीला कार्की भारत समर्थक, हमें मंजूर नहीं, बालेन शाह का समर्थन किया

काठमांडू, 11 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में अंतरिम पीएम के नाम को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है। गुरुवार को इसे लेकर जेन-जी दो ग्रुप में बंट गया। इसके बाद सेना मुख्यालय के बाहर दोनों गुटों में हाथापाई हो गई। इसमें कई युवक घायल हो गए।

प्रदर्शनकारियों के एक गुट ने अंतरिम पीएम के लिए सुशीला कार्की के नाम को खारिज कर दिया है। गुट का आरोप है कि सुशीला कार्की भारत समर्थक हैं और उन्हें यह स्वीकार नहीं हैं। गुट मांग कर रहा है कि काठमांडू मेयर बालेन शाह पीएम बने। अगर बालेन नहीं बनते हैं तो धरान मेयर हरका सम्पांग उनके पीएम उम्मीदवार होंगे।

पीएम के नाम को लेकर सेना मुख्यालय में 2 दिन से प्रदर्शनकारी गुटों के साथ बातचीत चल रही है। एक गुट बातचीत को सेना मुख्यालय की जगह राष्ट्रपति भवन में करने की मांग कर रहा है। नेपाल के काठमांडू में तख्तापलट के दो दिन बाद गुरुवार को जेन-जी नेता सामने आए। अनिल बनिया और दिवाकर दंगल ने कहा कि युवाओं ने यह विरोध-प्रदर्शन बुजुर्ग नेताओं से तंग आकर किया है। हमारा मकसद संविधान नहीं, संसद भंग करना है।

सुशीला कार्की के बाद अब कुलमान घीसिंग का नाम

अंतरिम पीएम के नाम को लेकर बुधवार शाम तक पूर्व चीफ जस्टिस सुशीला कार्की के नाम पर सहमति बनने की खबर आई थीं, लेकिन गुरुवार दोपहर तक 'लाइट मैन' कहे जाने वाले कुलमान घीसिंग का नाम सामने आ गया।

उधर, आर्मी ने एहतियातन राजधानी और उससे सटे इलाकों में तीसरे दिन कर्फ्यू जारी रखा है। नेपाल हिंसा में अब तक 34 मौतें हुई है, जबकि 1300 से ज्यादा लोग घायल हैं।

नेपाली राष्ट्रपति ने जारी किया बयान

नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने राष्ट्र को आश्वासन दिया है कि वह संविधान के दायरे में देश के मौजूदा राजनीतिक संकट को सुलझाने के लिए काम कर रहे हैं। गुरुवार दोपहर जारी एक बयान में, राष्ट्रपति ने जनता की चिंताओं का समाधान करते हुए लोकतंत्र की रक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के प्रयासों पर ज़ोर दिया।

उन्होंने जेनरेशन जी प्रदर्शनकारियों की मांगों पर जोर देते हुए कहा कि वह जल्द से जल्द उनका समाधान करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं सभी पक्षों से अपील करता हूँ कि वे आश्वस्त रहें कि प्रदर्शनकारियों की मांगों का शीघ्र समाधान करने के प्रयास जारी हैं और अनुशासित तरीके से शांति-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

इस बीच द इंडियन एक्सप्रेस के बात करते हुए नेपाल की पूर्व शिक्षा मंत्री सुमना श्रेष्ठ ने हिंसा और प्रमुख इमारतों पर धावा बोलने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की ज्यादातियों को हिंसा के लिए जिम्मेदार बताया। सुमन ने इस बात पर जोर दिया कि युवाओं ने भ्रष्टाचार और विकास की कमी के खिलाफ विद्रोह किया है। जब उनसे पूछा गया कि नेपाल में मौजूदा उथल-पुथल के पीछे क्या कारण हैं, तब उन्होंने कहा, सोशल मीडिया पर प्रतिबंध मुख्य कारण नहीं है। यह तो बस ताबूत में आखिरी कील थी।

उन्होंने कहा, मेरी पार्टी, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (21 सांसद), संसद में चौथी सबसे बड़ी पार्टी बन गई, या काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह सबसे लोकप्रिय नेता बन गए, यह यूं ही नहीं हुआ। देश में गहरा आक्रोश और असमानता है।

कतर ने की हमास नेताओं पर इजरायली हमले की निंदा

कहा- नेतन्याहू ने बंधकों की रिहाई की उम्मीद खत्म कर दी

दोहा, 11 सितंबर (एजेंसियां)। कतर ने हमास नेताओं को निशाना बनाकर दोहा में किए गए इजरायली हमले की निंदा की है। कतर के प्रधानमंत्री ने कहा कि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमला करके गाजा पट्टी में बंधक बनाए गए लोगों को रिहा करने की उम्मीद को खत्म कर दिया। संयुक्त राष्ट्र में पेश होने से पहले प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी और खाड़ी देशों ने इजरायली हमलों को क्रूर कृत्य बताया। शेख मोहम्मद ने कहा कि हमले वाली सुबह मैं एक बंधक के परिवार से मिल रहा था। वे युद्धविराम मध्यस्थता पर भरोसा कर रहे हैं। उन्हें इससे ज्यादा कोई उम्मीद नहीं है।

मुझे लगता है कि नेतन्याहू ने जो किया, उससे उन बंधकों की सारी उम्मीदें खत्म हो गईं।

यौन अपराधी एपस्टीन से रिश्तों के लिए ब्रिटिश राजदूत बर्खास्त

पीएम कीर स्टार्मर का सख्त फैसला

लंदन, 11 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के मामले में चर्चा थमने का नाम नहीं ले रही है। इसी सिलसिले में अब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने भी एक बड़ा और सख्त कदम उठाया है।

इसके तहत स्टार्मर ने अमेरिका में तैनात ब्रिटिश राजदूत पीटर मैंडेलसन को बर्खास्त कर दिया है। यह फैसला उस वक्त लिया गया जब पीटर मैंडेलसन और यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के बीच हुई ईमेल पर बातचीत सार्वजनिक हुई।

गुरुवार को हाउस ऑफ कॉमन्स में विदेश मंत्रालय के मंत्री स्टीफन डाउटी ने इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन नए ईमेल्स से यह साफ होता है कि मैंडेलसन और एपस्टीन के रिश्ते पहले की जानकारी से कहीं ज्यादा गहरे थे।

साथ ही विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में ये भी कहा गया कि इन नए तथ्यों के आधार पर प्रधानमंत्री स्टार्मर ने विदेश सचिव से कहा है कि वे पीटर मैंडेलसन को राजदूत पद से हटा दें।

बता दें कि पीटर मैंडेलसन की एपस्टीन से करीबी पहले भी चर्चा में रही थी, लेकिन हाल ही में सामने आए ईमेल्स से उनके रिश्तों की गंभीरता और स्पष्ट हो गई है। इसी वजह से यह सख्त कदम उठाया गया। गौरतलब है कि जेफ्री एपस्टीन एक करोड़पति फाइनेंसर था, जिस पर किशोरियों को यौन शोषण और यौन तस्करी में शामिल करने का आरोप था। 2019 में एपस्टीन को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन मैनहटन जेल में मुकदमे का सामना करने से पहले उसने खुदकुशी कर ली।

हालांकि इससे पहले 2008 में उसने फ्लोरिडा में संघीय अभियोजकों के साथ गुप्त सौदा किया था, जिससे गंभीर आरोपों से बच निकला था। उस पर आरोप था कि वह नाबालिग लड़कियों को मसाज के नाम पर पैसे देकर यौन शोषण करता था।

एपस्टीन की मौत के बाद से यह मामला अमेरिकी राजनीति में बड़ा मुद्दा बन गया। कई लोग मानते हैं कि उसकी मौत संदिग्ध हालात में हुई और असली गुनहगारों को बचाया गया।

पटना के गर्दनीबाग में सीओ का धरना

पटना, 11 सितंबर (एजेंसियां)। पटना के गर्दनीबाग में गुरुवार को बिहार के विभिन्न अंचल अधिकारी (सीओ) धरना पर बैठे हैं। धरना निगरानी विभाग की ओर से लगातार हो रही कार्रवाई के खिलाफ दिया गया है। प्रदर्शन कर रहे सीतामढ़ी के सीओ कृष्ण प्रताप सिंह ने कहा कि वे न तो अपने विभाग के खिलाफ हैं और न ही सरकार के खिलाफ हैं। जिस तरह से दमनकारी तरीके से कार्रवाई हो रही है, वह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि अंचल अधिकारी हमेशा जनता की समस्याओं के समाधान में लगे रहते हैं। जमीन विवाद, अतिक्रमण, राजस्व कार्य, आपदा प्रबंधन और विधि-व्यवस्था जैसे मामलों में सबसे आगे सीओ ही रहते हैं।

पाकिस्तानी सेना का दावा- खैबर पख्तूनख्वा में तीन अलग-अलग मुठभेड़ों में मार गिराए 19 आतंकवादी

पेशावर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 19 आतंकवादियों को तीन अलग-अलग मुठभेड़ों में मार गिराया है। पाकिस्तानी सेना ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने गुरुवार को बताया कि यह कार्रवाई 10 सितंबर की देर रात की गई। कार्रवाई खुफिया जानकारी के आधार पर मोहम्मद, उत्तर वजीरिस्तान और बन्नू जिलों में की गई।

मोहम्मद जिले में हुए ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों की आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ हुई। भारी गोलीबारी के बाद 14 आतंकवादियों को मार गिराया गया।

वहीं, एक और खुफिया आधारित ऑपरेशन उत्तर वजीरिस्तान जिले के दत्ता खेल इलाके में किया गया, जहां चार आतंकवादियों को सुरक्षा बलों ने मार दिया। वहीं, एक अन्य मुठभेड़ में बन्नू जिले में एक आतंकवादी मारा गया। इन आतंकवादियों के पास से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया है।

पुलिस ने बताया कि इसी बीच अज्ञात आतंकवादियों ने बुधवार रात लक्की मरवत जिले के नासर खेल इलाके में खुफिया एजेंसी के एक अधिकारी के घर को ढहा दिया और उनके हथियार लेकर फरार हो गए। आतंकवादी जबरन घर में घुसे। फिर उन्होंने अधिकारी के परिवार के सदस्यों को एक कमरे में बंधक बना लिया और फिर घर के एक हिस्से को ढहा दिया।

आतंकवादियों ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों और सुरक्षा बलों से जुड़े लोगों के खिलाफ अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। खासकर प्रांत के दक्षिणी जिलों में पुलिस और फ्रंटियर कॉन्स्टेबुलरी (एफसी) के जवानों को निशाना बनाया जा रहा है।

दंतेवाड़ा में आईईडी ब्लास्ट सीआरपीएफ के 2 जवान जख्मी

एरिया डोमिनेशन पर निकली थी फोर्स प्रेशर आईईडी की चपेट में आ गए

दंतेवाड़ा, 11 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में नक्सलियों की लगाई प्रेशर आईईडी की चपेट में आने से सीआरपीएफ के दो जवान जख्मी हो गए हैं। दोनों जवानों को हाथ-पैर समेत शरीर के कई अंगों पर चोटें आई है। दोनों को मौके से निकालकर जिला अस्पताल लाया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। मामला मालेवाही थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, घायल जवानों का नाम इंस्पेक्टर दीवान सिंह गुर्जर और आरक्षक आलम मुनेश है। ये दोनों सीआरपीएफ 195वीं बटालियन में पोस्टेड हैं। हर दिन की तरह आज भी सीआरपीएफ के जवान सातधार और मालेवाही के मध्य एरिया डोमिनेशन पर निकले हुए थे। वहीं यहां नक्सलियों ने पहले से ही

प्रेशर आईईडी प्लांट की हुई थी।

पैर पड़ते ही जोरदार धमाका हुआ

एरिया डोमिनेशन के दौरान जवानों का पैर नक्सलियों की लगाई प्रेशर आईईडी पर आ गया। जिससे जोर का धमाका हुआ। दोनों जवान जख्मी हो गए। जिन्हें साथी जवान फौरन मौके से निकालकर अस्पताल पहुंचाए। दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय ने घटना की पुष्टि कर दी है। उन्होंने बताया है कि दोनों का इलाज जारी है।

विश्व विख्यात 'बस्तर दशहरा' के लिए सीएम विष्णुदेव साय को मिला न्यौता

रायपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में बस्तर सांसद महेश कश्यप के नेतृत्व में बस्तर दशहरा समिति, जगदलपुर के प्रतिनिधि मंडल ने सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री को विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व 2025 में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि 75 दिनों तक चलने वाला यह पर्व हरेली अमावस्या से प्रारंभ होकर आश्विन शुक्ल पक्ष के 13वें दिन तक मनाया जाता है। इस वर्ष इसकी शुरुआत 24 जुलाई को पाटजात्रा पूजा विधान के साथ हुई है। आगामी प्रमुख आयोजनों में 21 सितंबर को काछनगादी पूजा, 29 सितंबर को बेल पूजा और 4 अक्टूबर को मुरिया दरबार का आयोजन शामिल है। मुख्यमंत्री साय ने बस्तर दशहरा के आमंत्रण के लिए प्रतिनिधि मंडल का

आभार व्यक्त किया और आयोजन की सफलता के लिए बधाई और शुभकामनाएँ दीं।

हरियाली अमावस्या के मौके पर बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी मंदिर के सामने गुरुवार को पाट जात्रा पूजा विधान के साथ ही विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व शुरू हो गया है। बस्तर दशहरा पर्व के इस प्रथम पूजा विधान में बस्तर सांसद एवं बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष महेश कश्यप, विधायक जगदलपुर किरण देव, महापौर संजय पाण्डे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और बस्तर दशहरा पर्व समिति के पारंपरिक सदस्य मांझी-चालकी, मेंबर-मेंबरीन, पुजारी-गायता, पटेल, नाईक-पाईक, सेवादार तथा जिला कलेक्टर हरिस एस, अपर कलेक्टर सीपी बघेल एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ ही बड़ी संख्या में जनसमुदाय शामिल हुए।

औजारों का परम्परागत तरीके से पूजा-अर्चना

बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी को समर्पित इस ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व के पहले पूजा विधान पाट जात्रा में रथ निर्माण के लिए बनाए जाने वाले औजार ठुरलू खोटला तथा अन्य औजारों का परम्परागत तरीके से पूजा-अर्चना कर रस्म पूरी की गयी। इसके साथ ही विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व शुरू हो गया, जो इस वर्ष करीब 75 दिवस की अवधि तक पूरे आस्था, श्रद्धा और पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। बस्तर दशहरा पर्व के प्रमुख पूजा विधानों को निर्धारित तिथि अनुसार सम्पन्न की जाती है। जिसके तहत आगामी शुक्रवार 5 सितंबर को डेरी गड़ाई पूजा विधान, रविवार 21 सितंबर को काछनगादी पूजा विधान, सोमवार 22 सितंबर को कलश स्थापना पूजा विधान, मंगलवार 23 सितंबर को जोगी बिठाई पूजा विधान सहित बुधवार 24 सितंबर से सोमवार 29 सितंबर 2025 तक प्रतिदिन नवरात्रि पूजा एवं रथ परिक्रमा पूजा विधान, सोमवार 29 सितंबर को सुबह 11 बजे बेल पूजा, मंगलवार 30 सितंबर को महाअष्टमी पूजा विधान एवं निशा जात्रा पूजा विधान होगा।

आरक्षक भर्ती विवाद पर हाईकोर्ट का फैसला

चार उम्मीदवार रहेंगे प्रक्रिया में शामिल, याचिका खारिज

बिलासपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। उच्च न्यायालय में जिला पुलिस बल आरक्षक संवर्ग चयन परीक्षा 2023-24 की भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी को लेकर आठ याचिकाकर्ता ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से जनहित याचिका दाखिल की। जिस पर मुख्य न्यायाधीश रमेश कुमार सिन्हा और न्यायाधीश विभू दत्त गुरु खंडपीठ में सुनवाई हुई। कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी है। याचिकाकर्ता के वकील बी पी सिंह ने न्यायालय को बताया कि इस मामले में बड़ी गड़बड़ी की गई है, जिन उम्मीदवारों पर गड़बड़ी के आरोप लगे थे और जांच की गई थी उन्हें फिर से प्रक्रिया में शामिल किया गया है। इसके अलावा कंपनी इसमें शामिल थी। अभी वह काम कर रही है। महाधिवक्ता ने शासन का पक्ष रखते हुए बताया कि भर्ती की प्रक्रिया के शुरुआत में राजनांदगांव में गड़बड़ी सामने आई थी इसके बाद प्रक्रिया रद्द कर दी गई थी और स्वतः संज्ञान लेकर जांच कराई गई। फिर राजनांदगांव सहित 9 जिलों में गड़बड़ी की जांच की गई जिसमें 5 जगह पर योग्य उम्मीदवार मिले। वहीं बचे चार जगह जिसमें राजनांदगांव शामिल था उसमें जांच कर फिर कार्रवाई की गई और कुछ अधिकारियों पर विभागीय जांच भी कराई गई है। सुनवाई के दौरान न्यायालय के समक्ष बताया गया कि याचिकाकर्ता के रूप में आठ उम्मीदवार में से 4 उम्मीदवार फिजिकल वेरिफिकेशन के लिए 14 सितंबर 2025 को परीक्षा देंगे। जिस पर न्यायालय ने कहा चूँकि आठ में से चार उम्मीदवारों को 14-09-2025 को आयोजित होने वाले शारीरिक प्रशिक्षण में शामिल होना है और अन्य याचिकाकर्ता जिनके अधिकारों का उल्लंघन किया गया है, उन्हें उचित मंच के समक्ष उम्मीदवारों की अंतिम नियुक्ति को चुनौती देने का अधिकार है।

पति-पत्नी, 2 बच्चों को मारकर घर की बाड़ी में दफनाया

कुल्हाड़ी से हत्या, बदबू आई तो कब्र खोदकर निकाले गए शव

रायगढ़, 11 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में एक ही परिवार के 4 लोगों की हत्या कर दी गई है। पति-पत्नी और 2 बच्चों को कुल्हाड़ी से मारकर बाड़ी में दफनाया गया। बंद घर से बदबू आने पर इसका पता चला। पुलिस ने चारों शव को बाहर निकाल लिया है। घटना खरसिया थाना क्षेत्र की है। मृतकों की पहचान पति बुधराम उरांव, पत्नी सोहद्रा, बेटा अरविंद और बेटी शिवांगी उरांव के रूप में हुई है। हत्या किसने और क्यों की है, इसका पता नहीं चल सका है। बुधराम राजमिस्त्री का काम करता था। ग्राम टुसेकेला के राजीव नगर मोहल्ले में बुधराम उरांव का घर पिछले 4 दिनों से बंद पड़ा था। अंदर से तेज बदबू आने की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस की टीम घटना स्थल पर पहुंची। फोरेंसिक एक्सपर्ट और डॉग-स्क्वॉयड की टीम को भी बुलाया गया। घर के कमरे को खोलने पर अंदर जगह-जगह खून के छींटे दिखाई दिए। जमीन में दफनाने जैसे निशान भी पाए गए। कब्र खोदने पर अंदर से पति-पत्नी और 2 बच्चों के शव बरामद हुए। पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षा घेरे में ले लिया है। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

स्थानीय महिला भुवनेश्वरी यादव का कहना है कि, घर बंद पड़ा था, आसपास के किसी लड़के ने अंदर देखा तो उसे खून के धब्बे दिखाई दिए। इसके बाद यह खबर पूरे गांव में फैल गई। इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

एसपी दिव्यांग पटेल के मुताबिक गुरुवार सुबह सूचना मिली थी की एक घर में खून के धब्बे दिखे हैं। इसके बाद पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची तो पता चला की पति-पत्नी और दो बच्चों की हत्या की गई है।

घर के अंदर ही कुल्हाड़ी से मर्डर करने के बाद पीछे बाड़ी में शव दफनाया गया था।

चिट्टा गैंग पकड़ाया, 25 लाख की हेरोइन जब्त

1.25 लाख कैश मिले, 6 तस्कर अरेस्ट, ड्रग्स बेचने ग्राहक ढूंढ रहे थे, सरगना फरार

दुर्ग-भिलाई, 11 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में हेरोइन (चिट्टा) बेचने के लिए ग्राहक की तलाश करते 6 तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके पास से कार में 246 ग्राम चिट्टा, 1.25 लाख कैश समेत कुल 31 लाख का माल जब्त किया है। मामला मोहन नगर थाना इलाके का है।

जानकारी के मुताबिक, मुखबिर की सूचना पर मोहन नगर पुलिस और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने धमधा रोड स्थित सब्जी मंडी के पास घेराबंदी की। कार क्रमांक सीजी 07 सीएस 7776 की तलाशी ली। जिसमें लाल रंग के बैग में 246 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। वहीं, मुख्य सरगना गुरजीत सिंह उर्फ रूड पुलिस की गिरफ्त से फरार हो गया।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि, यह गिरोह चिट्टा सप्लाई का बड़ा नेटवर्क चला रहा था। जिसे ध्वस्त कर दिया गया है। गिरोह लंबे समय से चिट्टा सप्लाई कर रहा था। जब्त नशे की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 25 लाख रुपए आंकी जा रही है। वहीं कार और नगदी समेत कुल बरामदगी की कीमत 31.25 लाख रुपए है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि, ड्रग्स तस्कर ग्राहक खोज रहे हैं। पुलिस ने निशानदेही के आधार पर आरोपियों से पूछताछ की। लेकिन पूछताछ में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया और न ही नशे के संबंध में कोई वैध दस्तावेज पेश कर पाए। इसके बाद पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

इधर, पुलिस की गिरफ्त से एक आरोपी फरार हो गया है। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर इस तस्करी के मुख्य सरगना गुरजीत सिंह उर्फ रूड को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। वैशाली नगर और छावनी में इसके खिलाफ पहले से ही मामले दर्ज हैं।

गिरफ्तार करने के बाद जब इनको न्यायालय में पेश करने जा रहे थे, उस समय बाथरूम जाने के नाम पर यह वहां से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि, आरोपी का पहले से ही परिसर के बाहर कोई महिला इंतजार कर रही थी। आरोपी ने बाथरूम जाने का बहाना बनाया और स्कूटी पर बैठकर फरार हो गया।

बिजली गिरने से रायपुर-एयरपोर्ट का नेविगेशन-सिस्टम फेल, 4 फ्लाइट कैंसिल

6 डायवर्ट, दिल्ली से आ रहे विमान की भोपाल लैंडिंग, फिर लौटा, यात्रियों ने किया हंगामा

रायपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। रायपुर एयरपोर्ट पर नेविगेशन सिस्टम में खराबी के कारण बुधवार को दिल्ली से रायपुर आ रही इंडिगो की फ्लाइट नंबर 6E 5138 को भोपाल डायवर्ट करना पड़ा। एयरपोर्ट प्रशासन के मुताबिक, तेज आंधी-तूफान के दौरान बिजली गिरने से तकनीकी गड़बड़ी हुई, जिससे विजिबिलिटी और नेविगेशन में दिक्कतें आईं।

जिसके कारण 4 फ्लाइट कैंसिल कर दी गईं। जबकि 6 अन्य उड़ानों को डायवर्ट किया गया। ये उड़ानें दिल्ली, कोलकाता, बेंगलुरु और इंदौर जैसे शहरों से जुड़ी थीं। एयरपोर्ट अथॉरिटी के मुताबिक मौसम और विजिबिलिटी में सुधार के बाद फ्लाइट संचालन सामान्य हो रही है।

बता दें कि, डायवर्ट की गई फ्लाइट में कुल 170 यात्री सवार थे, जिनमें से अधिकांश छत्तीसगढ़ के रायपुर और दुर्ग क्षेत्र के निवासी हैं। यात्रियों में दुर्ग से बीजेपी सांसद विजय बघेल और वरिष्ठ आइएएस अधिकारी सोनमणी बोरा भी शामिल थे।

वहीं, भोपाल एयरपोर्ट पर कुछ समय के लिए रुकने और रिफ्यूलिंग के बाद फ्लाइट ने रात 10:30 बजे दिल्ली के लिए दोबारा उड़ान भरी और 11:45 बजे दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड हुई। जब यात्रियों को यह सूचना मिली कि उन्हें उसी रात रायपुर नहीं भेजा जाएगा, तो उन्होंने एयरपोर्ट पर विरोध और हंगामा किया।

दिल्ली पहुंचने के बाद जब यात्रियों को यह जानकारी दी गई कि उन्हें उसी रात रायपुर नहीं भेजा जा सकेगा, तो देर रात एयरपोर्ट पर हंगामा हो गया। यात्रियों का आरोप था कि इंडिगो की ओर से कोई जिम्मेदार अधिकारी सामने नहीं आया। करीब 1 घंटे तक चले हंगामे के बाद एयरलाइन ने यात्रियों को दो अलग-अलग रिसॉर्ट्स में ठहराने की व्यवस्था की।

एयरलाइन ने सभी यात्रियों को आज गुरुवार को रायपुर भेजने के लिए फ्लाइट नंबर 6E 9056 में सीट अलॉट की गईं जो दोपहर 12:40 बजे दिल्ली से उड़ान भरकर 2:25 बजे रायपुर लैंड करेगी।

फ्लाइट नंबर 6E5138 ने दिल्ली से बुधवार शाम 7:20 बजे टेकऑफ किया था, जिसे रायपुर में रात 8:55 बजे लैंड होना था। फ्लाइट में मौजूद कैप्टन संजय चौधरी ने यात्रियों को सूचित किया कि नेविगेशन सिस्टम बंद होने और खराब मौसम की वजह से विमान रायपुर की बजाय भोपाल में लैंड किया।

फ्लाइट में कैप्टन समेत 6 क्रू मेंबर थे। करीब रात 9:15 बजे विमान भोपाल एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंड हुआ। वहां यात्रियों को रुकवाया गया और विमान की रिफ्यूलिंग की गई।

सड़क हादसे में युवक की मौत

दोस्त को स्टेशन छोड़ने निकला था युवक, इकलौता बेटा था, परिजनों का सड़क जाम, आगजनी

जमशेदपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। जमशेदपुर के बर्मामाइंस थाना क्षेत्र में गुरुवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। नामदा बस्ती निवासी 18 वर्षीय शरणजीत अपने दोस्त को टाटानगर रेलवे स्टेशन छोड़ने के लिए निकला था।

सुबह करीब 3:30 बजे ट्यूब कंपनी गेट के पास उसकी बाइक को एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि शरणजीत की मौके पर ही मौत हो गई।

शरणजीत की मौत की खबर मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। मृतक अपने परिवार का इकलौता बेटा था। अचानक हुए इस हादसे ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घर में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है और आसपास के लोग ढांढस बंधाने में लगे हैं।

इकलौते बेटे की मौत से आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने सड़क पर टायर जलाकर जाम लगा दिया। प्रदर्शनकारियों ने दोषी ट्रक चालक की गिरफ्तारी और मृतक परिवार को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की। सड़क पर जाम की वजह से वाहनों की लंबी कतार लग गई और स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

सूचना मिलते ही बर्मा माइंस थाना प्रभारी दिलीप यादव मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया। थाना प्रभारी ने परिजनों को आश्वासन दिया कि दोषी चालक की जल्द गिरफ्तारी की जाएगी और मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया शुरू कराई जाएगी। पुलिस की पहल के बाद लोगों को शांत किया गया, लेकिन क्षेत्र में अब भी तनाव का माहौल बना हुआ है।

जमशेदपुर और आसपास के इलाकों में सड़क हादसों की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। तेज रफ्तार वाहन और रात के समय लापरवाही से गाड़ी चलाना इन घटनाओं की बड़ी वजह मानी जा रही है। स्थानीय लोग प्रशासन से सख्त कार्रवाई और ट्रकों पर नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाने की मांग कर रहे हैं।

नमाज पढ़ने जा रहे शख्स को मारी गोली

सीने के आर-पार हुई, हालत गंभीर दहशत फैलाने के लिए हवाई फायरिंग भी की

साहिबगंज, 11 सितंबर (एजेंसियां)। बरहेट थाना क्षेत्र के खेरवा गांव में बुधवार देर रात बड़ी घटना घट गई। गांव के ही आलम अंसारी ने 52 वर्षीय बदरुल हक (पिता- मैनुल हक) को उस समय गोली मार दी, जब वह नमाज पढ़ने जा रहे थे। गोली सीने को छेदते हुए आर-पार निकल गई, जिससे बदरुल हक गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की सूचना पर बरहेट थाना के एसआई असीम कुजूर, एएसआई रघुवीर राम व अशोक सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट लाया गया। जहां डॉक्टर संतोष टुडू ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज हेतु हायर सेंटर रेफर कर दिया।

सीने में मारी गोली हवाई फायरिंग भी की

बताया जा रहा है कि आरोपी आलम अंसारी पहले से घात लगाकर बैठा था। जैसे ही बदरुल हक घर से निकले, उसने सीने पर गोली दाग दी और दहशत फैलाने के लिए दो राउंड हवा में भी फायरिंग की। घटना का कारण आपसी विवाद बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

19-साल के प्रेमी-जोड़े ने एक ही साड़ी से लगाई फांसी

घर से बिना बताए निकले, 48 घंटे बाद पेड़ से लटकती मिली लाश

कोंडागांव, 11 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया है। दोनों की लाश एक ही पेड़ पर एक ही फंदे से लटकती हुई मिली। जानकारी के मुताबिक दोनों सोमवार को घर में बिना कुछ बताए कहीं चले गए थे। परिजन दोनों की तलाश में जुटे हुए थे।

बुधवार सुबह ग्रामीणों ने युवक के घर से कुछ दूर पीछे दोनों की लाश पेड़ से लटकती हुई देखी। दोनों ने एक ही साड़ी का फंदा बनाया था।

मामला उरंदाबेड़ा थाना क्षेत्र के आलमेर गांव का है। युवक-युवती एक ही गांव के रहने वाले थे।

वज्रपात से दो की मौत

स्कूल से लौटते वक्त हुआ हादसा, दादा की मौत, नतिनी हुई घायल, एक अन्य की भी मौत

गुमला, 11 सितंबर (एजेंसियां)। गुमला थाना क्षेत्र के चुहरू गांव में दर्दनाक घटना सामने आई। तेज बारिश के साथ गिरी आसमानी बिजली ने 55 वर्षीय सूना उरांव और 7 वर्षीय संगम उरांव की जान ले ली। वहीं, सूना उरांव की पांच वर्षीय नातिन अक्षिता कुमारी गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

सूना उरांव बुधवार शाम अपनी नातिन अक्षिता को कीता स्थित शांति निकेतन स्कूल से लेने गए थे। वापसी के दौरान रास्ते में उन्होंने गांव के छात्र संगम उरांव को भी अपने साथ कर लिया। तीनों बरांग जाने वाले पुल के पास पहुंचे ही थे कि अचानक मौसम बिगड़ गया। तेज बारिश के बीच गिरी बिजली ने तीनों को अपनी चपेट में ले लिया। इस दौरान सूना और संगम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अक्षिता गंभीर रूप से झुलस गई।

घटना के बाद वहां से गुजर रहे राहगीरों ने तुरंत परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने दोनों मृतकों को पास के गोबर के गड्ढे में रखा और घायल अक्षिता को संभाला। सूचना मिलते ही एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और तीनों को गुमला सदर अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉ. राहुल देव ने जांच के बाद सूना उरांव और संगम उरांव को मृत घोषित कर दिया। घायल बच्ची का इलाज जारी है।

बालिडीह इंडस्ट्रियल एरिया में ट्रक ने बाइक सवारों को कुचला

इथेनॉल कंपनी के कर्मी और पत्नी की मौत, आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम

बोकारो, 11 सितंबर (एजेंसियां)। बोकारो के बालिडीह इंडस्ट्रियल एरिया स्थित गोविंद मार्केट के पास गुरुवार को एक सड़क हादसे में दंपती की मौत हो गई। मृतक संजीव सिंह और उनकी पत्नी बाइक से बाजार जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे एक मालवाहक ट्रक ने उन्हें कुचल दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

घोड़ावालीडीह निवासी 40 वर्षीय संजीव सिंह बालिडीह स्थित एक इथेनॉल कंपनी में काम करते थे। उनके दो बेटे हैं।

एक की उम्र 8 साल और दूसरे की 10 साल है। घटना से पूरे क्षेत्र में शोक छा गया है।

स्थानीय लोग बड़ी संख्या में घटनास्थल पर एकत्र हो गए। उन्होंने सड़क जाम कर दिया। लोगों ने मृतक परिवार को मुआवजे देने की मांग की। जाम से औद्योगिक क्षेत्र में यातायात बाधित हो गया।

वहीं, बालिडीह थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। ट्रक चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

लोगों ने स्थानीय प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना है कि ट्रैफिक नियंत्रण में ढिलाई बरती जा रही है।

60 किमी का सफर कर गरियाबंद कलेक्ट्रेट पहुंचीं छात्राएं

गरियाबंद, 11 सितंबर (एजेंसियां)। गरियाबंद के कलेक्ट्रेट में फिंगेश्वर से 100 से अधिक छात्राएं अपनी मांगों को लेकर पहुंचीं। छात्राओं ने कन्या उच्चतर विद्यालय को बालक उच्चतर विद्यालय में मिलाए जाने का विरोध किया। 425 छात्राओं वाले कन्या विद्यालय को 225 छात्रों वाले बालक विद्यालय में मिला दिया गया है। छात्राएं इस फैसले से नाराज हैं। कलेक्टर से मिलने पहुंची छात्राओं को निराशा हाथ लगी। कलेक्टर उनसे मिले बिना ही निकल गए। जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत सिंह धीर ने छात्राओं का ज्ञापन लिया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई नियम के तहत की गई है। शाला शिक्षा समिति की प्रमुख संतोषी श्रीवास्तव ने बताया कि छात्र, पालक और संचालन समिति इस विलय का विरोध कर रहे हैं।

हरदीबाजार गोलीकांड: मृतकों का हुआ पोस्टमार्टम

8 घंटे बाद चक्काजाम समाप्त, मुआवजा और नौकरी का मिला आश्वासन

कोरबा, 11 सितंबर (एजेंसियां)। हरदीबाजार थाना क्षेत्र के भिलाई बाजार में मंगलवार देर रात गोलियों की तड़तड़ाहट से पूरा इलाका दहशत में आ गया। एक सीएएफ (छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स) के जवान ने गोली मारकर दो लोगों की हत्या कर दी। जिसके बाद मृतकों का पोस्टमार्टम किया गया है। शवों का पोस्टमार्टम कराने परिजन और पुलिस जिला मेडिकल कॉलेज पहुंचे।

जानकारी के अनुसार, मृतिका मंदासा को तीन गोली लगी थी, जबकि मृतक 35 वर्षीय राजेश बिंझवार को दो गोलियां लगी थीं। पुलिस की मौजूदगी में परिजनों के सामने पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कराई गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने चक्काजाम कर विरोध जताया, जो करीब 8 घंटे की मशक्कत और प्रशासनिक बातचीत के बाद समाप्त हुआ।

प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को 30-30 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने के साथ ही एक परिजन को नौकरी देने पर सहमति जताई। गांव में घटना के बाद से तनाव का माहौल है। हालात को नियंत्रण में रखने पुलिस बल तैनात किया गया है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। इस पूरे मामले में चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपी जवान टेसराम बिंझवार की ड्यूटी सीएम के आगमन पर रिजर्व बल के रूप में लगाई गई थी लेकिन वह अपने ड्यूटी नजर अंदाज कर घटना स्थल तक पहुंचा था। बहरहाल पुलिस ने परिजनों के मौजूदगी में पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कराई। मृतकों के शव को परिजनों की सौंप दिया गया है।

जमीन विवाद में सड़क पर हंगामा

दो पक्षों के बीच झड़प, 2 घंटे तक बाधित रहा यातायात, वाहनों की लगी कतार

गिरिडीह, 11 सितंबर (एजेंसियां)। गिरिडीह के सोनबाद में देवघर-गिरिडीह मुख्य मार्ग पर गुरुवार को जमीन विवाद ने उग्र रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच विवाद के बाद एक पक्ष ने सड़क जाम कर दिया।

विवादित जमीन को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई। यह बाद में मारपीट में बदल गई। एक पक्ष ने सड़क जाम कर प्रशासन से न्याय की मांग की।

प्रथम पक्ष के संकर तुरी का कहना है कि विवादित जमीन उनके पूर्वजों के नाम पर है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उसी जमीन पर उनका घर बना है। दूसरे पक्ष की चंदा देवी का दावा है कि उस भूमि पर लंबे समय से उनके परिवार का प्लांट है।

इधर, सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर जाम हटवाया।

जाम के कारण सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई थी। यात्री और राहगीर घंटों तक फंसे रहे।

बेंगाबाद थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम को भेजा गया। यातायात सुचारू कर दिया गया है। अभी तक किसी पक्ष से कोई आवेदन नहीं मिला है।

पुलिस प्रशासन ने दोनों पक्षों को कानून हाथ में न लेने की हिदायत दी है। विवाद की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

'भारत-मैक्सिको के साथ व्यापारिक संबंध मजबूत करेगा'

पीयूष गोयल बोले– मिलकर लिखेंगे साझेदारी की नई कहानी

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)।भारत मैक्सिको के साथ व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने की दिशा में काम करेगा। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने दोनों देशों के बीच गहन सहयोग की मजबूत संभावना पर प्रकाश डाला।

द्विपक्षीय संबंधों को विस्तार देने पर चर्चा

गोयल ने मैक्सिको के व्यापार समन्वय परिषद के अध्यक्ष फ्रांसिस्को सर्वेंटेस के साथ द्विपक्षीय संबंधों को विस्तार देने के उपायों पर चर्चा की। इस बैठक का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में व्यापार, निवेश और सहयोग के लिए एक मजबूत मंच तैयार करना था। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में मंत्री ने कहा कि मैक्सिको के व्यापार समन्वय परिषद के अध्यक्ष फ्रांसिस्को सर्वेंटेस से मुलाकात की। हमने भारत-मैक्सिको व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने, व्यापार सहयोग को गहरा करने और आपसी विकास के नए अवसरों की खोज पर एक आकर्षक चर्चा की।

भारत और मैक्सिको के बीच कई समानताएं

उन्होंने कहा कि भारत और मैक्सिको के बीच कई समानताएं और मूल्यों का प्राकृतिक सामंजस्य है, जो दीर्घकालिक सहयोग की मजबूत नींव बन सकता है। गोयल ने कहा कि हम मानते हैं कि मेक्सिको और भारत स्वाभाविक मित्र, भागीदार और सहयोगी हैं। मैं प्लान मेक्सिको के बारे में पढ़ रहा था और यह भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने और समावेशी एवं सतत विकास प्रदान करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण से काफी मेल खाता है ।

मैक्सिको से एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के भारत आने की उम्मीद

उन्होंने कहा कि जब मैक्सिको और भारत एक साथ मिलकर काम करते हैं, तो दो देश जिनके इतिहास, संस्कृति, परंपरा, परिवार के प्रति मूल्य, रिश्तों के प्रति मूल्य में इतनी समानताएं हैं, तो मुझे लगता है कि हम सचमुच एक खूबसूरत कहानी लिख सकते हैं। मुझे लगता है कि मैक्सिको-भारत मित्रता और साझेदारी की कहानी आगे बढ़नी चाहिए। गोयल ने यह भी बताया कि साझेदारी को और आगे बढ़ाने के प्रयास जारी हैं, और मैक्सिको से एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के भारत आने की उम्मीद है। इस यात्रा से चर्चाओं को आगे बढ़ाने और दोनों देशों के बीच मजबूत व्यापारिक और आर्थिक सहयोग की पहल को आगे बढ़ाने की संभावना है।

डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट का सिलसिला जारी

सर्वकालिक निचले स्तर 88 .44 पर पहुंचा

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट का सिलसिला थमने का नाम ही नहीं ले रहा। गुरुवार को भारतीय करेंसी डॉलर के मुकाबले अपने नए अपने नए सर्वकालिक निचले स्तर 88.44 पर पहुंच गई।बाजार के जानकारों का मानना है कि यह गिरावट एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था पर अमेरिकी टैरिफ के बढ़ते दबाव के कारण है। रुपये में गिरावट इस बात के संकेत हैं कि पिछले महीने से भारत पर लागू हुए अमेरिकी टैरिफ भारत में निवेशकों के विश्वास को कम पर असर डाल रहे हैं और यही कारण है कि एशियाई समकक्षों के बीच रुपया सबसे कमजोर स्थिति में है। विदेशी निवेशकों ने इस साल अब तक भारतीय ऋण और शेयर बाजारों से 11.7 अरब डॉलर की शुद्ध निकासी की है। पिछले शुक्रवार को रुपया 88.36 के स्तर तक चला गया था। वाशिंगटन के भारी टैरिफ ने भारत के विकास और व्यापार परिदृश्य को नुकसान पहुंचाया है और मुद्रा विनिमय की राह को धुंधला कर दिया है। इस प्रभाव को कम करने के लिए भारत सरकार ने जीएसटी की दरों को बड़े पैमाने पर कम करने का एलान किया है। हालांकि, इस बीच भारत और अमेरिका व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए निरंतर बातचीत करने भी विचार कर रहे हैं।फिलहाल, निर्यातकों को ऑर्डर प्रवाह को लेकर अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, आयातकों को अधिक आक्रामक तरीके से हेजिंग करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इससे मुद्रा बाजार में मांग-आपूर्ति संतुलन बिगड़ रहा है। रुपये में गिरावट की गति को कम करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने बार-बार हस्तक्षेप किया है। बाजार सहभागियों का कहना है कि केंद्रीय बैंक बाजार में सक्रिय रहा है।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 123 अंक चढ़ा, निफ्टी 25000 के पार

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के बीच हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 123.58 अंक या 0.15 प्रतिशत चढ़कर 81,548.73 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 217.07 अंक या 0.26 प्रतिशत बढ़कर 81,642.22 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 32.40 अंक या 0.13 प्रतिशत बढ़कर 25,005.50 अंक पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 36 पैसे टूटकर 88.47 (अनंतिम) के सर्वकालिक निम्न स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, इटरनल और सन फार्मा प्रमुख लाभ में रहीं। वहीं इंफोसिस, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट और हिंदुस्तान यूनिलीवर पिछड़ने वालों में शामिल रहे।

भारत और अमेरिका व्यापार वार्ता की उम्मीदों से बाजार को मिला बल

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि निफ्टी 50 सूचकांक 25,000 की महत्वपूर्ण सीमा से ऊपर बंद हुआ है। अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ अनिश्चितता ने मुख्य सूचकांक को शुरुआत में 24,400 तक नीचे खींच लिया। नायर ने कहा कि भारत के साथ व्यापार वार्ता दोबारा शुरू करने के लिए अमेरिका से मिले सकारात्मक संकेतों ने सूचकांक के एक नए दायरे में पहुंचने का मार्ग प्रशस्त किया है, जिसकी बाजार को काफी उम्मीद थी।

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोप के बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। बुधवार को अमेरिकी बाजार मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 67.28 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.24 प्रतिशत गिरकर 67.28 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, बुधवार को दिन भर की राहत के बाद विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 115.69 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने पिछले दिन 5,004.29 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सोना 412 रुपए सस्ता होकर 1,09,223 पर

चांदी का भाव 327 कम हुआ ; इस साल सोना 33,000 और चांदी 38,000 महंगी हुई

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 11 सितंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार आज सोना 412 रुपए सस्ता होकर 1,09,223 पर आ गया है। कल इसकी कीमत 1,09,635 प्रति 10 ग्राम थी।वहीं, चांदी 327 रुपए कम होकर 1,24,267 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। कल एक किलो चांदी की कीमत 1,24,594 रुपए थी। गोल्ड ने 9 सितंबर को 1,09,635 रुपए और सिल्वर ने 1,24,770 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

देश के बड़े शहरों में सोने की कीमत

शहर	10 ग्राम 24 कैरेट	10 ग्राम 22 कैरेट
जयपुर	₹1,10,650	₹1,01,450
भोपाल	₹1,10,560	₹1,01,350
इंदौर	₹1,10,560	₹1,01,350
पटना	₹1,10,560	₹1,01,350
लखनऊ	₹1,10,650	₹1,01,450
कानपुर	₹1,10,650	₹1,01,450
रायपुर	₹1,10,510	₹1,01,300
अहमदाबाद	₹1,10,560	₹1,01,350
हैदराबाद	₹1,10,510	₹1,01,300

जीएसटी-2.0, सरकार ने सामानों की नई कीमतों की लिस्ट मांगी

कंपनियों से कहा– दुकानों, शोरूम्स पर जीएसटी कटौती के बाद नई और पुरानी कीमतें दिखाएं

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। नई जीएसटी दरों का ऐलान होने के बाद अब केंद्र सरकार ने कंपनियों से उनके प्रोडक्ट्स की नई अनुमानित कीमत की लिस्ट मांगी है। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक सरकार नई और पुरानी कीमतों की लिस्ट जीएसटी की ऑफिशियल वेबसाइट पर भी अपलोड करेगी। बुधवार को सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडाइरेक्ट टैक्सेस एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) ने उद्योग और व्यापार से जुड़े लोगों के साथ एक बैठक की। इस बैठक में जीएसटी में हुई कटौती को सही से लागू करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा सरकार ने कंपनियों से यह भी कहा है कि वे अपनी दुकानों और डीलरशिप पर पुरानी और नई, दोनों तरह की कीमतें दिखाएं ताकि ग्राहकों को कोई दिक्कत न हो। दरअसल, सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि जीएसटी कटौती का फायदा पूरी तरह से ग्राहकों तक पहुंचे और कंपनियां इसका फायदा न उठाएं। 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद कुछ कंपनियों ने कर कटौती का फायदा ग्राहकों को नहीं दिया था, जिसके बाद 'नेशनल एंटी-प्रॉफिटियरिंग अथॉरिटी' ने उन पर जुर्माना लगाया था।

सरकार ने कंपनियों को पुराने स्टॉक की एमआरपी बदलने की इजाजत दी

सरकार ने 22 सितंबर से लागू हो रहीं नई जीएसटी दरों से पहले सरकार ने कंपनियों को अपने पुराने बचे हुए माल (अनसोल्ड स्टॉक) की मैक्सिमम रिटेल प्राइज (एमआरपी) बदलने की इजाजत दे दी है। मैन्युफैक्चरर्स, पैकर्स और इम्पोर्टर्स अब पुराने स्टॉक पर नई कीमतें स्टैंप, स्टिकर या ऑनलाइन प्रिंटिंग से डाल सकेंगे। भारत के कंज्यूमर अफेयर डिपार्टमेंट ने मंगलवार को आदेश जारी कर कहा कि ये अनुमति 31 दिसंबर 2025 तक या पुराना स्टॉक खत्म होने तक लागू रहेगी। नई कीमतों के साथ कंपनियों को पुराना एमआरपी दिखना जरूरी होगा।

जीएसटी में अब 4 की जगह केवल दो स्लैब

अब जीएसटी के 4 की जगह केवल दो स्लैब 5% और 18% होंगे। इससे आम जरूरत की चीजें जैसे साबुन, शैंपू के साथ एसी, कार भी सस्ते होंगे। जीएसटी काउंसिल की 56वीं मीटिंग में इस पर फैसला लिया गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 3 सितंबर को इसकी जानकारी दी। वित्त मंत्री सीतारमण ने बताया कि दूध, रोटी, पराठा, छेना समेत कई फूड आइटम जीएसटी फ्री होंगे। वहीं इंडिविजुअल हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस पर भी टैक्स नहीं लगेगा। 33 जीवन रक्षक दवाएं, दुर्लभ बीमारियों और गंभीर बीमारियों के लिए दवाएं भी टैक्स फ्री होंगी। लग्जरी आइटम्स और तंबाकू प्रोडक्ट्स पर अब 28% की जगह 40% जीएसटी लगेगा। मध्यम और बड़ी कारें, 350सीसी से ज्यादा इंजन वाली मोटरसाइकिलें इस स्लैब में आएंगे।

इन बदलावों से आम आदमी को क्या फायदा होगा ?

ये बदलाव आपकी जेब पर बोझ कम करेंगे। रोज के सामान, खाना की चीजें और छोटी गाड़ियां सस्ती हो जाएंगी। व्यक्तिगत, परिवार, और बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य बीमा पर 18% टैक्स हट गया है। इससे बीमा लेना सस्ता होगा और ज़्यादा लोग इसे ले सकेंगे। सीमेंट पर टैक्स 28% से 18% हुआ, तो घर बनाने या मरम्मत का खर्च थोड़ा कम होगा। टीवी, एयर कंडीशनर जैसे सामान भी 28% से 18% टैक्स में आएंगे, यानी ये भी सस्ते होंगे।33 जरूरी दवाइयां, खासकर कैंसर और गंभीर बीमारियों की दवाएं अब टैक्स-फ्री होंगी। छोटी कारें और 350सीसी तक की मोटरसाइकिलें अब 28% की जगह 18% टैक्स में आएंगी।

कर्ज नहीं चुकाया तो फोन हो जाएगा लॉक!

आरबीआई ला रहा नया नियम

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)।भारतीय रिजर्व बैंक ने कर्जदाताओं की ताकत को बढ़ाने के लिए एक नया नियम बनाने की योजना बनाई है. आरबीआई के नए नियम लागू होने के बाद जो लोग लोन चुकाने में असमर्थ होंगे उन लोगों के फोन को कर्जदाता दूर से ही लॉक कर पाएंगे. कुल मिलाकर देखा जाए तो आरबीआई के इस नियम के लागू होने से कर्जदाताओं की पावर बढ़ेगी. हालांकि, इससे उपभोक्ता अधिकारों की चिंताओं के बढ़ने की संभावना है. होम क्रेडिट फाइनेंस द्वारा 2024 में किए गए अध्ययन में पता चला है कि एक तिहाई से ज्यादा कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे कि मोबाइल फोन को ज्यादातर लोग लोन पर खरीदते हैं. टेलीकॉम रेगुलेटर के अनुसार, 1.4 बिलियन से अधिक आबादी वाले देश में 1.16 बिलियन से अधिक मोबाइल कनेक्शन हैं. सूत्रों ने कहा कि पिछले साल भारतीय रिजर्व बैंक ने कर्जदाताओं को डिफॉल्ट उधारकर्ताओं के फोन लॉकिंग को रोकने के लिए कहा था. डिवाइस को लॉक करने के लिए ऋण (लोन) जारी करते समय उधारकर्ताओं के फोन में ऐप इंस्टॉल कराया जाएगा. कर्जदाताओं के साथ बातचीत के बाद, आरबीआई अगले कुछ महीनों के भीतर फेयर प्रैक्टिस कोड को अपडेट करने के साथ फोन-लॉकिंग मैकेनिज्म पर दिशानिर्देश जारी कर सकती है. आरबीआई दो बातों को सुनिश्चित करना चाहता है, पहला तो ये कि कर्जदाता फोन को लॉक कर लोन का पैसा रिकवर कर पाएं और दूसरा यह कि ग्राहकों के डेटा की भी सुरक्षित रखा जाए. इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, आरबीआई के प्रवक्ता ने फिलहाल इस मामले में कोई भी जवाब नहीं दिया है.अगर आरबीआई का ये नियम लागू हुआ तो इससे कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के लिए लोन देने वाली कंपनियां जैसे कि बजाज फाइनेंस, डीएमआई फाइनेंस और चोलमांडलम फाइनेंस को लाभ पहुंचा सकता है, जिससे रिकवरी का चांस बढ़ सकता है. क्रेडिट ब्यूरो सीआरआईएफ हाईमार्क के अनुसार, 100,000 रुपए से नीचे के लोन डिफॉल्ट रूप से अधिक जोखिम भरे हैं.

क्रोमा को चमकाने की तैयारी में टाटा

एक बार में लगाए 1,000 करोड़ रुपये!

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। इस साल टाटा ग्रुप ने अपनी इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन क्रोमा में 1,000 करोड़ रुपए का बड़ा निवेश किया है. कंपनी के दस्तावेजों के मुताबिक, क्रोमा को चलाने वाली टाटा की कंपनी इनफिनिटी रिटेल लिमिटेड में टाटा डिजिटल ने यह निवेश किया है. अब क्रोमा की कुल अधिकृत पूंजी बढ़कर 6,000 करोड़ रुपए हो गई है. इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, टाटा ग्रुप आगे भी इस बिज़नेस में बड़ा निवेश करने की योजना बना रहा है.

नुकसान बढ़ा, लेकिन आमदनी भी हुई

वित्तीय साल 2024-25 में इनफिनिटी रिटेल का घाटा बढ़कर 1,091 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल के 986 करोड़ से ज्यादा है. लेकिन साथ ही कंपनी की कुल कमाई भी 6.7 फीसदी बढ़कर 19,228 करोड़ रुपए तक पहुंच गई. कंपनी ने बताया कि ये साल उनके लिए बदलाव का था. बाजार की कड़ी टक्कर और धीमी मांग के बावजूद क्रोमा ने न केवल बिक्री बढ़ाई बल्कि खर्च कम करके मुनाफे के मार्जिन भी बेहतर किए. खासकर सप्लाई चेन और मार्केटिंग में कटौती करके कंपनी ने अपनी कमाई बेहतर करने की कोशिश की है.

क्रोमा ने बदला अपने कारोबार करने का तरीका

इनफिनिटी रिटेल ने गेट फिट एण्ड गेट फास्ट की रणनीति अपनाई है, जिसका मतलब है कि कंपनी ने अपना बिजनेस मॉडल पूरी तरह से नया रूप दिया है. अब उनका फोकस तेज और बेहतर काम करने पर है ताकि बाजार में अपना दबदबा बनाए रख सकें. टाटा डिजिटल इस पूरी प्रक्रिया में अहम भागीदार है. दोनों मिलकर नई टेक्नोलॉजी, कस्टमर बेस बढ़ाने, लॉयल्टी प्रोग्राम चलाने और खर्चों में बचत करने के लिए काम कर रहे हैं.रिपोर्ट के मुताबिक, क्रोमा अब केवल बढ़त की होड़ में नहीं है, बल्कि मुनाफा कमाने और टिकाऊ कारोबार पर ज्यादा ध्यान दे रही है. टाटा की तरफ से मिली नई पूंजी, सख्त खर्च नियंत्रण और बिगबास्केट के साथ साझेदारी कंपनी के लिए आने वाले समय की असली परीक्षा होगी.

सेबी बोर्ड की बैठक आज

तुहिन कांत की अध्यक्षता में नियामकीय सुधारों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। बाजार नियामक सेबी के निदेशक मंडल की शुक्रवार को होने वाली अपनी बैठक में कई नियामकीय सुधारों पर चर्चा होगी। सूत्रों के अनुसार इन सुधारों में कंपनियों के लिए न्यूनतम आईपीओ आवश्यकताओं में ढील देना और न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता मानदंडों को पूरा करने के लिए समयसीमा को बढ़ाना शामिल है। सेबी के अनुसार, बैठक के एजेंडे में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए अनुपालन को सरल बनाना, कुछ वैकल्पिक निवेश कोषों (एआईएफ) में मान्यता प्राप्त निवेशकों के लिए विनियमन में ढील देना, रेटिंग एजेंसियों की गतिविधियों का दायरा बढ़ाना और आरईआईटी और इनविट को इक्विटी का दर्जा देना शामिल है। इनमें से कई प्रस्ताव पहले ही सार्वजनिक परामर्श के लिए प्रस्तुत किए जा चुके हैं, जो विनियामक परिदृश्य को परिष्कृत करने की दिशा में व्यापक प्रयास का संकेत देते हैं। यह तुहिन कांत पांडे की अध्यक्षता में तीसरी बोर्ड बैठक होगी। उन्होंने 1 मार्च को पदभार ग्रहण किया था। प्रस्ताव के तहत, 50,000 करोड़ रुपये से 1 लाख करोड़ रुपये के बीच बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों के लिए, नया न्यूनतम सार्वजनिक प्रस्ताव (एमपीओ) 1,000 करोड़ रुपये करने की बात कही गई है।

भर-भरकर सोना खरीद रहा चीन

ऑल-टाइम हाई पर पहुंचा गोल्ड रिजर्व, क्या है ड्रैगन का प्लान?

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। चीन का केंद्रीय बैंक जमकर सोने की खरीदारी कर रहा है। उसने अगस्त में लगातार सातवें महीने सोने की खरीदारी की। चीन को गोल्ड रिजर्व डॉलर टर्म में 253.8 अरब डॉलर पहुंच चुका है कि देश के कुल रिजर्व का 7.6 फीसदी है। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना इस साल अब तक 21 टन सोना खरीद चुका है। पिछले साल उसने 44 टन सोना खरीदा था जबकि 2023 में 225 टन गोल्ड की खरीदारी की थी। चीन का टारगेट अपने गोल्ड रिजर्व को 5,000 टन पहुंचाना है। अभी चीन का गोल्ड रिजर्व आधिकारिक रूप से 2,300.4 टन है। 2009 में चीन के गोल्ड एसोसिएशन के तत्कालीन वाइस जनरल सेक्रेटरी होऊ हुइमिन ने कहा था कि उनके देश के पास 5,000 टन सोने का भंडार होना चाहिए। अगर चीन इस मुकाम पर पहुंचता है तो उसका गोल्ड रिजर्व अमेरिका के बाद सबसे बड़ा होगा। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका के पास अभी 8,133.5 टन गोल्ड रिजर्व है। दूर-दूर तक कोई उसके आसपास नहीं है। अमेरिका के कुल रिजर्व में 78 फीसदी गोल्ड है। दिलचस्प बात है कि पिछले 25 साल में अमेरिका के गोल्ड रिजर्व में ज्यादा अंतर नहीं आया है। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर जर्मनी है जिसके पास 3,350 टन सोना है जो उसके कुल रिजर्व का 78 फीसदी है। इटली के पास 2,452 टन सोना है जो उसके रिजर्व का 75 फीसदी है। फ्रांस के पास 2,437 टन और रूस के पास 2,330 टन सोना है। इसके बाद चीन का नंबर है। चीन के बाद स्विट्जरलैंड का नंबर है जिसके पार 1,040 टन सोना है जो उसके कुल रिजर्व का 11 फीसदी है। इस लिस्ट में स्विट्जरलैंड के बाद भारत का नंबर है। हमारे पास 880 टन सोने का भंडार है जो हमारे कुल रिजर्व का 13 फीसदी है। इसके बाद जापान (846 टन), तुर्की (637 टन), नीदरलैंड (613 टन) और पोलैंड (515 टन) का नंबर है। 2023 से चीन और पोलैंड ने सबसे ज्यादा गोल्ड खरीदा है। पोलैंड ने 2023, 2024 और 2025 में 287 टन गोल्ड खरीदा। जानकारों का कहना है कि अगर चीन को अगले कुछ दशक में दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी बननी है तो उसके पास 8,000 टन से अधिक सोना होना चाहिए।

पितृपक्ष में अपने पितरों की आत्मा को ऐसे दें शांति

हिंदू धर्म में पितृपक्ष का विशेष महत्व है। यह 15 दिनों की अवधि पितरों को समर्पित होती है, जब हम अपने दिवंगत पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध, पिंडदान और तर्पण करते हैं। पंचांग के अनुसार, इस साल पितृपक्ष 7 सितंबर 2025 से शुरू होकर 21 सितंबर 2025 को सर्वपितृ अमावस्या के दिन समाप्त होगा। इन 15 दिनों में किए गए धार्मिक कार्य न केवल पितरों को तृप्ति देते हैं, बल्कि उनके आशीर्वाद से घर में सुख-समृद्धि भी आती है। आइए जानते हैं कि पितृपक्ष में पिंडदान और तर्पण की सही विधि क्या है और कैसे आप अपने पितरों की आत्मा को शांति दे सकते हैं।

श्राद्ध और पिंडदान का सही समय

श्राद्ध कर्म हमेशा दोपहर के समय (कुतुप काल) में किया जाता है। यह समय सुबह 11:36 बजे से दोपहर 12:24 बजे तक का होता है, जब सूर्य मध्याह्न में होता है। इस समय किया गया श्राद्ध पितरों तक सीधे पहुंचता है। पिंडदान के लिए भी यही समय उत्तम माना गया है।

पिंडदान की विधि

पिंडदान का अर्थ है 'पिंड' यानी चावल, जौ और तिल को मिलाकर गोला बनाना और उसे पितरों को अर्पित करना। पिंडदान हमेशा पवित्र नदी के किनारे या घर के किसी शांत और साफ स्थान पर करें।

चावल, जौ का आटा, काले तिल, दूध, शहद और गंगाजल पिंडदान करने के लिए जरूर होने चाहिए। पिंडदान करने वाला व्यक्ति स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करे। हाथ में कुश घास (दर्भ) और जल लेकर संकल्प लें।चावल, जौ के आटे और काले तिल को मिलाकर पिंड बनाएं। इन पिंडों को कुश के आसन पर रखें। इन पर दूध, शहद और गंगाजल अर्पित करें। अपने पितरों का नाम लेकर उन्हें ये पिंड समर्पित करें और उनसे आशीर्वाद की प्रार्थना करें। पिंडदान के बाद ब्राह्मणों को भोजन कराएं। और उन्हें दान देना न भूलें।

तर्पण की विधि

तर्पण का अर्थ है 'तप्त करना' या तृप्त करना। यह जल अर्पित करने की एक विधि है। स्नान करके स्वच्छ वस्त्र पहनें। हाथ में जल, तिल और कुशा लें।सूर्य की ओर मुख करके दक्षिण दिशा की ओर खड़े हो जाएं, क्योंकि दक्षिण दिशा पितरों की दिशा मानी जाती है। अपने पितरों का नाम लेते हुए अंजलि में भरे जल को धीरे-धीरे बहने दें। यह क्रिया तीन बार दोहराएं। जल अर्पित करते समय 'पितृभ्यः नमः' मंत्र का जाप करें।

पितरों को प्रसन्न करने के अन्य उपाय

ब्राह्मणों को भोजन कराएं: पितृपक्ष में किसी ब्राह्मण को आदरपूर्वक घर पर बुलाकर भोजन कराना बहुत शुभ माना जाता है। भोजन में खीर-पूरी और अन्य पारंपरिक व्यंजन शामिल करें।

गाय को चारा खिलाएं: पितृपक्ष के दौरान गाय को हरा चारा खिलाने से पितृदेव प्रसन्न होते हैं।

गरीबों और जरूरतमंदों की मदद करें: इस दौरान गरीबों और जरूरतमंदों को दान-पुण्य करना भी पितरों को शांति प्रदान करता है।

पितृपक्ष में क्या करें और क्या न करें?

इस समय दान, ब्राह्मण भोजन और गरीबों को अन्न-वस्त्र देना शुभ माना गया है।

रोजाना पितरों का स्मरण कर दीप जलाएं और उन्हें जल अर्पित करें।

पितृपक्ष में नए कपड़े, वाहन या घर की खरीदारी करने से बचना चाहिए।

मांसाहार, मद्यपान और किसी भी तरह के अशुद्ध कार्य इस दौरान वर्जित हैं।

पितृपक्ष का महत्व

पितृपक्ष को श्राद्ध पक्ष भी कहा जाता है। मान्यता है कि इन 15 दिनों में यमराज पितरों को धरती पर अपने परिवार से मिलने के लिए मुक्त कर देते हैं। इस दौरान, वंशज अपने पितरों को पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध के माध्यम से भोजन और जल अर्पित करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इन कार्यों से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और वे प्रसन्न होकर अपने वंशजों को आशीर्वाद देते हैं।

पितृपक्ष में ना खाएं ये सब्जियां

पितृपक्ष के दौरान बैंगन, खीरा, करेला, लहसुन, प्याज, कटहल इस तरह की सभी सब्जियां वर्जित बताई गई हैं। इन्हें अशुभ माना जाता है और पितृपक्ष में इनसे परहेज करने की सलाह दी जाती है।मान्यता है कि इस दौरान खाई जाने वाली हर चीज पितरों को भी प्राप्त होती है। अगर असात्विक या अशुभ मानी जाने वाली वस्तु खा ली जाए तो पितरों को संतोष नहीं मिलता।

पितृपक्ष में इन दालों से बचकर रहें

पितृपक्ष के दौरान उड़द की दाल, मसूर की दाल, काले सरसों के दान, काला नमक, सफेद व काला चना को खाने से मना किया जाता है। मान्यता है कि ये दालें पितरों को अर्पण करने योग्य नहीं होतीं, इसलिए इनका सेवन नहीं किया जाता। पितृपक्ष में पितरों को ध्यान में रखते हुए भोजन करना चाहिए। यही कारण है कि इस समय दाल, अनाज और सब्जियों में भी शुद्ध और सात्विक विकल्प ही चुने जाते हैं।

पितरों की कृपा से होती है उन्नति

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, श्राद्ध और पितरों की सेवा से जीवन में उन्नति होती है। अगर पितरों का तर्पण और श्राद्ध न किया जाए तो चंद्रमा और अन्य ग्रह अशुभ फल देने लगते हैं, जिससे मानसिक अशांति, परिवार में कलह और संपत्ति संबंधी अड़चन आती हैं। अगर कुंडली के 7वें भाव का चंद्रमा अशुभ हो, तो व्यक्ति को पितरों का श्राद्ध करना, बुजुर्गों और बच्चों का आशीर्वाद लेना तथा धार्मिक स्थानों पर दान करना चाहिए। इससे पितरों की कृपा प्राप्त होती है और ग्रहों के दोष शांत होते हैं।

पितृपक्ष में नई चीजें खरीदना सही या गलत, क्या कहते हैं शास्त्र?

पितृपक्ष, जो इस साल 7 सितंबर से शुरू हो चुका है, जो 21 सितंबर तक चलेगा। श्राद्ध पक्ष एक ऐसा समय है जब हम अपने पितरों, यानी पूर्वजों को श्रद्धापूर्वक याद करते हैं और उनका श्राद्ध करते हैं। इस दौरान, कई लोगों के मन में यह दुविधा रहती है कि क्या नई चीजें खरीदना शुभ है या अशुभ।बहुत से लोग मानते हैं कि पितृपक्ष में कोई भी नई चीज, चाहे वह कपड़े हों, वाहन हो या घर का सामान, नहीं खरीदना चाहिए।

पितृपक्ष और खरीदारी, क्या है सच्चाई?

जब हम इस मान्यता को शास्त्रों की कसौटी पर परखते हैं, तो पाते हैं कि श्राद्ध पक्ष में खरीदारी को लेकर कोई भी साफ प्रतिबंध नहीं है। ज्योतिषाचार्य पंडित राकेश पांडेय जैसे विद्वानों का भी यही मत है कि पितृपक्ष को अशुभ नहीं मानना चाहिए। यह समय शोक या मातम का नहीं, बल्कि अपने पूर्वजों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का है।

दरअसल, शास्त्रों में इस बात को कहीं लिखा और बोला नहीं गया कि श्राद्ध पक्ष में खरीदारी नहीं करनी चाहिए। यह केवल एक सामाजिक धारणा है, जिसे लोगों ने अपनी सुविधा और मान्यताओं के अनुसार गढ़ लिया है।

क्यों नहीं करने चाहिए मांगलिक कार्य?

यह सही है कि पितृपक्ष में मांगलिक कार्य, जैसे विवाह, गृह प्रवेश या मुंडन आदि नहीं किए जाते। इसका कारण यह है कि इन दिनों में हमारा पूरा ध्यान अपने पितरों को याद करने और उनके लिए श्राद्ध करने पर केंद्रित होता है। मांगलिक कार्यों की धूम-धड़ाके वाली प्रकृति इस अवधि की गंभीरता और शांति के अनुरूप नहीं है। इसके विपरीत, दैनिक उपयोग की नई दैनिक चीजें खरीदना अशुभ नहीं होता है और इसका पितरों के सम्मान से कोई टकराव नहीं है।

नई चीजें खरीदने से मिलती है पितरों को खुशी!

ज्योतिषाचार्य के अनुसार, जब आप कोई नई वस्तु खरीदते हैं, तो यह आपके परिवार की समृद्धि और खुशी को दर्शाता है। यह आपके पूर्वजों को यह संदेश देता है कि उनका परिवार सुखी और संपन्न है। ऐसी स्थिति में, पितर आपसे नाराज होने के बजाय प्रसन्न होते हैं और आपको अपना आशीर्वाद देते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान?

पितरों को याद करें: पितृपक्ष का मूल उद्देश्य अपने पूर्वजों को याद करना और उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त करना है। नई खरीदारी करते समय भी हमें उन्हें सम्मानपूर्वक याद रखना चाहिए।

दिखावा न करें: इस दौरान अत्यधिक दिखावा या फिजूलखर्ची से बचें। सादगी और विनम्रता बनाए रखें।

दान करें: पितृपक्ष में दान का विशेष महत्व है। खरीदारी के साथ-साथ गरीबों और जरूरतमंदों को दान अवश्य करें। ऐसा करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है।

इसलिए पितृपक्ष में नई चीजें खरीदना बिल्कुल भी गलत नहीं है। यह केवल एक सामाजिक धारणा है, जिसका शास्त्रों में कोई आधार नहीं है। आप इस दौरान अपनी आवश्यकतानुसार खरीदारी कर सकते हैं। बस, अपने पितरों को हमेशा याद रखें और उनके प्रति अपनी श्रद्धा बनाए रखें।

कौवा है पितरों का दूत, लेकिन अगर ना दिखे तो श्राद्ध कैसे करें?

हिंदू धर्म में पितृ पक्ष का बहुत महत्व माना जाता है। यह पर्व अपने दिवंगत पूर्वजों को याद करने और उनको श्रद्धांजलि देने का एक खास अवसर होता है। पितृपक्ष का यह पर्व भाद्रपद पूर्णिमा से लेकर आश्विन कृष्ण पक्ष अमावस्या तक 16 दिनों तक चलता है। इस दौरान, लोग अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध करते हैं। श्राद्ध कर्म में पितरों का तर्पण, पिंडदान और अन्य धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं। पितृ पक्ष में कौवे को भोजन कराना बहुत महत्वपूर्ण और सबसे जरूरी कार्य माना जाता है, लेकिन अगर भोज के लिए कौआ ना मिले तो क्या करें?

क्यों कौआ को माना जाता है पितृको का प्रतीक?

मान्यताओं के अनुसार कौवा यम के प्रतीक के रूप में जाना जाता है। पितृ पक्ष के दौरान कौवे का होना पितरों के आस पास होने का संकेत माना जाता है। कहते हैं श्राद्ध के दौरान इसको ग्रास न दें, तो पूर्वज भूखे लौट जाते हैं। इसलिए सभी लोग पितृ पक्ष मे कौआ को भोजन कराने के लिए ढूंढते हैं।

श्राद्ध भोजन के लिए कौवे न मिले तो क्या करें

शास्त्रों में वर्णित है कि कौआ एक मात्र ऐसा पक्षी है, जो पितृ-दूत कहलाता है, लेकिन शहरों में कौवे विलुप्त होते जा रहे हैं। ऐसे में अगर आप श्राद्ध का भोजन कौवों को नहीं करा पा रहे हैं तो, कौवे के नाम का भोग गाय या कुत्ते को खिला सकते हैं, क्योंकि पितरों का भोजन गाय, कुत्ते, कौवे, चींटी और देवताओं को खिलाया जाता है, इसे पंचबलि भोग कहते हैं।

पंचबलि का महत्व और सही तरीका

श्राद्ध में पंचबलि भोग का बहुत बड़ा महत्व है। क्योंकि पितरों का भोजन गाय, कुत्ते, कौवे, चींटी और देवताओं को खिलाया जाता है। इसे पंचबलि भोग कहते हैं। यह केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि पितरों के प्रति श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक है। ऐसी मान्यता है कि इन पांचों को भोजन कराने से पितरों को भोजन प्राप्त होता है और वे तृप्त होते हैं। लेकिन इन सभी में कौवे का स्थान सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है।

ब्रह्मवैवर्त पुराण से जानें तर्पण का महत्व

श्राद्ध में तर्पण का बहुत अधिक महत्व है। इससे पितर संतुष्ट व तृप्त होते हैं। ब्रह्मवैवर्त पुराण में तर्पण के महत्व के बारे में बताया गया है। ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार, जिस प्रकार वर्षा का जल सीप में गिरने से मोती, कदली में गिरने से कपूर, खेत में गिरने से अन्न और धूल में गिरने से कीचड़ बन जाता है, उसी प्रकार तर्पण के जल से सूक्ष्म वाष्पकण- देव योनि के पितर को अमृत, मनुष्य योनि के पितर को अन्न, पशु योनि के पितर को चारा व अन्य योनियों के पितरों को उनके अनुरूप भोजन व सन्तुष्टि प्रदान करते हैं। आपके द्वारा किया गया तर्पण पितृ की आत्मा को शांति भी प्रदान करता है। साथ ही जो व्यक्ति तर्पण कार्य पूर्ण करता है, उसे हर तरफ से लाभ मिलता है। नौकरी में तरक्की मिलती है। बता दूं कि तर्पण कर्म मुख्य रूप से छः प्रकार से किये जाते हैं....

पहला- देव तर्पण
दूसरा- ऋषि तर्पण
तीसरा- दिव्य मानव तर्पण
चौथा- दिव्य पितृ-तर्पण
पांचवा- यम तर्पण
छठवां- मनुष्य-पितृ तर्पण

तर्पण करने की विधि

श्राद्ध में किये जाने वाले तर्पण में एक लोटे में साफ जल लेकर उसमें दूध, जौ, चावल और गंगा जल मिलाकर तर्पण कार्य करना चाहिए। पितरों का तर्पण करते समय पात्र में जल लेकर दक्षिण दिशा में मुख करके बायां घुटना मोड़कर बैठें और जो जनेऊ धारक हैं, वे अपने जनेऊ को बायें कंधे से उठाकर दाहिने कंधे पर रखें और हाथ के अंगूठे के सहारे से जल को धीरे-धीरे नीचे की ओर गिराएं। इस मुद्रा को पितृ तीर्थ मुद्रा कहते हैं। इसी मुद्रा में रहकर अपने सभी पितरों को तीन-तीन अंजलि जल देना चाहिए। तर्पण हमेशा साफ कपड़े पहनकर श्रद्धा से करना चाहिए। बिना श्रद्धा के धर्म-कर्म तामसी तथा खंडित होते हैं। इसलिए श्रद्धा भाव होना जरूरी है।

पितृ पक्ष में गया जी के अलावा इन 6 स्थानों पर भी होता है श्राद्ध,

इस समय पितृ पक्ष चल रहा है। पितृ पक्ष के समय में लोग अपने पितरों की शांति और तृप्ति के लिए बिहार के गया जी में श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान आदि करते हैं। अधिकतर लोगों को गया जी के बारे में पता है, लेकिन देश में और भी ऐसी जगहें हैं, जहां पर पितरों के लिए श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान किया जाता है। इससे पितरों को तृप्ति और मोक्ष प्राप्त होता है। कहा जाता है कि अपने जीवन काल में एक बार जरूर इन जगहों में से किसी एक जगह पर जाकर पितरों के लिए श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करना चाहिए। आइए जानते हैं कि पितृ पक्ष में किन जगहों पर पूजा करनी चाहिए?

पितृ पक्ष में पूजा करने वाले स्थान

गया जी: बिहार का गया जी पितृ श्राद्ध का सबसे बड़ा और उत्तम तीर्थ माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गया जी में विष्णुपाद मंदिर और फल्गु नदी है, जहां पर तर्पण करने से पितरों को मोक्ष मिलता है।

वाराणसी: भगवान शिव की नगरी काशी को मुक्ति का धाम कहा जाता है, जहां बाबा विश्वनाथ विराजते हैं। जो लोग वाराणसी में अपने पितरों को गंगा के किनारे तर्पण देते हैं और उनके लिए श्राद्ध करते हैं, वे महादेव की कृपा से मोक्ष प्राप्त करते हैं। वे लोग जन्म और मरण के बंधन से मुक्त हो जाते हैं।

नासिक: पितरों की मुक्ति के लिए भगवान त्र्यंबकेश्वर की नगरी नासिक भी महत्वपूर्ण है। यह गोदावरी नदी के तट पर बसा है। जो लोग नासिक में अपने पितरों के लिए पूजा, तर्पण, श्राद्ध आदि करते हैं, उनके पितरों को तृप्ति मिलती है।

पुष्कर: राजस्थान का पुष्पकर भी पितरों की मुक्ति का स्थान है। जो लोग पुष्कर में पितरों के लिए पूजा, स्नान, दान आदि करते हैं, वे तृप्त होते हैं। यहां पुष्कर में ब्रह्मा जी का तीर्थ स्थल भी है।

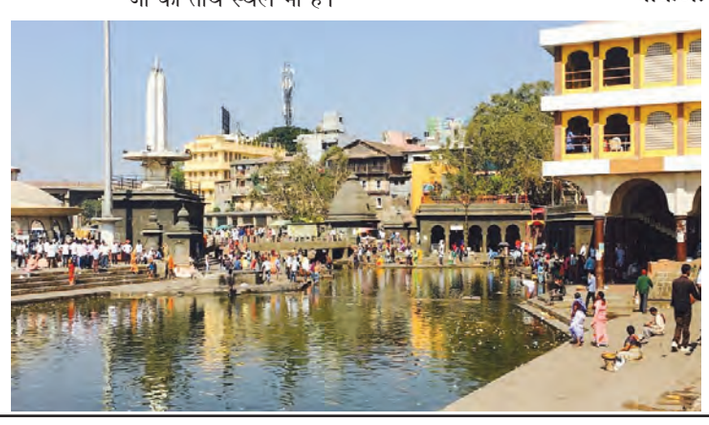

प्रयागराज का त्रिवेणी संगम: उत्तर प्रदेश के प्रयागराज का त्रिवेणी संगम भी पितरों के उद्धार के लिए जाना जाता है। प्रयागराज में गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम है। जो लोग प्रयागराज में पितरों के लिए तर्पण और श्राद्ध करते हैं, उनको विष्णु कृपा से तृप्ति और मुक्ति मिल जाती है।

गोकर्ण: कर्नाटक के गोकर्ण को भी गया तीर्थ के नाम से जानते हैं। गोकर्ण में भी पितरों के लिए तर्पण और श्राद्ध करते हैं। गोकर्ण को दक्षिण का काशी कहा जाता है।

सिद्धपुर: गुजरात के सिद्धपुर को श्राद्ध तीर्थ कहा जाता है। इस जगह पर भी लोग पितरों के उद्धार के लिए तर्पण और श्राद्ध करते हैं।

इन जगहों के अलावा उज्जैन, हरिद्वार, रामेश्वरम आदि स्थानों पर भी पितरों के लिए श्राद्ध और तर्पण करते हैं। किहीं कारणों से आप इन स्थानों पर नहीं जा सकते हैं तो आप पितृ पक्ष में अपने घर पर ही पितरों के लिए तर्पण और श्राद्ध करें। आपके पितर तृप्त होकर आपको आशीर्वाद देंगे।

अगर घर में है तुलसी का पौधा तो न करें ये 2 गलतियां...

तुलसी का पौधा भारतीय घरों में पवित्रता का प्रतीक है। यह सिर्फ़ एक धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि आस्था, भक्ति और आध्यात्मिकता का भी प्रतीक है। ऐसा माना जाता है कि जिस घर में तुलसी होती है, वहां देवी लक्ष्मी और भगवान विष्णु का आशीर्वाद सदैव बना रहता है। इसीलिए हर घर के आंगन, बालकनी या छत पर तुलसी का पौधा लगाया जाता है। हालांकि, सिर्फ़ तुलसी लगाना ही काफ़ी नहीं है, अगर कुछ खास नियमों का पालन किया जाए, तो घर में हमेशा शांति, सुख, सकारात्मक ऊर्जा और धन-संपत्ति बनी रहती है।

तुलसी को रोज़ाना जल देना बहुत शुभ माना जाता है। अगर आप सुबह स्नान के बाद तुलसी की परिक्रमा करें और उस पर जल चढ़ाएं, तो घर का वातावरण शुद्ध रहेगा। नियमित रूप से जल देने से पौधा हरा-भरा रहेगा। इससे परिवार के सदस्यों को मानसिक शांति मिलेगी। खासकर अगर आप घर में धन-संपत्ति को स्थिर रखना चाहते हैं, तो आपको रोज़ाना जल देने की आदत डालनी चाहिए।

रविवार और एकादशी के दिन तुलसी को स्पर्श नहीं करना चाहिए। ये दिन विशेष होते हैं। रविवार सूर्य को और एकादशी भगवान विष्णु को समर्पित है। इन दिनों तुलसी के पौधे को छूना, जल देना या उसके पत्ते काटना देवता का अपमान माना जाता है। इसलिए इन दोनों दिनों तुलसी के पौधे के पास केवल पूजा करनी चाहिए, लेकिन पौधे को स्पर्श नहीं करना चाहिए।

तुलसी की कलियां (फूल) तोड़ना भी एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है। पौधे में जितने अधिक फूल आते हैं, पूजा में उसकी शक्ति उतनी ही कम होती जाती है। नियमित रूप से सूखी कलियाँ हटाने से पौधा लंबे समय तक स्वस्थ रहेगा। इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होगी और घर में सकारात्मक वातावरण बढ़ेगा।

तुलसी के पास शिवलिंग नहीं रखना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार, तुलसी को देवी लक्ष्मी का एक रूप माना जाता है, जो भगवान विष्णु को अर्पित की जाती है। लेकिन शिव पूजा में तुलसी के पत्तों का उपयोग नहीं किया जाता है। इसलिए, ऐसा माना जाता है कि शिवलिंग के पास तुलसी का पौधा रखने से वास्तु दोष उत्पन्न होता है।

शुक्रवार के दिन तुलसी पर दूध चढ़ाना बहुत शुभ होता है। शुक्रवार देवी लक्ष्मी का दिन है। मान्यता है कि इस दिन दूध चढ़ाने से घर की आर्थिक समस्याएं दूर होती हैं और समृद्धि आती है। परिवार में चंद्र बल बढ़ता है। ऐसा माना जाता है कि इससे घर में धन स्थिर रहेगा और कभी खाली नहीं होगा।

'अपनी सभी हीरोइन के साथ फ्लर्ट करते थे गोविंदा' सोनाली बेंद्रे के शो में पत्नी सुनीता का खुलासा

गोविंदा और सुनीता आहूजा के तलाक की अफवाहों ने कुछ दिन पहले काफी सुर्खियां बटोरी थीं। हालांकि, बाद में दोनों ने एकसाथ आकर इन अफवाहों को पूरी तरह से खारिज कर दिया। अब सुनीता सोनाली बेंद्रे और मुनव्वर फारूकी के होस्टिंग वाले रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में पहुंचीं। यहां उन्होंने पुराने दिनों को याद करते हुए गोविंदा के बारे में भी कई खुलासे किए। सुनीता ने बताया कि गोविंदा अपने वक्त की हर हीरोइन के साथ फ्लर्ट करते थे।

सोनाली बेंद्रे के साथ गोविंदा ने नहीं किया फ्लर्ट

'पति पत्नी और पंगा' के आगामी एपिसोड में सुनीता आहूजा बतौर अतिथि नजर आएंगी। इस दौरान वो गोविंदा को लेकर भी कई किस्से साझा करेंगी। अब हालिया प्रोमो में पता चलता है कि शो में सुनीता ने काफी मस्ती भी की। इस दौरान सुनीता ने बताया कि गोविंदा उस वक्त में अपनी हर को-एक्ट्रेस के साथ फ्लर्ट करते थे। हालांकि, सुनीता ने बताया कि सोनाली बेंद्रे इकलौती ऐसी अभिनेत्री थीं जिन पर गोविंदा ने कभी अपना जादू नहीं चलाया और उनके साथ कभी भी फ्लर्ट नहीं किया। यह सुनकर सेट पर मौजूद हर कोई हैरान था। क्योंकि सोनाली बेंद्रे ने गोविंदा के साथ ही अपने करियर की पहली बड़ी हिट फिल्म 'आग' दी थी।

सुनीता ने शो पर की मस्ती

शो में सुनीता का बेबाक अंदाज भी कई मौकों पर देखने को मिला। इस दौरान जब शो के होस्ट और कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी सुनीता के साथ डांस करने के लिए उन्हें खींचते हैं, तो सुनीता तुरंत ही कहती हैं कि मैं तेरी बीवी नंबर 1 थोड़ी हूं जो तू मेरे साथ डांस कर रहा है। मैं गोविंदा की बीवी नंबर 1 हूं। इसके अलावा एक मौके पर सुनीता कहती हैं कि क्या इस शो का नाम 'पति पत्नी और पंगा' तुम लोगों ने मेरे और गोविंदा के ऊपर ही रखा है। इसके बाद सब ठहाके मारकर हंसने लगते हैं। इस दौरान सभी ने गोविंदा के गाने 'मैं तो रस्ते से जा रहा था' पर डांस भी किया।

पति पत्नी का रियलिटी चेक है शो

'पति पत्नी और पंगा' एक रियलिटी शो है, जहां पर मुनव्वर फारूकी और अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे शो को होस्ट कर रहे हैं। इस शो में पति-पत्नियों का रियलिटी चेक होता है और हंसी-मजाक चलता रहता है। शो में पति-पत्नी की जोड़ियों के रूप में रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला, हिना खान और रॉकी जायसवाल, स्वरा भास्कर और फहाद अहमद, गीता फोगाट और पवन कुमार, गुरमीत चौधरी और देबिना बनर्जी, सुदेश लहरी और ममता लहरी, अविका गौर और मिलिंद चंदवानी और ईशा मालवीय और अभिषेक कुमार शामिल हैं। यह शो शनिवार-रविवार को कलर्स पर रात 9 बजे और जियो हॉटस्टार पर आता है।

करिश्मा से जलते हैं करीना कपूर के पति सैफ अली खान, बहन को लेकर कह देते हैं ये बात

कपूर सिस्टर्स करीना और करिश्मा ने द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो में एक-दूसरे से जुड़े कई खुलासे किए थे. इसी दौरान करीना ने सैफ अली खान को लेकर भी एक बात बोली थी. करीना-करिश्मा दोनों बहनों की आपस में बहुत बनती है. एक बार ये दोनों साथ में कपिल शर्मा के शो में आई थीं और इस दौरान इन्होंने मस्ती-मस्ती में बहुत सारी बातें की थीं और कई मजेदार खुलासे भी किए.

कपिल शर्मा शो का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें करीना ने ये दावा किया है कि उनके पति सैफ अली खान, बहन करिश्मा से जलते हैं. बातचीत के दौरान कपिल शर्मा ने कपूर सिस्टर्स से पूछा था कि क्या वो हर हफ्ते मिलती हैं. इस पर करीना ने कहा है कि अगर वो शूट नहीं करती तो रोज करिश्मा से मिलती हैं.

आगे करीना ने कहा है, मेरे पति सबसे ज्यादा लोलो (करिश्मा) से जलते हैं. वो

हमेशा कहते हैं कि तुम मुझसे भी ज्यादा लोलो से बातें करती हो. मुझे ऐसा लगता है कि तुम मेरे साथ नहीं लोलो के साथ ही रहती हो. करीना ने कहा है, हम बहुत क्लोज हैं. हम दिन में कम से कम 3-4 बार कॉल पर बात करते हैं. मैं पेरेंट्स के बारे में या कुछ भी हो जाए, हर बात उससे शेयर करती हूं. इस पर करिश्मा ने कहा है कि हम बच्चों के बारे में, कुक के बारे में हर बात करते हैं. हमारी बात सुबह शुरू होती है और रात होने तक खत्म होती है.

5.शो में करिश्मा ने बताया है कि जिस समय करीना ने उन्हें अपने और सैफ के रिश्ते के बारे में बताया तब वो लंदन में थीं. दोनों की डेटिंग की खबर सुनकर करिश्मा कपूर शॉक हो गई थी. करिश्मा कपूर और सैफ अली खान एक समय में ऑन-स्क्रीन जोड़ी बनकर काम कर चुके हैं. दोनों को 1999 की फिल्म हम साथ-साथ हैं में साथ देखा गया था, जिसमें उनकी जोड़ी को काफी पसंद किया गया था. बता दें कि करीना और सैफ अपनी शादीशुदा लाइफ इंजॉय कर रहे हैं और दोनों को ही अलग-अलग मौकों पर साथ में फन करते देखा जाता है.

'बुरे कर्मों का फल है', पोस्ट पर भद्दे कमेंट करने वालों को उर्फी जावेद ने दिया तगड़ा जवाब

अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में उर्फी जावेद ने सूजे हुए होंठों वाली पुरानी तस्वीर शेयर की है, साथ ही आगे ठीक होने वाली फोटो भी पोस्ट की हैं। आखिर में वह बिल्कुल नॉर्मल, ब्यूटीफुल नजर आ रही हैं। अपनी पोस्ट के साथ उर्फी ने एक कैप्शन भी शेयर किया है, जिसमें वह ट्रोल करने वालों का जिक्र करती हैं। साथ ही उन्हें तगड़ा जवाब भी देती हैं।

उर्फी बोलीं- लोग ने कहा कि ऊपर वाले का अजाब है

अपनी पोस्ट में उर्फी लिखती हैं, 'बहुत से लोगों ने बहुत कुछ कहा, बहुत सारी रीलें बनाईं। कुछ ने कहा कि ऊपर वाले का अजाब है। मेरे बुरे कर्मों का फल है। मुझे उन सब पर खूब हंसी आई, यहां तक कि मीम्स पर भी मैं खूब हंसीं। वैसे मैंने अपने होंठों को भरा हुआ दिखाने के लिए लिप फिलर्स से बेहतर कुछ खोज लिया है। अगले वीडियो में अपने होंठों की देखभाल के बारे में बताऊंगी।

कई बार ट्रोल हो चुकी हैं उर्फी जावेद

उर्फी जावेद हमेशा ही सोशल मीडिया पर ट्रोल्स के निशाने पर होती हैं। वह अक्सर अपने ड्रेसिंग सेंस, स्टाइल को लेकर ट्रोल होती रहती हैं। दरअसल, उर्फी अपनी अतरंगी ड्रेसेस के कारण चर्चा में रहती हैं। सोशल मीडिया पर वह अपनी क्रिएटिव आइडिया वाली ड्रेस पहनकर वीडियो शेयर करती हैं।

उर्फी एक्ट्रेस से बनीं इंफ्लुएंसर

उर्फी जावेद ने टीवी सीरियल में एक्टिंग के जरिए अपना करियर शुरू किया था, फिर वह फैशन इंफ्लुएंसर बन गईं। अब तक कई रियलिटी शो कर चुकी हैं, 'द ट्रेटर्स' रियलिटी शो को जीता है। उर्फी की लाइफ पर एक रियालिटी शो 'फॉलो कर लो यार' भी बना था। इस साल वह शो 'एंगेज्ड रोका या धोखा' को होस्ट करती भी दिखी थीं।

करण जौहर ने टॉक्सिक लोगों को लेकर किया क्रिप्टिक पोस्ट, सेलेब्स ने किया सपोर्ट

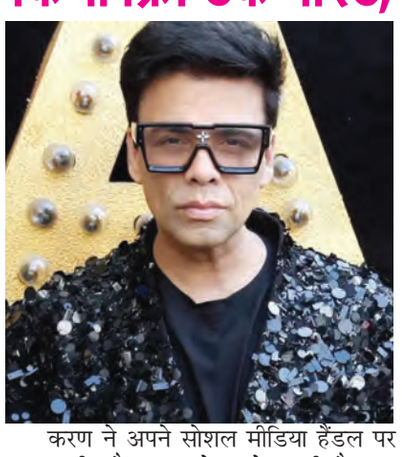

करण ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक गहरी और साफ पोस्ट शेयर की है। इस पोस्ट में उन्होंने आत्म-मूल्य, नकारात्मक लोगों से दूरी और व्यक्तिगत विकास पर अपने विचार साझा किए।

करण का पोस्ट

करण ने इस पोस्ट को इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। उन्होंने नकारात्मकता को नजर अंदाज करने, खुद को महत्व देने और अच्छे लोगों का साथ चुनने की सलाह दी। साथ ही, उन्होंने सीखते रहने और सही अवसरों और रिश्तों पर भरोसा रखने की बात कही। उनकी पोस्ट में कई स्लाइड्स हैं, जिनमें गहरे विचार लिखे हैं।

पहली स्लाइड में लिखा, 'नियम 1: लोग क्या सोचते हैं, उससे कोई मतलब नहीं।'

दूसरी स्लाइड में लिखा, 'कभी-कभी आपकी कीमत तब समझ आती है, जब आप वहां नहीं होते।'

तीसरी स्लाइड में, 'नेगेटिव लोगों को नजर अंदाज करना ही आत्म-देखभाल है।'

बाकी स्लाइड्स में लिखा है कि छोटी-छोटी बातों से विचलित होने से बड़ा काम नहीं होता, हमेशा सीखने की आदत रखनी चाहिए, और सही लोग वही हैं जो आपको समझें और साथ दें।

करण ने कैप्शन में लिखा, 'विचार जिनसे मैं सहमत हूं...'

सेलेब्स के कमेंट्स

करण की इस पोसट पर कई सेलेब्स ने उन्हें सपोर्ट किया है। अभिनेता रोनित रॉय ने लिखा, 'मैं इससे सहमत नहीं हूं। मैं ऊपर बताई गई बातों पर दृढ़ विश्वास रखता हूं और उनका पालन करता हूं। लव यू करण जौहर।', जैकलीन फर्नांडीज ने लिखा, 'हां', वरुण धवन ने लिखा, 'वाह', डोनल बिष्ट और बाकी सेलेब्स ने लाल दिल वाले इमोजी बनाए हैं।

करण जौहर की आने वाली फिल्म

करण की अगली फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' है। वह इस फिल्म को करण ने इसे धर्मा प्रोडक्शंस के तहत बनाया है।

यह फिल्म 2 अक्तूबर 2025 को रिलीज होगी। यह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म में वरुण धवन, जान्हवी कपूर, सान्या मल्होत्रा, रोहित सराफ, मनीष पॉल और अक्षय ओबेरॉय मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म को शशांक खेतान ने लिखा और निर्देशित किया है।

दीया मिर्जा ने 'परिणीता' के 20 साल पूरे होने के जश्न की यादें की ताजा

दीया मिर्जा ने सोशल मीडिया हैंडल पर कई शानदार तस्वीरें शेयर कीं। यह तस्वीरें फिल्म 'परिणीता' की रिलीज के 20 साल पूरे होने के जश्न के दौरान की हैं। हाल ही में इस फिल्म की रिलीज के 20 साल हुए हैं।

दीया मिर्जा का पोस्ट

दीया मिर्जा ने इंस्टाग्राम पर जश्न की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिनमें विद्या बालन, श्रेया घोषाल, राजकुमार हिरानी और बाकी कलाकार नजर आए। दीया ने लिखा कि यह रात प्रदीप सरकार की खूबसूरत फिल्म 'परिणीता' को याद करने की थी, जो उनकी खुशी और प्यार को दर्शाती है। दीया की इस पोस्ट पर पत्रलेखा ने लाल वाले इमोजी बनाए। भूमि पेडनेकर ने लिखा, 'तुम बेहद खूबसूरत हो'

फिल्म 'परिणीता' के बारे में

'परिणीता' शरत चंद्र चट्टोपाध्याय के 1914 के बंगाली उपन्यास पर आधारित एक रोमांटिक फिल्म है। इस फिल्म को विधु विनोद चोपड़ा ने बनाया है। इस फिल्म में विद्या बालन, संजय दत्त, सैफ अली खान, राइमा सेन और दीया मिर्जा ने अभिनय किया है। यह फिल्म ललिता और शेखर की प्रेम कहानी है, जो बचपन के दोस्त हैं और धीरे-धीरे प्यार में पड़ते हैं। शेखर के पिता की साजिशों से गलतफहमियां होती हैं, लेकिन आखिर में शेखर का प्यार जीत जाता है। फिल्म ने 53वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक पहली फिल्म का अवॉर्ड जीता।

दीया का करियर

दीया हाल ही में 'नादानियां' फिल्म में नजर आईं। इस फिल्म में इब्राहिम अली खान, खुशी कपूर, सुनील शेट्टी और महिमा चौधरी भी हैं। यह एक टीन रोमांटिक कॉमेडी है, जो एक अमीर स्कूली लड़की की कहानी है, जो बदला लेने के लिए किराए का प्रेमी ढूंढती है।

बॉलीवुड की सई मांजरेकर से लेकर राशा थडानी तक जिन्होंने छोटी सी उम्र में किया डेब्यू, फिर लूट ली महफिल

बॉलीवुड इन दिनों नई पीढ़ी की अभिनेत्रियों के साथ एक ताज़ा बदलाव देख रहा है. ये नए चेहरे न सिर्फ़ पर्दे पर ताज़गी ला रहे हैं बल्कि भारतीय सिनेमा का भविष्य संवारने की पूरी क्षमता रखते हैं. स्टार किड्स हों या सेल्फ-मेड नए कलाकार, हर कोई अपनी अलग पहचान बना रहा है और दर्शक बेसब्री से उनके सफ़र को देखने का इंतज़ार कर रहे हैं. आइए नज़र डालते हैं उन 6 अभिनेत्रियों पर जो अपने बॉलीवुड डेब्यू के बाद से ही खूब चर्चा में हैं:

सई मांजरेकर

दिग्गज एक्टर महेश मांजरेकर की बेटी सई ने सलमान खान के साथ 'दबंग 3' से बॉलीवुड डेब्यू किया. फिल्म में उन्होंने अपनी अदाकारी से साबित किया कि वो अपनी अलग पहचान बना सकती हैं. इसके बाद सई ने 'अर्जुन सॉन ऑफ़ व्यजयंती', 'स्कंदा' जैसी रीजनल फ़िल्मों और हिंदी फ़िल्मों 'मेजर' और अजय देवगन की 'औरों में कहां दम था' जैसी फ़िल्मों में काम कर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया.

शनाया कपूर

एक और स्टार किड, शनाया कपूर ने 'आंखों की गुस्ताखियां' में विक्रांत मैसी के साथ डेब्यू किया है. अब जल्द ही वो धर्मा प्रोडक्शंस की फ़िल्मों में नज़र आएंगी. अपनी स्टाइल, आत्मविश्वास और अभिनय की ट्रेनिंग के साथ वो पहले ही यूथ आइकन बन चुकी हैं. शनाया की पहली फ़िल्म ने खूब सुर्खियां बटोरीं और अब उनसे बड़ी उम्मीदें हैं.

ख़ुशी कपूर

कपूर परिवार की फ़िल्मी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए ख़ुशी कपूर ने 'द आर्चीज़' से डेब्यू किया और दर्शकों का दिल जीत लिया. उनका किरदार ताज़गी भरा और रिलेटेबल था, जिसने ये दिखा दिया कि वो ऐसी भूमिकाएं निभा सकती हैं जो आज की पीढ़ी से जुड़ें. खुसी 'लवयापा' और 'नादानियां' में भी काम कर चुकी हैं.

नितांशी गोयल

सिर्फ़ 18 साल की उम्र में ही नितांशी गोयल ने किरण राव की फ़िल्म 'लापटता लेडीज़' से धमाकेदार डेब्यू किया. उनकी नैचुरल स्क्रीन प्रेज़ेन्स, मासूमियत और ईमानदारी ने दर्शकों और समीक्षकों का दिल जीत लिया. इस सूची में सबसे कम उम्र की होने के बावजूद नितांशी आने वाले दशक की सबसे होनहार अभिनेत्रियों में से एक मानी जा रही हैं.

अनीत पडडा

अनीत पडडा ने 'सैयारा' से डेब्यू किया और अपनी ताज़गी भरी मौजूदगी से युवा दर्शकों का ध्यान खींचा. उनमें शालीनता और रॉ टैलेंट का ऐसा मेल है जो उन्हें बाकी स्टार किड्स से अलग बनाता है. समीक्षकों का मानना है कि आने वाले समय में अनीत दमदार और यादगार परफ़ॉर्मेंस से दर्शकों को चौंका सकती हैं.

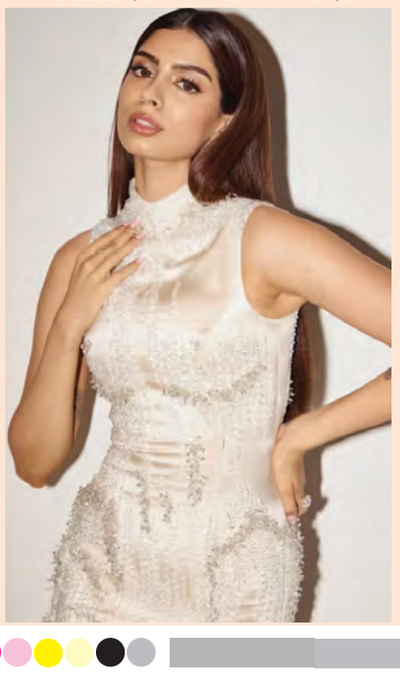

राशा थडानी

अभिनेत्री रवीना टंडन और निर्माता अनिल ठडानी की बेटी राशा ने 2025 की पीरियड एक्शन फ़िल्म 'आज़ाद' से बॉलीवुड में एंट्री की, जहां उन्होंने अजय देवगन के भतीजे के साथ अभिनय किया. राशा की एंट्री इस पीढ़ी के सबसे चर्चित डेब्यू में से एक है.

अपनी ख़ूबसूरत शख़्सियत, आत्मविश्वास और सही गाइडेंस के साथ राशा बॉलीवुड में मज़बूत पहचान बनाने को तैयार हैं. इंडस्ट्री के लोगों का मानना है कि उनमें अपनी मां की विरासत को आगे ले जाने और ख़ुद की अलग पहचान बनाने की पूरी क्षमता है.

पंजाब बाढ़ पीड़ितों की मदद को आगे आया शाहरुख खान का मीर फाउंडेशन

1,500 परिवारों को दी राहत सामग्री

पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ से राहत के लिए तमाम लोग मदद को आगे आए हैं, जो बाढ़ पीड़ितों को मदद पहुंचा रहे हैं। बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान के मीर फाउंडेशन ने भी मदद का हाथ बढ़ाया है और पंजाब में बाढ़ प्रभावित 1,500 परिवारों तक मदद पहुंचाई है। फाउंडेशन ने बाढ़ पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री दी है।

बांटी जा रहीं रिलीफ किट्स

मीर फाउंडेशन कुछ लोकल एनजीओ के साथ हाथ मिलाकर पंजाब बाढ़ से प्रभावित परिवारों की मदद कर रहा है। इसके तहत जरूरी रिलीफ किट्स बांटी जा रही हैं, जिनमें दवाईयां, हाइजीन से जुड़ी चीजें, खाने-पीने का सामान, मच्छरदानी, तिरपाल की चादरें, फोल्डिंग बेड, कॉटन के गद्दे और दूसरे जरूरी सामान शामिल हैं। यह पहल अमृतसर, पटियाला, फाजिल्का और फिरोजपुर जैसे जिलों के कुल 1,500 परिवारों तक पहुंचेगी। इसका मकसद है कि लोगों को तत्काल स्वास्थ्य, सुरक्षा संग आश्रय की जरूरतें पूरी की जा सकें।

स्थानीय एनजीओ के साथ मिलकर दी जा रही मदद

पंजाब इस वक्त दशकों में आई अपनी सबसे भीषण बाढ़ आपदाओं में से एक से जूझ रहा है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के बाद सतलुज, व्यास और रावी नदियों के साथ-साथ मौसमी छोटी नदियों में उफान आने से यह आपदा आई है। मीर फाउंडेशन ने एक बयान में कहा कि स्थानीय गैर सरकारी संगठनों के साथ साझेदारी में शुरू की गई यह पहल 1,500 परिवारों तक पहुंचेगी।

सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर शाहरुख ने जताईं संवेदना

बता दें कि पिछले हफ्ते शाहरुख खान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर पंजाब बाढ़ पर दुख जताते हुए पीड़ितों के लिए संवेदनाएं प्रकट की थीं। उन्होंने लिखा, 'पंजाब में इस विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित लोगों के प्रति मेरी संवेदना है। प्रार्थनाएं और शक्ति भेज रहा हूं... पंजाब का मनोबल कभी न टूटे... ऊपरवाला उन सभी पर कृपा बनाए रखें'।

नगर परिषद के 5 अधिकारी-कर्मचारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

बकाया भुगतान के लिए मांगे 3.10 लाख रुपए, कमिश्नर की भूमिका संदिग्ध, दौसा स्थित आवास में छापेमारी

धौलपुर, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। भरतपुर एएसपी एसीबी अमित सिंह के नेतृत्व में एसीबी की टीम ने धौलपुर नगर परिषद में छापामार कार्रवाई की है। टीम ने नगर परिषद में 3 लाख 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए पांच अधिकारी और कर्मचारियों को ट्रैप किया है। रिश्वत की राशि नगर परिषद कमिश्नर अशोक शर्मा, एईएन प्रिया झा और कैशियर भरत द्वारा मांगी गई थी।

बकाया भुगतान के लिए मांगी रिश्वत

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसीबी अमित सिंह ने बताया कि पिछले साल नगर परिषद में एक ठेकेदार ने अपनी पत्नी को ठेका दिलवाया था। जिसका 13 लाख रुपए का भुगतान बकाया था। बकाया बिल का भुगतान करने की एवज में कमिश्नर अशोक शर्मा ने 2 लाख रुपए, एईएन प्रिया झा ने 70 हजार रुपए और कैशियर भरत ने 50 हजार रुपए की रिश्वत राशि मांगी थी। जिसमें एईएन प्रिया झा की ओर से मांगी गई 70 हजार रुपए की रिश्वत राशि का सौदा 60 हजार रुपए में तय हुआ।

रंगे हुए पैसे दिलवाए

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गुरुवार को रिश्वत राशि मांगने वाले सभी लोगों को रंगे हुए पैसे दिलवाए गए। जिसमें कमिश्नर ने अपने पैसे बाबू नीरज और ड्राइवर देवेंद्र को दिलवा दिए, जबकि एईएन प्रिया झा ने संविदा पर कार्यरत कर्मचारी हरेंद्र को रिश्वत की राशि दिलवा दी। वहीं कैशियर भरत ने खुद पैसे ले लिए।

कमिश्नर के दौसा आवास पर छापेमारी

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने बताया कि रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों एईएन प्रिया झा, क्लर्क नीरज, ड्राइवर देवेंद्र, कैशियर भरत और संविदाकर्मी हरेंद्र को गिरफ्तार किया गया है। वहीं कमिश्नर अशोक शर्मा की भूमिका संदिग्ध है। जिनके लिए रिश्वत राशि मांगी गई थी। उन्होंने बताया कि कमिश्नर के दौसा स्थित आवास पर दौसा एसीबी की टीम छापामार कार्रवाई कर रही है।

कमिश्नर के पैसे लेकर फ्लाईओवर की तरफ भागे

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कमिश्नर अशोक शर्मा ने रिश्वत के 2 लाख रुपए क्लर्क नीरज और ड्राइवर देवेंद्र को दिलवाए थे। जो पैसे लेकर गाड़ी से फ्लाईओवर की ओर भागने लगे। जिनका पीछा कर उन्हें पकड़ लिया गया। क्लर्क और ड्राइवर ने कमिश्नर के लिए रिश्वत ली थी। जिसके चलते कमिश्नर की भूमिका संदिग्ध है।

कोर्ट ने कहा- डीडवाना कलेक्टर, एसडीएम की गाड़ी जब्त होगी

6 महीने में होने वाले फैसले को 8 साल तक लटकाया, जानबूझकर आदेश नहीं माना

डीडवाना, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के डीडवाना में कोर्ट ने कलेक्टर, एसडीम और तहसीलदार की गाड़ियां जब्त करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने 8 साल तक अदालत का आदेश नहीं मानने पर अधिकारियों पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा कि यह सीधे तौर पर अदालत के आदेश की अवमानना है।

यह पूरा मामला एक वक्फ कमेटी से जुड़ा है, जिसमें जमीन को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करने का आदेश दिया गया था। अधिकारियों की लापरवाही से तंग आकर कोर्ट ने यह सख्त कदम उठाया है, जिसे पूरे प्रदेश में एक मिसाल के तौर पर देखा जा रहा है। कोर्ट ने यह फैसला गुरुवार को सुनाया।

वकील हाकम अली खान ने बताया- यह मामला वक्फ कमेटी डीडवाना बनाम राज्य सरकार का है। 2003 में डीडवाना स्थित कब्रिस्तान की भूमि को लेकर एक सिविल वाद दायर किया गया था। इस मामले में राजस्थान वक्फ न्यायाधिकरण जयपुर ने 21 दिसंबर 2015 को एक बड़ा फैसला सुनाया।

ट्रिब्यूनल ने यह माना कि डीडवाना में गजट नोटिफिकेशन में बताई गई कब्रिस्तान की जमीन वक्फ की संपत्ति है। साथ ही जिला कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदार को आदेश दिया गया था कि वे इस जमीन को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करें।

यह भी सुनिश्चित करें कि भविष्य में इस पर कोई बदलाव या ट्रांसफर न हो, लेकिन इस फैसले की पालना नहीं हुई। वक्फ कमेटी ने कोर्ट के फैसले को लागू कराने के लिए 2016 में अपर जिला जज की कोर्ट में एक 'इजराय याचिका' दायर की।

अपर जिला एवं सेशन जज राजेश कुमार गजरा ने अपने फैसले में तीनों अधिकारियों को लापरवाह बताया। कोर्ट ने कहा कि 8 सालों से लंबित इस मामले में बार-बार आदेश जारी करने के बावजूद प्रशासनिक अधिकारी केवल औपचारिकता पूरी कर रहे थे और अगली तारीख लेकर मामले को टालने की कोशिश कर रहे थे।

कोर्ट ने साफ तौर पर कहा कि यह अधिकारी जानबूझकर आदेश का पालन नहीं कर रहे थे। जज ने कहा- 'प्रशासन के इन लापरवाह अधिकारियों को कोर्ट के आदेश नहीं मानने की खुली छूट नहीं दी जा सकती है।'

मानसरोवर यात्रा पर गई राजस्थान की विधायक ऋतु बनावत नेपाल में फंसी, सीएम से बात की

जयपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में जारी हिंसक प्रदर्शनों के चलते वहां फंसे भारतीय यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस बीच राजस्थान के बयाना से निर्दलीय विधायक डॉ. ऋतु बनावत भी नेपाल में फंसी हुई हैं। डॉ. बनावत कैलाश मानसरोवर यात्रा पर 98 श्रद्धालुओं के साथ गई थीं, जिनमें उनके पति ऋषि बंसल भी शामिल हैं। नेपाल के पुरांग क्षेत्र में स्थिति बिगड़ने के चलते यात्रा दल को वहीं रोक दिया गया है। यात्रा दल की कैलाश मानसरोवर यात्रा 3 से 11 सितंबर तक निर्धारित थी, लेकिन नेपाल में हिंसक प्रदर्शनों और सड़कों के बंद होने के कारण उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया गया। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्थानीय प्रशासन ने यात्रा दल को फिलहाल पुरांग में ठहरने के निर्देश दिए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधायक ऋतु बनावत से फोन पर संपर्क किया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम के साथ मिलकर स्थिति की समीक्षा की और यात्रियों की सुरक्षित वापसी के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

'किसी भी सूरत में एक ईट नहीं लगने दूंगा...'

नरेश मीणा ने सीएम को क्यों दी चुनौती?

सवाई माधोपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। हाल ही में थप्पड़ कांड से राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में छाए कांग्रेस नेता नरेश मीणा ने राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में डूंगरी बांध परियोजना के आंदोलन को समर्थन देते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को खुला चैलेंज दिया है। जिले के दौरे पर पहुंचे मीणा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी भी सूरत में डूंगरी बांध के नाम पर एक ईंट तक नहीं लगने दूंगा। चाहे इसके लिए मुझे अपनी जान की बाजी लगानी पड़े।

नरेश मीणा का सवाई माधोपुर दौरा काफी चर्चित रहा। बड़ागांव और भदरोती कस्बों में सैकड़ों ग्रामीणों ने उनका जोरदार स्वागत किया। फूलमालाओं और नारों से नरेश मीणा का जगह-जगह स्वागत हुआ। वहीं, इन स्थानों पर डूंगरी बांध विरोधी समिति के प्रतिनिधियों ने भी उनसे मुलाकात की। नरेश मीणा ने बांध निर्माण के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की।

'आपके हक की पूरी लड़ाई लड़ूंगा'

उन्होंने कहा कि सरकार इस बांध को बनाने पर तुली हुई है, लेकिन आप जैसे मेहनती किसान और ग्रामीण इसका विरोध कर रहे हैं। सबसे पहले आप दोनों प्रमुख पार्टियों कांग्रेस और भाजपा के नेताओं से मिलें। अगर आपकी समस्या का कोई समाधान न हो, तो मुझे बुला लें। मैं निश्चित रूप से आऊंगा और आपके हक की पूरी लड़ाई लड़ूंगा।

इस दौरान उन्होंने कहा कि अगर विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस की गोली चलानी पड़ी, तो वे सबसे पहले खुद को आगे रखेंगे। मैं यहां के भाइयों-बहनों से पहले गोली खाने को तैयार हूं। लेकिन किसी भी हाल में यह बांध नहीं बनेगा। न मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, न प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, न कोई अन्य ताकत इसे रोक नहीं पाएगी।

पूर्व विधायक के घर पर हमला

50 लोगों ने भाई-चाचा को पीटा, लड़की लेकर भागे युवक का साथ देने का आरोप

भरतपुर, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। भरतपुर में भाजपा के पूर्व विधायक के घर पर 50 से ज्यादा लोगों ने हमला कर दिया। लाठियां-डंडे लेकर पहुंचे लोगों ने पूर्व विधायक बच्चू बंसीवाल के चचेरे भाई, चाचा और छोटे भाई से मारपीट की। पूर्व विधायक के भाई कमल सिंह ने बताया कि गांव की एक युवक युवती को लेकर भाग गया था। ग्रामीणों को लगा कि युवक हमारे समाज का है तो हमने उसकी मदद की है।

आरोपियों ने गुरुवार सुबह 10 बजे पूर्व विधायक के घर पर हमला कर दिया। मामला बयाना के रुदावल थाना क्षेत्र का है। सूचना पर रुदावल थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

तनाव को देखते हुए गांव में बड़ी संख्या में पुलिस पुलिस फोर्स तैनात की गई है। आरोपी पक्ष फरार है, पुलिस ने कमल सिंह के पर्चा बयान पर केस दर्ज की है। बयाना एडिशनल एसपी हरिराम कुमावत ने बताया- पूर्व विधायक बच्चू बंसीवाल के छोटे भाई कमल सिंह घर पर बैठकर खाना खा रहे थे। इस दौरान करीब 50-60 लोग इनके घर आए। इसमें से 7 लोगों के पास लाठी-डंडे थे। इसके बाद लाठी डंडों से कमल सिंह, सुनील और चंपालाल के साथ मारपीट की। कमल सिंह को इलाज के लिए आरबीएम अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। कमल सिंह के पर्चा बयान दर्ज कर लिए गए हैं। आगे की कार्रवाई की जा रही है। बयाना के पूर्व विधायक बच्चू बंसीवाल के छोटे भाई कमल सिंह निवासी बसई ने बताया- आज सुबह 10 बजे गांव के एक समाज के करीब 50 युवक इकट्ठे होकर हमारे घर पर आए। वह घर के बाहर गालियां दे रहे थे। युवकों के हाथ में लाठी डंडे, सरिया, पत्थर थे। मैंने अपनी मां से कहा कि किसी का झगड़ा हो रहा है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का राजस्थान के लिए बड़ा ऐलान'

प्रदेश के बड़े शहर होंगे 'फाटक मुक्त'

जयपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को जयपुर दौरे के दौरान राजस्थान के बड़े शहरों को रेलवे फाटक से मुक्त करने की महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की। उन्होंने कहा कि अगले दो से तीन महीनों में पूरे प्रदेश के लिए एक विस्तृत योजना तैयार की जाएगी, जिसमें सभी जोन शामिल होंगे।

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस योजना को मंजूरी के बाद लागू किया जाएगा, ताकि आने वाले वर्षों में जनता को रेलवे फाटकों की समस्या से निजात मिल सके। इसके साथ ही दिल्ली से जैसलमेर के लिए एक ओवरनाइट ट्रेन शुरू करने की दिशा में भी प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

बता दें, रेल मंत्री ने अपने एक दिवसीय दौरे के दौरान जयपुर के खातीपुरा रेलवे स्टेशन का दौरा किया। यहां मंत्री का स्वागत रेलवे अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन पर स्थित इंटीग्रेटेड कोच परिसर और रेल कोच रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया। उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ के साथ चर्चा में रेल मंत्री ने कोच परिसर के विस्तार पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि जयपुर में एक आधुनिक मेंटेनेंस फैसिलिटी विकसित करने की योजना है, जहां एक साथ 12 से 18 ट्रेनों का रखरखाव संभव होगा। इसमें वंदे भारत सहित अन्य ट्रेनों का मेंटेनेंस शामिल होगा। इस सुविधा के विकसित होने से जयपुर से नई ट्रेनें शुरू करने में आसानी होगी, जिससे यात्रियों को बेहतर सेवाएं मिलेंगी। रेल मंत्री ने उत्तर पश्चिम रेलवे के अधिकारियों के साथ राजस्थान के लिए नई ट्रेनों की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि जोधपुर से दिल्ली के लिए नई वंदे भारत ट्रेन की तैयारी अंतिम चरण में है और इसे जल्द शुरू किया जाएगा। इसके अलावा, बीकानेर से दिल्ली के लिए भी एक नई वंदे भारत ट्रेन शुरू करने की योजना पर काम चल रहा है। इन ट्रेनों के शुरू होने से राजस्थान के यात्रियों को तेज और आरामदायक यात्रा का विकल्प मिलेगा।

रेल मंत्री ने जैसलमेर को पर्यटन हब के रूप में और विकसित करने की योजना का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जैसलमेर राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। इसे और बेहतर बनाने के लिए वहां के रेलवे स्टेशन को पर्यटक-अनुकूल बनाने पर विचार किया जा रहा है। साथ ही, दिल्ली से जैसलमेर के लिए एक ओवरनाइट ट्रेन शुरू करने का प्रस्ताव मंत्रालय के समक्ष लाया जा रहा है। इस ट्रेन के शुरू होने से पर्यटकों को जैसलमेर की यात्रा में सुविधा होगी, जिससे क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

खातीपुरा निरीक्षण के दौरान रेल मंत्री के साथ जयपुर सांसद मंजू शर्मा, सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा और जयपुर नगर निगम ग्रेटर की महापौर सौम्या गुर्जर मौजूद रहीं। इसके बाद रेल मंत्री जगतपुरा में लघु उद्योग भारती के नवनिर्मित भवन पहुंचे, जहां उन्होंने स्टार्टअप्स और नवाचारों के विजेताओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा और कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौर भी उपस्थित थे।

ब्लूटूथ से नकल कर पास की भर्ती परीक्षा

सलाखों के पीछे पहुंची महिला अधिकारिता विभाग की सुपरवाइजर

बीकानेर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। एसओजी ने सरकारी भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी करने वाले गिरोह पर बड़ी कार्रवाई की है। महिला अधिकारिता विभाग में सुपरवाइजर पद पर कार्यरत मंजू कुमारी बिश्नोई (30) को गिरफ्तार किया गया है। मंजू पर आरोप है कि उसने सुपरवाइजर (महिला अधिकारिता) भर्ती परीक्षा 2018 में ब्लूटूथ डिवाइस का इस्तेमाल कर नकल करके चयन हासिल किया था।

मंजू कुमारी मुक्ताप्रसाद नगर, सेक्टर-5 की रहने वाली है और वर्तमान में बज्जू स्थित महिला अधिकारिता विभाग में सुपरवाइजर के पद पर तैनात थी। परीक्षा के दौरान नकल गैंग ने ब्लूटूथ डिवाइस से उसे प्रश्नपत्र हल करवाए थे। एसओजी की जांच में मंजू की संलिप्तता सामने आने के बाद उसे अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया गया।

अब तक इस मामले में कुल आठ आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। एसओजी ने बताया कि मंजू से पूछताछ कर नकल गिरोह के अन्य सदस्यों और नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

एसओजी द्वारा जारी वांटेड आरोपियों की सूची में मंजू का नाम भी शामिल था। बीकानेर एसपी कावेन्द्र सागर के निर्देश पर मुक्ताप्रसाद नगर थानाधिकारी विजेन्द्र कुमार और उनकी टीम ने मंजू को गिरफ्तार कर जयपुर एसओजी के सुपुर्द किया।

फर्जी सर्टिफिकेट बनवाकर नौकरी पाने वाली राजस्थान की शिक्षिका गिरफ्तार, शिक्षा विभाग ने लिया एक्शन

जयपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती परीक्षा 2021 में फर्जी खेल प्रमाण पत्र से शिक्षिका बनी महिला को गिरफ्तार किया है। मामला सामने आने के बाद आरोपी महिला को शिक्षा विभाग ने बर्खास्त कर दिया था। एडीजी वी.के. सिंह ने बताया कि करौली के हिण्डौन सिटी स्थित तिगरिया निवासी बर्खास्त शिक्षिका हेमलता गुर्जर (31) को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती परीक्षा 2021 में सरकार ने खेल कोटे में 2 प्रतिशत आरक्षण देने की अधिसूचना जारी की थी। इसमें तायक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया धनबाद (झारखंड) के फर्जी खेल प्रमाण पत्रों से शिक्षकों के नौकरी पर लगने की एसओजी को सूचना मिली थी।

इस पर गत वर्ष उक्त परीक्षा के

संबंध में तीन मुकदमे दर्ज किए गए। अनुसंधान में सामने आया कि तायक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया धनबाद की फर्जी ई-मेल आईडी तैयार कर शिक्षा निदेशालय बीकानेर प्रारंभिक की नियुक्ति शाखा की ई-मेल आईडी पर फर्जी सत्यापन रिपोर्ट प्राप्त हुई। फर्जी ई-मेल सत्यापन रिपोर्ट के आधार पर कई अभ्यर्थियों के तृतीय श्रेणी शिक्षक की नौकरी प्राप्त करना भी सामने आया। तीसरा मामला फर्जीवाड़े के साथ आईटी एक्ट में भी दर्ज किया गया।

वी.के. सिंह ने बताया कि आरोपी हेमलता गुर्जर ने राजस्थान तायक्वांडो एसोसिएशन के महासचिव दिनेश जगरवाल से मिलकर बिना तायक्वांडो खेल ही फर्जी तरीके से प्रमाण पत्र बनवा लिया।

आरोपी ने थर्ड भगवान महावीर ऑपन नेशनल तायक्वांडो चैम्पियनशिप 2017 की ताईशीट में काट छांट कर अपना नाम जुड़वाया था। बाद में दलाल हितेश भादु के जरिए फर्जी तरीके से खेल प्रमाण पत्र का सत्यापन करवाया था।

उक्त मामले में फर्जी ई-मेल भेजने वाले बिमलेन्दु कुमार झा व पैसों का लेन-देन करने वाले दलाल कमल सिंह व हितेश भादु, महासचिव दिनेश जगरवाल और फर्जी सत्यापन रिपोर्ट से नौकरी प्राप्त करने वाले मनोज कुमार गुर्जर व हेमलता के पति प्रद्युमन गुर्जर को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

बैंक खातों से चल रहा था साइबर फ्रॉड का खेल

पुलिस ने तीन को पकड़ा

अलवर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। अलवर में साइबर संग्राम अभियान के तहत अरावली विहार पुलिस ने साइबर ठगी करने वाले तीन युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से मोबाइल बरामद किए, जबकि मास्टरमाइंड जसराज की तलाश जारी है। जिले में चलाए जा रहे साइबर संग्राम अभियान के तहत साइबर ठगी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए अरावली विहार थाना पुलिस ने साइबर फ्रॉड करने वाले तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से साइबर अपराध में इस्तेमाल होने वाले मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार ये युवक कटी घाटी स्थित कपिलवस्तु के पास खड़े होकर साइबर ठगी कर रहे थे। मुखबिर की सूचना पर पहुंची अरावली विहार थाना पुलिस ने तीनों को रंगे हाथ पकड़ लिया।

रास्ते चलते आई मौत, फ्लाईओवर के ऊपर पलटा ट्राला

नीचे गिरे कट्टों में दबकर मरे दो युवक

कोटा, 11 सितंबर (एजेंसियां)। जिले में नेशनल हाईवे-27 पर हुए भीषण सड़क हादसे में एक ट्राला अनियंत्रित होकर हाईवे पर पलट गया और ट्राले में रखे कट्टों के नीचे दबने से बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे के बारे में प्रत्यक्षदर्शियों से जानकारी ली। हादसा कोटा ग्रामीण के कैथून थाना इलाके में जगन्नाथपुरा के पास हुआ।

कैथून थानाधिकारी संदीप शर्मा ने बताया कि कोटा से बारां की तरफ जा रहे इस ट्राले में सोयाबीन की चूरी से भरे हुए कट्टे रखे हुए थे, इस दौरान ट्राला अनियंत्रित होकर पलट गया और कट्टे फ्लाईओवर के ऊपर से नीचे गिर गए, जिससे फ्लाईओवर के नीचे से गुजर रहे बाइक सवार दो लोग दब गए।

मृतकों में मूल रूप से झालावाड़ जिले के घाटोली निवासी 25 वर्षीय नरेंद्र और 22 वर्षीय रवि शामिल हैं। दोनों मृतकों को एमबीएस अस्पताल भेज दिया गया है। उनके परिजनों के आने के बाद गुरुवार को पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। इस दुर्घटना के बाद मौके से ट्राला चालक व अन्य सवार फरार हो गए, जिनकी तलाश की जा रही है।

वहीं क्षेत्रीय पार्षद देवेंद्र शर्मा का कहना है कि ट्राले से करीब 150 से 200 कट्टे ऊपर से नीचे गिर गए थे, जिसके नीचे बाइक सवार दो लोग दब गए। हादसे के बाद ग्रामीणों ने इन कट्टों को हटाया और दोनों युवकों को बाहर निकाला। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से इन्हें एमबीएस हॉस्पिटल भेजा, जहां पर उनको मृत घोषित किया गया है।

खेत से मिला नर कंकाल, गांव में मची सनसनी

नहीं हो सकी शिनाख्त, जांच में जुटी पुलिस

कोटपूतली-बहरोड़, 11 सितंबर (एजेंसियां)। कोटपूतली-बहरोड़ के बानसूर थाना क्षेत्र के गांव मोठूका में उस समय दहशत और सनसनी फैल गई जब बाजरे के खेत से एक व्यक्ति का कंकाल बरामद हुआ। मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। शव की स्थिति को देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि मामला कई दिन पुराना है।

जानकारी के अनुसार, मोठूका स्थित मीणा की ढाणी के पास खेत में ग्रामीणों ने कंकाल देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पर बानसूर थाना पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और सबूत जुटाए। मृतक के पास से सफेद रंग की शर्ट, एक जोड़ी चप्पल और तिवाल (रूमाल) मिला है। कंकाल की हालत देखकर प्रतीत होता है कि शव को जानवरों ने भी नुकसान पहुंचाया है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शव पूरी तरह नष्ट हो चुका है, ऐसे में पहचान करना बेहद कठिन है। अब आसपास के थाना क्षेत्रों में दर्ज गुमशुदगी रिपोर्टों की जांच की जा रही है, ताकि मृतक की पहचान की जा सके।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम और आगे की जांच के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि मौत के कारणों का पता केवल मेडिकल जांच और एफएसएल रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। वहीं, घटना के बाद गांव में तरह-तरह की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

गड्ढे में डूबने से 2 बच्चों की दर्दनाक मौत

डीग, 11 सितंबर (एजेंसियां)। डीग जिले के खोह में जटेरी-बरसाना सड़क मार्ग निर्माण के लिए मिट्टी भराई के चलते खोदे गए गड्ढे ने दो मासूमों की जान ले ली। वहीं एक बालिका भी गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार खोह निवासी बालिका रितू (9) पुत्री रामेश्वर प्रजापत व उसका छोटा भाई रोहित (13) के साथ आदिल पुत्र शहजाद (12) बकरी चराने के लिए नहर की ओर गए थे। नहर के किनारे गांव बेढ़म से वाया जटेरी होकर यूपी के बरसाना के लिए सड़क निर्माण कार्य के दौरान नहर के किनारे से खोदे गए गड्ढे में अचानक एक बच्चा गड्ढे में गिर गया। गड्ढा बरसात के पानी से भरा था। गड्ढे में गिरे बच्चे को बचाने के लिए बाकी दो बच्चे भी गड्ढे में उतर गए। मौके पर मौजूद एक व्यक्ति ने बड़ी मशक्कत के बाद बच्चों को पानी से बाहर निकाला। जिसके बाद बच्चों के परिजनों की घटना की जानकारी दी। आनन-फानन में तीनों बच्चों को उपचार के लिए राजकीय अस्पताल लाया गया। अस्पताल में मौजूद प्रभारी चिकित्सक डॉ. गजेंद्र पाल व उनकी टीम ने बच्चों को बचाने का काफी प्रयास किया। जांच के बाद चिकित्सक ने रोहित व आदिल को मृत घोषित कर दिया।

दो दोस्तों की गुमशुदगी बनी मिस्ट्री, 64 घंटे बाद भी नहीं मिला सुराग, पुलिस-एसडीआरएफ परेशान

बांसवाड़ा, 11 सितंबर (एजेंसियां)। बांसवाड़ा के गनोड़ा/पालोदा के मोटागांव कस्बे के दो व्यापारी मित्र बीते सोमवार दोपहर से अचानक लापता हो गए। तीसरे दिन 64 घंटों में लगातार तलाश के बाद भी कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें बेबस हैं। दोनों युवकों की आखिरी लोकेशन लसाड़ा पुल के नीचे माही नदी में आई, गोताखोर उतारे गए, लेकिन न गाड़ी और न युवकों का कोई निशान नहीं मिला।

दोनों को गायब हुए लगभग 64 घंटे हो गए। गगन शर्मा ने थाने में रिपोर्ट दी थी कि उसका भाई हर्षित ई-मित्र की दुकान चलाता है। सोमवार को सुरेश सोनी जबरदस्ती उसे अपने साथ ले गया और तब से दोनों गायब हैं। परिजनों ने आशंका जताई है कि हर्षित के साथ अनहोनी हो सकती है। नामजद रिपोर्ट में सुरेश सोनी को जिम्मेदार ठहराया गया है, जबकि पहले सुरेश के भी परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट पुलिस को दी थी। सोमवार शाम को दोनों की अपने-अपने परिजनों से फोन पर बातचीत भी हुई थी।

गाड़ी नदी में गिरने की आशंका को देखते हुए एसडीआरएफ और पुलिस ने लसाड़ा पुल के नीचे माही नदी में घंटों सर्च ऑपरेशन चलाया। उदयपुर से बुलाए गए गोताखोरों ने नदी में तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इस दौरान सैकड़ों लोग पुल और किनारों पर जमा हो गए, जिससे ट्रैफिक बाधित हो गया और पुलिस को लोगों को हटाने में मशक्कत करनी पड़ी।

विशालतम आकर्षक वस्त्र भंडार सीएमआर शॉपिंग मॉल का मियापुर में उद्घाटन

लाखों ग्राहकों को पसंदीदा वस्त्र और स्वर्ण आभूषण की बिक्री करने में अग्रणी सीएमआर शॉपिंग मॉल : विधायक आरकेपुडी गांधी

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद के मियापुर में सीएमआर शॉपिंग मॉल का शानदार उद्घाटन किया गया। शेरिलिंगमपली विधायक आरकेपुडी गांधी ने मियापुर क्रास रोड में सीएमआर शॉपिंग मॉल का उद्घाटन किया। इस शुभावसर पर विधायक आरकेपुडी गांधी ने कहा कि सीएमआर शॉपिंग मॉल द्वारा लाखों ग्राहकों को वस्त्र एवं ज्वेलरी में लाजवाब सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इस अवसर पर जिन मुख्य अतिथियों ने हिस्सा लिया उनमें विशेष मुख्य सचिव (सेवानिवृत) डॉ. दासरी श्रीनिवासुलु, हिन्दू धर्म परिरक्षण ट्रस्ट चेयरमैन श्रीकांत, कॉरपोरेटर माधवरम जगदीशवर राव तथा सेवा निवृत्त आईएएस ऑफिसर उमा मल्लेश्वर राव शामिल हैं।

इस शुभावसर पर सीएमआर फाउंडर एण्ड चेयरमैन मावूरी वेंकटरमना ने कहा कि हम गत चार दशकों से आंध्र प्रदेश तथा तेलंगाना राज्यों में लाखों ग्राहकों को पसंदीदा आकर्षक वस्त्र एवं ज्वेलरी आयटम्स की बिक्री कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश तेलंगाना उड़ीसा कर्नाटक राज्यों में हमारी चालीस से अधिक शाखाएं हैं। उन्होंने यह भी बताया कि हमारे व्यापार का एकमात्र उद्देश्य समाज के सभी वर्गों के लोगों को वाजिब दाम पर क्वालिटी के वस्त्र एवं गहने या ज्वेलरी की व्यवस्था करना है।

उन्होंने इस बात की घोषणा की कि हमारे हैदराबाद स्थित नवीनतम तीन मंज़िल विशालतम ज्वेलरी शोरूम में प्रारम्भिक ऑफर गिफ्ट के तौर पर गोल्ड ज्वेलरी आयटम्स या स्वर्ण आभूषणों पर फ्लाट नाइन परसेंट तरगु की व्यवस्था है और एक किलो चांदी की खरीद पर रुपए 12500 की कमी की गई है। इस यूनिक ऑफर से हमारे ग्राहकों को लाभ होगा तथा सभी इसका लाभ उठाएं। उद्घाटन अवसर पर प्रमुख सिनेमा अभिनेत्री मृणाल ठाकुर एवं बुलीराजू ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम को और भी आकर्षक बना दिया।

न्यूयॉर्क में केटीआर को मिलेगा 'हरित नेतृत्व' पुरस्कार

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव को 'हरित नेतृत्व पुरस्कार 2025' के लिए चुना गया है। यह सम्मान उन्हें 24 सितंबर को न्यूयॉर्क में होने वाले 9वें एनवाईसी ग्रीन स्कूल सम्मेलन में प्रदान किया जाएगा। आयोजक संस्था 'ग्रीन मेंटर्स' ने इसकी औपचारिक घोषणा की। नगर प्रशासन और शहरी विकास मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल में केटीआर ने कई महत्वाकांक्षी हरित पहलें शुरू कीं। इनमें 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य, हैदराबाद में 977 पार्कों का विकास, 108 फेफड़े के स्थान, थीम पार्क, वर्षा उद्यान, भूदृश्य और ऊर्ध्वाधर उद्यान जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। साथ ही बड़े पैमाने पर मार्ग और संस्थागत वृक्षारोपण भी किए गए।

इन प्रयासों की वजह से हैदराबाद को 'विश्व हरित शहर पुरस्कार' मिला और यह संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन तथा आर्बर डे फाउंडेशन द्वारा 'विश्व के वृक्ष शहर' का दर्जा पाने वाला भारत का एकमात्र शहर बना।

क्षेत्रीय असमानताओं को दूर करने के लिए विज्ञान नवाचार के साथ आगे बढ़ें : राज्यपाल

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नीति आयोग द्वारा 10-11 सितंबर को सीएसआईआर-आईआईसीटी, हैदराबाद में आयोजित अनुसंधान एवं विकास सुगमता पर छठी क्षेत्रीय परामर्श बैठक में राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं के निदेशकों, कुलपतियों, विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों और संस्थागत नेतृत्वकर्ताओं सहित 90 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

नीति निर्माताओं और वैज्ञानिक पेशेवरों का यह सम्मेलन युवा, रचनात्मक मस्तिष्क को पोषित करके, वित्त पोषण तंत्र को सुव्यवस्थित करके, प्रक्रियागत बाधाओं को दूर करके, बुनियादी शोध को वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों में बदलने में तेजी लाकर, और वैज्ञानिक जांच में अधिक विश्वास और पारदर्शिता को बढ़ावा देकर भारत के अनुसंधान और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर केंद्रित है।

11 सितंबर को मेजबान संस्थान के निदेशक डॉ.डी. श्रीनिवास रेड्डी ने दूसरे दिन के विचार-विमर्श के लिए उपस्थित प्रतिष्ठित वैज्ञानिक समुदाय का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि सीएसआईआर-आईआईसीटी रसायन विज्ञान के साथ-साथ रासायनिक प्रौद्योगिकी में भी अग्रणी है और इस क्षेत्र में राष्ट्र की आवश्यकताओं को हमेशा पूरा करता रहा है। इस अवसर पर बोलते हुए, परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष और पद्म पुरस्कार से सम्मानित डॉ. अनिल काकोडकर ने विज्ञान जगत को अनुयायी रवैया त्यागकर विज्ञान में विच्छेदकारी स्वदेशी अनुसंधान एवं विकास को आगे बढ़ाने की सलाह दी। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने देश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अभूतपूर्व विकास की सराहना की, जो एक ओर तो लगातार बढ़ते प्रकाशनों/पेटेंटों से स्पष्ट है, वहीं दूसरी ओर शोधकर्ताओं द्वारा विकसित की गई लागत-प्रभावी, किफायती इंजीनियरिंग तकनीकों की मान्यता से भी। राज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि सतत, मापनीय और समतामूलक आर्थिक विकास के लिए नवाचार को बढ़ावा देना समय की मांग है।

नीति आयोग के वरिष्ठ सलाहकार प्रोफेसर विवेक कुमार सिंह ने बैठकों की श्रृंखला के विषय पर प्रकाश डाला और सभी प्रतिभागियों को उनके बहुमूल्य सुझावों के लिए धन्यवाद दिया।

फसल नुकसान सर्वेक्षण और यूरिया वितरण प्रक्रिया का संचालन उचित ढंग से किया जाए : वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि जिले में फसल नुकसान सर्वेक्षण और यूरिया वितरण प्रक्रिया का संचालन उचित ढंग से किया जाए। गुरुवार को कलेक्टर कक्ष में कृषि विभाग और सहकारिता विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक हुई। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि भारी बारिश के कारण जिले में हुई फसल क्षति और यूरिया वितरण प्रक्रिया का संचालन उचित ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि चूंकि जिले में भारी बारिश से 15 हजार एकड़ तक की फसलों को नुकसान हुआ है, इसलिए फसल नुकसान सर्वेक्षण कराकर तुरंत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि जिन किसानों की फसलें नष्ट हुई हैं, उनका विवरण ही खेत स्तर पर बिना किसी त्रुटि के दर्ज किया जाए और अपात्रों के नाम सूची में न हों। उन्होंने कहा कि जिले में जल्द ही आने वाले यूरिया का वितरण सख्ती से किया जाए और छोटे किसानों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी से बचने के लिए एक कार्यक्रम तैयार किया जाए और कृषि एवं सहकारिता विभाग के अधिकारी वितरण केंद्रों पर उपस्थित रहकर स्थिति की समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि जिले के किसी भी किसान को कोई परेशानी न हो, इसके लिए कदम उठाए जाएं। इस कार्यक्रम में जिला कृषि अधिकारी श्रीनिवास राव, जिला सहकारिता अधिकारी भिक्कू, सहायक कृषि निदेशक वेंकट, मनोहर, मिलिंद कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

बिजली गिरने से तीन किसानों की मौत

निर्मल, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल जिले के पेम्बी मंडल के गुम्मेना एंग्लापुर गांव के पति-पत्नी, अल्लेपु येल्लैया, अल्लेपु अस्थव्वा और उनके रिश्तेदार बंडारू वेंकट, गांव के पास अपने कपास के खेत से कृषि कार्य के लिए लौट रहे थे, तभी उनके कपास के खेत के पास बिजली गिरने से उनकी मौत हो गई। जब स्थानीय लोगों ने देखा और वे जांच करने गए, तो ग्रामीणों ने बताया कि उनकी पहले ही मौत हो चुकी थी। हालांकि, ग्रामीण इस बात पर दुःख व्यक्त कर रहे हैं कि स्थिति अभी भी ऐसी है कि पुलिस और एम्बुलेंस भी वहां नहीं जा सकती क्योंकि गांव की ओर जाने वाली सड़क के बीच में स्थित डोट्टी वागु नदी तेज़ी से बह रही है। उन्होंने कहा कि ऐसी परिस्थिति में उन्हें अस्पताल नहीं ले जाया जा सका।

महाराजा श्री अग्रसेन जी की 5149वीं जयंती 22 सितंबर को

> अग्रवाल समाज तेलंगाना की तरफ से भव्य आयोजन

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महाराजा श्री अग्रसेन जी महाराज की 5149वीं जयंती हर वर्ष की तरह इस वर्ष अग्रवाल समाज, तेलंगाना के द्वारा शमशाबाद स्थित क्लासिक 3 कन्वेंशन में सोमवार 22 सितंबर की रात्रि भव्य रूप से मनाई जाएगी।

शाम 6:00 बजे क्लासिक 3 कन्वेंशन के द्वारा प्रवेश हेतु खोले जाएंगे। 6:30 से 7.45 बजे तक मंचीय कार्यक्रम और रात्रि 8.00 से 9.00 बजे तक भोजन के पश्चात 9:00 बजे से प्रख्यात कवि डॉ. कुमार विश्वास के संचालन और अन्य प्रख्यात कवियों की उपस्थिति में विराट कवि सम्मेलन संपन्न होगा। इसी क्रम में रात 8.30 बजे से क्लासिक 3 कन्वेंशन के ठीक बाजू स्थित अतिथि कन्वेंशन में आकर्षक डांडिया धूम आयोजित होगा जिसमें समाज के सभी वर्ग के लोग डांडिया और गरबा का आनंद ले सकेंगे। क्लासिक 3 में प्रवेश पहले आओ- पहले पाओ के आधार पर अंतिम 7:30 बजे तक ही होगा। 7.30 बजे के पश्चात अतिथि कन्वेंशन में प्रवेश किया जा सकेगा। दोनों ही स्थान (क्लासिक 3 और अतिथि) पर रात्रि भोजन की व्यवस्था होगी। जयंती के दिन 22 सितंबर की ही सुबह अग्रवाल समाज, तेलंगाना और अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में बंजारा हिल्स रोड क्रमांक 12 महाराजा श्री अग्रसेन चौक पर स्थित आकर्षक और विशालकाय महाराज श्री अग्रसेन जी की भव्य प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ ही अखिल भारतीय वैश्य सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. गिरीश कुमार सघी (पूर्व राज्य सभा सांसद) के नेतृत्व में एक मंचीय कार्यक्रम होगा जिसमें राजनीति, प्रशासन, विभिन्न समाज और अन्य क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों के साथ ही अग्रवाल समाज तेलांगना की विभिन्न शाखाओं के सदस्य उपस्थित होंगे।

अग्रसेन जयंती के प्रचार-प्रसार और मीडिया कमेटी के चेयरमैन डॉ.दिलीप पंसारी के अनुसार समाज के अध्यक्ष अनिरूद्ध गुप्ता के नेतृत्व में इस वर्ष की जयंती कार्यक्रम का शुभारंभ 30 अगस्त के दिन नगर के चार विभिन्न स्थानों पर विराजमान महाराज श्री अग्रसेन जी की विभिन्न प्रतिमाओं पर माल्यार्पण से प्रारंभ हुआ, जहां समाज की विभिन्न शाखाओं ने अपने निर्धारित जोन की अन्य शाखाओं के साथ एकजुट होकर पूजा अर्चना की। समाज की सह मंत्री और जयंती कार्यक्रम की प्रधान संयोजिका डॉ. सीमा जैन तथा सहसंयोजक अचल गुप्ता (समाज कोषाध्यक्ष), दिनेश चंद्र अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, प्रदीप नर्सरिया और दीपा भालोठिया के संयोजन में संपन्न होने वाले जयंती महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत 10 सितंबर के दिन सिकंदराबाद स्थित क्लासिक गार्डन में महिला उत्सव कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें लगभग 1000 महिलाओं ने हिस्सा लिया। 14 सितंबर के दिन गच्चीबावली स्थित कोटला विजय भास्कर रेड्डी इंडोर स्टेडियम में बैडमिंटन टूर्नामेंट, 15 और 16 सितंबर को वृक्षारोपण, 21 सितंबर को विभिन्न गौ सेवा केंद्रों पर गौ सेवा तथा इसी दिन सिकंदराबाद स्थित अग्रवाल बैंक्विट हॉल में चेस और कैरम प्रतियोगिता का आयोजन होगा। विभिन्न शाखाएं भी अपने अपने क्षेत्र और स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन करेंगी।

जयंती के मुख्य प्रायोजकों डीईसी इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रोजेक्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (अनिरुद्ध गुप्ता), वेंकटेश्वर ग्रुप (नरेंद्र गोयल), पित्ती इंजीनियरिंग लिमिटेड (शरद बी पित्ती), राजेश ट्रेडिंग कंपनी (राजेश अग्रवाल, मलकपेट) और अन्य प्रयाजकों के सहयोग से तथा समाज के परामर्शदाता बद्री विशाल बंसल, हरीश अग्रवाल और अन्य के मार्गदर्शन में संपन्न होने वाले इस कार्यक्रम में समाज के सभी सदस्य सह परिवार उपस्थित हो सकेंगे। समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, मंत्री विकास केशान, उपाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल और अन्य पदाधिकारियों ने अग्रवाल समाज तेलंगाना के सभी सदस्यों से निर्धारित कार्यक्रमों में भाग लेने का आवाह्न किया हैं।

तेरापंथ युवक परिषद द्वारा 17 सितंबर को दुनिया का सबसे बड़ा रक्तदान अभियान

> रक्तदान अमृत महोत्सव 75 देशों में 7,500 से ज्यादा शिविर लगेंगे

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद अपने 61वें स्थापना दिवस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन 17 सितंबर को दुनिया का सबसे बड़ा रक्तदान अभियान चलाएगा। इसके तहत दुनिया के 75 देशों में 7,500 से अधिक रक्तदान शिविर लगाने की तैयारी की जा रही है। इस दौरान 3 लाख यूनिट रक्तदान कराने का लक्ष्य रखा गया है।

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस नोबेल अभियान से जुड़ने की सहमति दी है और अपना फोटो भी इसके प्रचार प्रसार में लगाने की अनुमति प्रदान की है। रेल मंत्रालय का भी भरपूर सहयोग इस हेतु मिल रहा है। हर रेलवे स्टेशन पर वीडियो अनाउंसमेंट के साथ साथ लगभग पिछले कई दिनों से आइआरसीटीसी के माध्यम से जारी होने वाले हर ई टिकट पर इस महाअभियान का प्रचार प्रसार किया जा रहा है। अभातेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा ने बताया कि 17 सितंबर को 4000 ब्लड बैंक, 5000 डॉक्टर, 25 हजार नर्सिंग स्टाफ और एक लाख स्वयंसेवक अभियान से जुड़ेंगे। इसे विभिन्न साधु-संतों, धर्माचार्यों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा धर्मगुरुओं ने अपना समर्थन प्रदान किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, धर्मेंद्र प्रधान, अनुराग ठाकुर, अश्विनी वैष्णव, पीयूष गोयल समेत अनेक केंद्रीय मंत्री और सांसदों ने भी अभियान को समर्थन दिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य, रेल, युवा व खेल मंत्रालय भी इस महाअभियान से जुड़ें हैं। स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने सभी राज्यों को इस महाअभियान में भागीदारी सुनिश्चित करने का पत्र भी लिखा है। रक्तदान महाअभियान के राष्ट्रीय संयोजक हितेश भांडिया ने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए 50,000 से अधिक युवा कार्यकर्ताओं की टोली जुटी है। दिल्ली में बने राष्ट्रीय नियंत्रण कक्ष से पूरी गतिविधियों पर निगरानी रखी जाएगी। रक्तदान से संबंधित जानकारी वहीं से उपलब्ध कराई जा रही है।

अभियान के माध्यम से समाजसेवी युवा भारत का संकल्प भी दिलाया जाएगा। अभातेयुप की राष्ट्रीय टीम के अनुसार, रक्तदान महाअभियान से करोड़ों लोगों तक संदेश पहुंचाकर देशभर में अभियान को लेकर जागरूकता पैदा की जाएगी। ऐसा पहली बार है, जब किसी भारतीय संगठन के आह्वान पर देश के अलावा 75 अन्य देशों में रक्तदान शिविर लगाए जाएंगे। इससे समाजसेवा का एक नया कीर्तिमान बनाया जाएगा।

तेलंगाना संयोजक राहुल श्यामसुखा व विशाल आंचलिया ने बताया के तेरापंथ युवक परिषद् हैदराबाद के अध्यक्ष राहुल गोलछा के नेतृत्व मे हैदराबाद समेत पूरे तेलंगाना में 150 से ज्यादा रक्तदान शिविर लगाने की तैयारी स्थानीय संयोजक श्रेणिक गोलछा व रक्तवीर मनोज बोथरा के साथ पूरी टीम ने कर रखी है। इस कार्यक्रम को संपादित करने के लिए प्रवीण जैन व सुरेश जैन का विशेष सहयोग है। कार्यक्रम से पूर्व रक्तदान एवं नशामुक्ति हेतु जागरूकता के लिए रविवार 14 सितंबर सुबह 6 बजे नेकलेस रोड पे एक साइक्लोथोन का भी आयोजन परिषद् द्वारा किया जा रहा है।

मदनूर के जंगल में तेंदुआ पंजे के निशान मिले

मदनूर, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार सुबह स्थानिक जूनियर कॉलेज के समीप जंगल में तेंदुआ के पंजे के निशान नजर आने के साथ यह समाचार मंडल केंद्र के साथ आसपास के गांव में फैल गया कि इलाके में तेंदुआ का आवाजाही है। इससे लोगों में भय व्याप्त है। खबर मिलते ही स्थानीय अधिकारी व जनता के साथ ही वन रक्षक अधिकारी भी मौके पर पहुंच का तेंदुए के पंजे का निरीक्षण किया। वन अधिकारी मदनूर मंडल केंद्र ने तेंदुए के पंजे के निशान देखने के लिए जंगल में भी पहुंचे। उन्होंने भी तेंदुए के पंजे के निशान मिलने की पुष्टि की है। वन अधिकारी के साथ स्थानिक अधिकारियों ने जनता को सतर्क रहने के लिए कहा है। अगर किसी जंगह तेंदुए आने की खबर मिले तो तुरंत तहसीलदार पुलिस अधिकारी व वन रक्षक अधिकारियों को सूचना दें।

श्री लोढा भाइपा संघ तेलंगाना की कुलदेवी श्री बढ-वासन माताजी का मासिक भक्ति, जाप एवं पूजा अर्चना का कार्यक्रम कुकटपल्ली में नेमीचन्द, राजेश कुमार, मानस कुमार लोढा परिवार के निवास पर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अध्यक्ष तानमला लोढा, कार्याध्यक्ष प्रवीण लोढा, प्रचार-प्रसार मंत्री विनय सिंह लोढा, उपाध्यक्ष विमल लोढा, जनरल सेक्रेटरी ज्ञान चंद लोढा, किशोर लोढा, प्रकाश लोढा, पिंटू लोढा, दिलीप लोढा, श्रीयंस लोढा आदि उपस्थित थे।

खम्मम टू व्हीलर्स मैकेनिक्स एसोसिएशन एकता और सद्भावना का उदाहरण

सदस्यों के कल्याण के लिए 11 लाख रुपये से अधिक खर्च, भविष्य के लिए स्थायी भवन योजना

खम्मम, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम टू व्हीलर्स मैकेनिक्स एसोसिएशन सदस्यों के अधिकारों की रक्षा और आपसी सहयोग का प्रतीक बन गया है। 2015 में केवल 15 सदस्यों के साथ शुरू हुई यह एसोसिएशन अब खम्मम शहर के लगभग 270 मैकेनिकों को जोड़ती है। एसोसिएशन का उद्देश्य केवल सदस्यों के हितों की रक्षा नहीं बल्कि उनकी और उनके परिवारों की भलाई सुनिश्चित करना भी है। सदस्य हर महीने सामान्य निधि में 200 रुपये का योगदान करते हैं और आपात परिस्थितियों में अतिरिक्त योगदान दिया जाता है। यह राशि बच्चों की शिक्षा, विवाह, चिकित्सा और अन्य आवश्यकताओं पर खर्च होती है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष वंगाला कोंडल राव ने बताया कि अब तक 100 से अधिक सदस्यों और उनके परिवारों की भलाई पर लगभग 11 लाख रुपये खर्च किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि मैकेनिक की पत्नी की मृत्यु पर 10,000 रुपये, मैकेनिक की मृत्यु पर 40,000 रुपये, बालिकाओं की शादी के लिए 10,000 रुपये और आग जैसी आपात स्थितियों में 30,000 रुपये की सहायता राशि देने की व्यवस्था है। कोंडल राव ने बताया कि खम्मम में पूर्व जिला कलेक्टर आईएएस मुजम्मिल खान ने एसोसिएशन कार्यालय का दौरा कर इसकी सराहना की थी। भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, एसोसिएशन ने 10 लाख रुपये का मकान खरीदा है और राज्य सरकार से सहयोग की अपील करते हुए खम्मम में एसोसिएशन के लिए स्थायी भवन बनाने की योजना बनाई जा रही है।

जगमोहन सिंह भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के नेता मीर फिरासत अली बाकरी, पूर्व प्रदेश प्रवक्ता, अलका मनोज, उपाध्यक्ष और हकीम तैयबी ने जगमोहन सिंह से भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर मुलाकात कर बधाई दी। इस अवसर पर आयोजित अभिनंदन समारोह के बाद जगमोहन सिंह ने भाजपा नेतृत्व को उन पर विश्वास जताने के लिए धन्यवाद दिया और आश्वासन दिया कि वे अल्पसंख्यक समुदायों के बीच पार्टी की पहुंच को मजबूत करने के लिए ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ काम करेंगे।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 152वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप 14 को

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा अग्रवाल समाज कृष्ण सखियां नाचाराम मल्लापुर शाखा के सहयोग से 152वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप रविवार 14 सितंबर को सुबह 10 से 2 बजे तक बोलकापुर कृष्णानगर मैकलामंडी स्थित जीबीयूपीएस में आयोजित किया जाएगा।

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेगा मेडिकल कैंप किम्स सनशाइन अस्पताल द्वारा कार्डियलजी, हड्डी रोग, ईसीजी, 2 डी इको, बीएमडी, बीपी जांच, आरबीएस की सेवा दी जाएगी। एलसीएस साधुराम नेत्र अस्पताल दोमलगुडा द्वारा निशुल्क नेत्रों की जांच की जाएगी एवं योग्य को निशुल्क चश्मे एवं मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी। सामान्य चिकित्सक डॉ. अखिल्स क्लिनिक, डॉ. अखिल सुगंधी (रुमेटोलॉजी), डॉ. मीनल खिरैया सुगंधी (एमबीबीएस डिप्लोमा मधुमेह) एवं दंत की सेवा एसएनआर डेंटल के डॉ.एस. तेजस्वी नवनीत राज एवं डॉ.एस. निखिल द्वारा दी जाएगी। अवसर पर रेनबो चिल्ड्रन हार्ट इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञों द्वारा सेवा प्रदान की जाएगी। अवसर पर श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा निशुल्क कृत्रिम पैर, हैड क्लिप, कैलिपर्स एवं हैंड का जांच के बाद योग्य को दिये जाएंगे। साथ ही डायलिसिस की व्यवस्था की जाएगी। शिविर में नाम पंजीकरण कैंप स्थल पर सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक किया जाएगा। सभी से इसका अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया गया है। अधिक जानकारी के लिए शिविर के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल,

भारत-पाक मैच रोकने की मांग को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की

कहा- यह सिर्फ एक मैच है; एशिया कप में 14 सितंबर को खेला जाएगा मुकाबला

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को होने वाले क्रिकेट मैच पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया है। कोर्ट से याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग की गई थी। हालांकि, न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने इस मामले की सुनवाई करने से इनकार कर दिया और कहा कि यह सिर्फ एक मैच है।

21 अगस्त को सरकार ने मंजूरी दे दी थी

भारत सरकार 21 अगस्त को भारत-पाक मैच कराने की अनुमति दे दी थी। सरकार ने कहा- मल्टीनेशनल टूर्नामेंट में पाकिस्तान से खेलने पर रोक नहीं है। दोनों देशों में द्विपक्षीय सीरीज नहीं होगी।

भारत-पाकिस्तान के 3 मुकाबले हो सकते हैं

एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच 3 मुकाबले हो सकते है। पहला मैच 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। आगे जानिए 2 मैच और कैसे संभव...

दूसरा मैचः एशिया कप में लीग स्टेज के बाद सुपर-4 राउंड होगा। भारत-पाकिस्तान के सुपर-4 राउंड में पहुंचने पर 21 सितंबर को भारत-पाकिस्तान की दूसरी भिड़ंत हो सकती है।

तीसरा मैच : अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं, तो 28 सितंबर को भारत-पाकिस्तान के बीच एशिया कप में तीसरा मुकाबला खेला जाएगा।

भारत-पाकिस्तान के क्रिकेट संबंधों को 3 सवाल-जवाब से समझिए

1. भारत-पाकिस्तान मैच पर विवाद क्यों?

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान रिश्ते तनावपूर्ण हैं। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर आतंकी ठिकाने तबाह किए। जवाब में पाकिस्तान ने ड्रोन अटैक किया। भारत ने भी जवाबी कार्रवाई की। फिलहाल, सीजफायर लागू है।

2. क्या पहलगाम टेरर अटैक के बाद रिश्ते बिगड़े हैं?

नहीं, इससे पहले भी भारत और पाकिस्तान के रिश्ते खराब रहे हैं। 2019 में आतंकवादियों पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर हमला किया। इससे 40 सैनिक शहीद हो गए। जवाब में भारत ने बालाकोट एयर स्ट्राइक की और आतंकी ठिकानों को तबाह किया था।

3. भारत-पाकिस्तान क्रिकेट संबंध कब खराब हुए?

26 नवंबर 2008 को 10 आतंकवादियों ने मुंबई के ताज होटल, ओबेरॉय ट्राइडेंट और नरीमन पॉइंट जैसे कई इलाकों में फायरिंग की थी। इससे 166 लोग मारे गए थे। इस घटना के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ क्रिकेट संबंध खत्म कर दिए। तब से दोनों टीमें ICC और ACC इवेंट में ही खेलते हैं।

भारत-पाकिस्तान क्रिकेट की टाइमलाइन

2008 : आखिरी बार पाकिस्तान दौरे पर गई थी टीम इंडिया। 3 टेस्ट मैचों की उस सीरीज को भारतीय टीम ने 1-0 से जीता था। इस सीरीज के 2 मैच ड्रॉ रहे थे।

2013 : पाकिस्तान बाइलैटरल सीरीज खेलने के लिए भारत आया था। तब 3 वनडे और 2 टी-20 मैच की सीरीज खेली गई थी। वनडे सीरीज को पाकिस्तान ने 2-1 से जीता था, जबकि टी-20 सीरीज ड्रॉ रही।

2023: पाकिस्तान की टीम आखिरी बार भारत आई थी। टीम ने बाबर आजम की कप्तानी में 2023 वनडे वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया था। टीम 9 में से 4 मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल के 5वें स्थान पर रही थी।

अभिषेक शर्मा ने तूफानी पारी खेलकर रचा इतिहास

रोहित शर्मा के खास क्लब में मारी धमाकेदार एंट्री

दुबई, 11 सितंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने यूएई के खिलाफ एशिया कप में अपने सफर की शुरुआत एक टीम के तौर पर सबसे तेज रन चेज का रिकॉर्ड बनाकर की है. हालांकि, भारतीय बल्लेबाजों के लिए व्यक्तिगत स्तर पर यह रिकॉर्ड बनाना संभव नहीं था क्योंकि गेंदबाजों के दम पर विपक्षी टीम 57 रनों पर ढेर हो गई. इस मैच में सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने पूर्व विश्व विजेता कप्तान रोहित शर्मा के साथ खास क्लब में शामिल हो गए हैं.

अभिषेक शर्मा ने खास क्लब में मारी एंट्री

अब तक केवल तीन बल्लेबाज ही भारतीय पारी की पहली गेंद पर छक्का लगाने का कारनामा कर पाए हैं. इनमें रोहित शर्मा (इंग्लैंड बनाम अहमदाबाद 2021), यशस्वी जायसवाल (ज़िम्बाब्वे बनाम हरारे 2024) और संजू सैमसन (इंग्लैंड बनाम मुंबई 2025) का नाम शामिल है. इन सभी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पारी की पहली गेंद पर टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में छक्का लगाया था.

अब इनके बाद अभिषेक शर्मा इस सूची में शामिल हो गए हैं. बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज अभिषेक ने दूसरी पारी में यानी की रनों का पीछा करते हुए इनिंग की पहली बॉल पर छक्का लगाकर अपनी पारी की शुरुआत की. इसके साथ ही वो भारत के लिए ऐसा करने वाले चौथे टी20 बल्लेबाज बन गए. अपनी पावर-हिटिंग के लिए मशहूर अभिषेक ने कम लक्ष्य के बावजूद विपक्षी टीम को कोई रियायत नहीं दी. अभिषेक रनों का पीछा करते हुए शुरू से ही आक्रामक मूड में थे.

अभिषेक शर्मा ने मैच में खेली 30 रनों की पारी

जब वह 16 गेंदों पर दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से 30 रन बनाकर आउट हुए तब टीम का स्कोर 3.5 ओवर में 48 रन था. दूसरे शब्दों में कहें तो अभिषेक ने टीम की रिकॉर्ड जीत का मार्ग तय किया. अभिषेक के ऊपर अब अगले मैच में सभी की निगाहें रहने वाली है, कि वो पाकिस्तान के खिलाफ कैसा प्रदर्शन करते हैं. ये उनका पाकिस्तान के खिलाफ पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला होने वाला है.

सूर्यकुमार यादव और उनकी टीम ने नौ विकेट से मैच जीतकर पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले की अच्छी तैयारी की है. भारत और पाकिस्तान रविवार, 14 सितंबर को टूर्नामेंट के सबसे रोमांचक मुकाबले में आमने-सामने होंगे.

आईसीसी के बॉस जय शाह का ऐतिहासिक फैसला

आईसीसी टूर्नामेंट में पहली बार सभी महिला अंपायर और मैच ऑफिशियल्स रहेंगी

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। आईसीसी महिला विश्व कप 2025 की शुरुआत 30 सितंबर से होने वाली है। इस टूर्नामेंट से पहले अब आईसीसी द्वारा ऐतिहासिक ऐलान कर दिया गया है। आईसीसी टूर्नामेंट पहली बार सभी महिला अंपायर और मैच ऑफिशियल्स रहेंगी। उन्होंने कुल मिलाकर 14 महिला अंपायर का ऐलान किया है। आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने स्टेटमेंट जारी करते हुए बताया कि क्रिकेट जगत के भविष्य के लिए काफी अहम फैसला है।

आईसीसी का महिला विश्व कप को लेकर बड़ा फैसला

महिला विश्व कप के लिए सभी फीमेल ऑफिशियल्स के पैनल का खुलासा हो गया है, जिसमें मैच रेफरी और अंपायर शामिल हैं। नीचे पूरी लिस्ट हैः

अंपायरः लॉरेन अजनबैग, कैंडेस ला बोर्डे, किम कॉटन, साराह डंबनेवाना, शाथीरा जाकिर जेसी, कैरिन क्लास्टे, जनानी एन, निमाली परेरा, क्लैरी पोलोसाक, वृंदा राठी, सुई रेडफर्न, एलोइसे शेरिडन, गायत्री वेणुगोपालन, जैकलीन विलियम्स।

आईसीसी के बॉस जय शाह ने क्या कहा?

महिला वर्ल्ड कप के लिए फीमेल पैनल के ऐलान पर आईसीसी के चेयरमैन जय शाह का भी बयान आया है। उन्होंने कहा, 'ये महिला क्रिकेट के सफर में बड़ा पल है और ये हर तरह के स्पोर्ट्स में कई सारी शानदार कहानियां तैयार करेगा। मैच ऑफिशियल्स के ऑल विमेन पैनल को जोड़ना सिर्फ एक बड़ा कीर्तिमान नहीं है, बल्कि ये ICC की जेंडर इक्वलिटी बनाए रखने की प्रतिबद्धता दिखाता है। हम महिलाओं के गेम में एक नया अध्याय लिखने पर गर्व महसूस कर रहे हैं। हमें लगता है कि टूर्नामेंट के बाहर भी ये महिलाओं को ऑफिशियल्स से जुड़े करियर को अपनाने के लिए प्रेरित करेगा।'

योगेश्वर दत्त को एशियाई युवा खेलों के लिए मिली बड़ी जिम्मेदारी, भारतीय मिशन प्रमुख बनाए गए

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान योगेश्वर दत्त को अगले महीने होने वाले एशियाई युवा खेलों के लिए बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। योगेश्वर भारतीय टीम के मिशन प्रमुख होंगे, जबकि भारतीय आइस स्केटिंग संघ के अध्यक्ष अमिताभ शर्मा 2026 शीतकालीन ओलंपिक में यही भूमिका निभाएंगे। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की कार्यकारी समिति की बैठक में ये फैसले किए गए।

लंदन ओलंपिक 2012 में कांस्य पदक जीतने वाले योगेश्वर ने न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से कहा, 'हां, मैं बहरीन में होने वाले एशियाई युवा खेलों के लिए मिशन प्रमुख के रूप में जा रहा हूं। आईओए की कार्यकारी समिति की बैठक में यह फैसला किया गया।' योगेश्वर उत्कृष्ट खिलाड़ी (एसओएम) में से एक के रूप में आईओए कार्यकारी समिति के सदस्य भी हैं।

एशियाई युवा खेलों का तीसरा सत्र उज्बेकिस्तान के ताशकंद में आयोजित होने वाला था लेकिन मध्य एशियाई देश ने इससे नाम वापस ले लिया। एशियाई ओलंपिक परिषद ने पिछले साल इस बहु-खेल आयोजन की मेजबानी बहरीन को सौंपी थी। इस प्रतियोगिता में खिलाड़ी 24 खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। अमिताभ छह से 22 फरवरी 2026 तक इटली के मिलानो कॉर्टिना में होने वाले शीतकालीन ओलंपिक में भारतीय मिशन प्रमुख होंगे।

एक सूत्र ने कहा, 'हां, शर्मा शीतकालीन ओलंपिक में भारतीय दल के प्रमुख होंगे।' अमिताभ भी आईओए कार्यकारी समिति के सदस्य हैं। बैठक के एजेंडे में पिछले वित्तीय विवरणों और कुछ अन्य निर्णयों के अनुमोदन से संबंधित अन्य विषय भी शामिल थे।

सा.अफ्रीका ने इंग्लैंड को टी-20 में डकवर्थ-लुइस नियम से हराया

सीरीज में 1-0 की बढ़त; मार्करम ने बनाए 28 रन

कार्डिफ़, 11 सितंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज का पहला मैच कार्डिफ़ में खेला गया. मैच बारिश के कारण बाधित रहा और अफ्रीकी टीम को केवल 7.5 ओवर ही बल्लेबाजी करने का मौका मिला, जिसमें उसने 5 विकेट खोकर 97 रन बनाए. बारिश रुकने के बाद अंपायरों ने डकवर्थ-लुईस नियम के तहत मेजबान इंग्लैंड को 5 ओवर में 69 रनों का लक्ष्य देने का फैसला किया लेकिन इंग्लैंड की टीम 54 रन तक ही पहुंच सकी और उसे 14 रनों से हार स्वीकार करनी पड़ी.

कार्डिफ़ में बारिश से प्रभावित इस मैच में जब इंग्लैंड को डकवर्थ-लुईस नियम के तहत 5 ओवर में 69 रनों का लक्ष्य दिया गया, तो सभी को उम्मीद थी कि वे इसे हासिल कर लेंगे. लेकिन दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने ऐसा नहीं होने दिया. इंग्लैंड के लिए ओपनिंग करने उतरे फिल साल्ट अपना खाता भी नहीं खोल पाए, हालांकि जोस बटलर ने तेजी से रन बनाए, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से सहयोग नहीं मिला, जिसमें जैकब बेथेल 7 रन बनाकर आउट हो गए, जबकि कप्तान हैरी ब्रूक 4 गेंदों का सामना करने के बाद बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए.

5 बल्लेबाज दहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाए

जोस बटलर ने 11 गेंदों में 25 रन बनाकर टीम को जीत दिलाने की कोशिश की. हालांकि, उनके प्रयास नाकाफी रहे. साथ ही 10 महीने बाद इंग्लैंड की टी20 टीम में वापसी करने वाले सैम कुरेन ने 10 रनों की नाबाद पारी खेली. इसके अलावा 5 बल्लेबाज दहाई के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पाए. दक्षिण अफ्रीका के लिए मार्को जानसेन और कॉर्बिन बॉश ने 2-2 विकेट लिए जबकि कैगिसो रबाडा ने एक विकेट लिया.

इस मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम के बल्लेबाजी प्रदर्शन की बात करें, तो इसमें कप्तान एडेन मार्कराम और ब्रूइस का जलवा रहा. मार्करम ने 28 रन बनाए जबकि ब्रूइस ने 10 गेंदों में 23 रन बनाए. इसके अलावा डोनोवन फरेरा ने भी नाबाद 25 रन बनाए. कार्डिफ़ मैदान पर अब तक खेले गए 11 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में इंग्लैंड की यह सिर्फ दूसरी हार थी, दोनों बार दक्षिण अफ्रीका उसे हराने में कामयाब रहा है. इस सीरीज का दूसरा मैच शुक्रवार, 12 सितंबर को मैनचेस्टर में खेला जाएगा.

नूपुर-पूजा ने मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत के लिए पदक पक्का किया, निकहत बाहर

लिवरपूल, 11 सितंबर (एजेंसियां)। भारत की अनुभवी मुक्केबाज पूजा रानी ने पोलैंड की एमिलिया कोटेरस्का को हराकर महिलाओं के 80 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया और इस तरह से विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना पहला पदक पक्का किया। इस तरह से विश्व चैंपियनशिप में भारत के तीन पदक पक्के हो गए हैं। पूजा से पहले दो बार की एशियाई चैंपियन जैस्मीन लेम्बोरिया (57 किग्रा) और नुपुर शेरॉन (80 किग्रा से अधिक) ने सेमीफाइनल में पहुंचकर पदक पक्के किए थे।

पहले दौर में बाई हासिल करने वाली 34 वर्षीय पूजा ने अपने अनुभव के दम पर क्वार्टर फाइनल में कोटेरस्का को 3-2 से हराया। 80 किग्रा भार वर्ग ओलंपिक में शामिल नहीं है और विश्व चैंपियनशिप में इस वजन वर्ग में 12 मुक्केबाज भाग ले रहे हैं।

इस बीच भारत के पुरुष मुक्केबाजों के अभियान को एक और झटका लगा जब अभिनाश जामवाल 65 किग्रा क्वार्टर फाइनल में जॉर्जिया के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लाशा गुरुली से 1-4 के विभाजित निर्णय से हार गए। उनके बाहर होने के बाद पुरुष वर्ग में केवल जदुमणि सिंह (50 किग्रा) ही दौड़ में बचे हैं। अंतिम आठ में उनका सामना मौजूदा विश्व चैंपियन कजाकिस्तान के संझार ताशकेनबे से होगा।

इस तरह से भारतीय पुरुष मुक्केबाजों का ताशकंद में खेली गई पिछली विश्व चैंपियनशिप की तुलना में यहां प्रदर्शन निराशाजनक रहा। पिछली प्रतियोगिता में दीपक भोरिया (51 किग्रा), मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा) और निशांत देव (71 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते थे।

महिलाओं की पिछली प्रतियोगिता नयी दिल्ली में आयोजित की गई थी जिसमें नीतू घंघास (48 किग्रा), निकहत (50 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) और स्वीटी बूरा (81 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीते थे। पूजा को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। उन्होंने पहले राउंड में अच्छी शुरुआत की थी लेकिन पोलैंड की खिलाड़ी ने पलटवार करते हुए यह राउंड 3-2 से जीत लिया।

एशियाई खेल 2014 की कांस्य पदक विजेता पूजा ने दूसरे राउंड में अच्छी वापसी करके बड़ी बढ़त हासिल की। तीसरे राउंड तक दोनों मुक्केबाज थक चुकी थीं, लेकिन पूजा ने धैर्य बनाए रखा और आखिर में अपने नाम पर पदक पक्का किया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला स्थानीय मुक्केबाज एमिली एस्क्विथ से होगा।

इससे पहले हेवीवेट मुक्केबाज नूपुर श्योराण ने मौजूदा विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत के लिए पहला पदक सुनिश्चित किया जब उन्होंने उज्बेकिस्तान की ओल्टीनॉय सोतिमबोएवा को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई जबकि दो बार की चैंपियन निकहत जरीन को क्वार्टरफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। निकहत को तुर्की की काकिरोग्लू बुसे नाज ने 5-0 से शिकस्त दी।

महान मुक्केबाज हवा सिंह की पोती नूपुर ने चैंपियनशिप के अपने पहले मुकाबले में अपनी प्रतिद्वंद्वी को 4-1 से हराकर 80 किग्रा से अधिक वर्ग के अंतिम चार में प्रवेश किया। इस वर्ग में सिर्फ 10 मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं। इस जीत के साथ नूपुर ने कम से कम कांस्य पदक पक्का कर लिया।

तीरंदाजी विश्व चैंपियनशिपः दीपिका कुमारी की व्यक्तिगत वर्ग में हार, गाथा प्री क्वार्टर फाइनल में

ग्वांगजू (दक्षिण कोरिया). 11 सितंबर (एजेंसियां)। भारत की सबसे प्रतिष्ठित तीरंदाज दीपिका कुमारी छठी बार भी दुर्भाग्यशाली रहीं और बृहस्पतिवार को विश्व चैंपियनशिप के राउंड ऑफ 32 में हारकर बाहर हो गईं जबकि 15 वर्षीय गाथा खडके शानदार प्रदर्शन करते हुए प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाली देश की एकमात्र रिकर्व तीरंदाज रहीं.

क्वालीफिकेशन में छठे स्थान पर रहीं चार बार की ओलंपियन दीपिका को इंडोनेशिया की दियानंदा चोइरुनिसा के खिलाफ पांच सेट में 4-6 से हार का सामना करना पड़ा. अब सभी की निगाहें शुक्रवार को होने वाले प्री क्वार्टर फाइनल पर होगी, जहां गाथा पेरिस ओलंपिक चैंपियन और दुनिया की नंबर एक लिम सी-ह्योन के रूप में अपने करियर की सबसे बड़ी चुनौती का सामना करेंगी.

भारत के लिए युवा गाथा आखिरी उम्मीद हैं और यह देखना होगा कि पदार्पण कर रही पुणे की यह खिलाड़ी 2019 में डेन बॉश के बाद रिकर्व वर्ग में देश को पहला पदक दिला पाती हैं या नहीं. मौजूदा टूर्नामेंट में भारत ने पुरुष टीम वर्ग में ऐतिहासिक स्वर्ण और मिश्रित टीम में रजत पदक जीता है। ये दोनों पदक कंपाउंड वर्ग में आए. दुनिया की पूर्व नंबर एक तीरंदाज दीपिका की शुरुआत खराब रही, उन्होंने पहले सेट में 25 के स्कोर से शुरुआत की जबकि दियानंदा ने 27 के स्कोर से 0-2 की बढ़त बना ली. दूसरा सेट दीपिका ने 28 अंक के साथ जीता और स्कोर 2-2 कर दिया.

इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने तीसरे सेट में दो 10 और एक नौ का स्कोर बनाया, जिससे दीपिका को 27-29 से हार का सामना करना पड़ा और वह 2-4 से पिछड़ गईं. दीपिका और दियानंदा दोनों ने चौथे सेट में समान 29 जुटाए जिससे इंडोनेशिया की खिलाड़ी 5-3 से आगे हो गईं.

निर्णायक सेट में अहम मौके पर दीपिका ने आठ अंक पर निशाना साधा जिससे स्कोर 27-27 से बराबर रहा और दियानंदा 6-4 से मुकाबला जीत गईं. दीपिका विश्व चैंपियनशिप में छठी बार पदक जीतने में नाकाम रहीं जिसने खेल के सबसे बड़े मंच पर उनकी प्रतिष्ठा और परिणामों के बीच के बड़े अंतर का पता चलता है. दीपिका लड़खड़ा गईं तो गाथा ने अपनी उम्र को दरकिनार करते हुए संयम और सटीकता का परिचय दिया.

क्वालीफाइंग में 666 अंक हासिल के साथ 14वीं वरीयता प्राप्त करने वाली इस किशोरी ने पहले दौर में अजरबेजान की फातिमा हुसैनली को 7-1 (26-26, 27-25, 27-26, 28-24) से हराया और फिर ब्रिटेन की थिया रोजर्स को 6-0 (28-27, 27-26, 29-28) से करारी शिकस्त दी. उनकी सबसे बड़ी परीक्षा तीसरे दौर में दुनिया की आठवें नंबर की जर्मन की ओलंपियन और विश्व कप की पूर्व कांस्य पदक विजेता मिशेल क्रॉपेन बाउर के खिलाफ थी, लेकिन दुनिया में 176वें स्थान पर काबिज गाथा ने कोई हड़बड़ी नहीं दिखाई और मुकाबला 6-4 से जीत लिया. भारतीय खिलाड़ी ने 28-26, 27-27, 27-28, 28-28, 28-27 से जीत दर्ज की.

रोनाल्डो से प्रेरणा लेते हैं एशिया कप हॉकी के स्टार अभिषेक, अब है विश्व कप जीतने का सपना

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय हॉकी टीम के स्टार फॉरवर्ड खिलाड़ी अभिषेक ने हाल ही में हुए एशिया कप में शानदार प्रदर्शन कर भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। भारत ने फाइनल में दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर न केवल खिताब जीता, बल्कि 2026 हॉकी वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई भी कर लिया। इस टूर्नामेंट में अभिषेक ने छह गोल किए और कई मौकों पर गोल बनाने में सहायक रहे। उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया।

अभिषेक ने बताया कि उनके शुरुआती कोच शमशेर दहिया, अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के फैन हैं और चाहते थे कि अभिषेक वैसा ही खेले। लेकिन अभिषेक ने हमेशा क्रिस्टियानो रोनाल्डो को अपना आदर्श माना। उन्होंने कहा, 'मैं रोनाल्डो के मैच देखता हूं और उनसे स्कोरिंग, पोजिशनिंग, टाइमिंग और शूटिंग के बारे में सीखता हूं। फुटबॉल और हॉकी दोनों ही टीम गेम हैं, और रनिंग और स्टैमिना का अहम रोल होता है। रोनाल्डो मेरी प्रेरणा हैं।'

अभिषेक ने बताया कि भारतीय हॉकी के दिग्गज सरदार सिंह को देखकर ही उन्होंने हॉकी खेलना शुरू किया था। हालांकि जब तक अभिषेक टीम में आए, तब तक सरदार सिंह रिटायर हो चुके थे। अपने भाई आशीष और एक दोस्त को देखकर उन्होंने पहली बार हॉकी स्टिक थामी थी। बचपन में एक बार कलाई में चोट लगने के कारण माता-पिता ने हॉकी खेलने से मना कर दिया था, लेकिन उनके कोच ने उन्हें दोबारा मैदान पर लाने में मदद की। अभिषेक आज भी अपने पहले कोच, जो हिंदी शिक्षक भी थे, से सलाह लेते हैं। उन्होंने कहा, 'शमशेर सर को भले ही आधुनिक हॉकी की ज्यादा जानकारी न हो, लेकिन वह मेरे खेल को बहुत अच्छे से समझते हैं।'

पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक और हांगझोउ एशियाई खेल 2022 में स्वर्ण पदक जीतने वाले इस खिलाड़ी का अगला सपना है विश्व कप जीतना। उन्होंने कहा, 'हमने 50 वर्षों से विश्व कप नहीं जीता। मुझे लगता है कि हमारी टीम में वो काबिलियत है। हमें सिर्फ निरंतरता और फिनिशिंग पर काम करना होगा।' उन्होंने कहा कि भारतीय हॉकी को फिर से स्वर्णिम दौर में ले जाने के लिए टीम को जीतने की आदत डालनी होगी। उन्होंने कहा कि अब ओलंपिक में सिर्फ कांस्य नहीं, सोने का पदक चाहिए।

एशिया कप में जीत के बाद अभिषेक ने कोई बड़ा जश्न नहीं मनाया। उनका मानना है कि परिवार के साथ समय बिताना ही सबसे बड़ा जश्न है। उन्होंने कहा, 'टूर्नामेंट में परिवार नहीं आ पाया क्योंकि भाभी मां बनने वाली हैं। लौटने के बाद हमने सबने मिलकर डिनर किया। यही मेरे लिए जश्न जैसा था।'

अभिषेक इस समय पंजाब नेशनल बैंक में सीनियर मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं।

उन्होंने अब तक भारत के लिए 113 मैचों में 48 गोल किए हैं। उन्होंने कहा, 'अब विश्व कप की तैयारी के लिए हमारे पास पर्याप्त समय है। मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है और मैं बेसिक्स को सुधारने पर काम कर रहा हूं।'

पुलिस को जो भी लाभ मिलते हैं, वन रक्षक को भी मिलना चाहिए : कोंडा सुरेखा

> राष्ट्रीय वन शहीद स्मृति दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन एवं पर्यावरण मंत्री कोंडा सुरेखा ने संकल्प लिया है कि वन शहीदों के परिवारों को भी वही लाभ प्रदान करने के लिए उपाय लागू किए जाएंगे जो कर्तव्य निभाते हुए अपनी जान गंवाने वाले पुलिस अधिकारियों के परिवारों को प्रदान किए जाते हैं। गुरुवार को, हैदराबाद के बहादुरपुरा स्थित नेहरू चिड़ियाघर पार्क में राष्ट्रीय वन शहीद स्मृति दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में, कोंडा सुरेखा ने स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की।

अपने संबोधन में, उन्होंने उन वन कर्मियों की बहादुरी को याद किया जिन्होंने तस्करों और वन संसाधनों का दोहन करने वाले गैरकानूनी समूहों का सामना करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी, और कहा कि उनका बलिदान निरर्थक नहीं था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार इन व्यक्तियों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है और वन कर्मचारियों को अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सतर्क रहने के लिए प्रोत्साहित किया। मंत्री ने घोषणा की कि सरकार उन व्यक्तियों के परिवारों की सहायता करेगी जिन्होंने अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए अपनी जान गंवाई है। संबंधित वक्तव्य में, कोंडा सुरेखा ने बताया कि सरकार वन विभाग के कर्मचारियों को विभिन्न प्रकार की सहायता और सहयोग प्रदान करेगी। इसके अतिरिक्त, उन्होंने बताया कि प्रत्येक जिले में विभिन्न वन गतिविधियों में योगदान देने और अपने स्थानीय क्षेत्रों में पहलों को आगे बढ़ाने के लिए असाधारण अग्रिम पंक्ति के अधिकारियों को प्रति वर्ष 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया जा रहा है। इसके अलावा, इस बात पर भी प्रकाश डाला गया कि तेलंगाना सरकार द्वारा संचालित "वन महोत्सव" दुनिया भर में हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से तीसरा सबसे बड़ा मानवीय प्रयास बन गया है, जिसके तहत अब तक राज्य भर में 307.48 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। कोंडा सुरेखा ने यह भी बताया कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में पौधारोपण केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं।

मुख्य सचिव रामकृष्ण राव ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि वनकर्मी दूरदराज के, प्रतिकूल क्षेत्रों में काम करते हैं जहां संचार, सड़क और अन्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, और अक्सर तस्करों और वन्यजीवों का सामना करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में अपने प्राणों की आहुति देकर, उन्होंने स्वयं को सभी के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वन जलवायु संतुलन, जैव विविधता और पर्यावरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और शहीदों के मूल्य मार्गदर्शक बने रहने चाहिए। प्रधान सचिव (पर्यावरण एवं वन) अहमद नदीम ने कहा कि तेलंगाना का 24 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र वन है और उन्होंने इस क्षेत्र के संरक्षण और विस्तार की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वन विभाग को मजबूत करने के लिए सरकार ने पहले ही 1,516 पदों पर भर्ती को मंजूरी दे दी है, जिस पर काम चल रहा है।

डीजीपी डॉ. जितेंद्र ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आश्वासन दिया कि तेलंगाना पुलिस वन विभाग को, विशेष रूप से पोडू भूमि के मुद्दों पर, तत्काल सहायता प्रदान कर रही है ताकि अधिकारी निडर होकर काम कर सकें। कार्यक्रम का समापन श्रद्धांजलि और तेलंगाना के वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा के प्रति पुनः समर्पण के आह्वान के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुवर्णा, मुख्य वन संरक्षक प्रियंका वर्गीस, मुख्य वन्यजीव वार्डन एलुसिंग मेरु और हैदराबाद जिला कलेक्टर दसारी हरिचंदना, अन्य विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल रहे।

महिला भवन और बहुउद्देश्यीय समारोह हॉल को खोलने के लिए तैयार किया जाए : महापौर

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि एनबीटी नगर स्थित महिला भवन और बहुउद्देश्यीय समारोह हॉल का उद्घाटन जल्द ही मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी करेंगे।

गुरुवार को महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने खैरताबाद जोनल कमिश्नर अनुराग जयंती के साथ बंजारा हिल्स डिवीजन के लोनी एनबीटी नगर स्थित महिला भवन और बहुउद्देश्यीय समारोह हॉल के लंबित कार्यों का निरीक्षण किया। महापौर ने अधिकारियों को महिला भवन, समारोह हॉल और सड़क के लंबित कार्यों को युद्ध स्तर पर पूरा करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर बोलते हुए महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने करोड़ों महिलाओं को करोड़पति बनाने के लिए रेवंत रेड्डी सरकार की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी महिला सशक्तिकरण के लिए कल्याणकारी योजनाओं को लागू करके महिलाओं के पक्षधर रहे हैं ताकि वे इंदिराम्मा राज्यम में आत्मसम्मान के साथ खड़ी हो सकें। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि एनबीटी नगर महिला भवन और बहुउद्देश्यीय समारोह हॉल का उद्घाटन उनके हाथों से होगा।

इससे पहले, बंजारा हिल्स लोनी के महापौर ने अपने कैंप कार्यालय में कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक योजनाओं के तहत 17 लाभार्थियों को चेक वितरित किए। उन्होंने मुख्यमंत्री राहत कोष से 4 लाभार्थियों को 1 लाख 94 हजार रुपये और मुख्यमंत्री राहत कोष के तहत एक लाभार्थी को 2 लाख 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी प्रदान की। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों के साथ राज्य में लंबित रेलवे परियोजनाओं और भविष्य की जरूरतों के अनुसार शुरू की जाने वाली परियोजनाओं पर चर्चा की।

भतीजे ने चाची की कुल्हाड़ी से की हत्या

मुलुगु, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के वेंकटपुरम मंडल के इप्पलागुडेम में गुरुवार को कोंडागोरला विजय कुमार ने अपनी चाची कोंडागोरला येल्लम्मा (50) की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी। आरोपी शराब का आदी था और उसने चाची से शराब खरीदने के लिए पैसे मांगे। जब येल्लम्मा ने पैसे देने से इंकार किया, तो विजय कुमार ने सड़क किनारे कुल्हाड़ी से उन पर हमला किया, जिससे उनकी मृत्यु हो गई।

ग्रुप-1 परीक्षा गड़बड़ी : बीआरएसवी नेताओं का विरोध प्रदर्शन, कई गिरफ्तार

गेलू श्रीनिवास यादव और छात्रों ने नई परीक्षा, नौकरी कैलेंडर और अधिसूचनाओं की मांग की

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएसवी अध्यक्ष गेलू श्रीनिवास यादव और कई छात्र नेताओं ने गुरुवार को ग्रुप-1 मुख्य परीक्षा में हुई गड़बड़ी के विरोध में चिक्कड़पल्ली केंद्रीय पुस्तकालय, उस्मानिया विश्वविद्यालय और राज्यभर के अन्य विश्वविद्यालयों के पास प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर मुशीराबाद, अंबरपेट और अन्य थानों में स्थानांतरित कर दिया गया। बीआरएसवी नेताओं ने परीक्षा में हुई अनियमितताओं के लिए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और टीजीपीएससी अध्यक्ष को ज़िम्मेदार ठहराया और उनके इस्तीफे की मांग की। उन्होंने हजारों उम्मीदवारों के भविष्य को बर्बाद करने वाली गड़बड़ियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस विधायक टी. हरीश राव ने गिरफ्तारी की निंदा करते हुए इसे छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताया। उन्होंने तत्काल रिहाई की मांग की और कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार को छिपाने की राजनीति करने का आरोप लगाया।

हरीश राव ने न्यायिक जांच और मुख्यमंत्री से बेरोज़गार युवाओं के प्रति माफी की मांग की। पूर्व मंत्री वी. श्रीनिवास गौड़ ने भी छात्रों की गिरफ्तारी की आलोचना करते हुए अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, जिसने हर साल दो लाख नौकरियों का वादा किया था, उसे पूरा करने में विफल रही। गेलू श्रीनिवास यादव ने उच्च न्यायालय के आदेशानुसार ग्रुप-1 की अधिसूचना रद्द करने और न्यायिक निगरानी में नई परीक्षा आयोजित करने की मांग दोहराई। उन्होंने शासनादेश संख्या 29 को रद्द करने और संख्या 55 को लागू करने की मांग की। उन्होंने कहा, तेलुगु माध्यम के छात्रों के साथ घोर अन्याय हुआ है और गलत काम करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

कांग्रेस सरकार हर मोर्चे पर विफल : टीबीजेपी प्रमुख राव

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य प्रशासन पूरी तरह से लकवाग्रस्त हो गया है। तेलंगाना पत्रकार संघ द्वारा आयोजित 'प्रेस से मिलिए' कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि सरकार प्रशासन, शिक्षा, बुनियादी ढांचे और रोजगार के हर मोर्चे पर विफल रही है। उन्होंने ग्रुप-1 मुख्य परीक्षा में अनियमितताओं के लिए टीजीपीएससी की आलोचना की और कहा कि उच्च न्यायालय ने भी गंभीर कुप्रबंधन की ओर इशारा किया है। राव ने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी ने नौकरी कैलेंडर और रोजगार अधिसूचनाएं जारी करने का वादा किया था।

हैदराबाद में भारी बारिश, पूर्वी इलाकों में जलजमाव

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार शाम शहर में भारी बारिश हुई, जिसका सबसे ज़्यादा असर हैदराबाद के पूर्वी इलाकों में पड़ा। हयातनगर में थोड़े समय के लिए तेज़ बारिश हुई, जिससे आसपास के निचले इलाकों में जलभराव हो गया। बाद में हल्की से मध्यम बारिश जारी रही, जिससे शाम तक पूरे शहर में यातायात और जनजीवन प्रभावित रहा। मूसलाधार बारिश के कारण कई क्षेत्रों में ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी और व्यस्त समय में यात्री फंसे रहे। टीएसडीपीएस के आंकड़ों के अनुसार, हयातनगर में 103.8 मिमी, डिफेंस कॉलोनी में 94.3 मिमी, वनस्थलीपुरम में प्रशांत नगर में 35.8 मिमी, मॉडल मार्केट एनजीओ कॉलोनी में 33.8 मिमी, बंदलागुडा में 31 मिमी और एलबी नगर के दक्षिण हस्तिनापुरम कॉलोनी में 27 मिमी बारिश दर्ज की गई।

मंत्री पोंगुलेटी ने इंदिराम्मा आवास कॉल सेंटर का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व एवं आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने गुरुवार को हैदराबाद स्थित आवास निगम कार्यालय में स्थापित टोल-फ्री कॉल सेंटर और हेल्प डेस्क का उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य इंदिराम्मा आवास लाभार्थियों की समस्याओं और शंकाओं का समाधान करना है।

इस अवसर पर, मंत्री ने कॉल सेंटर के फ़ोन नंबर 1800 599 5991 का अनावरण करने के बाद कहा कि यह कॉल सेंटर प्रतिदिन सुबह 7 बजे से रात 9 बजे तक संचालित होगा और इसका उपयोग मुख्य रूप से इंदिराम्मा आवास लाभार्थियों की शिकायतें प्राप्त करने और उनके समाधान हेतु पहल करने के लिए किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अधिकारी लाभार्थियों के फोन नंबर और आधार नंबर के आधार पर विवरण की जांच करके समस्या का समाधान करने के लिए कार्रवाई करेंगे। मंत्री ने बताया कि निर्धारित समय सीमा के भीतर बिलों का भुगतान न होना, किसी भी कर्मचारी की फ़ोटो अपलोड करने में देरी, अन्य तकनीकी समस्याएं, भ्रष्टाचार के आरोप आदि जैसे मुद्दों पर जनता से सीधे शिकायतें प्राप्त की जाएंगी और उन्हें कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों के पास ले जाया जाएगा और लाभार्थियों को उन विवरणों से अवगत कराया जाएगा। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि इंदिराम्मा आवास योजना पारदर्शिता पर केंद्रित है और पूरी तकनीक का उपयोग कर रही है। उन्होंने कहा, इंदिराम्मा ऐप के माध्यम से पहले ही अच्छे परिणाम प्राप्त हो चुके हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का भी व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है, और यह कॉल सेंटर हमें लाभार्थियों के और करीब लाने में मदद कर रहा है।

मंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं कि इंदिराम्मा घरों का निर्माण बिना किसी भ्रष्टाचार की गुंजाइश के पूरा हो। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार गरीबों को घर बनाने के लिए 5 लाख रुपये की सब्सिडी दे रही है, जो देश में अभूतपूर्व है। इस अवसर पर, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने इंदिराम्मा आवास योजना के एक लाभार्थी से बात की और उनकी शंकाओं का समाधान किया।

पोंगुलेटी ने जाति जनगणना के लिए तेलंगाना राज्य को आदर्श बताया

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने घोषणा की कि तेलंगाना राज्य स्थानीय शासन में पिछड़े वर्गों (बीसी) के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण लागू करके देश के लिए एक आदर्श बनेगा। गुरुवार को अपने आवास पर, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने 15 सितंबर को कामारेड्डी में होने वाली आगामी जनसभा की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में मंत्री सीतक्का, कोंडा सुरेखा, वकाती श्रीहरि और विवेक वेंकटस्वामी के साथ-साथ मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, राज्य सरकार के सलाहकार शब्बीर अली, विधायक मदन मोहन राव और अन्य उपस्थित थे। बैठक के दौरान, मंत्रियों ने कहा कि कांग्रेस सरकार तेलंगाना में हाशिए पर पड़े समूहों की उन्नति के लिए अद्वितीय रूप से समर्पित है। उन्होंने इस उद्देश्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और इस बात पर ज़ोर दिया कि यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार स्थानीय निकायों में पिछड़ी जातियों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण स्थापित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। मंत्रियों ने कहा कि कामारेड्डी में पिछड़ी जातियों की जनगणना के दौरान की गई प्रतिबद्धता मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और टीपीसीसी नेता महेश कुमार गौड़ के प्रयासों से पूरी हुई। उन्होंने जनसभा की सफलता सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त तैयारियां करने पर सहमति व्यक्त की।

काले हिरण के सींगों की तस्करी के आरोप में आरोपी गिरफ्तार

सींगों को औषधीय मूल्य का झूठा दावा कर बेचने का प्रयास, वन विभाग ने जब्त किया

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टास्क फोर्स (पूर्व) टीम ने गुरुवार को काले हिरण (एंटीलोप सर्विकाप्रा) के सींगों को अवैध रूप से रखने और बेचने के आरोप में शाहीन नगर निवासी मोहम्मद कलीमुद्दीन उर्फ सलीम (54) को गिरफ्तार किया।

सूत्रों के अनुसार, सलीम मूल रूप से सदाशिवपेट का रहने वाला एक राजमिस्त्री है। उसे विध्वंस कार्य के दौरान सींग मिले थे और वह उन्हें तस्करी कर हैदराबाद ले आया। कथित तौर पर उसने सींगों को बाजार में बेचने से पहले छोटे हिस्सों में पाउडर बनाकर और औषधीय मूल्य का झूठा दावा करके बेचने का प्रयास किया। पुलिस ने सींग जब्त कर आरोपी को वन विभाग के हवाले कर दिया। इस मामले में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जीएचएमसी आयुक्त ने सरूरनगर झील के रखरखाव के आदेश दिए

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन नेजीएचएमसी आयुक्त ने सरूरनगर झील के रखरखाव के आदेश दिए। जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन ने अधिकारियों को गणेश प्रतिमा विसर्जन के बाद सरूरनगर झील में स्वच्छता और जल-गुणवत्ता सुधार उपायों को तेज करने का निर्देश दिया है। एलबी नगर क्षेत्रीय आयुक्त हेमंत केशव पाटिल और सहायक आयुक्त (स्वच्छता) रघु प्रसाद के साथ अपने निरीक्षण के दौरान, आयुक्त ने झील की स्थिति की समीक्षा की और झील के पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित करने के लिए निरंतर स्वच्छता अभियान, पारिस्थितिक संरक्षण और संबंधित विभागों के साथ बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

टीजीएसआरटीसी ने की बस यात्रा के लिए स्मार्ट कार्ड शुरू करने की तैयारी

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) बस टिकटिंग और पास प्रणाली को डिजिटल बनाने के लिए स्मार्ट कार्ड लागू करने की तैयारी कर रहा है। इस सुविधा की शुरूआत छात्र बस पास से होगी और बाद में इसे महिलाओं के 'महालक्ष्मी' मुफ्त बस यात्रा योजना के लाभार्थियों तक विस्तारित किया जाएगा। टीजीएसआरटीसी के अधिकारियों ने कहा कि स्मार्ट कार्ड डिजिटल रूप से रिचार्ज किए जा सकेंगे, जिससे छात्रों को पास नवीनीकरण के लिए काउंटर पर जाने की आवश्यकता नहीं रहेगी। वर्तमान में राज्य में पांच लाख से अधिक छात्र बस पास का उपयोग कर रहे हैं।

अधिकारी पड़ोसी राज्यों-कर्नाटक, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन में लागू स्मार्ट कार्ड मॉडलों का अध्ययन कर रहे हैं। इससे तेलंगाना के यात्रियों के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान करने में मदद मिलेगी। महालक्ष्मी योजना के तहत वर्तमान में 'जीरो टिकट' का लाभ लेने के लिए महिलाओं को अपना आधार कार्ड दिखाना पड़ता है। स्मार्ट कार्ड लागू होने के बाद यह सत्यापन प्रक्रिया आवश्यक नहीं होगी, जिससे लाखों महिला यात्रियों के लिए यात्रा अधिक आसान हो जाएगी। टीजीएसआरटीसी अधिकारियों ने बताया कि अन्य राज्यों के मॉडलों के अध्ययन के बाद स्मार्ट कार्ड के डिजाइन और तकनीकी विशेषताओं को अंतिम रूप दिया जाएगा और योजना आने वाले महीनों में चरणबद्ध तरीके से लागू की जाएगी।

औद्योगिक क्षेत्र के लिए एक अलग रेलवे लाइन होनी चाहिए : सीएम

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि विकाराबाद-कृष्णा नई रेलवे लाइन का काम जल्द से जल्द शुरू करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि तेलंगाना के औद्योगिक क्षेत्र के लिए एक अलग रेलवे लाइन होनी चाहिए। इसके लिए. मुख्यमंत्री ग्रीनफील्ड हाईवे के संबंध में भारत फ्यूचर सिटी से अमरावती होते हुए बंडारू पोर्ट तक एक रेलवे लाइन स्थापित करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को क्षेत्रीय रिंग रेल की आवश्यकता के बारे में बताया। मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि भविष्य की जरूरतों के अनुसार नई रेलवे लाइनों के प्रस्तावों की जाँच की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री शमशाबाद से चेन्नई तक बुलेट ट्रेन के लिए नई रेलवे कनेक्टिविटी के मुद्दे पर विचार करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री का कहना है कि नई लाइन से मौजूदा रेलवे लाइन की तुलना में दूरी भी कम हो जाएगी।

अमेरिका में दुर्घटना-हैदराबाद का छात्र घायल

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अमेरिका के कनेक्टिकट में एक सड़क हादसे में हैदराबाद के मोहम्मद जैद गंभीर रूप से घायल हो गए। जैद ओल्ड मालकपेट के निवासी हैं और ब्रिजपोर्ट विश्वविद्यालय, कनेक्टिकट, यूएसए में स्वास्थ्य व्यवसाय एवं संबंधित नैदानिक विज्ञान में स्नातक की पढ़ाई कर रहे हैं। शनिवार को वह सामान खरीदने के लिए निकले थे, तभी एक अज्ञात कार ने उन्हें टक्कर मार दी। स्थानीय अधिकारियों ने उन्हें हार्टफोर्ड हेल्थकेयर के सेंट विंसेंट मेडिकल सेंटर में भर्ती कराया। उनके पिता मोहम्मद इस्माइल ने बताया कि पिछले तीन दिनों से जैद बेहोश हैं और वेंटिलेटर पर हैं। परिवार ने राज्य सरकार से मदद की अपील की है और हैदराबाद स्थित अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास से आपातकालीन वीजा जारी करने का अनुरोध किया है।

संपत्ति विवाद में फिल्म निर्माता पर धोखाधड़ी का केस

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स पुलिस ने एक एनआरआई परिवार की संपत्ति हड़पने की कोशिश के आरोप में फिल्म निर्माता शेख बाशा और उनकी पत्नी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक, बाशा ने 2013 में लोकेश्वरी के बेटे तिरुमल वेंकटेश से जुबली हिल्स रोड नंबर 25 पर स्थित संपत्ति लीज पर ली थी। समझौते के अनुसार, 2023 में संपत्ति खाली कर वेंकटेश को लौटानी थी। लेकिन जब वेंकटेश ने संपत्ति खाली करने को कहा, तो बाशा ने 99 साल के पट्टे के कथित दस्तावेज़ दिखाकर कब्जा छोड़ने से इनकार कर दिया। वेंकटेश ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

50 वर्षीय महिला की हत्या मामले में पुलिस ने बनाई विशेष टीमें

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुकटपल्ली स्थित एक अपार्टमेंट में बुधवार को 50 वर्षीय महिला की नृशंस हत्या का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान रेणु अग्रवाल के रूप में हुई है। इस वारदात में दो नौकरों पर शक जताया जा रहा है, जो नकदी और कुछ सोने के गहने लेकर फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक, रेणु अग्रवाल अपने पति राकेश और बेटे के साथ रहती थीं। परिवार स्टील का कारोबार करता है। बुधवार सुबह राकेश और बेटा दुकान के लिए निकले थे। शाम करीब 5 बजे जब उन्होंने रेणु से संपर्क करने की कोशिश की तो कोई जवाब नहीं मिला। घर पहुंचने पर दरवाजा अंदर से बंद था। बालकनी से प्रवेश करने पर देखा कि रेणु खून से लथपथ पड़ी हैं।

पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने महिला के हाथ-पैर बांधकर चाकू और कैंची से अंधाधुंध हमला किया, जिससे उनकी मौत हो गई। करीब दस दिन पहले ही परिवार ने झारखंड निवासी हर्ष (20) को घरेलू नौकर रखा था। सीसीटीवी फुटेज में हर्ष और उसका दोस्त रोशन (जो उसी बिल्डिंग में काम करता था) लिफ्ट से बाहर निकलते और बाद में दोपहिया वाहन से केपीएचबी की ओर जाते दिखे। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दोनों संदिग्धों की तलाश में विशेष टीमें गठित की गई हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.